निर्गम परिणाम रूपरेखा 2020-21

(प्रमुख केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाएं)

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा व्यय संबंधी प्रमुख सुधार किए गए हैं। इसमें न केवल मूल्यांकन और अनुमोदन प्रक्रियाओं का सरलीकरण शामिल है, बल्कि बजट की प्रक्रिया में संरचनात्मक परिवर्तन भी शामिल हैं, जैसे,- आयोजना और आयोजना-भिन्न भेद को दूर करना। नतीजतन, लागत-केंद्रों को केवल सांविधिक राजस्व पूंजी ढांचे के भीतर एक एकीकृत रुप में देखा जा रहा है। यह एक और प्रमुख संरचनात्मक सुधार को सक्षम करता है जिसका उद्देश्य सार्वजनिक योजनाओं और परियोजनाओं को एक अनुवीक्षणीय निर्गम- परिणाम ढांचे के तहत लाना है।

2017-18 के बाद से, बजट दस्तावेज़ में इंगित की जा रही मंत्रालयों की योजनाओं की वित्तीय रूपरेखा के अलावा, योजनाओं के अपेक्षित आउटपुट और परिणाम भी बजट सहित समेकित परिणामी बजट दस्तावेज में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के निष्पादन में शामिल एजेंसियों को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए इन परिव्ययों, निर्गमों और परिणामों को संसद में माप्य रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। परिव्यय वह राशि है जो बजट में किसी योजना या परियोजना के लिए प्रदान की जाती है; जबकि निर्गम (आउटपुट) कार्यक्रम संबंधी कार्यों के प्रत्यक्ष और माप्य उत्पाद को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर भौतिक शब्दों या इकाइयों में व्यक्त किया गया है। परिणाम का आशय इन सेवाओं के वितरण में सामूहिक परिणाम या गुणात्मक सुधार से है।

परिणाम बजट में (क) वर्ष 2020-21 के लिए वित्तीय परिव्यय (ख) के साथ स्पष्ट रूप से परिभाषित निर्गम और परिणाम (ग) माप्य निर्गम और परिणाम संकेतक और (घ) वित्त वर्ष 2020-21 के लिए विशिष्ट निर्गम और परिणाम लक्ष्य प्रस्तुत किए गए हैं। इससे सरकार की विकास कार्यसूची की पारदर्शिता, पूर्वानुमेयता और समझने में आसानी बढ़ जाएगी।

इस प्रक्रिया के माध्यम से सरकार का लक्ष्य शासन की एक खुली, जवाबदेह, सक्रिय और उद्देश्यपूर्ण शैली को बढ़ावा देने के लिए महज नतीजों पर ध्यान न देकर परिणामोन्मुख निर्गम और परिणामों पर अधिक ध्यान दिया जाना है। इस प्रयास से मंत्रालयों को योजना के उद्देश्यों पर नज़र रखने और उनके द्वारा निर्धारित विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने में सुविधा होगी। यहाँ प्रस्तुत किए जा रहे दस्तावेज़ में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 500 करोड़ रूपए से अधिक परिव्यय वाली मुख्य सीएस और सीएसएस योजनाओं के लिए निर्गम-परिणाम रुपरेखा शामिल है। अतः यह दस्तावेज़ परिणाम बजट 2020-21 के अंतर्गत 160 योजनाओं को कवर करता है, जिनका परिव्यय कुल सीएस/सीएसएस बजट का 95% है।

अभिस्वीकृतियाँ

निर्गम-परिणाम अनुवीक्षण रूपरेखा, विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में विभिन्न हितधारकों की सहकारिता, टीमवर्क और सहयोग का परिणाम है।

सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के नेतृत्व में उनके नोडल अधिकारियों तथा विभिन्न सीएस और सीएसएस योजनाओं के प्रभारी प्रभागाध्यक्षों की अथक मदद और समर्थन के बिना इस संपूर्ण रूपरेखा को उपलब्ध कराना संभव नहीं होता।

डॉ. राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग और श्री अमिताभ कांत, सीईओ, नीति आयोग के नेतृत्व में विषय वस्तु वर्टिकल एवं विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) टीम द्वारा प्रदान की गई सहायता से इस रूपरेखा को व्यापक रूप से लाभ हुआ है।

इसके अलावा, मैं आर्थिक कार्य विभाग में बजट प्रभाग के सभी अधिकारियों को इस रूपरेखा को तैयार करने के संबंध में उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

इसके अलावा, मैं व्यय विभाग में अपनी टीम के सभी सदस्यों और विशेष रूप से मंत्रालयों और विभागों में वित्तीय सलाहकारों द्वारा इस दस्तावेज के संबंध में दर्शाए गए दृढ़ विश्वास के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

निर्गम-परिणाम अनुवीक्षण रूपरेखा के कार्य में वित्त सचिव श्री राजीव कुमार की अंतर्दृष्टि और सुझावों से बहुत अधिक लाभ मिला है।

और अंत में, मैं माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन और माननीय वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर का विशेष रूप से धन्यवाद करूंगा जिन्होंने पारदर्शी और जवाबदेह व्यय प्रबंधन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में हमें यह महत्वपूर्ण कदम उठाने में सक्षम बनाने के लिए अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री टी.वी. सोमानाथन
(सचिव, व्यय विभाग)
वित्त मंत्रालय
भारत सरकार

बजट 2020-21 के लिए अनुदान मांगों की सूची

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
1	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग	1	1
2	कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय	कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग	2	20
3	आयुष मंत्रालय	लागू नहीं	4	22
4	रसायन और उर्वरक मंत्रालय	उर्वरक विभाग	6	24
5	कोयला मंत्रालय	लागू नहीं	9	25
6	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	वाणिज्य विभाग	10	26
7	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	11	28
8	संचार मंत्रालय	डाक विभाग	12	30
9	संचार मंत्रालय	दूरसंचार विभाग	13	38
10	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	उपभोक्ता मामले विभाग	14	41
11	उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग	15	42
12	उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय	लागू नहीं	22	44
13	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	लागू नहीं	23	48
14	इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	लागू नहीं	24	51
15	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय	लागू नहीं	25	56
16	वित्त मंत्रालय	आर्थिक कार्य विभाग	27	63
17	वित्त मंत्रालय	वित्तीय सेवाएं विभाग	29	64
18	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	मत्स्यपालन विभाग	39	67

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
19	मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय	पशुपालन और डेयरी विभाग	40	71
20	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	लागू नहीं	41	72
21	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग	42	78
22	भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय	भारी उद्योग विभाग	44	102
23	गृह मंत्रालय : गृह मामले	लागू नहीं	46	104
24	गृह मंत्रालय : पुलिस	लागू नहीं	48	109
25	आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	57	132
26	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग	58	145
27	मानव संसाधन विकास मंत्रालय	उच्चतर शिक्षा विभाग	59	150
28	जल शक्ति मंत्रालय	जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग	61	156
29	जल शक्ति मंत्रालय	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग	62	167
30	श्रम एवं रोजगार मंत्रालय	लागू नहीं	63	169
31	विधि और न्याय मंत्रालय	विधि और न्याय विभाग	64	173
32	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय	लागू नहीं	67	174
33	अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	69	188
34	नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय	लागू नहीं	70	200
35	पंचायती राज मंत्रालय	लागू नहीं	71	202
36	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय	लागू नहीं	75	204
37	विद्युत मंत्रालय	लागू नहीं	77	209
38	रेल मंत्रालय	लागू नहीं	83	213

क्र.सं.	मंत्रालय	विभाग	मांग सं.	पृष्ठ सं.
39	सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय	लागू नहीं	84	220
40	ग्रामीण विकास मंत्रालय	ग्रामीण विकास विभाग	85	224
41	ग्रामीण विकास मंत्रालय	भूमि संसाधन विभाग	86	229
42	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	87	230
43	विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	बायोटेक्नोलॉजी विभाग	88	244
44	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग	92	260
45	अंतरिक्ष विभाग	अंतरिक्ष विभाग	94	267
46	सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय	लागू नहीं	95	269
47	वस्त्र मंत्रालय	लागू नहीं	96	271
48	पर्यटन मंत्रालय	लागू नहीं	98	274
49	जनजातीय कार्य मंत्रालय	लागू नहीं	99	275
50	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	लागू नहीं	100	277
51	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय	लागू नहीं	101	291

कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग

1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
15695.00	1. कवरेज में वृद्धि	1.1. ऋण आवेदनों में % वृद्धि	10%	1. कवर किए गए किसानों के लिए बेहतर जोखिम न्यूनीकरण	1.1. बीमित धनराशि में प्रतिशत वृद्धि (%)	10%
		1.2. गैर-ऋण आवेदनों में % वृद्धि	10%	2. समय पर प्रसंस्करण तथा दावों का निपटान	2.1. कवर किए गए किसानों की संख्या जिन्होंने दावाकृत लाभ प्राप्त किए (%)	28%[1]
		1.3. फसल क्षेत्र के कवरेज में % वृद्धि/ फसल क्षेत्र पर बीमित क्षेत्र	10%[2]		2.2. दावों के भुगतान सहित किसानों का प्रतिशत जिन्होंने लाभ प्राप्त किया है (%)	80%[1]
	2. कृषि बीमा फर्मों का प्रभावी दावा निपटान तंत्र	2.1. अधिसूचित इकाई क्षेत्रों में देय दावों का प्रतिशत	80%[1]		2.3. नुकसान लागत का अनुपात (भुगतान योग्य दावे/बीमित धनराशि)	10%[1]
		2.2. दावों के भुगतान के लिए औसत टर्न अराउंड समय (दावों के भुगतान तक राज्यों द्वारा प्रस्तुत फील्ड डेटा से) (दिनो में)	30			

[1] *पीएमएफबीवाई के तहत वर्ष 2018-19 के दौरान, अस्थायी रूप से 235277 करोड़ रुपये की बीमा राशि के लिए 5.64 करोड़ किसान नामांकित हैं। इस योजना के तहत जिन किसानों को दावों का भुगतान किया जाएगा, उनके दावे और उनकी संख्या प्राकृतिक आपदा होने पर निर्भर होती है और उन्हें लक्षित नहीं किया जा सकता है। यद्यपि, वर्ष 2017-18 और वर्ष 2018-19 के उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर लक्ष्य तैयार किए गए हैं। वर्ष 2019-20 के लिए पूरा डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। योजना की समीक्षा की जा रही है। संबंधित बीमा कंपनियों को भारत सरकार की प्रीमियम सब्सिडी के अंशदान की निर्मुक्ति के अधीन वर्ष 2020-21 के दौरान मौजूदा योजना में किसी भी परिवर्तन के लिए आउटपुट और परिणाम ढांचे में समीक्षा/संशोधन की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, 2016-17 और 2017-18 के आंकड़ों के आधार पर यह उम्मीद की जाती है कि मानसून के अनुकूल होने की स्थिति मे कुल बीमित किसानों का लगभग 28% को बीमा दावे प्राप्त हो सकते हैं। हालाँकि, यह प्रस्तावित है कि 80% से अधिक स्वीकार्य दावों का भुगतान संबंधित राज्य सरकार के द्वारा स्पष्ट उपज आंकड़ों की प्राप्ति से एक महीने के भीतर किया जाना चाहिए। लाभार्थियों को, राज्य सरकारों से स्पष्ट ऊपज आंकड़ों की प्राप्ति सें 30 दिन के भीतर दावों का भुगतान किया जा सकता हैं. 2016-17 और 2018-19 के आंकड़ों के आधार पर नुकसान लागत का अनुपात लगभग 10% रहने की उम्मीद है*

[2] *प्रत्येक मौसम में खरीफ और रबी के निवल फसल क्षेत्र में 10% वृद्धि*

2. किसानों को लघु अवधि ऋण पर ब्याज में छूट (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
21175.00	1. नया खाता खोलना [3]	1.1. लघु अवधि ऋण लेने वाले किसानों के नए खातों की संख्या (लाख)	28.50	1. ऋण तक पहुंच	1.1. पीआरआई खातों तथा आईएस लाभ पाने वाले किसानों के खातों की संख्या (करोड़)	4.26
		1.2. एसएमएफ कवर किए गए नए खातों की संख्या (लाख)	18.53		1.2. संवितरित की गई ऋण राश (लाख करोड़)	3.24
		1.3. जम्मू-कश्मीर, एनईआर और सर्विस्ड क्षेत्र के तहत नए खातों की संख्या (लाख)	0.57			

3. मंडी हस्तक्षेप योजना और मूल्य समर्थन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2000.00	1. संकटकालीन स्थिति में आवश्यकता आधारित खरीद	1.1. तिलहन की खरीदी गई कुल मात्रा, (लाख मीट्रिक टन में)	19.15[4]	1. किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिर्धारित करना और दबाव में बिक्री करने से बचाना	1.1 पीएसएस के तहत कवर किए गए प्रत्येक आइटम के लिए एमएसपी/ खरीद मूल्य और बाजार की कीमतों के बीच औसत अंतर(%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[5]
		1.2. दलहन की खरीदी गई कुल मात्रा, (लाख मीट्रिक टन में)	32.49[4]			
		1.3. पीएसएस के अंतर्गत, उत्पाद	3			

[3] *ऊपर दिए गए आंकड़े ग्रामीण सहकारी बैंकों और आरआरबी द्वारा जारी केसीसी-फसल ऋण के अनुमान है, और स्थानीय परिस्थितियां एवं भारत सरकार और राज्य सरकार की नीतियों में बदलाव के कारण बदल सकते हैं। वर्ष 2020-21 के लिए अनुमानों में कमी पिछले पांच वर्षों में आरआरबी और सहकारी बैंकों द्वारा जारी किए गए नए कार्डों की संख्या में निरंतर गिरावट के कारण आई है। यह इस तथ्य के कारण हो सकता है कि किसानों में से कुछ या तो कृषि से बाहर चले गए या एससीबी और एसएफबी जैसे संस्थानों से उधार ले रहे हैं।*

[4] *2017-18 और 2018-19 के दौरान पीएसएस के तहत औसत खरीद पर आधारित*

[5] *पीएसएस के तहत खरीद मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमपीएस) है और बाजार मूल्य बाजार के परिदृश्य पर निर्भर करता है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	कार्यक्रम	प्राप्त होने के पश्चात किसानों को भुगतान करने में औसत विलंब, दिनों में				

4. प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (पीएम-आशा) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1. किसानों की कवरेज में वृद्धि	1.1. भावांतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) के तहत पंजीकृत तिलहन किसानों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [6]	1. किसानों को उनके उत्पाद का लाभकारी मूल्य सुनिर्धारित करना	1.1. एमएसपी/ खरीद मूल्य और बाजार मूल्य के बीच औसत मूल्य अंतर (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [6]
		1.2. उपज प्राप्त होने के बाद किसानों को किए गए भुगतान में औसत देरी, दिनों में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते		1.2. पीडीपीएस के तहत भुगतान प्राप्त करने वाले पंजीकृत किसानों का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [6]
	2. निजी खरीद एवं स्टॉकिस्ट (पीपीएसएस)	2.1. निजी स्टॉकिस्ट की भागीदारी वाले चयनित जिलों/जिलों के एपीएमसी में शुरू किए गए पायलट की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [7]	2. खरीद में भागीदारी की वृद्धि	2.1. इस पहल के अंतर्गत निजी क्षेत्र की कुल खरीद की प्रतिशत मात्रा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [7]

[6] *अपनी स्थापना के बाद से, इस योजना को मध्य प्रदेश राज्य में खरीफ 2018-19 के दौरान सोयाबीन के लिए केवल एक बार लागू किया और उस समय 13.19 लाख सोयाबीन किसान पंजीकृत थे। इसलिए, यह राज्य सरकार से प्राप्त बाजार परिदृश्य और अनुरोध पर निर्भर करता है। यद्यपि, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लागू सोयाबीन पीडीपीएस के लिए एमएसपी खरीद मूल्य और बाजार की कीमतों के बीच औसत अंतर, अब तक लागू एकमात्र पीडीपीएस, सोयाबीन के एमएसपी का लगभग 6% था। लगभग 53% पंजीकृत किसानों को पीडीपीएस के तहत भुगतान प्राप्त हुआ।*

[7] *इसकी स्थापना के बाद से कोई प्रस्ताव अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए यह बाजार के परिदृश्य और राज्य सरकार से प्राप्त अनुरोध पर निर्भर करता है। इसलिए आज तक इस योजना के तहत कोई खरीद नहीं हुई है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		2.2. निजी खरीदारों द्वारा खरीदी गई कुल मात्रा, लाख मीट्रिक टन में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[7]		2.2. पीपीएसएस के माध्यम से कुल एपीएमसी खरीद का प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[7]
	3. उत्पादन की बेहतर खरीद	3.1. दलहन की कुल खरीद लाख मीट्रिक टन में	32.49[8]	3. उपज की खरीद में वृद्धि	3.1. एक वित्तीय वर्ष में कुल उत्पादन के लिए तिलहन की खरीद का प्रतिशत (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [8]
		3.2. तिलहन की कुल खरीद मात्रा लाख मीट्रिक टन में	19.15[8]		3.2. एक वित्तीय वर्ष में कुल उत्पादन के लिए दालों की खरीद प्रतिशत (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[8]
		3.3. पीएसएस के तहत किसानों को उनकी उपज की प्राप्ति के बाद भुगतान में देरी (दिनों में)	3			

5. कल्याणकारी स्कीमों के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को दलहन का वितरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
800.00	1. दलहन के वितरण में वृद्धि	1.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वितरित दलहन की कुल मात्रा,	लक्ष्य निर्धारित नहीं	1. पीडीएस, एमडीएम, आईसीडीएस आदि	1.1. कल्याणकारी स्कीमों में केन्द्र द्वारा वितरित कुल	लक्ष्य निर्धारित नहीं

[8] *2017-18 और 2018-19 के दौरान पीएसएस के तहत औसत खरीद पर आधारित। लक्ष्य पूरी तरह से बाजार के परिदृश्य और राज्य सरकार से प्राप्त अनुरोध पर निर्भर करेगा। हालांकि, वर्ष 2017-18 और 2018-19 के दौरान पीएसएस के तहत तिलहन की औसत खरीद प्रतिशत क्रमश: लगभग 6.5% और 15% है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		लाख मीट्रिक टन में	किए जा सकते [9]	में दलहन की उपलब्धता में वृद्धि	मात्रा का दलहन की उपलब्धता का प्रतिशत	किए जा सकते [9]
		1.2. कल्याणकारी स्कीमों जैसे पीडीएस, एमडीएम, आईसीडीएस आदि के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा वितरित दलहन की कुल मात्रा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [9]	2. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की दलहन की वितरण कुशलता	2.1. एक वित्तीय वर्ष में दलहन की वितरित मात्रा का नुकसान प्रतिशत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [9]
	2. भंडारण क्षमता तक पहुंच	2.1. दलहन के लिए वेयर हाउस क्षमता तथा भंडारण उपलब्धता, लाख मीट्रिक टन में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [10]			

6. फसल अवशेषों के इन-सीटू प्रबंधन के लिए कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
600.00	1. यंत्रीकृत इन-सीटू फसल अवशेष	1.1. इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की कस्टम हायरिंग के लिए स्थापित फार्म मशीनरी बैंकों की संख्या	11,334	1. किसानों के बीच इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन को अधिक से अधिक	1.1. इस योजना के तहत मशीनरी के माध्यम से इन-सीटू प्रबंधित फसल के अवशेषों की मात्रा (एमटी में)	24

[9] *सीसीईए ने सितंबर, 2019 तक इस योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना को जारी रखने की सूचना अभी भी सीसीईए से प्रतिक्षित है सीसीईए के अनुमोदन के आधार पर वर्ष 2018-19 और 2019-20 में दलहन के निर्गम मूल्य पर 15 रूपए प्रति किग्रा की फ्लैट छूट दी गई।*

[10] *इस योजना के तहत वितरित की गई दलहन को पिछले वर्षों में पीएसएस के तहत खरीदा गया था और सीडब्ल्यूसी/ एसडब्ल्यूसी गोदामों में भंडारण किया गया था।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	प्रबंधन का प्रचार	1.2. सब्सिडी पर वितरित इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की संख्या	58,333	अपनाना	1.2. भूमि की मात्रा (लाख हेक्टेयर में) जिस पर इस योजना के तहत इन-सीटू फसल अवशेष प्रबंधन को अपनाया गया	41

7. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)[11] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
75000.00	1. स्कीम का बढ़ा हुआ कवरेज	1.1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा नामांकन किए जाने वाले पात्र लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़)	11.97	1. लघु एवं सीमांत किसानों को आय सहायता आश्वासन	1.1. प्रत्येक 4 महीने में 2000 रू. अर्थात् उनके बैंक खातों में 6000 रू. प्रतिवर्ष का वित्तीय लाभ प्रदान किए गए पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	100%
	2. पीएम-किसान के बारे में किसानों की जागरूकता में वृद्धि	2.1. पीएम-किसान पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले लघु पात्र किसानों का विवरण (करोड़)	11.97			
	3. भुगतान व्यवस्था में सुधार	3.1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से प्राप्त पूर्णत: डिजीटल रूप से हस्तांतरित निधि अंतरण आदेशों (एफटीओ) को जारी किए गए संस्वीकृति आदेश का प्रतिशत	100%			

[11] *निर्गम के समूह का परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		3.2. प्रायोजक बैंक द्वारा नियत बैंक को अंतरित कुल निधि, करोड़ रुपए में	59,880			
		3.3. कुल लेन-देन का विफल/अप्रसंस्कृत लेन-देन का प्रतिशत, जिसका समाधान तथा पुनः प्रसंस्करण किया जाना है	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	4. शिकायत निवारण का प्रावधान	4.1. राज्य तथा जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति द्वारा विधिवत निवारण की गई शिकायतों का प्रतिशत	100%			

8. 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)[11] का गठन और संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1. उत्पादक संगठन की पहुंच में वृद्धि	1.1. गठित और पंजीकृत नए एफपीओ की संख्या	1,000	1. किसानों की आय में वृद्धि	1.1. एफपीओ के सदस्यों के साथ-साथ विपणन के अन्य पारंपरिक मंडी चैनल की आय में औसत वृद्धि (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.2. गठित और पंजीकृत एफपीओ के तहत कवर किए गए किसानों की संख्या	5[12]		1.2. एफपीओ के सदस्यों के साथ-साथ विपणन के अन्य पारंपरिक मंडी चैनल के लिए विपणन की लागत में औसत कमी (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3. सीबीबीओ / कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा यथा सूचित एफपीओ में सदस्यों के रूप में कवर किए गए छोटे और सीमांत किसानों तथा अन्य उत्पादकों का प्रतिशत	86%			
	2. क्षमता निर्माण	2.1. नोडल एजेंसियों/कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा यथा सूचित बीओडी, सीईओ आदि के क्षमता निर्माण के लिए नोडल प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		2.2. सीबीबीओ/ कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा यथा सूचित सीबीबीओ द्वारा किसानों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों और दौरों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	3. क्लस्टर विकास	3.1. कम से कम एक गठित सीबीबीओ वाले राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		3.2. एक से अधिक गठित सीबीबीओ वाले राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		3.3. सामान्य सीबीबीओ वाले राज्यों /संघ शाशित प्रदेश की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		3.4. कार्यकलापों की संक्षिप्त जानकारी के साथ गठित उपज कलस्टरों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			

[12] *किसानों की न्यूनतम संख्या मैदानी क्षेत्रों के लिए 500 और पहाड़ी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए 200 होंगी, के अनुसार यह संख्या भिन्न हो सकती है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. ऋण उपलब्धता और वित्तीय पात्रता में वृद्धि	4.1. इक्विटी ग्रांट फंड (ईजीएफ) के तहत कवर एफपीओ की संख्या	1,250			
		4.2. एफपीओ को उपलब्ध कराई गई ईपीएफ की राशि (करोड़ रुपए में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		4.3. ऋण गारंटी निधि सीजीएफ) के तहत कवर किए गए एफपीओ की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
	5. प्रौद्योगिकी के माध्यम से मंडी को जोड़ना	5.1. हितधारकों के लिए व्यवसाय लेनदेन की क्षमता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ सक्षम समेकित पोर्टल (हां/नहीं)	हां[13]			

9. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई): प्रति बूंद अधिक फसल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
4000.00	1. जल के युक्तियुक्त उपयोग और सुव्यवस्थित जल व्यवस्था एप उपकरण यथा - स्प्रिंकलर, ड्रिप, पिवट, रेन गन आदि	1.1. सूक्ष्म सिंचाई (एमआई) के तहत शामिल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	16	1. वृद्धिकृत फसल उत्पादकता और किसानों की बढ़ी हुई आय	1.1. एमआई के तहत कृषिकृत क्षेत्र में उपज में वृद्धि (किलोग्राम/हेक्टेयर) (%)	20%
		1.2. एमआई अपनाने वाले किसानों की संख्या (लाख)	6		1.2. एमआई का उपयोग करने वाले किसानों के आय स्तर में वृद्धि (%)	15%

[13] *एफपीओ के उपयोग के लिए एक पोर्टल*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. जल सघन फसलों यथा-गन्ने, केले आदि के संबंध में एमआई के कवरेज का विस्तार करना	2.1. जल सघन फसलों में एमआई के तहत शामिल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	1	2. समुन्नत जल उपयोग कौशल	2.1. जल उपयोग कौशल में वृद्धि (%)	25%
	3. वर्षा सिंचित कृषि क्षेत्र में संरक्षात्मक सिंचाई सुविधाओं की व्यवस्था	3.1. सृजित किए जाने वाले सूक्ष्म-जल संरक्षण अवसंरचनाओं की संख्या	15,000	3. कृषि को सूखे से संरक्षण	3.1. संरक्षित सिंचाई क्षेत्र (हेक्टेय)	50,000
	4. जल बचत, प्रौद्योगिकी, क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक आर्द्रता संरक्षण से संबंधित जागरूकता अभियान	4.1. संचालित किए गए वैज्ञानिक ज्ञानार्जन और जागरूकता अभियानों की संख्या (प्रशिक्षण)	150			

10. हरित क्रांति: राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3700.00	1. कृषि और संबद्ध योजनाओं के नियोजन और निष्पादन में राज्यों को छूट और स्वायत्ता प्रदान करना	1.1. आरकेवीवाई योजनाओं का उपयोग करने वाले राज्यों की संख्या	29	1. किसानों के प्रयासों को सुदृढ़ करने, जोखिम को कम करने और कृषि-व्यवसाय उद्यमिता को बढ़ावा देने के माध्यम से कृषि को लाभकारी आर्थिक कार्यकलाप बनाना	1.1. राज्यों द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की क्षेत्रवार कुल संख्या	900
	2. कृषि-जलवायु परिस्थितियों के आधार पर जिलों और राज्यों के लिए कृषि योजनाओं की तैयारी सुनिर्धारित करना	2.1. डीएपी और एसएपी वाले 100% जिलों के साथ राज्यों की संख्या	29		1.2. इस योजना के तहत राज्यों में सहायता प्राप्त उद्यमिता पहलों की संख्या	500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. वित्तीय संसाधन आवंटन में राज्यों में सामंजस्य	3.1. आरकेवीवाई योजनाओं के लिए पात्र राज्यों की संख्या	29			
	4. संभावना वाले राज्यों में कृषि उद्यमियता शुरू करना	4.1. आरकेवीवीवाई- रफ्तार योजना द्वारा सहायता प्राप्त कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नई उद्यमशी गतिविधियों की कुल सं.	500			

11. हरित क्रांति: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2100.00	1. खेती के तहत अतिरिक्त क्षेत्र	1.1. खाद्यान्न की खेती के लिए चिह्नित जिलों में अतिरिक्त सकल फसलित क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	15	1. खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता विशेषकर दलहन के मामले में	1.1. कुल खाद्यान्न उत्पादन (एमटी)	4.4
	2. परियोजना क्षेत्र में उपज/ उत्पादकता में वृद्धि	2.1. चावल उत्पादकता (उत्पादन प्रति हेक्टेयर)	2,700		1.2. अतिरिक्त उत्पादन - चावल (एमटी)	1.7
		2.2. गेहूं उत्पादकता (उत्पादन प्रति हेक्टेयर)	3,600		1.3. अतिरिक्त उत्पादन - गेहूं (एमटी)	1
		2.3. दलहन उत्पादकता (उत्पादन प्रति हेक्टेयर)	850		1.4. अतिरिक्त उत्पादन - दलहन (एमटी)	1
		2.4. मोटे अनाज उत्पादकता (उत्पादन प्रति हेक्टेयर)	1,980		2.5. अतिरिक्त उत्पादन - मोटे अनाज (एमटी)	0.7

12. हरित क्रांति: परम्परागत कृषि विकास योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1. जैविक खेती प्रणालियों के बारे में जागरुकता बढ़ाना और पीजीएस प्रमाणन के लिए सहायता	1.1. जैविक खेती क्लस्टर प्रदर्शन के तहत अपनाये गए कुल क्षेत्रफल (लाख हेक्टयेर में)	3.59[14]	1. जैविक प्रमाणीकरण के तहत क्षेत्र की कवरेज में वृद्धि	1.1. जैविक प्रमाणीकरण के तहत लाये जाने वाले अतिरिक्त क्षेत्र (लाख हेक्टयेर)	0.51
		1.2. सहभागिता गारंटी प्रणाली (पीजीएस) प्रमाणन के लिए सहायता प्राप्त किसानों की संख्या	8.98[15]		1.2. प्रमाणित जैविक उत्पाद की मात्रा (एमटी)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[16]

[14] *2018-19 एवं 2019-20 में कवर किए 3.59 लाख हेक्टयेर क्षेत्र का अनुरक्षण।*

[15] *सहभागिता गारंटी प्रणाली के लिए और सहायता किए जाने हेतु 2018-19 एवं 2019-20 के दौरान कवर किए गए 8.98 लाख किसान*

[16] *डाटा का आकलन संभव नहीं हो सकता है। 1. क्योंकि बोई जाने वाली फसलें अलग होती हैं और उनकी उपज अलग होती है। 2. पैदावार फसल दर फसल और जोत दर जोत भिन्न होती है। 3. भू-जोत समूह दर समूह भिन्न होती है। 4. जैविक उत्पादन तीसरे वर्ष में पूरी तरह से जैविक प्रमाणित*

13. हरित क्रांति: राष्ट्रीय बागवानी मिशन (सीएसएस)[11]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2300.00	1. जल स्रोतों का सृजन	1.1. सृजित जल स्रोतों की संख्या	6,000	1. बागवानी फसलों की वर्धित रकबा	1.1. बागवानी के तहत लाया गया अतिरिक्त क्षेत्र '(लाख हेक्टेयर में)	1,30,000
		1.2. जल स्रोतों के निर्माण के कारण बागवानी खेती के अंतर्गत लाया गया क्षेत्र (है)	30,000	2. बागवानी फसलों का उच्च उत्पादन और उत्पादकता	2.1. उत्पादकता में % की वृद्धि (और मृदा की गुणवत्ता में सुधार)।	0.5%
	2. समेकित पोषक प्रबंधन, कीट प्रबंधन, जैविक खेती उपयोग	2.1. आईपीएम, आईएनएम के माध्यम से समर्थित लाभार्थियों की संख्या	12,500		2.2. बागवानी उपज का कुल उत्पादन। (एमटी में)	316
		2.2. जैविक खेती के माध्यम से समर्थित लाभार्थियों की संख्या	125	3. बागवानी में ग्रेटर प्रशिक्षित मानव संसाधन पूल	3.1. प्रशिक्षित और बागवानी में कार्यरत लोगों की संख्या	1,00,000
		2.3. आईपीएम, आईएनएम लाभार्थियों के माध्यम से खेती के तहत क्षेत्र (हेक्टेयर)	50,000			
		2.4. जैविक खेती लाभार्थियों के माध्यम से खेती के तहत क्षेत्र (हेक्टेयर)	500			
	3. लाभार्थी की पहचान और प्रशिक्षण/ विस्तार/ जागरूकता	3.1. आरएंडडी आधारित गतिविधियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण/ एफएलडी की संख्या,	4,000			
		3.2. शामिल किसानों की संख्या	1,00,000			
	4. पौधशालाओं की	4.1. विकसित नई हाई-टेक नर्सरी	12			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	बढ़ी हुई क्षमता	की संख्या				
		4.2. विकसित नई छोटी नर्सरी की संख्या	80			
		4.3. नई हाई-टेक नर्सरी के माध्यम से पौधों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता	6,00,000			
		4.4. नई छोटी नर्सरी के माध्यम से पौधों की संख्या के संदर्भ में जोड़ी गई क्षमता	20,00,000			
	5. टीसी इकाइयों की संख्या तथा क्षमता में वृद्धि	5.1. विकसित नए टिशू कल्चर सेंटर की संख्या	10			
		5.2. इन नए टिशू कल्चर केंद्रों के माध्यम से पौधों की संख्या के संदर्भ में क्षमता संयोजन (करोड़)	2.5			
	6. सब्जियों के बीज उत्पादन इकाइयों में वृद्धि	6.1. वनस्पति बीज उत्पादन के लिए जोड़ा गया क्षेत्र (हेक्टेयर)	3,000			
	7. एफपीओ/एफआईजी तैयार करना	7.1. गठित एफआईजी / एफपीओ की संख्या	100			
	8. खेती क्षेत्र में वृद्धि	8.1. नए बागानों के माध्यम से खेती के तहत कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर)	1,30,000			
	9. पुनरूद्धार किए गए जराग्रस्त पौधों के तहत क्षेत्र	9.1. खेती के अंतर्गत कुल क्षेत्र जहाँ पर जीर्ण पौधों का जीर्णोद्धार किया गया था (हेक्टेयर)	13,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	10. संरक्षित खेती	10.1. खेती के अंतर्गत कुल क्षेत्र जहाँ संरक्षित खेती की जाती है (हेक्टेयर)	40,000			
	11. फसलोपरांत प्रबंधन में वृद्धि	11.1. जीएपी अनुरूप कृषि प्रणाली के तहत लाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर)	200			
		11.2. समर्थित एकीकृत फसलोपरांत प्रबंधन इकाइयों की क्षमता (लाख एमटी)	5			
		11.3. समर्थित एकीकृत फसलोपरांत प्रबंधन इकाइयों की संख्या (पकाने के चैंबर)	100			
		11.4. समर्थित एकीकृत फसलोपरांत प्रबंधन इकाइयों की संख्या (पैक हाउस)	1,000			
		11.5. समर्थित एकीकृत फसलोपरांत प्रबंधन इकाइयों की संख्या (एकीकृत पैक हाउस)	50			
	12. बेहतर विपणन सुविधाएं	12.1. कृषि विपणन इन्फ्रा सेटअप की संख्या	200			

14. हरित क्रांति: कृषि विस्तार उप-मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1200.00	1. एमटीसी, ईईआई, एसटीआरवाई, कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से राज्य विस्तार कर्मियों के ज्ञान एवं कौशल का अपग्रेडेशन	1.1. आयोजित किए जाने वाले मॉडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों(एमटीसी की संख्या)	70	1. कृषि विस्तार कर्मियों की क्षमता निर्माण के माध्यम से तकनी करण को अपनाने में वृद्धि	1.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले विस्तार कर्मियों की संख्या	1,400
		1.2. ईईआई द्वारा संचालित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	220		1.2. प्रशिक्षित किए जाने वाले विस्तार कर्मियों की संख्या	4,400
		1.3. आयोजित किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या (एसटीआरवाई)	600		1.3. ग्रामीण युवाओं, किसानों और महिला किसानों की संख्या	9,000
		1.4. एनएसडीएम के तहत आयोजित किए जाने वाले कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संख्या	1,000		1.4. प्रशिक्षित किए जाने वाले ग्रामीण युवा एवं किसानों की संख्या	20,000
	2. आत्मा के तहत किसानों को प्रशिक्षण एवं विस्तार सहायता	2.1. किसानों के प्रशिक्षण के लिए व्यक्ति एवं दिनों की संख्या	23,34,400	2. किसानों के प्रशिक्षण और विस्तार सहायता में वृद्धि	2.1. कृषक प्रशिक्षण के तहत लाभार्थी की संख्या (लाख)	18
		2.2. प्रदर्शनों की संख्या (लाख)	4		2.2. प्रदर्शनों के तहत लाभार्थी किसानों की संख्या (लाख)	4
		2.3. किसान मेला/गोष्ठी/ किसान-वैज्ञानिक वार्तालाप के लिए इवेंट की संख्या	13,200		2.3. किसान मेला/गोष्ठी/ किसान-वैज्ञानिक वार्तालाप के तहत आगंतुक की संख्या (लाख)	14
		2.4. आयोजित किए जाने वाले फार्म स्कूलों की संख्या	14,800		2.4. फार्म स्कूलों के तहत लाभार्थियों की संख्या (लाख)	3.70

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. मैनेज के तहत विस्तार प्रशिक्षण	3.1. मैनेज के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	200	3. लाभार्थियों के प्रशिक्षण में वृद्धि	3.1. मैनेज के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लाभार्थियों की संख्या	5,000
	4. कृषि उद्यमियों और कृषि-इनपुट डीलरों का प्रशिक्षण	4.1. एसीएंडएबीसी स्कीम के तहत कृषि-उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	100	4. कृषि-उद्यमी/ इनपुट डीलरों का प्रशिक्षण में वृद्धि	4.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले कृषि उद्यमियों की संख्या	2,000
		4.2. इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा के लिए बैचों की संख्या (डीएईएसआई)	270		4.2. एसीएंडएबीसी द्वारा प्रशिक्षित कृषि उद्यमियों द्वारा स्थापित किए जाने वाले कृषि-उपक्रमों की कुल संख्या	2,000
	5. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रम	5.1. स्थापित किए गए किसान कॉल सेंटर की संख्या	21		4.3. प्रशिक्षण किए जाने वाले इनपुट डीलरों की कुल संख्या	10,800
		5.2. दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की कुल संख्या	5,460	5. किसानों के लिए आउटरीच कार्यक्रमों में वृद्धि	5.1. किसान कॉल सेंटर का उपयोग करने वाले कॉल सेवाओं की कुल संख्या (लाख)	55
		5.3. आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की कुल संख्या	30,264			

15. हरित क्रांति: कृषि यांत्रिकीकरण उप मिशन [11] (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1000.00	1. कृषि उपकरण की खरीद करने तथा भाड़े पर लेने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता	1.1. कृषि मशीनरी/ उपकरण की खरीद करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर चुके किसानों/ लाभार्थियों की संख्या	28,500	1. लक्षित लाभार्थियों के बीच कृषि यंत्रीकरण की पहुंच में वृद्धि	1.1. खेती किए गए क्षेत्र में प्रति यूनिट कृषि विद्युत उपलब्धता में वृद्धि	1.5
	2. कृषि उपकरण की खरीद करने तथा भाड़े पर लेने के लिए किसानों को वित्तीय सहायता	2.1. स्थापित किए गए सीएचसी केन्द्रों की संख्या	6,500	2. लाभार्थियों/ हितधारकों की जागरूकता में हुआ सुधार	2.1. यंत्रीकृत कृषि पद्धति के अंतर्गत लाये गये कुल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर)	15
		2.2. स्थापित किए गए हाई-टेक केन्द्रों की संख्या	1,000			
		2.3. स्थापित सीएचसी की क्षमता उपयोग%(उपकरण/एग्रिगेट/ ट्रैक्टर)	50%			
		2.4. स्थापित हाई-टेक केन्द्रों की क्षमता का उपयोग %(उपकरण/एग्रिगेट/ ट्रैक्टर)	50%			
	3. लाभार्थियों तथा अन्य हितधारकों की जागरुकता में हुआ सुधार	3.1. प्रशिक्षित किए गए किसानों तथा अन्य हितधारकों की संख्या	10,000			
		3.2. उन गांवों की संख्या जहां कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा दिया गया	3,000			
	4. कृषि उपकरण परीक्षण तथा प्रमाणीकरण क्षमता में वृद्धि	4.1. परीक्षण तथा प्रमाणीकरन करने वाली संस्थाओं की संख्या	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		4.2. परीक्षण किए गए तथा प्रमाणित मशीनों/ उपकरणों की संख्या एवं प्रकार	165			
	5. यंत्रीकृत प्रदर्शनों के लिए वित्तीय सहायता	5.1. क्षेत्रों जिस पर यंत्रीकृत प्रदर्शन करने के लिए वित्तीय सहायता दी गई (हेक्टेयर)	5,000			

कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग

1. फसल विज्ञान (सीएस)[17]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
715.50	1. मूल्यांकित जनन-द्रव्य तथा प्रजनन वंशक्रम	1.1. मूल्यांकित जनन-द्रव्यों तथा प्रजनन वंशक्रमों की कुल संख्या	34,000	1. फसलों की संभाव्य पैदावार में अपेक्षित वृद्धि	1.1. पैदावार संभाव्यता में वृद्धि प्रतिशत	1 से 2%
	2. दीर्घकालीन भंडारण के लिए संरक्षित जनन-द्रव्य	2.1. दीर्घकालीन भंडारण के लिए संरक्षित जनन-द्रव्यों की कुल संख्या	5,000	2. फसल विज्ञान के अंतर्गत कृषि तकनीकों को अपनाने में वृद्धि	2.1. फसल विज्ञान योजना के अंतर्गत किसानों के समक्ष प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों को अपनाने वाले किसानों की संख्या	10,000
	3. सूक्ष्म-जैविक (माइक्रोबायल) आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण	3.1. संरक्षित किए गए सूक्ष्म -जैविक आनुवंशिक संसाधनों की कुल संख्या	250			
	4. विलक्षण गुणों के लिए पहचाने गए तथा पंजीकृत जीनप्ररुप	4.1. विलक्षण गुणों के लिए पहचाने गए तथा पंजीकृत जीनप्ररुपों की कुल संख्या	55			
	5. क्लोन किए गए एवं लक्षण-वर्णन वाले जीन	5.1. क्लोन किए गए एवं लक्षण-वर्णन वाले जीन्स की कुल संख्या	15			
	6. एआईसीआरपी के बहु-स्थानिक परीक्षणों में परीक्षित प्रविष्टियां	6.1. एआईसीआरपी के बहु-स्थानिक परीक्षणों में परीक्षित प्रविष्टियों की संख्या	3,000			

[17] *निर्गम के समूह का परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	7. एआईसीआरपी की किस्म पहचान समितियों द्वारा पहचानी गई किस्में	7.1. जारी करने के लिए एआईसीआरपी की किस्म पहचान समितियों द्वारा पहचानी गई क़िस्मों की कुल संख्या	70			
	8. उत्पादित प्रजनक बीज	8.1. उत्पादित प्रजनक बीजों की कुल मात्रा	65,000			
	9. विकसित एवं परीक्षित की गई नई प्रौद्योगिकियां	9.1. विकसित एवं परीक्षित की गई नई प्रौद्योगिकियों की कुल संख्या	50			
	10. आयोजित अग्र-पंक्ति प्रदर्शन	10.1. आयोजित अग्र-पंक्ति प्रदर्शनों की कुल संख्या	10,000			
	11. आयोजित किसान प्रशिक्षण	11.1. आयोजित किसान प्रशिक्षणों की कुल संख्या	250			
	12. मानव संसाधन विकास	12.1. प्रदान की गई स्नात्कोत्तर एवं डॉक्टोरल उपाधियों की कुल संख्या	175			

1. राष्ट्रीय आयुष मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
705.00	1. आयुष सेवाओं का प्रावधान	1.1. उन राज्यों की कुल संख्या जहाँ अनिवार्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं	30	1. आयुष स्वास्थ्य पद्धति सुदृढ़ करना	1.1. न्यूनतम मानकों को पूरा करने वाले सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त आयुष शिक्षा संस्थानों की संख्या	140
		1.2. 500 या अधिक नमूनों की जांच कर रही औषध प्रयोगशालाओं की कुल संख्या	22		1.2. आयुष इकाइयों की कुल संख्या जो मौजूदा प्राथमिक स्वास्थ्यकेंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, और जिला अस्पतालों के साथ सहस्थापित हैं	13,500
		1.3. जांचे गए औषध नमूनों की कुल संख्या	10,000		1.3. परिचालित अतिरिक्त 50 बिस्तर तक के एकीकृत आयुष अस्पतालों की संख्या	10
		1.4. 50 बिस्तर तक के अतिरिक्त एकीकृत आयुष अस्पतालों की कुल संख्या जिनके लिए निधि जारी की गईं।	95		1.4. परिभाषित आम बीमारियों के लिए औषधियों को उपलब्ध कराने वाले केंद्रों की संख्या	16,500
		1.5. विशेष/एकमात्र सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष अस्पतालों और आयुष औषधालयों की कुल संख्या जिनके उन्नयन के लिए निधियां जारी की गईं। (आयुष अस्पताल/ आयुष औषधालय)	7,600		2. गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाले परीक्षित औषधियों के नमूनों की कुल संख्या	10,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.6. अतिरिक्त आयुष शैक्षिक संस्थान (स्नातक /स्नातकोत्तर /फार्मेसी/ अर्ध-चिकित्सीय पाठ्यक्रम) जिनके उन्नयन औरनई स्थापना के लिए निधियां जारी की गईं। (उन्नयन/नया सेट-अप)	115		1.5. सरकारी आयुष सुविधाओं के अंतर्गत देखे गए रोगियों की संख्या (प्रति माह)	13.50
		1.7. स्वास्थ्य सुविधाओं में सहस्थापित अतिरिक्त आयुष इकाईयां (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल) जिनके लिए निधियां जारी की गईं। (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/ जिला अस्पताल)	7			
		1.8. कार्यात्मक राज्य/ पीएसयू फार्मेसियों वाले राज्यों की कुल संख्या	15			

उर्वरक विभाग

1. यूरिया राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
47805.00	1. संस्थापित यूरिया उत्पादन सुविधा में वृद्धि	1.1 यूरिया उत्पादन की कुल संस्थापित क्षमता (एलएमटी में)	232.94	1. खुदरा स्तर पर उर्वरकों की उपलब्धता	1.1 राज्य स्तर पर उपलब्ध यूरिया की कुल मात्रा (लाख मी.टन में)	335.31
					1.2 स्टॉक न होने की प्राप्त शिकायतों की संख्या	0
	2. लागत पर राजसहायता प्रदान करके बढ़ाहुआ	2.1 यूरिया के लिए कुल उत्पादन आंकड़े (एलएमटी में)[18]	264.22	2. किसानों को पर्याप्त मात्रा में और समय पर यूरिया की उपलब्धता	2.1 वेयरहाउस में न्यूनतम मांग के स्तर से स्टॉक कितनी बार नीचे चला गया	0
		2.2 यूरिया के लिए कुल प्रेषण आंकड़े (एलएमटी में)	335.31		2.2 किसानों को यूरिया की कुल बिक्री (एलएमटी में)	335.31

2. पोषक-तत्व आधारित राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
23504.00	1. स्वदेशी पीएंडके का बढ़ाहुआ उत्पादन	1.1. पीएंडके उर्वरकों का कुल स्वदेशी उत्पादन (लाख मी.टन में)	158[18]	1. किसानों को उर्वरकों की सहज उपलब्धता	1.1. किसानों की मांगों की तुलना में आपूर्ति किए गए स्वदेशी पीएंडके उर्वरकों की कुल मात्रा (लाख मी.टन में)	158[18]
					1.2 किसानों को पीएंडके उर्वरकों की कुल बिक्री (लाख मी.टन में)	215.22

[18] *अनुमानित*

1. कोयला और लिग्नाइट का अन्वेषण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
700.00	1. कोयला ब्लॉकों में संवर्धनात्मक (क्षेत्रीय) अन्वेषण	1.1. ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में)	1.00	1. जोड़ा जाने वाला नया क्षेत्र	1.1. मात्रा स्क्वेयर कि.मी. में	135
	2. गैर-सीआईएल कोयला ब्लॉकों में व्यापक अन्वेषण	2.1. ड्रिलिंग की लंबाई (लाख मीटर में)	6.00	2. जी1/जी2 श्रेणी में जोड़ा जाने वाला क्षेत्र	2.1. मात्रा स्क्वेयर कि.मी. में	250

वाणिज्य विभाग

1. ईसीजीसी लिमिटेड (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
650.00	1. ईसीजीसी की इक्विटी में वृद्धि को समुचित रूप से वित्तपोषित करना ताकि निर्यात वृद्धि के साथ-साथ भारतीय निर्यातकों को पर्याप्त बीमा कवर देने के लिए पूंजी पर्याप्तता मानदंडों को पूरा किया जा सके	1.1. जारी की गई नई पॉलिसियों की संख्या	5,500	1. निर्यातकों को भुगतान जोखिमों के लिए बीमा सुरक्षा	1.1. अधिकतम देयता (करोड़ रुपये में)	1,20,000
		1.2. अर्जित शुद्ध प्रीमियम (करोड़ रुपये में)	1,425		1.2. सहायता प्रदत्त निर्यात का मूल्य (करोड़ रुपये में)	8,00,000
		1.3. जोड़े गए नए खरीददारों की संख्या	18,500		1.3. सहायता प्रदत्त राष्ट्रीय निर्यात का हिस्सा (कुल जोखिम मूल्य/भारत का पण्यवस्तु निर्यात)	35%
		1.4. औसत नेट वर्थ में पीएटी का अनुपात	8%		1.4. पूंजी अनुपात के लिए जोखिम	20

2. ब्याज समकरण स्कीम: पोत लदान पूर्व एवं पश्चात् (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2300.00	1. एमएसएमई सेक्टर के सभी विनिर्माता निर्यातकों को 02.11.2018 से 5 प्रतिशत दर से ब्याज समकरण की और विनिर्दिष्ट 416 टैरिफ	1.1. (i) निर्यातकों द्वारा दायर किए गए दावों की संख्या (ii) आरबीआई द्वारा अन्य बैंकों को प्रतिपूर्ति किए गए दावों का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	1. एमएसएमई क्षेत्र के विनिर्माता निर्यातकों और अभिज्ञात 416 टैरिफ लाइनों को सस्ता ऋण क्रेडिट प्रदान करना	1.1. (i) पिछले वर्ष के दावों के कवरेज में % परिवर्तन। (ii) सहायताप्राप्त निर्यात का कुल मूल्य (करोड़ रुपये में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	लाइनों के विनिर्माता निर्यातकों को ब्याज समकरण की 3 प्रतिशत दर उपलब्ध कराई गई।					

3. इयूटी ड्रॉ बैंक स्कीम (सीएस) की जगह भारत पण्यवस्तु निर्यात स्कीम (एमईआईएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
701.32	**क. एमईआईएस**					
	1. एमईआईएस स्क्रिप्स को मंजूरी दी गई	1.1. वित्तीय वर्ष में मंजूर स्क्रिप्स का मूल्य।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	1. वर्ष 2018-19 में एमईआईएस में जोड़ी गई मदों के लिए निर्यात की मात्रा और मूल्य में वृद्धि।	1.1. एचएस कोड/उत्पादों के लिए मूल्य और मात्रा के रूप में निर्यात आंकड़े जो एमईआईएस अनुसूची में जोड़े गए हैं।	5%[19]
	ख. भारत से सेवा निर्यात स्कीम (एसईआईएस)					
	1. एस ईआईएस स्क्रिप्स की मंजूरी दी गई।	1.1. वित्तीय वर्ष में मंजूर स्क्रिप्स का मूल्य।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	1. पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदान की गई सेवाओं की तुलना में एसईआईएस स्क्रिप्स लेने वाले सभी आवेदकों के लिए डॉलर के रूप में निर्यात के मूल्य में वृद्धि ।	1.1. सेवा श्रेणियों के तहत सकल आय का विवरण।	5%[20]

[19] *2020-21 में जो मदें एमईआईएस के तहत नहीं हैं, उनकी वृद्धि की औसत दर के अतिरिक्त एमईआईएस के तहत मदों के अमेरिकी डॉलर मूल्य*

[20] *वर्ष-दर-वर्ष सेवाओं की वृद्धि की औसत दर के मुकाबले मूल्य*

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

1. राष्ट्रीय औद्योगिक कोरिडोर विकास और कार्यान्वयन न्यास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1200.00	1. डीएमआईसी नोड्स में ट्रंक अवसंरचना पैकेजों का पर्याप्त रूप से पूरा होना और विभिन्न औद्योगिक कॉरिडोरों जैसे सीबीआईसी, सीबीआईसी के माध्यम से कोच्चि के माध्यम से कोच्चि के विस्तार के साथ सीबीआईसी, वीसीआईसी इत्यादि के लिए मास्टर प्लानिंग और प्रारंभिक इंजीनियरिंग को पूरा करना।	1.1. मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की संख्या	07	1. इस क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के विकास से ग्रीनफील्ड औद्योगिक क्षेत्र के विकास के मार्ग खुलेंगे और इस क्षेत्र के आगे के विकास के लिए प्रेरणा मिलेगी।	1.1. आवंटित किए गए औद्योगिक भूखंडों की संख्या और क्षेत्र;	1,000 एकड़
		1.2. अनुमोदित और स्वीकृत परियोजनाओं की सं.	04		1.2. (प्रत्यक्ष) सृजित रोजगार की कुल सं.-	4,000
		1.3. पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या	15		1.3. (अप्रत्यक्ष) सृजित रोजगार की कुल सं.	16,250
		1.4. औद्योगिक इकाइयों को भूखंडों के आवंटन की संख्या और क्षेत्र	1,000 एकड़			

2. निधियों का कोष (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1054.97	1. निधियों का कोष स्टार्टअप्स में निवेश के लिए वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) को वित्त की व्यवस्था करेंगी।	1.1 एआईएफ द्वारा ड्रॉडाउन (करोड़ रुपये)	1,054.97	1. स्टार्टअप्स में निवेश के लिए एआईएफ	1.1 स्टार्टअप्स में किए गए निवेश की राशि (करोड़ रुपये)	2,110

3. पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमालय राज्यों में औद्योगिक इकाइयों को केन्द्रीय और एकीकृत जीएसटी रिफंड

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1716.00	1. सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित इकाइयों को बजटीय सहायता प्रदान करना।	1.1. इस योजना के तहत पंजीकृत सभी शेष इकाइयों का निरीक्षण।	सहायता प्राप्त इकाइयों की संख्या - 2192	1. सद्भावना उपाय के रूप में इकाइयों के लिए बजटीय सहायता के रूप में अतिरिक्त तरलता शामिल करने से इकाइयों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा, और उन्हें जीएसटी व्यवस्था में परिवर्तित करने में सक्षम बनाएगा।	1.1. इस योजना के तहत डीपीआईआईटी को आवंटित अतिरिक्त बजट का संवितरण और डीपीआईआईटी द्वारा सीबीआईसी को इसका प्राधिकरण।	2,192

डाक विभाग

1. डाक प्रचालन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1204.53	1. ग्रामीण व्यवसाय	1.1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित (एलडब्ल्यूई) जिलों सहित उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में खोले जाने वाले शाखा डाकघरों की संख्या	200	1. ग्रामीण व्यवसाय में बढ़ोतरी, डाक नेटवर्क तक बेहतर पहुंच और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना	1.1. खोले गए डाकघर बचत बैंक खातों की संख्या (लाख में)	2
		1.2. खोले जाने वाले फ्रैंचाइजी आउटलेटों की संख्या	100		1.2. शाखा डाकघरों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के फलस्वरूप बेहतर डाक सुविधाओं से लाभान्वित ग्रामों की संख्या	2,300
		1.3. ग्रामीण शाखा डाकघरों में संस्थापित की जाने वाली नई तथा बेहतर किस्म की पत्र-पेटिकाओं की संख्या	5,600		1.3. बेहतर शाखा डाकघरों के फलस्वरूप लाभान्वित ग्रामीण नागरिकों की संख्या (लाख में)	23
		1.4. ग्रामीण शाखा डाकघरों में लगाए जाने वाले नए संकेत-चिह्नों की संख्या	8,400			
		1.5. उन शाखा डाकघरों की संख्या, जहां इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार लाया जाएगा	2,300			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.6. उन शाखा डाकघरों की संख्या, जिनमें नई तिजोरियां लगाई जाएंगी	2,500			
	2. मेल प्रचालन एवं सेवाओं का उन्नयन	2.1. उन डाकघरों की संख्या, जिनमें स्पीड पोस्ट केंद्रों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया जाएगा	145	2. स्पीड पोस्ट डाक-वस्तुओं की प्रोसेसिंग की क्षमता को बढ़ाना और नेटवर्क का इष्टतम प्रयोग परियोजना का विस्तार तथा मेल एवं पार्सल सेवाओं में सुधार	2.1. उन डाकघरों में बुक की गई डाक-वस्तुओं की संख्या, जिनमें स्पीड पोस्ट केंद्रों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया जा रहा है (लाख में प्रति कार्यालय प्रति माह)	1
		2.2. मानकीकृत थैलों की खरीद सहित बंद थैलों की सुरक्षा के लिए खरीदे जाने वाली प्लास्टिक सील एवं लेबलों की संख्या	70,000		2.2. सड़क परिवहन नेटवर्क के विकास के फलस्वरूप ट्रांजिट समय में कटौती (औसत दिन प्रति मार्ग)	1.5
		2.3. उन मार्गों की संख्या, जिन पर सड़क परिवहन नेटवर्क का विकास किया जाएगा	95		2.3. पार्सल हैंडल करने की क्षमता और छोटी डाक-वस्तुओं को हैंडल करने की संख्या में वृद्धि (करोड़)	9.75[21]
		2.4. ई-कॉमर्स केंद्रों/पार्सल बुकिंग केंद्रों/अंतरराष्ट्रीय	39		2.4. पार्सल हैंडलिंग क्षमता के संबंध में बाजार	5.25%[22]

[21] *मौजूदा 7.5 करोड़ से*

[22] *मौजूदा 4% से*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		व्यवसाय केंद्रों की स्थापना			हिस्सेदारी में वृद्धि (वर्तमान की तुलना में)	
	3. डाकघर बचत बैंक प्रचालन	3.1. स्थापित किए जाने वाले कुल केंद्रीय प्रोसेसिंग केंद्रों (सीपीसी) की संख्या	10	3. ग्राहक संतुष्टि तथा लेन-देन कार्य में सुविधा एवं लेन-देन की संख्या में वृद्धि	3.1. जारी किए गए चिप आधारित डेबिट कार्डों की कुल संख्या	50
	4. डाक जीवन बीमा (पीएलआई) प्रचालन	4.1. बेचे गए बीमा उत्पादों का कुल मूल्य (बीमित राशि) (करोड़ रुपये में)	13,000	4. सरकारी सेवकों, पेशेवर व्यक्तियों के बीच अधिक जीवन बीमा कवरेज तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा की अधिक पहुंच	4.1. पीएलआई और आरपीएलआई (ग्रामीण डाक जीवन बीमा) के अंतर्गत सुनिर्धारित कुल प्रीमियम आय (करोड़ रुपये में)	130
		4.2. डाक कार्मिकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	150		4.2. प्रशिक्षित किए जाने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या	50,000
		4.3. बीमा उत्पादों का प्रचार-प्रसार (आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं की संख्या)	150			
	5. व्यवसाय संवर्द्धन, विपणन अनुसंधान एवं उत्पाद विकास	5.1. विज्ञापन अभियानों की संख्या	45	5. डाक उत्पादों तथा सेवाओं को बेहतर विजिबिलिटी प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न मीडिया विकल्पों जैसे टीवी,	5.1. डाक राजस्व में बढ़ोतरी (करोड़ रुपये में)	1,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				इलेक्ट्रॉनिक, रेडियो, प्रिंट, आउटडोर आदि के जरिए एबव द लाइन अभियान और इसी प्रकार बिलो द लाइन कार्यकलापों के माध्यम से प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम आयोजित करना		
	6. फिलैटली: फिलैटली एवं इससे संबंधित उत्पादों के प्रचार-प्रसार तथा विपणन (मार्केटिंग) के माध्यम से शौक एवं रुचि के जरिए के रूप में फिलैटली से अधिक राजस्व अर्जित करना	6.1. विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार अभियान की संख्या	19	6. भारतीय धरोहर एवं संस्कृति को संरक्षित रखना	6.1. फिलैटली के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार अभियान तथा फिलैटली जमा खातों (पीडीए) की संख्या में बढ़ोतरी	50,000[23]
		6.2. आयोजित की जाने वाली फिलैटली प्रदर्शनियों की संख्या	40			
	7. फिलैटली : फिलैटली और पत्र-लेखन के संबंध में युवाओं को जागरूक बनाना	7.1. खोले जाने वाले माय स्टांप काउंटरों की संख्या	12		6.2. नए खोले गए माय स्टांप काउंटरों से बेचे गए माय स्टांप की संख्या (प्रति काउंटर प्रति माह)	50
		7.2. आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों और कार्यशालाओं की संख्या	40			

[23] *पीडीए खातों की संख्या में 50,000 की बढ़ोतरी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	8. फिलैटली: भारतीय फिलैटली की डाक-टिकटों की गुणवत्ता और इसके मुख्य विषयों (डोमेन) के बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जन-जागरूकता बढ़ाना	8.1. फिलैटली ब्यूरों का उन्नयन	40			
	9. सेवा गुणवत्ता	9.1. प्राप्त किए जाने वाले सेवा वितरण उत्कृष्टता प्रमाणपत्रों की संख्या	10	7. सभी सर्कलों में बड़े डाकघरों में कतार (क्यू) व्यवस्था और कार्यभार प्रबंधन में सुधार करना तथा सेवा में सुधार और गुणवत्ता बेहतर करना।	7.1. काउंटरों पर सेवा प्राप्त करने के लिए प्रधान डाकघरों में कतार (क्यू) समय में कमी। (मिनट में)	5
		9.2. आईएसओ प्रमाणन के नवीकरण के लिए कार्यालयों की संख्या	10		7.2. उन कार्यालयों की संख्या, जहां प्रमाणन के नवीकरण का कार्य पूरा किया गया है।	10
		9.3. प्रधान डाकघरों की संख्या, जहां डायनैमिक क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (डीक्यूएमएस) लागू किया जाएगा।	4			
		9.4. डाकघरों की संख्या, जहां डायनेमिक क्यू मैनेजमेंट सिस्टम (डीक्यूएमएस) लागू किया जाएगा।	200			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	10. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण : ग्रामीण हार्डवेयर - ग्रामीण डाकघरों में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सौर ऊर्जा पैनल प्रदान करना	10.1. उन शाखा डाकघरों की संख्या, जहां मुख्य कम्प्यूटिंग उपकरणों की आपूर्ति की जानी है।	10,000	8. सभी उपलब्ध सेवाओं (मेल, वित्तीय, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, रिटेल, नकदी प्रबंधन आदि) को डिजिटाइज करना, ताकि बेहतर ग्राहक सेवा हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में सभी स्तर पर उपलब्ध सूचनाओं का सुचारू रूप से आदान-प्रदान हो।	8.1. डिजिटल बैंकिंग (करोड़ में) की सेवाओं से लाभान्वित ग्रामीण नागरिकों की संख्या।	1.1
		10.2. उन शाखा डाकघरों की संख्या, जहां मुख्य कम्प्यूटिंग उपकरणों को रोलआउट किया जाना है।	10,000			
		10.3. उन शाखा डाकघरों की संख्या, जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है।	11,000			
		10.4. उन शाखा डाकघरों की संख्या, जहां सौर पैनल लगाया जाना है।	12,000			
	11. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण : वित्तीय सिस्टम इंटीग्रेटर (एफएसआई)- सभी डाकघरों में कोर बैंकिंग, डाक जीवन बीमा के लिए समाधान	11.1. उन डाकघरों की संख्या, जहां कोर बैंकिंग समाधान लागू किया जाना है।	2,000	9. कोर बैंकिंग, डाक जीवन बीमा सहित सभी वित्तीय लेन-देनों को डिजिटाइज करना और ग्राहकों की सुविधा के लिए अंतर-प्रचालनीय एटीएम सेवा प्रदान करना।		
		11.2. उन डाकघरों की संख्या, जहां डाक जीवन बीमा की शुरूआत की जानी है।	2,000			
		11.3. शुरू किए जाने वाले एटीएम की संख्या	4			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	लागू करना और एटीएम, एसएमएस आदि जैसे विविध वितरण चैनलों के माध्यम से सेवाएं प्रदान करना।					
	12. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण : नेटवर्क इंटीग्रेटर (एनआई)- एक सिंगल वाइड एरिया नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध नेटवर्क कनेक्टिविटी (लगभग 29,000 स्थल) को सुनिर्धारित करने के लिए 2 भिन्न नेटवर्क सेवा प्रदाताओं के माध्यम से प्रत्येक कार्यालय स्थल के	12.1. उन डाकघरों की संख्या जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है।	1,800	10. नेटवर्क संबंधी शिकायतों के केन्द्रीकृत समाधान के साथ-साथ केन्द्रीकृत नेटवर्क कनेक्टिविटी को सुरक्षित और सुदृढ़ करना।		

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	लिए कनेक्टिविटी प्रदान करना।					
	13. आईटी समावेशन और आधुनिकीकरण : कोर सिस्टम इंटीग्रेटर (सीएसआई)- मेल प्रचालन, रिटेल, लॉजिस्टिक पोस्ट, फिलैटली, वित्त एवं लेखा और मानव संसाधन तथा अन्य अनुप्रयोगों के साथ एकीकरण हेतु समाधान लागू करना।	13.1. प्रधान डाकघरों के साथ-साथ शुरू किए जाने वाले डाक, आरएमएस डिवीजनों की संख्या	15	11. प्रक्रियाओं की दृश्यता में वृद्धि और समग्र प्रचालन कार्यकुशलता के लिए वित्तीय (बैंकिंग और बीमा) और गैर-वित्तीय प्रक्रियाओं (स्पीड पोस्ट, मनीऑर्डर आदि) का एकीकरण		
		13.2. डाकघरों की संख्या जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जानी है।	15			

दूरसंचार विभाग

1. रक्षा स्पेक्ट्रम- रक्षा सेवाओं के लिए ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित नेटवर्क (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
5000.00[24]	1. ओएफसी बिछाना	1.1. ओएफसी बिछाने के कार्य के कुल कि.मी. मे से बिछाई गई ओएफसी का कुल प्रतिशत जिसे पूरी योजना के लिए निष्पादित किया गया है।	100%	1. देशव्यापी सुरक्षा, मल्टी सेवा और मल्टी प्रोटोकॉल अभिसरित नेक्सट जेनरेशन नेटवर्क	1.1. पूरी परियोजना के लिए आरंभ किए गए ओएफसी लिंक्स का %	100%
	2. उपकरणों के लिए क्रय आदेशों को जारी करना	2.1. पूरी परियोजना के लिए उपकरण घटकों का कुल प्रतिशत जिसके लिए क्रय आदेश नियुक्त जारी किया गया है।	100%	2. देशव्यापी सुरक्षा, मल्टी सेवा और मल्टी प्रोटोकॉल अभिसरित नेक्सट जेनरेशन नेटवर्क	2.1. पूरी परियोजना के विभिन्न घटकों की आपूर्ति, संस्थापना, परीक्षण और कमीशिनिंग (एसआईटीसी)	100%

2. दूरसंचार अवसंरचना के सृजन एवं संवर्धन हेतु सेवा प्रदाताओं को क्षतिपूर्ति (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
8000.00	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में कवर न किए गए गांवों में कवरेज	1.1 चालू किए जाने वाले मोबाइल टावरों की संख्या	1,200	1. कवर न किए गए गांवों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	1.1. मोबाइल सेवाओं से गांवों की कवरेज (राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ कवर किए गए नए गांवों की सं.)	1,100

[24] *मंत्रिमंडल की आर्थिक कार्यों संबंधी समिति (सीसीईए) के अनुमोदन के अनुसार परियोजना आरंभ करने की लक्षित तिथि मई 2020 और कुल लागत 24664 करोड़ रू है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. उच्च गति के ब्रॉडबैंड से कनेक्ट की गई ग्राम पंचायतें	2.1 ऑप्टिकल फाइबर/रेडियो/सेटलाइट के माध्यम से सक्रिय की गई ग्राम पंचायतों की संख्या (सेटलाइट पर सक्रिय किए गए 6288 ग्रामों सहित संचयी)	2,00,000	2. भारतनेट अवसंरचना का उपयोग	2.1. बैंडविडथ उपयोग (टीबी में)	500
					2.2. डार्क फाइबर उपयोग (संचयी कि.मी.)	20,000
					2.3. ग्राम पंचायतों में वाई-फाई का प्रावधान (सं.)	1,00,000
		2.2. बिछाई गई कुल ओएफसी कि.मी.	5,50,000		2.4. एफटीटीएच कनेक्शन (सं.)	2,50,000
	3. मुख्य भूमि (चैन्नई) और अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में सबमरीन ओएफसी कनेक्टिविटी का प्रावधान	3.1. सबमरीन ओएफसी को चालू करना (100 ग्राम पंचायतें) चालू करने का माह- जून 2020 (हाँ/ नहीं)	हाँ	3. अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में उच्च गति बैंडविड्थ का प्रावधान	3.1. बैंडविडथ में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
	4. अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में एनएच 223 पर कवर न किए गए गांवों में मोबाइल कनेक्टिविटी (2जी+4जी) और निर्बाध कवरेज की व्यवस्था	4.1. चालू किए जाने वाले मोबाइल टावरों की संख्या	124	4. अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में दूरसंचार विकास	4.1. मोबाइल कनेक्टिविटी में वृद्धि (कवर न किए गए गांवों की संख्या)	85[25]

[25] *अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में जीवन स्तर और ई-अभिशासन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार कवर न किए गए 85 गांवों में मोबाइल कवरेज*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	5. लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर, सीमावर्ती और उनके प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के कवर न किए गए 354 गांवों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	5.1. मोबाइल सेवाओं का प्रावधान (गांवों-संख्या में संस्थापन)	354	5. कवर न किए गए गांवों को मोबाइल सेवाओं से कवरेज	5.1. कवर न किए गए गांवों (गांवों की संख्या) में मोबाइल संवाओं को सुकर बनाना	354
	6. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों (चरण-II) में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	6.1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा चिन्हित गांवों की आम जनता के लिए संचार हेतु मोबाइल सेवाओं का प्रावधान (टावरों की संख्या)	1,200	6. इन क्षेत्रों विशेषकर गृह मंत्रालय इत्यादि की सुरक्षा एजेंसियों को स्तरोन्नत प्रौद्योगिकी वाली मोबाइल पहुँच में वृद्धि	6.1. इन स्थानों पर सुरक्षा एजेंसियों के लिए मोबाइल संवाओं के प्रावधान को सुनिर्धारित किया गया (संस्थापित किए गए मोबाइल टावरों की संख्या)	1,200
	7. इच्छुक जिलों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	7.1. संस्थापित किए जाने वाले टावरों की संख्या	300	7. इच्छुक जिलों में स्तरोन्नत प्रौद्योगिकी वाली मोबाइल पहुँच में वृद्धि	7.1. इच्छुक जिलों (जिलों की संख्या) में मोबाइल कनेक्टिविटी में वृद्धि)	16
	8. बीएसएनएल के ग्रामीण क्षेत्रों के एक्सचेंजों में 25000 वाई-फाई हॉट-स्पॉट का प्रावधान	8.1. बीएसएनएल के ग्रामीण क्षेत्रों के एक्सचेंजों में वाई-फाई हॉट-स्पॉट स्थापित किए जाने है	25,000	8. वाई-फाई कनेक्टिविटी प्रदान करना	8.1. बीएसएनएल के ग्रामीण क्षेत्रों के एक्सचेंजों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की संख्या	25,000
	9. वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई-I) से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं का प्रावधान	9.1. मोबाइल सेवाएं प्रदान करने वाली स्थलों की संख्या जिनके लिए ओएण्डएम राजसहायता संवितरित की जाएगी	2,343	9. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करना	9.1. अनेक स्थलों पर मोबाइल सेवाएं उपलब्ध है	2,343

उपभोक्ता मामले विभाग

1. उपभोक्ता संरक्षण- मूल्य स्थिरीकरण कोष (पी.एस.एफ.) स्कीम (केंद्रीय योजना)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2000.00	1. फॉर्म गेट/मंडी पर कृषकों/एफ.पी.ओ. से वस्तुओं का प्रत्यक्ष अधिप्रापण	1.1. अधिप्राप्त की गई कृषि-बागवानी वस्तुओं की मात्रा (वस्तु वार) (मीट्रिक टन में)	दाल - 19.5[26] प्याज - 1[27]	1. मूल्य निगरानी कक्ष द्वारा संसूचित की गई कीमतों के संबंध में पी.एस.एफ. के तहत अधिसूचित कृषि-बागवानी वस्तुओं की कीमतों के स्तर और उतार-चढ़ाव में कमी	1.1. पी.एस.एफ. के तहत सुदृढ़ बफर का सृजन अर्थात् सितम्बर, 2016 से पहले रिकॉर्ड की गई अधिकतम मासिक औसत कीमतों को लिया गया।	मासिक औसत कीमत सीमा को सितम्बर, 2016 से पहले रिकॉर्ड की गई अधिकतम मासिक कीमत के 20% के भीतर रखना।
	2. मूल्य स्थिरीकरण को बनाए रखने के लिए वस्तुओं का आयात	2.1. कृषि-बागवानी वस्तुओं का आयात (मीट्रिक टन में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[28]			
	3. संगत कीमतों पर वस्तुओं के स्टॉक की अंशांकित रिलीज और समय पर उनका वितरण	3.1. खुला बाजार बिक्री सहित अधिकृत माध्यमों के जरिए निपटाई गई कृषि-बागवानी वस्तुओं की मात्रा	लगभग 10 लाख मीट्रिक टन की बिक्री से लगभग 4,000 करोड़ रूपये अर्जित किए जाएंगे।			

[26] *वर्ष 2020-21 के ले रमेश चंद समिति ने 16.53 लाख मी. टन दालों की बफर स्तर की सिफारिश की है। अब 19.5 लाख मी. टन के बफर के सृजन का निर्णय लिया गया है। एमएसपी के तहत मूल्य निर्धारण के समय कृषि सहकारिता और किसान विभाग द्वारा पी एस एस के तहत बफर आवश्यकता की प्राप्ति अधिप्राप्त दालों के अंतरँ से पूरी की जाएगी।*

[27] *कम उत्पाद वाले मौसम के दौरान इसकी उपलब्धता तथा मूल्य को कम करने को सुनिर्धारित करने के लिए 1 लाख मी. टन प्याज के न्यूनतम बफर का सृजन*

[28] *पीएसएस, कृषि सहकारिता और किसान कल्याण विभाग से दालों के अंतरण के माध्यम से दालों के बफर का सृजन किया जाएगा हालांकि, यदि दालों के घरेलू उपलब्धता में कमी आती है, दालों के बफर स्तर के आधार पर आयात किया/ विचार किया जाएगा। घरेलू अधिप्रापण तथा आयात के माध्यम से प्याज के बफर का सृजन किया जाएगा।*

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

1. खाद्य राजसहायता- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य निगम को खाद्य राजसहायता (सीएस)

2. खाद्य राजसहायता- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्यान्नों की विकेन्द्रीकृत खरीद हेतु खाद्य राजसहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
165319.68[29]	1. पात्र परिवारों को खाद्यान्नों का वितरण (मिलियन टन में)	1.1 वितरित खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	55	1. लक्षित आबादी को वितरित की गई राजसहायता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा	1.1 खाद्यान्न के आवंटन के प्रतिशत के रूप में वितरित किया गया खाद्यान्न (%)	100%

3. एनएफएसए के अंतर्गत राज्य के भीतर खाद्यान्नों के संचलन और एफपीएस डीलरों के मार्जिन हेतु राज्य एजेंसियों को सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3982.54	1. एफपीएस के द्वार तक खाद्यान्नों की सुपुर्दगी	1.1 एफपीएस के द्वार पर सुपुर्द किए गए खाद्यान्नों की मात्रा (मिलियन टन में)	55	1. उचित दर दुकानों के माध्यम से खाद्यान्नों का सुचारू वितरण सुनिर्धारित करना।	1.1 आवंटन की तुलना में उचित दर दुकानों के द्वार तक वितरित किए गए खाद्यान्नों का प्रतिशत।	100%

[29] *रु. 127982.54 - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य निगम को खाद्य राजसहायता (सीएस) और रु 37337.14 - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्यान्नों की विकेन्द्रीकृत खरीद हेतु खाद्य राजसहायता (सीएस)*

4. वर्ष 2019-20 मौसम के लिए चीनी मिलों को सहायता देने के लिए नई स्कीम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1 चीनी मौसम 2019-20 के दौरान निर्यात हतु 60 लाख टन की मिल-वार अधिकतम मान्य निर्यात मात्रा (एमएईक्यू) में से चीनी मिलों द्वारा अपने संबंधित कोटे का निपटान करना।	1.1 निर्यात की गई चीनी की मात्रा (एमएईक्यू के तहत चीनी का निर्यात (लाख टन में)	60	1 गन्ने के मूल्य/किसानों के बकाया के भुगतान हेतु चीनी मिलों की नकदी की स्थिति सुधार के लिए।	1.1 स्कीम के अंतर्गत चीनी मिलों को दी गई सहायता; किसानों के बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान हेतु प्रयुक्त। (करोड़ रुपए में)	4,500

1. पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) की स्कीम और विशेष विकास परियोजना का घटक (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
869.90	1. पूर्वोत्तर क्षेत्र में विषय आधारित पर्यटन परिपथ के लिए क्षेत्रीय पर्यटन को समर्थन	1.1. पूरी की गई अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या	10	1. रोजगार सृजन, सेवा और पर्यटन क्षेत्रों की आय में वृद्धि, अवसंरचना विकास, कौशल विकास।	1.1. पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और आजीविका सुधार	20%
	2. उच्चतर शिक्षा	2.1. पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या - खेलकूद के तहत	79	2. शैक्षिक सुविधाओं का विकास और रोजगार अवसरों का सृजन	2.1. लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या	15,000
		2.2. पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या - शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र के तहत	87			
	3. पिछड़े क्षेत्रों में तृतीयक स्वास्थ्य-सेवा (स्वास्थ्य शिक्षा सहित) एवं विशिष्ट अंतःक्षेप	3.1. निर्मित/उन्नत किए जाने वाले अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केंद्रों की परियोजनाओं की संख्या	6	3. बेहतर चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता	3.1. लाभान्वित रोगियों की संख्या	4,000
		3.2. बढ़ाई गई अस्पताल शय्या (बेड) की संख्या	100		3.2. प्रमाणित मेडिकल/नर्सिंग विद्यार्थियों की संख्या	225
		3.3. प्रशिक्षित किए जाने वाले मेडिकल/नर्सिंग विद्यार्थियों की संख्या	300			
	4. कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र	4.1. पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	16	4. कृषि संबद्ध उत्पादों के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए	4.1. लक्षित लाभार्थियों की आय में वृद्धि	1. %

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		4.2. पूरी की गई गैर-परियोजनाएं (इवेन्ट)	14	कारीगरों, किसानों की आय में वृद्धि तथा आजीविका, रोजगार संवर्द्धन ।		
	5. पूर्वोत्तर क्षेत्र को प्रोत्साहनः पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में जागरूकता विज्ञापन और प्रोत्साहन हेतु सहायता	5.1. समर्थित कार्यक्रमों (इवेन्ट) की संख्या	30	5. पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में जागरूकता/विज्ञापन/प्रोत्साहन में सुधार	5.1. कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की संख्या	15,000
		5.2. विज्ञापनों की संख्या	20	6. संग्रहालयों/पुरातत्वीय स्मारकों का निर्माण/परिरक्षण	6.1. पूर्वोत्तर राज्यों में पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	5
		5.3. वित्तपोषित परियोजनाओं की संख्या (चालू)	22			
	6. बीआरओ के माध्यम से अंतर-राज्य सड़कों का निर्माण/उन्नयन	6.1. फॉर्मेशन कटिंग की लंबाई कि.मी. में	12	7. अंतर-राज्य सड़कों के साथ जुड़े गांवों और कस्बों की संख्या	7.1. संपर्क स्थापित गांवों और कस्बों की संख्या	11
		6.2. डब्ल्यूबीएम की लंबाई किमी. में	8			
		6.3. कारपेटिंग की लंबाई किमी. में	4.5			

2. पूर्वोत्तर और सिक्किम के लिए अव्यपगत केन्द्रीय संसाधन पूल (एनएलसीपीआर) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
551.75	1. सड़कों का निर्माण और उन्नयन	1.1. फॉर्मेशन कटिंग की लंबाई कि.मी. में	66.30	1. गांवों/पहाड़ी कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1. पूरा होने पर लक्षित आबादी (संख्या में)	49,50,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.2. डब्ल्यूबीएम की लंबाई किमी. में	232.67			
		1.3. कारपेटिंग की लंबाई किमी. में	232.67			
	2. उप-केंद्रों/पारेषण लाइनों की स्थापना/उन्नयन	2.1. निर्मित/उन्नत उप-केन्द्रों की संख्या	9	बेहतर विद्युत उपलब्धता	· पूरा होने पर लक्षित आबादी (संख्या में)	19,80,000
	3. प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य क्षेत्र अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	3.1. निर्मित/उन्नत अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केन्द्रों की परियोजनाओं की संख्या	2	स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता	· पूरा होने पर लक्षित आबादी (संख्या में)	55,000
	4. प्राथमिक और द्वितीयक शिक्षा क्षेत्र अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	4.1. निर्मित/उन्नत स्कूलों की परियोजनाओं की संख्या	22	विद्यालय शिक्षा की बेहतर उपलब्धता	· सृजित की जाने वाली लक्षित सीटों की संख्या	4,840
	5. जल आपूर्ति परियोजनाएं	5.1. पूरी की गई जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	7	पेयजल आपूर्ति में सुधार	· पूरा होने पर लक्षित आबादी (संख्या में)	2,97,000

3. पूर्वोत्तर विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस) कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
620.00	1. सड़कों का निर्माण और उन्नयन	1.1. ब्लैक-टॉपिंग वाली सड़कों की लंबाई किमी. में	198.49	1. गांवों/पहाड़ी कस्बों की संपर्कता में सुधार	1.1. पूरा होने पर लाभान्वित होने वाली लक्षित आबादी (संख्या)	6,28,894

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. उप-केंद्रों/पारेषण लाइनों की स्थापना /उन्नयन	2.1. निर्मित/उन्नत उप-केंद्रों की संख्या	2	2. बेहतर विद्युत उपलब्धता	2.1. पूरा होने पर लाभान्वित होने वाली लक्षित आबादी (संख्या)	1,67,750
	3. प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य क्षेत्र अवसंरचना का निर्माण/उन्नयन	3.1. निर्मित/उन्नत अस्पताल भवनों/स्वास्थ्य केंद्रों की परियोजनाओं की संख्या	3	3. स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता	3.1. पूरा होने पर लाभान्वित होने वाली लक्षित आबादी (संख्या)	5,04,900
	4. प्राथमिक और द्वितीयक शिक्षा क्षेत्र अवसंरचना का निर्माण/ उन्नयन	4.1. निर्मित/उन्नत स्कूलों की परियोजनाओं की संख्या	3	4. विद्यालय शिक्षा की बेहतर उपलब्धता	4.1. सृजित की जाने वाली लक्षित सीटों की संख्या	352
	5. जल आपूर्ति परियोजनाएं	5.1. पूरी की गईं जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	11	5. पेयजल आपूर्ति में सुधार	5.1. पूरा होने पर लाभान्वित होने वाली लक्षित आबादी (संख्या)	1,37,198

1. महासागर सेवाएँ, प्रौद्योगिकी,प्रेक्षण,संसाधन मॉडलिंग और विज्ञान (ओ-स्टोर्म्स) (सीएस) जिसे महासागर सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओस्मार्ट) के रूप में नया नाम दिया गया है (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
567.00[30]	1. समुद्र और तटीय क्षेत्रों में बेहतर सुरक्षा	1.1 भारतीय तट पर समुद्री प्रेक्षण के लिए कमीशन किए जाने वाले बुआयों-कोस्टल बुआय की संख्या	2	1. (क) तटीय समुद्र की मॉनिटरिंग का कवरेज विस्तार और सुधार (ख) आंकड़ों के विस्तार से समुद्री आपदाओं के बेहतर पूर्वानुमान में मदद मिलेगी (ग)आपातकालीन परामर्शिकाओं पर समय पर कार्यवाही करने के लिए बढ़ा हुआ लीड समय	1.1. तटीय जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली के तहत हॉटस्पॉट की संख्या	2
		1.2 बहु-खतरा चेतावनी प्रणाली के एक भाग के रूप में प्रेक्षण प्रणालियों की संख्या का विस्तार-नौबन्ध बुआय	19		1.2. चक्रवातों के पूर्वानुमान के लीड समय में सुधार (दिन)	5
		1.3 सुनामी बुआयों की संख्या-प्रचालनात्मक	7		1.3. सुनामी परामर्शिकाओं के निर्गमन के लिए सुनामी की पूर्व चेतावनी और लगने वाले समय (औसत/उच्चतम/ न्यूनतम) में सुधार (मिनट में)	10
	2. तटीय राज्यों की निगरानी	2.1. वास्तविक समय आप्लावन मॉडल के विभेदन में वृद्धि (किमी. में)	2.5	2. (क) तटीय आप्लावन में सुधार	2.1. आप्लावन मॉडलों के विभेदन में वृद्धि (किमी. में)	2.5

[30] *प्रस्तावित डीप ओशन मिशन सहित*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		2.2. तटीय प्रदूषण की निगरानी के लिए स्थानों की संख्या	24	(ख) मत्स्य उद्योग की सहायता के लिए मौसम और मत्स्य परामर्शिकाएं जारी करना	2.2. भारत के तटीय समुद्रों के स्वास्थ्य का आकलन (तटीय स्टेशन)	24
		2.3. उन राज्यों की संख्या जहां तटीय कटाव की निगरानी की जा रही है	4		2.3. भारतीय तट के तटरेखा परिवर्तनों का आकलन (स्थल)	4
		2.4. प्रजाति विशिष्ट परामर्शिका सेवाओं के साथ-साथ मत्स्य संभावित क्षेत्र आकलन सेवाओं के लिए नया सिस्टम सेटअप	2		2.4. मछुआरा समुदाय के पंजीकृत मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या (लाख में)	8
		2.5. जारी की गई मत्स्य परामर्शिकाओं की संख्या	300		2.5. महासागर परामर्शिका सेवाओं से उत्पन्न आर्थिक लाभ (करोड़ रुपये में)	35,000
	3. खनिज संसाधनों अन्वेषण (क) अंतर्जल सजीव संसाधन-समुद्री प्रजातियां (ख) अंतर्जल निर्जीव संसाधन-उदाहरणार्थ खनिज	3.1. भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में बाथीमीट्रिक डेटा प्राप्ति के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र (वर्ग किमी.)	1,00,000	3. (क) मानवजनित प्रभावों का आकलन (ख) पॉलिमेटेलिक नोड्यूल और सल्फाइडों की खोज	3.1. कवर किए गए भारत के कुल पश्चिमी तट का %	100%
		3.2. अन्वेषण किए गए 2.2 मिलियन वर्ग कि.मी. अनन्य आर्थिक क्षेत्र का %	72%		3.2. शुरू की गई समुद्री यात्राओं की संख्या	3
					3.3. अंतर्राष्ट्रीय सीबेड अथॉरिटी के साथ अनुबंध की निरंतरता (हाँ/नहीं)	हाँ

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. समुद्री अनुसंधान जलपोतो की प्रतिस्थापना	4.1. समुद्री अनुसंधान जलपोतो जो अपना निर्धारित जीवनकाल पूरा कर चुके हैं/जिनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता है,का %	40%	4. समुद्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान	4.1. पीयर समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशनों की संख्या	35
	5. ओटीईसी संचालित विलवणीकरण संयंत्रों का संचालन	5.1. उपयुक्त ठेकेदार की पहचान (हाँ /नही)	हाँ	5. लक्षद्वीप में ओटीईसी संयंत्र की स्थापना	5.1. स्थापित किए गए ओटीईसी संयंत्रों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		5.2. विस्तृत इंजीनियरिंग रिपोर्ट को स्वीकार करना (हाँ/नही)	हाँ			

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय **मांग सं. 24**

1. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी हार्डवेयर विनिर्माण को प्रोत्साहन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
980.00	1. उद्योगों को वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन।	1.1 संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-सिप्स) के तहत पूंजीगत व्यय पर दिए गए प्रोत्साहन की कुल राशि	500	1. घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना जिसके फलस्वरूप, आयात पर निर्भरता में कमी आई है।	1.1. 19% की दर से इलेक्ट्रॉनिकी के घरेलू उत्पादन में वृद्धि। (करोड रुपए)	6,55,000
	2. इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में अवसंरचना विकास के लिए अनुदान।	2.1 जिन ईएमसी को अनुदान स्वीकृत है, उनकी संख्या	17			
	3. ईएसडीएम क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए ईडीएफ के जरिए उद्यम निधि में निवेश को बढ़ावा देने के लिये ईडीएफ के जरिए उद्यम निधि में निवेश	3.1 वेंचर फंड की संख्या जिसमें ईडीएफ और उसकी राशि के माध्यम से निवेश किया जाता है।	8			
		3.2 उद्यम निधि में ईडीएफ के निवेश की राशि	50			

2. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम - आईटी, इलेक्ट्रॉनिकी और सीसीबीटी में अनुसंधान और विका [टीआईडीई 2.0 सहित] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
762.99	1. इन्क्यूबेटरों और विशिष्ट इलेक्ट्रोप्रेन्यर पार्कों को सहयोग ।	1.1 कुल स्थानों की संख्या जहां इन्क्यूबेटरों की स्थापना की गई है ।	4	1. स्टार्ट-अप्स ने और अधिक नवोदभव वाली पारिप्रणाली को सहयोग दिया।	1.1. सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप्स की कुल संख्या।	50

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. इलेक्ट्रॉनिकी, संचार, समाहार और ब्रोडबैंड प्रौद्योगिकियों (सीसीएंडबीटी) और सूचना प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास।	2.1 चालू की गई कुल परियोजनाएँ (चल रही और नवीन परियोजनाएँ) -आईटी में अनुसंधान एवं विकास	8	2. आईसीटी उद्योग में रोजगार के अवसरों में वृद्धि।	2.1. नई सृजित नौकरियों की कुल संख्या।	200
		2.2 चालू की गई कुल परियोजनाएँ (चल रही और नवीन परियोजनाएँ) - इलेक्ट्रॉनिक्स में अनुसंधान एवं विकास	8	3. सहायता प्राप्त स्टार्ट-अप्स द्वारा तैयार किए गए आईपीआर।	3.1. दायर पेटेंटों/ कॉपीराइटों की कुल संख्या।	10
		2.3 चालू की गई कुल परियोजनाएँ (चल रही और नवीन परियोजनाएँ) - सीसीएंडबीटी में अनुसंधान एवं विकास	8 से 10	4. निम्न के द्वारा नई प्रौद्योगिकियों का विकास: अवधारणा का प्रमाण तैयार करना। प्रोटोटाइप उत्पाद उल्लिखित क्षेत्रों में इन्क्यूबेशन/स्टार्ट-अप्स शुरू करने के प्रयास ।	4.1. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (ईटी में अनुसंधान एवं विकास)	1
					4.2. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी)	3
					4.3. प्रौद्योगिकियों का नियोजन (सीसीबीटी में आरएंडडी)	1
					4.4. प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण (आईटी में आरएंडडी)	1
					4.5. प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण (इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी)	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					4.6. प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण (सीसीबीटी में आरएंडडी)	1
					4.7. प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण - (इलेक्ट्रॉनिक्स में आरएंडडी)	1
					4.8. पेटेंट दायर करना (आईटी में आरएंडडी)	2
					4.9. पेटेंट दायर करना (इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी)	12
					4.10. पेटेंट दायर करना (सीसीबीटी में आरएंडडी)	2
					4.11. प्रकाशन (ईटी में अनुसंधान और विकास	10
					4.12. प्रकाशन (इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी)	50
					4.13. प्रकाशन (सीसीबीटी में आरएंडडी)	40

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					4.14. विशेष प्रशिक्षण/ पीएचडी (आईटी में आरएंडडी)	60
					4.15. विशेष प्रशिक्षण/ पीएचडी (इलेक्ट्रॉनिकी में आरएंडडी)	300
					4.16. विशेष प्रशिक्षण/ पीएचडी (सीसीबीटी में आरएंडडी)	160
	क. टीआईडीई 2.0					
	1. स्टार्ट-अप इकोसिस्टम की सहायता के लिए आधार को मजबूत करना।	1.1 ऐसे इन्क्यूबेटरों की संख्या जिन्हें सहायता दी गई	51	1. स्टार्टअप प्रणाली में बढ़े हुए निवेश के साथ रोजगार में और उच्च स्तर पर स्टार्ट अप में वृद्धि	1.1. सृजित कुल रोजगार	400
		1.2 ऐसे स्टार्ट-अप की संख्या जिन्हें सहायता दी गई	300		1.2. विकसित उत्पादों की संख्या	20
		1.3 संचालित की गई पारिस्थितिकी तंत्र संबंधी गतिविधियों की संख्या	1		1.3. पंजीकृत पेटेंट की संख्या	10
		1.4 संचालित की गई प्रशिक्षण कार्यशालाओं की संख्या	50		1.4. पंजीकृत कोपीराइट की संख्या	10
		1.5 कम भागीदारी वाले संचालित किए गए कार्यक्रमों की संख्या	40		1.5. पंजीकृत ट्रेडमार्क की संख्या	10
		1.6 गहन भागीदारी वाले सन्चालित किए गए कार्यक्रमों की संख्या	5		1.6. निवेशित स्टार्टअप की संख्या	20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.7 लॉन्च किए गए चुनौतीपूर्ण अनुदानों की संख्या	5			
		1.8 आयोजित किए गए हैकथॉन की संख्या	5			
		1.9 औद्योगिक टाई-अप/ इनक्यूबेटरों द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू की संख्या	20			

1. वन्य जीव पर्यावासों का एकीकृत विकास (सीएसएस)[31]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
532.00	**क. बाघ परियोजना**					
	1. शिविर लगाने, गश्त करने सहित शिकार-रोधी कार्यकलाप	1.1. निर्मित की जाने वाली शिकार रोधी अवसंरचनात्मक परिसंपत्तियों की संख्या	75	1. गंभीर रूप से संकटापन्न, महत्वपूर्ण और अन्य प्रजातियों की संख्या का उनके पर्यावासों में स्थिरीकरण	1.1. बाघों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[32]
		1.2. वन्य जीव अपराध में बाघों के संबंध में की गई जब्ती की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।	2. स्कीम के तहत शामिल किए गए पीए का विस्तार	2.1. बाघ रिजर्वों की संख्या में वृद्धि	1
		1.3. शिकार रोधी कार्मिकों की तैनाती	6,500		2.2. बाघ रिजर्वों के तहत क्षेत्र में वृद्धि (वर्ग किमी.)	800
	2. बाघ रिजर्वों (नए बाघ रिजर्वों सहित) के भीतर अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण	2.1. निगरानी के लिए निर्मित किए जाने वाले हाई वाच टावरों की संख्या	25		2.3. संरक्षित क्षेत्र और/ या बाघ रिजर्व के रूप में नामोद्धिष्ट क्षेत्र की प्रतिशतता में वृद्धि	1.1%
		2.2. निर्माण किए जाने वाले पुलों/पुलियों की संख्या	15	3. पीए प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण और समेकन	3.1. प्रबंधन प्रभावकारिता मूल्यांकन में सकारात्मक श्रेणी परिवर्तन दर्शाने वाले बाघ रिजर्वों की संख्या	7

[31] *निर्गम के समूह का परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*

[32] *अखिल भारतीय अनुमान 2018-19 के अनुसार बाघों की नवीन संख्या 2967 है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		2.3. निर्माण किए जाने वाले जमीन के तालाबों/बांधों की संख्या	20		3.2. कोर और बफर जोन में एकरूप नियंत्रण वाले बाघ रिजर्वों की संख्या	3
		2.4. निर्माण किए जाने वाले फायर वाच टावरों की संख्या	15	4. कॉरिडोरों जैसे महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावासों और मैनग्रोव जैसे गंभीर रूप से संकटापन्न पर्यावासों को सुरक्षित रखना	4.1. नामोद्धिष्ट वन्यजीव कॉरिडोरों के भीतर वन आवरण के तहत आने वाले क्षेत्र में वृद्धि (वर्ग किमी.)	250
		2.5. निर्माण किए जाने वाले स्टाफ क्वॉटरों की संख्या	150	5. मनुष्यों और जानवरों के बीच संघर्ष में कमी	5.1. मनुष्यों और जानवरों के बीच संघर्ष के कारण मारे गए लोगों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		2.6. निर्माण किए जाने वाले कार्यालयों की संख्या	10		5.2. संघर्ष की घटनाओं के लिए भुगतान की गई वित्तीय अनुग्रह धनराशि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
	3. पर्यावास सुधार (संवर्धन, पौधरोपण, मृदा/ आर्द्रता संरक्षण, जल संचयन, अग्नि/बाढ़ सुरक्षा)	3.1. घास स्थल विकास के तहत शामिल किये जाने वाला क्षेत्र (हेक्टे.)	5,000	6. बाघ रिजर्वों में प्रबंधन संबंधी हस्तक्षेपों का वैधीकरण	6.1. अनुमोदित की जाने वाली बाघ संरक्षण योजनाओं की संख्या	5
		3.2. घास स्थल से अनावश्यक पौधों को हटाने सहित आक्रामक	5,500	7. संबंधित हितधारकों को शामिल करते हुए सक्रिय प्रबंधन हेतु	7.1. संवेदनशील बनाए जाने वाले लोगों की संख्या	1,200

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		रूप से बढ़ने वाले पौधों को हटाने संबंधी कार्यकलापों में शामिल किए जाने वाला क्षेत्र (हेक्टे.)		वन अधिकारियों की संवर्धित तत्परता		
	4. आजीविका में सहयोग	4.1. प्रदान किए जाने वाले आजीविका के श्रम दिवसों की संख्या (लाख)	8.25	8. वन/अन्य विभागों के कर्मचारियों की क्षमता में वृद्धि	8.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले लोगों की संख्या	1,600
	5. बाघ रिजर्वों में अतिक्रमण रोकने हेतु कोर/महत्वपूर्ण बाघ पर्यावासों से गांवों को स्वैच्छिक रूप से अन्यत्र बसाना	5.1. अन्यत्र बसाए गए परिवारों की संख्या	1,000	9. बेहतर प्रबंधन अभ्यासों की पुनरावृत्ति	9.1. उन बाघ रिजर्वों की संख्या जहां बेहतर प्रबंधन अभ्यास किए जाएंगे	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		5.2. अन्यत्र बसाए गए गांवों की संख्या	8			
		5.3. अन्यत्र बसाकर अतिक्रमण से मुक्त किया जाने वाला क्षेत्र (हेक्टे.)	1,000			
	6. प्रबंधन योजना, अनुसंधान, और जागरुकता सुदृढ़ीकरण, क्षमता निर्माण	6.1. लागू की जाने वाली बाघ संरक्षण योजनाओं (टीसीपी)/ सांकेतिक बाघ संरक्षण योजना (जहां बाघ संरक्षण योजना अनुमोदित नहीं है) की संख्या	5			
		6.2. आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं का प्रचार-प्रसार	110			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		6.3. आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों की संख्या	175			
		6.4. बेहतर कार्यरीतियों के मूल्यांकन हेतु किए जाने वाले अध्ययन दौरे	50			
	ख. हाथी परियोजना					
	1. प्रबंधन योजना, अनुसंधान और जागरूकता सुदृढ़ीकरण, क्षमता निर्माण	1.1. आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं/सेमिनार/ प्रशिक्षणों/सम्मेलनों की संख्या	15	1. गंभीर रूप से संकटापन्न, महत्वपूर्ण और अन्य प्रजातियों की आबादी का उनके पर्यावासों में स्थिरीकरण	1.1. हाथियों की संख्या	29,964
	2. पर्यावास सुधार (पौधा रोपण संवर्धन, मृदा/नमी संरक्षण, जल संचयन, आग/बाढ़ से सुरक्षा)	2.1. वृक्ष/चारा पौधरोपण के तहत बेहतर किया जाने वाला क्षेत्र (हेक्टर)	210	2. भूदृश्य-स्तर के हस्तक्षेपों और सीमापारीय पीए पहलों के माध्यम से एकीकृत संरक्षण	2.1. अग्निशमन रोकथाम और नियंत्रण के तहत फायर लाइन की लंबाई (किमी)	630
		2.2. आक्रामक पौधों को हटाने संबंधी कार्यकलापों के अंतर्गत शामिल किया जाने वाला क्षेत्र (हेक्टर)	140		2.2. सृजित किए जाने वाले हाथी अवरोधकों की संख्या	70
		2.3. सृजित जल कुंडों की संख्या (हेक्टर)	140		2.3. सृजित किए जाने वाले सॉल्ट लिक्स की संख्या	30

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. शिविर लगाने, वाचटॉवर, गश्त करने, कानूनी सहायता, राइफल्स/बंदूक/गोला-बारूद और जीपीएस, फायर पटाखों आदि जैसी अवसंरचना के प्रापण सहित अवैध शिकार रोधी कार्यकलाप	3.1. सृजित किए जाने वाले अवैध शिकार-रोधी शिविरों/शेडों की संख्या	75	3. गलियारों जैसे महत्वपूर्ण वन्यजीव पर्यावासों की सुरक्षा करना	3.1. सृजित किए जाने वाले हाथी रिज़र्वों की संख्या	30
		3.2. सृजित किए जाने वाले अवैध शिकार रोधी दस्तों की संख्या	15		3.2. हाथी गलियारों में पारिविकास कार्य पर खर्च की जाने वाली राशि (लाख)	27
		3.3. सृजित किए जाने वाले वाच टॉवरों की संख्या	24			
		3.4. सृजित/अनुरक्षित किए जाने वाले गश्त मार्ग का विस्तार (किमी)	620			
	ग. वन्यजीव पर्यावासों का विकास					
	1. प्रबंधन योजना, अनुसंधान और जागरूकता सुदृढ़ीकरण, क्षमता निर्माण	1.1. शामिल किए जाने वाले पीए की कुल संख्या	400	1. गंभीर रूप से संकटापन्न, महत्वपूर्ण और अन्य प्रजातियों की आबादी का उनके पर्यावासों में स्थिरीकरण	1.1. शामिल की गई प्रजातियों की संख्या	21
		1.2. प्रबंधन योजना वाले पीए की संख्या	400		1.2. प्रजाति गणना - शेर	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[33]
		1.3. सक्रिय की जाने वाले प्रबंधन योजना वाले संरक्षित क्षेत्रों की संख्या	400		1.3. प्रजाति गणना - मणिपुर ब्रो-एन्टीलेर्ड हिरण	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[33]

[33] *पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.4. आयोजित किए जाने वाले क्षमता निर्माण सेमिनार/कार्यशालाओं/ प्रशिक्षणों की संख्या	650		1.4. प्रजाति गणना - नीलगिरी तहर	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[33]
		1.5. आयोजित किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों/ हितधारक परामर्शों की संख्या	625		1.5. प्रजाति गणना - गैंडा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[33]
	2. गांवों का विस्थापन	2.1. विस्थापित आबादी का आकार (परिवार)	590		1.6. गत वर्ष में घोषित विलुप्त प्रजातियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[33]
		2.2. विस्थापन कार्यक्रमों द्वारा शामिल किए जाने वाले पीए की संख्या	2	2. भूदृश्य-स्तर के हस्तक्षेपों और सीमापारीय पीए पहलों के माध्यम से एकीकृत संरक्षण	2.1. आग से सुरक्षा के तहत शामिल किए जाने वाला क्षेत्र (वर्ग किमी)	20,000
	3. पीए के बाहर उच्च मूल्य की जैव विविधता वाले क्षेत्रों के लिए परियोजनाओं सहित	3.1. पीए के बाहर शुरू की जाने वाली परियोजनाओं का संयुक्त क्षेत्र (वर्ग किमी)	6,000		2.2. सीमा सुरक्षा के अंतर्गत लाए जाने वाला क्षेत्र (वर्ग किमी)	20,000
	4. पर्यावास सुधार (रोपण संवर्धन, मृदा/नमी संरक्षण, जल संचयन, आग/बाढ़ से सुरक्षा)	4.1. वृक्षारोपण के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र (हेक्टर)	1,000		2.3. चहलकदमी (वर्ग किमी)	5,000
		4.2. आक्रामक पौधे हटाए जाने के लिए क्षेत्र (हेक्टर)	20,000	3. स्कीम के अंतर्गत शामिल किए गए पीए का विस्तार	3.1. वनावरण के अंतर्गत क्षेत्र का प्रतिशत	24.39%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		4.3. सृजित किए जाने वाले जल कुंडों की संख्या	1,500		3.2. संरक्षित क्षेत्र के रूप में निर्दिष्ट किए जाने वाले राष्ट्रीय क्षेत्रीय क्षेत्र का प्रतिशत	5.02%
		4.4. अनुरक्षित किए जाने वाले जल कुंडों की संख्या	2,000			
	5. शिविर, वाचटॉवरों, गश्त लगाने, कानूनी सहायता, राज्य अपराध प्रकोष्ठों सहित अवैध शिकार रोधी कार्यकलाप	5.1. बनाए जाने वाले वाचटॉवरों की संख्या	15			
		5.2. गश्त द्वारा कवर की जाने वाली दूरी (किमी)	25,000			
		5.3. मारे जाने वाले छापों की संख्या	1,500			
		5.4. ऐसे लोगों की संख्या जिन्हें कानूनी सहायता प्रदान करनी है	150			
		5.5. बनाया जाने वाला सूचना नेटवर्क	200			
	6. वैकल्पिक आजीविका, लघु वन उत्पाद, पारि-पर्यटन में सहायता करना	6.1. वैकल्पिक आजीविका प्राप्त करने वाले परिवारों की संख्या	500			
	7. भूदृश्य-स्तर के हस्तक्षेपों और सीमापारीय पीए पहलों के माध्यम से एकीकृत संरक्षण	7.1. अग्नि सुरक्षा कार्यकलापों के तहत शामिल होने वाले क्षेत्र (वर्ग किमी.)	20,000			
		7.2. संरक्षित सीमा के तहत आने वाला क्षेत्र	20,000			
		7.3. चहलकदमी (वर्ग किमी.)	5,000			

आर्थिक कार्य विभाग

1. आईडीईए योजना: एग्जिम बैंक को ब्याज समकारी सहायता (सी.एस.)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
779.41	1. एग्जिम बैंक को ब्याज समकारी सहायता (आई.ई.एस) ताकि इसे रियायती शर्तों पर विकासशील देशों को उधार देने के लिए समर्थ बनाया जा सके।	1.1. एक्जिम बैंक को दी गई ब्याज समकारी सहायता की राशि (करोड़ रुपये में)	2,742.36	1. एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति, निवेशक देश और विकासशील देशों के लिए भागीदार के रूप में यह स्थिति निर्धारित करके विदेश में भारत के सामरिक राजनीतिक और आर्थिक हित को बढ़ावा देने के लिए। अन्य देशों के साथ सद्भावना उत्पन्न करने तथा दीर्घकालिक साझेदारी का निर्माण करने के लिए।	1.1 योजना के तहत सहायता प्राप्त देशों की संख्या	63
		1.2. प्रदान की गई ऋण श्रृंखलाओं की संख्या	मांग आधारित संकेतक, अत: लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते			
		1.3. प्रदान की गई ऋण श्रृंखलाओं की राशि (यूएस $ में)				
		1.4. विभिन्न देशों को प्रदान की गई ऋण श्रृंखलाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या				
		1.5. आई.ई.एस.के भुगतान के लिए निधियों का उपयोग (%)	100%			

वित्तीय सेवाएं विभाग

1. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की शेयर पूंजी का अभिदान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1000.00	1. नाबार्ड का पूंजीकरण	1.1 वर्ष 2020-21 के दौरान जारी की जाने वाली प्रस्तावित राशि।	1,000	1. शेयर पूंजी के अंशदान के माध्यम से नाबार्ड की उधार शक्ति में वृद्धि हुई	1.1 वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान जुटाई जाने वाली निधि (भारत सरकार की अनेक निधियों/ योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु)।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[34]

2. भारतीय निर्यात आयात बैंक (एक्जिम बैंक) की शेयर पूंजी का अभिदान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1300.00	1. एक्जिम बैंक में इक्विटी पूंजी का निवेश	1.1 इक्विटी पूंजी में निवेश की राशि (करोड़ रुपए)	1,500	1. उधार देने की क्षमता का बेहतर होना	1.1 पिछले वर्ष में एक्जिम बैंक द्वारा उधार देने में प्रतिशत वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
				2. अपेक्षित पूंजी पर्याप्तता को बनाए रखना	2.1 एक्जिम बैंक की सीआरएआर (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[34]

[34] *पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखना*

3. इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) को इक्विटी सहायता (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
10000.00	1. भारत सरकार द्वारा आईआईएफसीएल में इक्विटी निवेश	1.1 इक्विटी पूंजी में निवेश की राशि (करोड़ रुपए)	10,000	1. उधार हैडरूम में वृद्धि	1.1 ऋण के रूप में जुटाई गई राशि (रुपए में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
				2. पूंजी पर्याप्तता को बनाए रखना	2.1 % सीआरएआर	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[34]

4. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) (एनसीजीटीसी के माध्यम से) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1. पीएमएमवाई के अंतर्गत स्वीकृत ऋणों के अधिदेश के अनुसार अनुपातिक राशि की गारंटी प्रदान करना	1.1. शिशु श्रेणी के अंतर्गत जारी की गई गारंटियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।	1. पात्र उधारकर्ताओं को संपार्श्विक रहित औपचारिक ऋण उपलब्धि	1.1 शिशु श्रेणी के अंतर्गत जारी की गई गारंटियों की राशि (करोड़ रुपए में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		1.2 किशोर श्रेणी के अंतर्गत जारी की गई गारंटियों की संख्या			1.2 किशोर श्रेणी के अंतर्गत जारी की गई गारंटियों की राशि (करोड़ रुपए में)	
		1.3 तरूण श्रेणी के अंतर्गत जारी की गई गारंटियों की संख्या			1.3 तरूण श्रेणी के अंतर्गत जारी की गई गारंटियों की राशि (करोड़ रुपए में)	

5. बीमा कंपनियों का पुनर्पूंजीकरण(सीएस)

वित्तीय परिवव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य *2020-21*	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य *2020-21*
6950.00	1. बीमा कंपनियों का पुनर्पूंजीकरण	1.1. पीएसजीआईसी की ऋण शोधन क्षमता अनुपात में सुधार	3	1. नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीआरएआर को बनाये रखना	1.1. सीआरएआर को बनाये रखने वाली पीएसजीआईसी की संख्या	3

मत्स्यपालन विभाग

1. नीली क्रांति: मात्स्यिकी का एकीकृत विकास और प्रबंधन[35] (सी.एस.एस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
560.00	1. हार्वेस्ट और पोस्ट-हार्वेस्ट के बुनियादी ढांचे का बढ़ा हुआ निवेश	1.1. कुल निवेश (सभी अनुमोदित डी.पी.आर. का मौद्रिक मूल्य) के माध्यम से नीली क्रांति योजना मत्स्यपालन क्षेत्र (करोड़ रुपये में)	250	1. उन्नत मछली फार्म आय, जीवन स्तर; भोजन / पोषण संबंधी सुरक्षा; मछुआरा सुरक्षा और संरक्षा	1.1 मछुआरा और मछली किसानों की औसत आय (रु.)	96,800-1,57,693
	2. हार्वेस्ट और पोस्ट-हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति और क्षमता निर्माण में वृद्धि	2.1. नई विकसित प्रौद्योगिकी की संख्या, नई प्रौद्योगिकी को अपनाया, नई प्रौद्योगिकी का उपयोग कर मछली किसानों का %	2		1.2 फिशर दुर्घटनाओं और संबंधित हताहतों की संख्या	0
	3. मछली पकड़ने की गतिविधियों का बढ़ा हुआ तार्किक समर्थन और एम.सी.एस का हस्तक्षेप	3.1. प्रशिक्षण कार्यशालाओं/आयोजनों की संख्या	2,000	2. मछली पालन क्षेत्र की बढ़ी हुई मछली उत्पादन, उत्पादकता, निर्यात और विकास दर	2.1 मत्स्यन विकास दर के आंकड़े (%)	10%
		3.2. जारी आई.डी की संख्या	1,000		2.2 मछली निर्यात के कारण विदेशी मुद्रा की कमाई ($बिलियन)	8.5
		3.3. आई.डी. वाले मछुआरों का %	100%[36]		2.3 कुल मछली उत्पादन (मी.टन)	15.7
		3.4 मछली पकड़ने वाले जहाजों की संख्या	2,000		2.4 वैश्विक मछली उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी (%)	7.3%

[35] *निर्गम के समूह का परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*

[36] *100% विदेशी मछुआरे*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					2.5 वैश्विक मछली व्यापार में भारत की हिस्सेदारी (%)	4%
		3.5 कुल पंजीकृत जहाजों का %	100%	3. बेहतर कोल्ड स्टोरेज, परिवहन, विपणन - कम लागत, बेहतर मूल्य निर्धारण	3.1 कुल मछली उत्पादन का अपव्यय %	5%
		3.6 नकली पहचान पत्रों की सं.	0		3.2 गोदामों से बाजारों तक परिवहन का औसत समय (घंटे)	2-4
		3.7 मछली पकड़ने के आई.यू.यू. मामलों की संख्या	0			
	4 मछली/झींगा हैचरियां, ब्रूडबैंक, चारा मिल, तालाब/ टैंक, रेसवे, कृषि की इकाइयाँ स्थापित करना	4.1 ब्रूड बैंकों की संख्या	5		3.3 मछली उत्पादों का जीविकोपार्जन (माह)	6
		4.2 हैचरियों की सं.	75			
		4.3 प्रति किलो स्वस्थ मादा मछली में लार्वा की संख्या	1,00,000	4. जैव-सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ऊर्जा कुशल प्रथाओं के माध्यम से संबोधित किया	4.1 बैटरी चालित नावों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। [37]
		4.4 प्रति किलो स्वस्थ मादा झींगा में लार्वा की संख्या (मिलियन में)	20			
		4.5 मछली चारा मिलों की संख्या	10			
		4.6 मछली चारा उत्पादन की कुल राशि (टन में)	4,000		4.7 बैटरी संचालित नावों का उपयोग करने वाले मछली किसानों का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[38]
	5 संभव अदानों (बीज, चारा),खरीद को प्रोत्साहन, एफ.आर.पी नौकाओ , एच.एस.डी.और	5.1 औसत मछली की उपज प्रति यूनिट ईकाइ (टन/हेक्टेयर/वर्ष में)	3.8			
		5.2 प्रति मछुआरे की कुल लागत (रु./ किग्रा)	85			
		5.3 एफआरपी समर्थित नावों की संख्या	500			
		5.4 इंसुलेटेड युक्त मछली पकड़ने के आइस-बाक्सों की संख्या	700			

[37] *भारत में मशीनीकृत, मोटर चालित और पारंपरिक नावें चल रही हैं और कोई भी बैटरी चालित नावें नहीं चल रही हैं*

[38] *लागू नहीं होता क्योंकि कोई बैटरी चालित नाव नहीं चल रही है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	वेसल सिस्टम पर छूट	5.5 समुद्री मछुआरों को एचएसडी पर दी गई छूट की मात्रा (रु.)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			
		5.6 प्रति वर्ष प्रति मछुआरे को मछली पकड़ने पर मिलने वाली छूट की मात्रा (रु.)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			
	6 पोस्ट-हार्वेस्ट का बुनियादी ढांचा - आइस प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, कंटेनर, रिटेल फिश आउटलेट, फिश हार्बर	6.1 बर्फ संयंत्र और कोल्ड स्टोरेज की संख्या	50			
		6.2 बर्फ संयंत्र और कोल्ड स्टोरेज की कुल क्षमता (मी.टन)	2,500			
		6.3 इंसुलेटेड और रेफ्रिजरेटर युक्त कंटेनरों/ट्रकों की संख्या	50			
		6.4 इंसुलेटेड और रेफ्रिजरेटर कंटेनर/ट्रक की कुल क्षमता (मी.टन)	5,000			
		6.5 आइस-बॉक्स वाली साइकिल की समर्थन सं.	50			
		6.6 खुदरा मछली बाजारों की संख्या	20			
		6.7 मछली बंदरगाह और मछली लैंडिंग केंद्रों की संख्या	8			
	7 उचित आवास, पीने का पानी, आकस्मिक बीमा, मूल्यांकन सर्वेक्षण	7.1 पेयजल, बिजली और स्वच्छता के साथ आवास/आवास सुविधाओं की संख्या	4,000			
		7.2 दुर्घटना बीमा के अंतर्गत आने वाले मछुआरों की संख्या (लाख)	40			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	और जी.आई.एस मैपिंग	7.3 समुद्री मत्स्यपालन की जनगणना के समय पर चालन (हां / नहीं)	हां			
		7.4 अंतर्देशीय मत्स्य पालन के कैच आकलन और नमूना सर्वेक्षणों की संख्या	10			
		7.5 मछली पकड़ने के लिए जी.आई.एस मैपिंग के तहत कवर किया गया कुल क्षेत्र	1,00,000			
		7.6 मछली पकड़ने की गतिविधियों की योजना के लिए जी.आई.एस का उपयोग करने वाले मछली किसानों की संख्या	1,00,000			

पशुपालन और डेयरी विभाग

1. खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) और ब्रूसेलोसिस (सीएस) के लिए राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1300.00	1. एफएमडी टीकाकरण का बढ़ा हुआ कवरेज	1.1. वर्ष में दो बार टीकाकरण किए गए गोपशु, भैंसों, भैड़, बकरियों और सुअरों में एफएमडी टीकाकरण की संख्या (मिलियन खुराकों में)	800	1. पशुओं में एफएमडी का नियंत्रण	1.1. टीकाकरण के प्रत्येक चरण के अंतर्गत कवर किए गए पात्र पशुओं का प्रतिशत	100%
		1.2. सीरम निगरानी के लिए एकत्रित किए गए सीरम नमूनों की संख्या (लाख में)	1		1.2. सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा अनुमापन वाले पात्र पशुओं का %	70%
					1.3. एफएमडी प्रकोप की संख्या में वर्ष दर वर्ष कमी का प्रतिशत	20%
	2. ब्रूसेला टीकाकरण का बढ़ा हुआ कवरेज	2.1. टीकाकरण की गई 4-8 माह की बोवाईन मादा बछियों की संख्या (मिलियन में)	36	2. मादा बछियों में ब्रूसेलोसिस का नियंत्रण	2.1. ब्रूसेलोसिस के विरुद्ध टीकाकरण की गई पात्र बोवाईन मादा बछियों (4-8 माह की) का प्रतिशत	100%

1. प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना[39] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1081.41	**क. मेगाफूड पार्क स्कीम**					
	1. अभिवृद्ध उत्पादन एवं मूल्यवर्धन क्षमता, कच्ची सामग्री/ प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (मेगा फूड पार्कों में)	1.1. कार्यशील हो चुके फूड पार्कों की कुल संख्या	8	1. बढ़े हुए प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधाओं के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार तथा किसान स्तर पर प्रभाव (मेगा फूड पार्क)	1.1. मेगा फूड पार्कों से लाभान्वित हुए कुल किसानों की संख्या	2,00,000
		1.2. मेगा फूड पार्कों से कुल उत्पादन क्षमता (मूल्य में) परिरक्षण (करोड़ रुपए)	1,468.59		1.2. मेगा फूड पार्क में स्थापित यूनिटों में सृजित हुआ कुल रोजगार	40,000
		1.3. मेगा फूड पार्कों से कुल उत्पादन क्षमता (मात्रा में) परिरक्षण (मीट्रिक टन)	5,87,436			
		1.4. मेगा फूड पार्कों से कुल उत्पादन क्षमता (मूल्य में) प्रसंस्करण (करोड़ रुपए)	478.41			
		1.5. मेगा फूड पार्कों से कुल उत्पादन क्षमता (मात्रा में) प्रसंस्करण (मीट्रिक टन)	1,91,367			
		1.6. मेगा फूड पार्कों में स्थापित लघु एवं सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	76			

[39] *निर्गम के समूह का परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ख. कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर अवसंरचना स्कीम					
	1. अभिवृद्ध उत्पादन एवं मूल्यवर्धन क्षमता, कच्ची सामग्री/ प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता (कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर में)	1.1 चालू हुए कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों की कुल संख्या	31	1. बढ़े हुए प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुविधाओं के कारण अधिक उत्पादन, रोजगार तथा किसान स्तर पर प्रभाव (कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर)	1.1 कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों से कुल वास्तविक उत्पादन (मूल्य में) (करोड़ रुपए)	6,200
		1.2 कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों से कुल उत्पादन क्षमता (मीट्रिक टन)	62,000		1.2 कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों से कुल वास्तविक उत्पादन (मात्रा- मीट्रिक टन)	18,60,000
		1.3 कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों में स्थापित लघु एवं सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	155		1.3 कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों से लाभान्वित हुए किसानों की कुल संख्या	1,24,000
					1.4 कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों में स्थापित यूनिटों में सृजित हुआ कुल रोजगार	18,600
	ग. एकीकृत शीत श्रृंखला एवं मूल्यवर्धन अवसंरचना स्कीम					
	1. नई यूनिटों के सृजन/सहायता के माध्यम से बढ़ी शीत श्रृंखला क्षमता	1.1. स्थापित की गई कोल्ड चेन यूनिटों की संख्या	43	1. अधिक भंडारण सुविधाएं, अधिक रोजगार तथा कोल्ड चेन सुविधाओं का प्रयोग करने वाले किसानों को लाभ	1.1. स्थापित की गईं कोल्ड चेन यूनिटों का उपयोग करते हुए भंडारित/ परिरक्षित कृषि उपज की कुल राशि (मूल्य में) (करोड़ रुपए)	4,296
		1.2. स्थापित की गई कोल्ड चेन यूनिटों की कुल क्षमता; (क). दूध प्रसंस्करण (लाख लीटर प्रतिदिन)	18.77		1.2. स्थापित की गईं कोल्ड चेन यूनिटों का उपयोग करते हुए भंडारित/परिरक्षित कृषि उपज की कुल राशि (मात्रा- मी.ट.)	1,71,8362
		1.3. स्थापित की गई कोल्ड चेन यूनिटों की कुल क्षमता; (ख). कोल्ड चेन (मी.टन)	1,47,155		1.3. कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों से लाभान्वित हुए किसानों की कुल संख्या	4,10,736

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.4. स्थापित कोल्ड चेन यूनिटों की कुल क्षमता: ग) आईक्यूएफ (मी.ट./घंटा)	41.93		1.4. कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टरों में स्थापित यूनिटों में सृजित हुआ कुल रोजगार	25,800
		1.5. स्थापित कोल्ड चेन यूनिटों की कुल क्षमता: (घ) रीफर ट्रक्स	234			
	घ. खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमता सृजन/विस्तार स्कीम					
	1. बढ़ी हुई खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमता सृजन	1.1. सृजित/विस्तृत की गई खाद्य प्रसंस्करण/परिरक्षण यूनिटों की संख्या	175	1. बढ़े हुए कृषि उत्पादन, प्रसंस्करण और परिरक्षण तथा इससे जुड़ा हुआ रोजगार सृजन	1.1. इस स्कीम के अंतर्गत प्रसंस्कृत एवं परिरक्षित की गई कृषि उपज की कुल राशि (मूल्य) (करोड़ रुपए)	5,468
		1.2. स्वीकृत की गईं खाद्य प्रसंस्करण/ परिरक्षण यूनिटों की संख्या	90		1.2. इस स्कीम के अंतर्गत प्रसंस्सकृत एवं परिरक्षित कृषि उपज की कुल राशि (मात्रा) (लाख मी.ट.)	18.37
					1.3. खाद्य प्रसंस्करण एवं परिरक्षण यूनिटों के सृजन/विस्तार से उत्पन्न हुआ कुल रोजगार	18,800
	ग. बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज सृजन स्कीम					
	1. बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेजों से परियोजनाओं की सहायता करना	1.1. बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेज सृजन हेतु शुरू की गईं परियोजनाओं की संख्या	56	1. बढ़ी हुई प्रसंस्करण एवं परिरक्षण क्षमता तथा बढ़ा हुआ रोजगार	1.1. सृजित की जाने वाली कुल परिरक्षण एवं प्रसंस्करण क्षमता (लाख मीट्रिक टन)	6
		1.2. बैकवर्ड एवं फारवर्ड लिंकेजों से युक्त परियोजनाओं की संख्या जो सृजित की जानी है	40		1.2. सृजित किए जाने हेतु कुल रोजगार	25,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	च. खाद्य संरक्षा एवं गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना स्कीम					
	1. नई खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना करना/खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाना	1.1. अनुमोदित की गई नई एफटीएल की संख्या	18	1. अभिवृद्ध गुणवत्ता आश्वसत खाद्य उपज एवं एफटीएल का सुदृढ़ीकरण	1.1. शुरू हो चुकीं नई एफटीएल की संख्या	10
		1.2. पूरी हो चुकी एफटीएल की संख्या	17		1.2. एफटीएलस में सृजित हुआ रोजगार (नियोजित व्यक्तियों की संख्या)	220
		1.3. जिन खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल प्रत्यायन दिया गया उनकी संख्या	7			
		1.4. जिन यूनिटों को एचएसीपी/ आईएसओ प्रमाणन में सहायता दी गई उनकी संख्या	15			
	छ. मानव संसाधन एवं संस्थान स्कीम					
	1. खाद्य क्षेत्र में अभिवृद्ध आरएंडडी कार्यकलाप	1.1. अनुमोदित परियोजनाओं की संख्या	20	1. विकसित नई प्रौद्योगिकियों का बढ़ा हुआ वाणिज्यिकरण	1.1. नई प्रौद्योगिकियों की संख्या जिनका वाणिज्यिकरण किया गया	2
		1.2. विकसित की गई नई प्रौद्योगिकियों की संख्या	5	2. खाद्य प्रसंस्करण एवं इसकी क्षमता के बारे में पणधारियों के बीच बढ़ी जागरूकता	2.1. आयोजन/कार्यशालाओं/ सेमिनारों में प्रतिभागियों की संख्या	12,000
	2. खाद्य प्रसंस्करण एवं उसकी क्षमता के बारे में जागरूकता को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यकलाप	2.1. आयोजित की गई कार्यशालाओं/ सेमिनारों/आयोजनों की संख्या	120			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ज. ऑपरेशन ग्रीन्स- एकीकृत टमाटर, प्याज एवं आलू (टीओपी) मूल्य श्रृंखला विकास स्कीम					
	1. एफपीओज, कृषि-लॉजिस्टिक्स, प्रसंस्करण सुविधाओं और व्यावसायिक प्रबंधन को प्रोत्साहन देना	1.1. किसान उत्पादक संगठनों और उनके कृषक सदस्यों के लिए प्रशिक्षण संख्या	600	1. टीओपी उत्पादन क्लस्टरों एवं उनके एफपीओज को मजबूत करने के लिए लक्षित उपायों द्वारा टमाटर, प्याज और आलू (टीओपी) किसानों के लाभ का मूल्य बढ़ाना, खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं में वृद्धि तथा टीओपी मूल्य श्रृंखला में मूल्यवर्धन	1.1. क्लस्टरों में किसान उत्पादक संगठनों का सुदृढ़ीकरण	50
		1.2. सुनिर्धारित मूल्य पर किसानों के साथ दीर्घकालिक वापसी खरीद व्यवस्था (किसानों की संख्या)	33,000		1.2. टीओपी फसलों के क्लस्टर में बर्बादी घटाना (मी.ट.)	80,000
		1.3. सुनिर्धारित मूल्य पर किसानों के साथ दीर्घकालिक वापसी खरीद व्यवस्था (टीओपी फसलों की मात्रा मी.ट.)	2,20,000		1.3. प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्द्धन के स्तर में वृद्धि (मी.ट.)	6,15,000
		1.4. खेत/ग्राम स्तर पर सृजित किए गए भंडारणों की संख्या	40		1.4. क्लस्टर में किसानों को प्राप्त हुए लाभ (लाभान्वित किसानों की संख्या)	2,20,000
		1.5. खेत/ग्राम स्तर पर सृजित किए गए भंडारणों की क्षमता (मी.ट.)	80,000		1.5. परियोजना से उत्पन्न हुआ अतिरिक्त रोजगार	14,677
		1.6. स्थापित की गई प्राथमिक प्रसंस्करण यूनिटों की संख्या	45			
		1.7. स्थापित की गई प्राथमिक प्रसंस्करण यूनिटों की क्षमता (मी.ट. प्रतिदिन)	1,900			
		1.8. स्थापित की गई द्वितीयक प्रसंस्करण केंद्रों की संख्या	4			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.9. स्थापित की गई द्वितीयक प्रसंस्करण केंद्रों की क्षमता (मी.टन प्रतिदिन)	150			
		1.10. स्थापित किए गए कृषि-लॉजिस्टिक्स की संख्या	50			
		1.11. स्थापित किए गए कृषि-लॉजिस्टिक्स की क्षमता (मी.ट.न)	400			
		1.12. स्थापित किए गए नए बाजार यार्डों/खुदरा दुकानों की संख्या	30			
		1.13. स्थापित किए गए नए बाजार यार्डों/खुदरा दुकानों की क्षमता (मी.टन)	1,500			
		1.14. स्थापित किए गए वृहद मालगोदामों की संख्या	15			
		1.15. स्थापित किए गए वृहद मालगोदामों की क्षमता (मी.टन)	25,000			

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

1. प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना: (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
6020.00[40]	1. एम्स और एम्स जैसे संस्थानों में पहुंच में वृद्धि	1.1. योजना के दायरे में विविध नए/मौजूदा संस्थानों में बिस्तरों की संख्या/बिस्तर क्षमता -वार समग्र तथा स्पेशियलिट /सुपर स्पेशियलिटी (13 एम्स[41] में)	7,500	1. प्रोन्नत तृतीय स्वास्थ्य परिचर्या एवं चिकित्सा शिक्षा	1.1. 6 कार्यात्मक एम्स /नए एम्स में आने वाले रोगियों की औसत संख्या, आईपीडी रोगी/दिन	17,000
					1.2. 6 कार्यात्मक एम्स /नए एम्स में आने वाले रोगियों की औसत संख्या, ओपीडी/दिन	20,000
		1.2. योजना के दायरे में सभी नए एवं मौजूदा संस्थानों में जोड़े गए स्पेशियलिटी विभागों की संख्या (13 एम्स[41] में)	280		1.3. बिस्तरो का उपयोग (बिस्तर अधिभोग)	80%
		1.3. सीटों की संख्या में वृद्धि: यूजी (17 एम्स में)	1,500		1.4. एक वर्ष में स्नातक करने वाले स्नातकों की संख्या (कुल तथा स्पेश्यलिटी/ सुपर स्पेश्यलिटी-वार) (17 एम्स में)	1,500
		1.4. सीटों की संख्या में वृद्धि: पीजी (6 एम्स में)	800			
		1.5. सीटों की संख्या में वृद्धि: नर्सिंग (बी.एससी), आदि	0			

[40] *एचईएफए ऋण की सेवा शामिल है (मूलधन+ ब्याज)*

[41] *(चरण - I में 6 एम्स + 7 नए एम्स - नागपुर, गुंटूर, रायबरेली, गोरखपुर, कल्याणी, बठिंडा, बीबीनगर)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. सुलभ/ सस्ती तृतीयक परिचर्या एवं चिकित्सा शिक्षा की उपलब्धता	2.1. जीएमसी/राज्य द्वारा निम्नलिखित सम्मिलन को सरल बनाने के लिए चिकित्सा उपकरण, उपस्कर आदि सहित भौतिक अवसंरचना का सृजन: सुपर स्पेश्यिलिटी विभाग (सुपर स्पेश्यिलिटी)	400			
		2.2. जीएमसी/राज्य द्वारा निम्नलिखित सम्मिलन को सरल बनाने के लिए चिकित्सा उपकरण, उपस्कर आदि सहित भौतिक अवसंरचना का सृजन:पीजी सीटें (70 जीएमसी में)	900			
		2.3. जीएमसी/राज्य द्वारा निम्नलिखित सम्मिलन को सरल बनाने के लिए चिकित्सा उपकरण, उपस्कर आदि सहित भौतिक अवसंरचना का सृजन: ऑपरेशन थियेटर (ओटी) (70 जीएमसी में)	400			
		2.4. जीएमसी/राज्य द्वारा निम्नलिखित सम्मिलन को सरल बनाने के लिए चिकित्सा उपकरण, उपस्कर आदि सहित भौतिक अवसंरचना का सृजन: बिस्तर (70 जीएमसी में लगभग)	लगभग 14,000			

2. राष्ट्रीय एड्स एवं एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम: (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2900.00	1. लक्षित कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च जोखिम समूह को शामिल करना (महिला सैक्स वर्कर, पुरुषों के साथ सैक्स करने वाले पुरूष, हिजड़ा/ ट्रांसजेंडर लोग, इंजेक्शन द्वारा ड्रग लेने वाले) और ब्रिज आबादी (ट्रक चालक एवं प्रवासी)	1.1. लक्षित कार्यक्रमों (त्रैमासिक) के माध्यम से उच्च जोखिम की संख्या एवं ब्रिज आबादी (लाख)	83.87	1. एचआईवी प्रभावित लोग, जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी है।	1.1. एचआईवी प्रभावित लोगों की प्रतिशतता जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी हो।	90%
	2. लिंक वर्कर स्कीम (एलडब्ल्यूएस) के माध्यम से उच्च जोखिम समूहों और संवदेनशील आबादी को शामिल करना	2.1. एलडब्ल्यूएस के मायम से शामिल उच्च जोखिम समूह एवं संवेदनशील आबादी की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	18.53	2. एचआईवी प्रभावित लोग, जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी है और एआरटी पर हैं।	2.1 एचआईवी प्रभावित लोगों की प्रतिशतता जिन्हें अपने एचआईवी होने की जानकारी हो और एआरटी पर हैं।	90%
	3. सामान्य लोगों की एचआईवी संबंधी जांच	3.1. एचआईवी के संबंध में जांचे गए सामान्य लोगों की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	252	3. एआरटी पर पीएचएलवी तथा वायरली स्परेस्ड	3.1 एआरटी पर वायरली स्परेस्ट पीएलएचआईसी की प्रतिशतता	90%
	4. गर्भवती महिलाओं की एचआईवी संबंधी जांच	4.1. एचआईवी के लिए जांची गई गर्भवती महिलाओं की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	252			
	5. नाको समर्थित ब्लड बैंकों में ब्लड यूनिटों का एकत्रण	5.1 नाको समर्थित ब्लड बैंकों में एकत्रित ब्लड	85			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		यूनिटों की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)				
	6. स्वैच्छिक रक्ताधान के द्वारा ब्लड यूनिटों का एकत्रण	6.1 स्वैच्छिक रक्ताधान के द्वारा एकत्रित ब्लड इकाइयों की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	76.50			
	7. एसटीआई/ आरटीआई रोगियों का उपचार	7.1 उपचारित एसटीआई/आरटीआई रोगी (त्रैमासिक) (लाख)	100.16			
	8. एआरटी पर एचआईवी से पीड़ित लोग (पीएलएचआईवी)	8.1. एआरटी पर पीएलएचआईवी की संख्या (त्रैमासिक)	16.80			
	9. एआरटी पर पीएलएचआईवी के बीच वायरल लोड परीक्षण	9.1 एआरटी पीएलएचआईसी के बीच की गई वायरल लोड जांच की संख्या (त्रैमासिक) (लाख)	8			

3. परिवार कल्याण योजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
600.00	**क) जनसंख्या अनुसंधान केन्द्र**					
	1. पीआरसी द्वारा पूरे किए गए अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	1.1. पीआरसी द्वारा पूरे किए गए अनुसंधान अध्ययनों की संख्या	100			
	ख) गर्भनिरोधकों का नि:शुलक वितरण					
	1. परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार गर्भनिरोधकों की अधिप्राप्ति	1.1. गर्भनिरोधकों -कडोंम की अधिप्राप्ति -एमपीसी	508.79	1. परिवार नियोजन 2020 लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अधिप्राप्ति में सहयोग। परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को गर्भनिरोधकों की आपूर्ति।	1.1. गर्भनिरोधकों -कडोंम-एमपीसी का नि:शुल्क वितरण	508.79
		1.2. गर्भ निरोधक ओसीपी की अधिप्राप्ति -लाख साईकिल	587.62		1.2. गर्भ निरोधक ओसीपी का नि:शुल्क वितरण -लाख साईकिल	587.62
		1.3. गर्भनिरोधकों (आईयूसीडी) की अधिप्राप्ति लाख पीसी	64.43		1.3. गर्भनिरोधकों (आईयूसीडी) का नि:शुल्क वितरण - लाख पीसी	64.43
		1.4. गर्भनिरोधकों- ट्यूबल रिंग्स की अधिप्राप्ति - लाख जोडे	16.93		1.4. गर्भनिरोधकों- ट्यूबल रिंग्स का नि:शुल्क वितरण - लाख जोडे	16.93
		1.5. गर्भनिरोधकों- ईसी पिल्स की अधिप्राप्ति - लाख पैकेट	170.60		1.5. गर्भनिरोधकों- ईसी पिल्स का नि:शुल्क वितरण - लाख पैकेट	170.60
		1.6. गर्भनिरोधकों- पीटी किट्स की अधिप्राप्ति - लाख किट	197.05		1.6. गर्भनिरोधकों- पीटी किट्स का नि:शुल्क वितरण - लाख किट	197.05
		1.7. गर्भनिरोधकों- इंजेक्टेब की अधिप्राप्ति ल गर्भनिरोधकों- लाख खुराक	33.20		1.7. गर्भनिरोधकों- इंजेक्टेबल गर्भनिरोधकों का नि:शुल्क वितरण - लाख खुराक	33.20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.8. गर्भनिरोधकों सेंक्रोमेन गर्भनिरोधक पिल्स की अधिप्राप्ति लाख स्ट्रिप्स	150.63		1.8. गर्भनिरोधकों सेंक्रोमेन गर्भनिरोधक पिल्स का नि:शुल्क वितरण लाख स्ट्रिप्स	150.63
	ग) स्वास्थ्य सर्वेक्षण और अनुसंधान अध्ययन					
	1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में चरण-II के अंतर्गत एनएफएचएस-5 का मुख्य सर्वेक्षण फील्ड कार्य की समाप्ति	1.1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में चरण-II के अंतर्गत एनएफएचएस-5 का मुख्य सर्वेक्षण फील्ड कार्य की समाप्ति (हां/नहीं)	हां	1. चरणबद्ध तरीके से एनएफएचएस-5 के आंकड़े जारी करना	1.1. चरणबद्धतरीके से एनएफएचएस-5 के आंकड़े जारी करना	हां
	2. ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2019-20 का विमोचन	2.1. ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2019-20 का विमोचन (हां/नहीं)	हां		1.2. एनएफएचएस-5 रिपोर्ट का सृजन (हां/नहीं)	हां
				2. ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2019-20 का विमोचन (सितंबर, 2020)	2.1 भारत के ग्रामीण, शहरी और जनजातीय क्षेत्रों के संबंध में स्वास्थ्य संरचना एवं मानव संसाधन संबंधी आंकड़ों को सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध कराया जाऐगा।	हां
	घ) आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) का (स्वस्थ नागरिक अभियान के रूप में पुन: नामकरण) (एसएनए)					
	1. प्रत्येक टीवी और रेडियो अभियान की पहुँच और कवरेज बढ़ाना	1.1. .मीडिया अभियान की कवरेज के प्रतिशत मेंअवृद्धि	लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता।	1. जागरूकता स्तर में वृद्धि	1.1. जागरूकता स्तर में वृद्धि	लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता।
	2. अभियानों की संख्या जिनकी निगरानी और मूल्यांकन किया जाऐगा।	2.1. उन अभियानों में प्रतिशत वृद्धि, जिनकी निगरानी और मूल्यांकन किया जाएगा।	90%	2. भविष्य के अभियानों में अधिक प्रभावी पहुँच	2.1 भविष्य के अभियानों में अधिक प्रभावी पहुँच	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ड.) गर्भ निरोधकों का सामाजिक विपणन					
	1. एसएमओ की आवश्यकता के अनुसार गर्भनिरोधक की खरीद	1.1. सामाजिक विपणन गर्भनिरोधक-कंडोम-एमपीसी	520	1. गर्भ निरोधकों की खरीद और परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की आपूर्ति	1.1. सामाजिक विपणन गर्भ निरोधक-कंडोम-एमपीसी	520
	2. एसएमओ की आवश्यकता के अनुसार गर्भ निरोधकों की खरीद	2.1 गर्भनिरोधकों का सामाजिक विपणन ओसीपी-लाख चक्र	198		2.1. गर्भ निरोधकों का सामाजिक विपणन - ओपीसी-लाख चक्र	198

4. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
24144.00	**क) एनआरएचएम के तहत स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाना**					
	1. स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) द्वारा प्रदान की जाने वाली प्राथमिक परिचर्या सेवाओं का विस्तार	1.1. कार्यशील एचडब्ल्यूसी (एसएचसी, पीएचसी और यूपीएचसी) की संख्या (संचयी लक्ष्य)	कुल लक्ष्य 70,000	1. प्राथमिक परिचर्या सेवाओं की उपयोग और एनसीडी की ब्रांचऔर प्रबंधन में सुधार।	1.1 एनसीडी के लिए 30 से अधिक आयु वाली जनसंख्या की कुल संख्या (संचयी)	2.62 करोड़
	2. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में नि:शुल्क दवाओं के	2.1. नि:शुल्क औषधि सेवा पहल के तहत आईटी	33 राज्य/ संघ	2. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में दवाओं	2.1. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में	5% की वृद्धि[42]

[42] *वित्त वर्ष 2019-20 (एचएमआईएस) की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में एक वर्ष में आने वाले रोगी (ओपीडी और आईपीडी की संख्या में)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	प्रावधान के लिए आईटी प्रणाली समर्थित खरीद प्रबंधन और रसद प्रणालियों का कार्यान्वयन	प्रणाली समर्थित खरीद प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स प्रणाली को लागू करने वाले राज्यों संघ राज्य की संख्या	राज्य क्षेत्र	और निदान की उपलब्धता में वृद्धि हुई	वार्षिक फुटफॉल्स (ओपीडी और आईपीडी की संख्या) में वृद्धि	
	3. एनक्यूएएस/लक्ष्य प्रमाणित जन स्वास्थ्य केंद्र	3.1. एनक्यूएएस/ लक्ष्य जन स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में वृद्धि	35%[43]	3. गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने के लिए जन स्वास्थ्य केंद्र को मजबूत करना एनक्यूएएस /लक्ष्य प्रमाणित जन स्वास्थ्य केंद्र और एफआरयूएस के बेहतर उपयोग	3.1. एनक्यूएएस प्रमाणित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और एफआरयू में वार्षिक फुटफॉल्स (ओपीडी और आईपीडी की संख्या) में वृद्धि	5% की वृद्धि[43]
	4. कायाकल्प स्कोर> 70% वाले जन स्वास्थ्य केंद्र	4.1. कायाकल्प स्कोर वाले जन स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या> 70%	35% की वृद्धि[44]	4. सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों का बेहतर उपयोग	4.1. जन सवास्थ्य केंद्रों में वार्षिक फुटफॉल्स में वृद्धि (ओपीडी और आईपीडी की संख्या)	5% की वृद्धि[43]
	5. नि:शुल्क डायलिसिस सेवा के अंतर्गत आयोजित किए गए डायलिसिस सत्र	5.1. जन स्वास्थ्य केंद्रों में डायलिसिस सत्रों की संख्या में % वृद्धि	10% की वृद्धि[45]	5. नि:शुल्क डायलिसिस परिचर्या प्राप्त करने वाले रोगी	5.1. डायलिसिस परिचर्या लेने वाले मरीजों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	10% की वृद्धि

[43] *वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 में एनक्यूएएस प्रमाणित जन स्वास्थ्य केंद्र की संख्या में वृद्धि हुई है। दिनांक 31-03-2020 के अनुसार (एनक्यूएएस प्रमाणित जन स्वास्थ्य केंद्र की संख्या पर 1.35 से गुणा की गई)*

[44] *वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 में कायाकल्प स्कोर> 70% वाले जन स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में*

[45] *नि: शुल्क डायलिसिस सेवाओं के तहत आयोजित डायलिसिस सत्रों में 2019-20 की तुलना में, (31-03-2020 के अनुसार डायलिसिस सत्रों की संख्या 1.1 से गुणा की गई)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ख) नेमी रोग प्रतिरक्षण कार्यक्रम, पल्स पोलियो रोग प्रतिरक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता रोग नियंत्रण कार्यक्रम आदि सहित आरसीएच फ्लेक्सीबल पूल (राष्ट्रीय निवेश निधि से सहायता)					
	1. गर्भवती महिलाओं को 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) टैबलेट दिए गए	1.1. एएनसी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की तुलना में 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) टेबलेट दी गई गर्भवती महिलाओं की प्रतिशतता	2% की वृद्धि[46]	1. अनिमीया में कमी जिसके परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी आई।	1.1. मातृ-मृत्यु अनुपात (एमएमआर)	एमएमआर में कमी लाकर 95 (2020) करना
	2. प्रसूति के दौरान कुशल जन्म अटेंडेंट की सहायता प्राप्त गर्भवती महिलाओं की प्रतिशतता (संस्थानिक + गृह)	2.1. कुल बताई गई प्रसूतियों में एसबीए (कुशल जन्म अटेंडेंट की %)	1% की वृद्धि[47]	2. सुरक्षित प्रसूति सेवाओं की सुगमता में वृद्धि से मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी आई।	2.1. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर)	एमएमआर में कमी लाकर 95 (2020) करना
	3. सुमन के तहत अधिसूचित सार्वजनिक केंद्र	3.1 सुमन के तहत अधिसूचित सार्वजनिक केंद्रों[48] की संख्या	1,000	3. जन्म के समय आश्वसत, गुणवत्तापूर्ण और सम्मानजनक प्रसूति परिचर्या जिससे मातृ मृत्यु दर में कमी आएगी	3.1 मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	मातृ मृत्यु दर में कमी लाकर 95 (2020) करना
	4. लक्ष्य प्रमाणित एकक (लेबर रूम + ऑपरेशन थियेटर)	4.1 राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित लक्ष्य एककों की संख्या	200	4. जन्म के समय गुणवत्तापूर्ण परिचर्या से	4.1. मातृ मृत्यु दर (एमएमआर)	मातृ मृत्यु दर में कमी

[46] *180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) टैबलेट दी गई गर्भवती महिलाओं में, (आधार मूल्य 89% मानते हुए प्रस्तावित लक्ष्य 2% वृद्धि अर्थात 31.03.2021 तक 91% प्राप्ति का है) (वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 2020-21 में 180 आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) टेबलेट दी गई गर्भवती महिलाओं का %*

[47] *पिछले वर्ष की तुलना में एसबीए (कुशल जन्म अटेंडेंट) प्रसूतियों में, (आधार मूल्य 95% मानते हुए प्रस्तावित लक्ष्य 1% की वृद्धि अर्थात 31.3.2021 तक 96% उपलब्धि का है।)*
2019-20 की तुलना में 2020-21 में बताई गई कुल प्रसूतियों में एसबीए (कुशल जन्म अटेंडेंट) प्रसूतियो में % वृद्धि।

[48] *31.03.2021 तक सुमन के लिए अधिसूचित जन सुविधाएं (सुमन के अंतर्गत सुविधाओं की अधिसूचना 1 अप्रैल 2020से शुरू की जाएगी)।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		(लेबर रूम + ऑपरेशन थियेटर) (राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित अतिरिक्त एकक[49])		मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में कमी आएगी		लाकर 95(2020) करना
	5. पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज	5.1 पूर्ण प्रतिरक्षण कवरेज प्रतिशतता (एफआईसी) (स्रोत: एचएमआईएस)	नवजात शिशु के टीकाकरण का प्रतिशत हर वर्ष कम-से-कम 90% तक रखना।	5. 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में कमी (यू5एमआर)	5.1. 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर)	यू5एमआर में प्रति 1000 जीवित जन्म में कमी लाते हुए 29 करना
	6. आधुनिक गर्भ निरोधक तरीकों के प्रचलन दर में वृद्धि लाना (एमसीपीआर)	6.1 आधुनिक गर्भ निरोधक तरीकों का प्रयोग	0.2% की वृद्धि[50]	6. 2020 तक प्रजनन दर में 2.1 की कमी लाना	6.1. कुल प्रजनन दर (टीएफआर)	2.1
	7. एसएनसीयू भर्ती	7.1 एसएनसीयू में बीमार नवजात शिशुओं की भर्ती की संख्या में वृद्धि	5% की वृद्धि[51]	7. एसएनसीयू में बीमार नवजात शिशुओं की उच्चतर संख्या में प्रबंधन से नवजात शिशुओं की मृत्यु में कमी आएगी	7.1 नवजात मृत्यु दर में कमी (एनएमआर)	प्रति 1000 जीवित जन्म पर 20

[49] *वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 2020-21 में लक्ष्य एकक (31.03.2020 को राष्ट्रीय रूप से प्रमाणित लक्ष्य एककों की संख्या के 250 होने का अनुमान है। वर्ष 2020-21 के लिए लक्ष्य 200 अतिरिक्त लक्ष्य प्रमाणित सुविधा केंद्र हैं अर्थात् 31.03.2021 तक 250+200 =450 राष्ट्रीय रूप से प्रमाणित लक्ष्य यूनिट)*

[50] *पिछले वर्ष की तुलना में वार्षिक, (स्रोत: एफपी ट्रैक्स 20 अनुमानत:)*

[51] *2019-20 की तुलना में एसएनसीयू में बीमार नवजात शिशुओं की भर्ती की संख्या में , 10.7 लाख भर्ती को आधार मान मानते हुए 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 में 5% की वृद्धि का प्रस्तावित लक्ष्य अर्थात 10.7 लाख x 1.05, 31.03.2021 तक 11.23 लाख*

5. संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएसएस)[52]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2178.00	**राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी)**					
	1. मलेरिया: मलेरिया मामलों की संख्या में कमी	1.1 पिछले वर्ष की संगत अवधि की तुलना में मामलों की संख्या में कमी की प्रतिशतता	12% की कमी	1. मलेरिया: एपीआई में कमी	1.1 राष्ट्रीय स्तर पर एपीआई में प्रतिशत कमी	एपीआई 1 से कम करना
	2. काला अजार: पीकेडीएल मामलों में कमी	2.1 पिछले वर्ष की तुलना में पीकेडीएल मामलों में प्रतिशत कमी	30	2. काला अजार: काला अजार उन्मूलन	2.1 ब्लॉक स्तर पर >1 काला अजार मामले/10000 रिपोर्ट करने वाले स्थानिक ब्लॉकों की संख्या	21
	3. जापानी एनसेफेलाइटिस (जेई)/ राष्ट्रीय स्तर पर नियमित प्रतिरक्षण में जेई की कवरेज	3.1 नियमित प्रतिरक्षण के अधीन कवर की गई जनसंख्या की प्रतिशतता	>80%	3. जापानी एनसेफेलाइटिस (जेई): जेई मामलों में कमी	3.1 जेई मामलों में कमी की प्रतिशतता	20% कमी
	4. लिम्फेटिक फिलेरियासिस: एलएफ महामारी वाले जिलों में आबादी को मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) के जरिए सुरक्षित करना	4.1 नियमित रोग प्रतिरक्षण के अंतर्गत पात्र आबादी में एमडीए में एलएफ महामारी जिलों की संख्या	139	4. लिम्फेटिक फिलेरियासिस: टीएएस (संचरण मूल्यांकन सर्वेक्षण) जांच के जरिए महामारी वाले जिलों में एमडीए को रोकना	4.1. टीएएस द्वारा सत्यापित <1% से कम एमएफ दर अर्जित करने वाले एलएफ महामारी वाले जिलों की संख्या	20 (नवंबर 2019 तक पहले से प्राप्त 97 जिलों के अलावा)

[52] *तृतीयक देखभाल कार्यक्रमों का हिस्सा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	राष्ट्रीय वायरल हैपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. हैपेटाइटिस सी - चालू प्रयोगशालाएं इस कार्यक्रम के तहत सूचना दे रही हैं	1.1. वायरल हैपेटाइटिस सी के डायग्नोसिस के लिए किए गए सेरोलॉजिकल परिक्षणों की संख्या	10,10,000	1. हैपेटाइटिस सी का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध है	1.1. एचसीवी का उपचार पूर्ण करने वाले नए रोगियों की संख्या	90,000
	2. हैपेटाइटिस सी - चालू उपचार कार्यस्थल इस कार्यक्रम के तहत सूचना दे रही हैं	2.1. हैपेटाइटिस सी का उपचार शुरू कराने वाले नए रोगियों की संख्या	1,00,000	2. हैपेटाइटिस बी का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध है	2.1. उपचार जारी रखने वाले रोगियों की संख्या	14,400
	3. हैपेटाइटिस बी - चालू प्रयोगशालाएं इस कार्यक्रम के तहत सूचना दे रही हैं	3.1. वायरल हैपेटाइटिस बी के डायग्नोसिस के लिए किए गए सेरोलॉजिकल परिक्षणों की संख्या	20,00,000			
	4. हैपेटाइटिस बी - चालू उपचार कार्यस्थल इस कार्यक्रम के तहत सूचना दे रही हैं	4.1. हैपेटाइटिस बी का उपचार शुरू करने वाले नए रोगियों की संख्या	16,000			
	राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम					
	1. नए मामलों में ग्रेड-II विकलांगता (जी2डी) मामलों के प्रतिशत में गिरावट	1.1. नए मामलों में नए ग्रेड-II विकलांगता (जी2डी) मामलों की पहचान प्रतिशत में राष्ट्रीय स्तर पर कमी	<2.0%	1. कुष्ठ रोग के कारण ग्रेड-II विकलांगता (जी2डी) का उन्मूलन	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर प्रति मीलियन आबादी में ग्रेड-II विकलांगता (जी2डी)	1.00/ मीलियन जनसंख्या

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी)					
	1. टीबी मामले की सूचना में वृद्धि	1.1. वर्ष 2019 से टीबी मामला सूचना (सार्वजनिक एवं निजी) में प्रतिशत वृद्धि	7%	1. वर्ष 2019 में पहचान किए गए रोगियों का सफलतापूर्वक उपचार	1.1. उन रोगियों का प्रतिशत जिनके परिणाम सफलतापूर्वक रहे (जिनके परिणाम संबंधी सूचना प्राप्त हुई है)	>90%
	2. टीबी के लिए रेपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोसटिक्स का विस्तार	2.1. रेपिड मॉलिक्यूलर डायग्नोसटिक्स वाले ब्लॉकों की संख्या	1,500	2. दवा रोधी टीबी मामलों की पहचान में वृद्धि	2.1. वर्ष 2019 से डीआर-टीबी मामलों में वृद्धि प्रतिशत	10%
		2.2. रिफैम्पिसिन प्रतिरोध के लिए जांच किए गए पात्र टीबी रोगियों का %	80%			
	एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी)					
	1. रोग प्रकोप की पहचान करने और इस पर कार्रवाई करने के लिए जिलों की क्षमता में सुधार	1.1. महामारी संभावित जिलों के डायग्नोसिस/परिक्षण के लिए जिला लोक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (डीपीएचएलएस) का सुदृढ़ीकरण	325	1. आईडीएसपी के अंतर्गत प्रकोप संभावित रोगों की प्रयोगशाला आधारित पुष्टि	1.1. आईडीएसपी के अंतर्गत रिपोर्ट करने वाली एल (प्रयोगशाला) प्रपत्र देने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या	90%

6. गैर-संचारी रोग कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
717.00	**क) कैंसर, मुधमेह, हृदयवाहिनी संबंधी रोग एवं आघात की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस): गैर संचारी रोग कार्यक्रम**					
	1. जिला अस्पतालों में एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना।	1.1 जिला अस्पतालों में स्थापित किए जाने वाले एनसीडी क्लीनिकों की संख्या।	अतिरिक्त 50 एनसीडी-क्लीनिक	1. एनसीडी स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं तक पहुँच में सुधार	1.1 मृत्युदर में संबंधित कमी	अध्ययन/ सर्वेक्षण के माध्यम से किए जाने वाले 2010 के आकलन के बेसलाइन पर 10%
	2. सीएचसी में एनसीडी क्लीनिकों की स्थापना।	2.1 सीएचसी में स्थापित किए जाने वाले एनसीडी क्लीनिकों की संख्या।	अतिरिक्त 300 एनसीडी-क्लीनिक			
	3. उच्च रक्तचाप एवं हाई ब्लड शुगर की जांच	3.1. उच्च रक्तचाप व एवं हाई ब्लड शुगर की जांच किए गए व्यक्तियों की संख्या - पिछले वर्ष की तुलना में 10% वृद्धि	पिछले वर्ष से 10% वृद्धि	2. उच्च रक्तचाप एवं हाई ब्लड शुगर की शीघ्र पहचान	2.1. उच्च रक्तचाप एवं हाई ब्लड शुगर वाले डायग्नोस किए गए व्यक्तियों की जांच की गई।	शुरुआती पहचान दर में सुधार। तथापि वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करना संभव नहीं है
	ख) राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम					
	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज में सुधार	1.1 जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम वाले जिलों की संख्या	670	1. मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज में सुधार	1.1 जिला मानसिक स्वास्थ्य ईकाइयों में मानसिक विकारों वाले लोगों के पंजीकरण में प्रतिशत वृद्धि	5%
		1.2 प्रचालन कार्य शुरू की जाने वाली जिला मानसिक स्वास्थ्य ईकाइयों की संख्या	600			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ग) राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम					
	1. प्राथमिक, द्वितीयक जिले और नीचे के स्तर पर एनपीसीबी एंड वीआई के तहत प्रदान की गई नेत्र देखभाल सेवाएं	1.1 मोतियाबिंद सर्जरी (लाख)	68	1. उपयुक्त पहल करते हुए ग्लोकोमा सहित कैटरैक्ट, कॉर्नियल ओपेसिटीज रीफ्रैक्टिव दोषों और अन्य नेत्र रोगों के कारण होने वाली दृष्टिहीनता के मामलों में कमी	1.1 अंधता की व्याप्तता में कमी	लक्ष्य निर्धारित करना संभव नहीं है
		1.2 कार्नियल के प्रत्यारोपण के लिए दान किए गए नेत्रों का संग्रह	71,000			
		1.3 रिफ्रैक्टिव दोषों से ग्रस्त स्कूली बच्चों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण	10 लाख			
	घ) राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम					
	1. जिला अस्पताल और निचले स्तर पर प्राईमरी और सेकेंडरी जरा-चिकित्सा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	1.1 जराचिकित्सा संबंधी स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं से युक्त जिला अस्पतालों की संख्या	500	1. जिला अस्पतालों में उपचार लेने वाले जराचिकित्सा के रोगियों की संख्या	1.1 जिला अस्पताल में जराचिकित्सा ओपीडी की संख्या, अंत: रोगी परिचर्या, फिजियोथेरैपी और प्रयोगशाला सेवाओं की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	10%
	ड.) राज्य औषधि विनियामक तंत्र का सुदृढ़ीकरण					
	1. जांचे गए नमूनों की संख्या मौजूदा 57,000 से बढ़कर 1,00,000 हुई	1.1 जांचे जाने वाले औषधि नमूनों की संख्या	1,00,000	1. जांचे गए नमूनों की संख्या में वृद्धि और विनियामक तंत्र का बेहतर अनुपालन ताकि रोगियों को उपलब्ध औषधियों की सुरक्षा, कारगरता और गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके	1.1 जांचे गए नमूनों की संख्या में वृद्धि और विनियामक तंत्र का बेहतर अनुपालन ताकि रोगियों को उपलब्ध औषधियों की सुरक्षा, कारगरता और गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके	लक्ष्य निर्धारित करना कठिन

7. राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन - फ्लेक्सीबल पूल (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
950.00	1. शहरी भारत में स्वास्थ्य परिचर्या तक पहुंच को बढ़ाना	1.1. व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करा रहे तथा पर्याप्त स्टाफ वाले यूपीएचसी और यूसीएचसी की संख्या	25,000	1. शहरी भारत में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या तक पहुँच में सुधार हुआ जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की उपयोगिता में वृद्धि	1.1. जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में वार्षिक ओपीडी में प्रतिशत वृद्धि	5% की वृद्धि[52]
		1.2. शहरी भारत में जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में चलाए जा रहे ओपीडी की संख्या	5% की वृद्धि [53]	2. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में कमी	2.1. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर)	एनएचएम के तहत
	2. शहरी भारत में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करना	2.1. सभी शहरी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में कम से कम 4 एएनसी ले रही गर्भवती महिलाओं की संख्या	2% की वृद्धि [52]	3. शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में कमी	3.1. शिशु मृत्यु दर (आईएमआर)	एनएचएम के तहत
		2.2. सभी शहरी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में पूर्ण प्रतिरक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों की संख्या	2% की वृद्धि[52]			
		2.3. शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा संचालित शहरी स्वास्थ्य और पोषण दिवसों (यूएचएनडी) आउटरीच/विशेष आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या	2% की वृद्धि[52]			

[53] *पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में % की वृद्धि, एचएमएसआई की 31.3.2020 की स्थिति के अनुसार*

8. तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम: केंद्र द्वारा प्रायोजित स्कीम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	क) राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम					
	मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या के लिए विशेषज्ञता प्राप्त जनशक्ति का सृजन	..वर्ष 2020-21 में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञता में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पढ़ रहे छात्रों की संख्या	1,250	मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता में सुधार	.मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता में प्रतिशत वृद्धि	2%
	ख) ट्रॉमा सैंटरों की क्षमता निर्माण हेतु सहयोग: 1. ट्रॉमा सैंटर 2. बर्न इंजरी की रोकथाम					
550.00	1. अभिनिर्धारित ट्रॉमा परिचर्या सुविधाओं को (स्तर I,II,III) कार्यशील बनाना	1.1 कार्यशील बनाई गई ट्रॉमा परिचर्या सुविधाओं (स्तर I,II,III) की संख्या-(टीसीएफ)	15	1. ट्रॉमा परिचर्या सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना और ट्रॉमा पीड़ितों की गुणवत्ता देखभाल को बढ़ाना	1.1. मृत्यु और विकलांगता को कम करके ट्रॉमा के पीड़ितों के लिए गुणवत्ता सेवाओं का प्रावधान	15
	2. तृतीयक स्वास्थ्य परिचर्या संस्थानों में बर्न यूनिटों को बढ़ाना	2.1. स्थापित की जाने वाली बर्न यूनिटों में से विकसित यूनिटों की संख्या	15		1.2. मृत्यु और विकलांगता को कम करके बर्न इंजरी के पीड़ितों के लिए गुणवत्ता सेवाओं का प्रावधान (बर्न यूनिटों)	15
	3. नेशनल इंजरी सर्विलेंस, ट्रॉमा रजिस्ट्री और क्षमता निर्माण केंद्र का सुदृढ़ीकरण	3.1. एनआईएस के लिए इंजरी सर्विलांस और बर्न रजिस्ट्री से जुड़ी ट्रॉमा केयर सुविधाओं और बर्न यूनिटों की संख्या	30	3. ट्रॉमा के प्रबंधन हेतु मानक प्रोटोकॉल के माध्यम से परिचर्या की गुणवत्ता में सुधार करना	3.1 निर्धारित टीसीएफ और बर्न यूनिटों से नियमित आंकड़ों की प्राप्ति निर्धारित टीएसएफ व बर्न यूनिटों से आंकड़ों का विश्लेषण किया	30 अस्पताल

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					जाता है और रिपोर्ट तैयार की जाती हैं	
		3.2. ट्रॉमा रजिस्ट्री की स्थापना	5 टीसीएफ में ट्रॉमा रजिस्ट्री स्थापित	4. निर्धारित टीसीएफ और बर्न यूनिटों में प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता	4.1 ट्रॉमा रजिस्ट्री फॉर्मेट और फीडबैक का विश्लेषण किया गया और ट्रॉमा पीड़ितों की मृत्यु दर और रूग्णता में कमी (अस्पताल)	5
		3.3. ट्रॉमा और बर्न केयर में शामिल मानव संसाधन (चिकित्सा एवं पराचिकित्सा) का क्षमता निर्माण	4	5. चिन्हित टीसीएफ और बर्न यूनिट में प्रशिक्षित मानव शक्ति की उपलब्धता	5.1 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या: बैच एटीएल	4
		3.4 ट्रामा और बर्न केयर में शामिल मानव संसाधन का क्षमता निर्माण: बैच बीएलएस	4		5.2 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या: बैच बीएलएस	4
		3.5 ट्रामा और बर्न केयर में शामिल मानव संसाधन का क्षमता निर्माण: प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण बैच	10		5.3 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या: प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण बैच	10
		3.6 ट्रामा और बर्न केयर में शामिल मानव संसाधन का क्षमता निर्माण: बैच बर्न इंजरी प्रबंधन	2		5.4 प्रशिक्षित कार्मिकों की संख्या:	2

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ग) राष्ट्रीय वृद्धिजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम					
	1. क्षेत्रीय जराचिकित्सा केंद्रों (आरजीसी) में तृतीयक जराचिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान	1.1. चयनित स्वास्थ्य सुविधाओं में क्षेत्रीय जराचिकित्सा केंद्रों की स्थापना	19	1. विशेषीकृत जनशक्ति के सृजन और अनुसंधान प्रशिक्षणों के अलावा, 30 बिस्तर वाले वार्ड जराचिकित्सा ओपीडी का प्रावधान	1.1. आरजीसी में बिस्तर	570 संचयी
	2. एनसीए में तृतीयक जराचिकित्सा परिचर्या सेवाओं का प्रावधान	2.1. एम्स दिल्ली और एमएमसी, चेन्नई में नेशनल सेंटर फॉर एजिंग (एनसीए) की स्थापना	2	2. प्रत्येक एनसीए में विशेषीकृत जनशक्ति के सृजन और अनुसंधान प्रशिक्षणों के अलावा, 200 बिस्तरों की सुविधा के साथ स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने का प्रावधान होगा।	2.1. एम्स, नई दिल्ली और एमएमसी, चेन्नई में एनसीए में बिस्तरों की संख्या	200
	घ) राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम					
	1. नेत्र विज्ञान के क्षेत्रीय संस्थानों (आरआईओ) का सुदृढ़ीकरण	1.1. आरआईओ को लगातार सहायता	19	1. नेत्र परिचर्या हेतु तृतीयक स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार	1.1. तृतीयक नेत्र परिचर्या सुविधाओं की पहुंच में सुधार	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
	2. नेत्र शल्य चिकित्सकों का प्रशिक्षण	2.1. प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	120	2. प्रशिक्षित नेत्र शल्यचिकित्सकों की संख्या में बढ़ोत्तरी	2.1. प्रशिक्षित नेत्र शल्यचिकित्सकों की संख्या	120
	ड.) टेलीमेडिसन					
	1. नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर (एनएससीएन)	1.1. टेलीमेडिसन, टेलीएजुकेशन अवसंरचना	35 राज्यों में कम से	1. स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदान किए जाने,	1.1.चिकित्सा कॉलेजों में टेली-एजुकेशन	10,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	विशेषज्ञ परामर्श हेतु डॉक्टरों की उपलब्धता। टेलीएजुकेशन हेतु आईसीटी अवसंरचना की उपलब्धता।	के साथ मेडिकल कॉलेजों की संख्या	कम 50 मेडिकल कॉलेज	उपलब्धता और वहनीयता में सुधार। छात्रों द्वारा चिकित्सा कॉलेजों में टेली-एजुकेशन सेवाओं को अपनाना।	सेवाओं का उपयोग कर रहे छात्रों की संख्या (200 प्रति मेडिकल कॉलेज अनुमानित)	
	2. छात्रों/चिकित्सकों हेतु ई-लर्निंग विषय वस्तु की उपलब्धता	2.1. टेली-एजुकेशन सेवा के अलावा टेली-कंसल्टेशन और व्याख्यान की संख्या (लाख)	5			
	च) तंबाकू नियंत्रण एवं नशा रोधी कार्यक्रम (एनपीटीसीडीएटी)					
	1. तंबाकू मुक्ति सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि	1.1. तंबाकू मुक्ति केंद्रों वाले अतिरिक्ति जिलों की संख्या[54]	60	1. तंबाकू मुक्ति सेवाओं की बेहतर उपलब्धता	1.1. 2020-21 में तंबाकू मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने वाले व्यक्तियों की संख्या (वार्षिक)	1,50,000
	2. नशे की लत का उपचार (तंबाकू के अलावा)	2.1. भर्ती सुविधा वाले नशीली दवा निर्भरता उपचार केंद्रों की संख्या	6	2. औषध निर्भरता उपचार सेवाओं की बेहतर उपलब्धता	2.1 2020-21 में तंबाकू मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने वाले व्यक्तियों की संख्या (नए पंजीकरण)	50,000
		2.2. बहिरंग रोगी विभाग सेवा वाले नशीली दवा उपचार क्लिनिकों की संख्या	27		2.2 2020-21 में तंबाकू मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने वाले व्यक्तियों की संख्या: (पुन:	2,50,000

[54] *सभी राज्यों में कार्यान्वयन के अधीन*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					उपचार वाले मामले (वार्षिक)	
					2.3 2020-21 में तंबाकू मुक्ति सेवाओं का लाभ उठाने वाले व्यक्तियों की संख्या: (आईपीडी) (वार्षिक)	3,000
	छ) एनपीसीडीसीएस					
	1. तृतीय स्तरीय कैंसर देखभाल केंद्रों (टीसीसीसी) और राज्य कैंसर संस्थाओं के लिए सहायता	1.1. अनुमोदित टीसीसीसी के लिए सहायता जारी है	20	1. रेडियोथेरेपी मशीनों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1. रेडियोथेरेपी मशीनों की उपलब्धता	सार्वजनिक क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा संस्थाओं की रेडियोथेरेपी मशीनों में वृद्धि
		1.2. अनुमोदित एससीआई के लिए सहायता जारी है	18			

9. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के लिए मानव संसाधन: (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
4686.00	क. जिला चिकित्सालय - राज्य सरकार के चिकित्सा कॉलेजों (स्नातकोत्तर सीटें) का उन्नयन					
	1. जिला चिकित्सालय - राज्य सरकार के चिकित्सा कॉलेजों (स्नातकोत्तर सीटें) का उन्नयन	1.1. स्नातकोत्तर सीटों की संख्या	1,200	1. विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता को बढ़ाना	1.1. बढ़ी हुई स्नातकोत्तर सीटों की संख्या[55]	1,200
					1.2. समग्र स्नातकोत्तर सीटों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[56]
					1.3. नामांकित समग्र स्नातकोत्तर छात्रों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[57]
	क) सरकारी चिकित्सा कॉलेज (स्नातकोत्तर सीटें) और केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण					
	1. सरकारी चिकित्सा कॉलेज (स्नातकोत्तर सीटें) और केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण	1.1. 10क के अंतर्गत एमबीबीएस सीटें	900	1. डॉक्टरों की उपलब्धता को बढ़ाना	1.1. सृजित एमबीबीएस सीटों की संख्या	900
					1.2. समग्र एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[58]
					1.3. समग्र नामांकित एमबीबीएस छात्रों की कुल संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[59]

[55] *पीजी और यूजी सीटों का सृजन एक समय लेने वाली प्रक्रिया है और संबंधित कॉलेजों द्वारा सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आईएमसी अधिनियम, 1956 की धारा 10क के तहत अनुमति दी जाती है।*

[56] *स्नातकोत्तर सीटों/ कोर्स के लिए स्वीकृति सांविधिक प्रावधानों के अनुसार दी जाती है। वर्तमान में डीएनबी, आईएनआई, सीपीएस सहित देश में लगभग 48031 पीजी सीटें हैं।*

[57] *प्रवेश की अंतिम तिथि 31 मई, 2020 है और नामांकित स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या उसके बाद पता लगेगी।*

[58] *स्नातकोत्तर सीटों/ कोर्स के लिए स्वीकृति सांविधिक प्रावधानों के अनुसार दी जाती है। वर्तमान में देश में 80312 एमबीबीएस सीटें हैं।*

[59] *प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2020 है और नामांकित स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या उसके बाद पता लगेगी।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ख) नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (जिला अस्पतालों का उन्नयन)					
	1. नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना (जिला अस्पताल उन्नयन)	1.1. योजना के तहत जोड़े गए नए मेडिकल कॉलेज की संख्या	25	1. चिकित्सा सीटों की उपलब्धता बढ़ाया जाना	1.1. योजना के तहत जोड़ी गई यूजी सीटों की संख्या	2,500
	ग) नर्सिंग सेवाओं (एएनएम / जीएनएम)का उन्नयन / सुदृढ़ीकरण					
	1. 40 एएनएम/ जीएनएम स्कूलों को कार्यशील करना। एएनएम/ जीएनएम की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना	1.1. एएनएम/ जीएनएम स्कूलों को स्थापित करने के लिए राज्य सरकार को एएनएम/जीएनएम वित्तीय सहायता प्रदान करना कार्यशील एएनएम / जीएनएम स्कूलों की संख्या	शून्य[60]	1. स्वास्थ्य परिचर्या हेतु नर्सों की संख्या बढ़ाया जाना	1.1. एएनएम/ जीएनएम स्कूल का कार्य आरंभ	शून्य [60]
	घ) राज्यों में पैरा-मेडिकल साइंसेज के राज्य संस्थानों की स्थापना और पैरा-मेडिकल शिक्षा के कॉलेजों की स्थापना					
	1. संबद्ध स्वास्थ्य विषयों में यूजी और पीजी सीटें सृजित किया जाना	1.1. संबद्ध स्वास्थ्य विषयों में यूजी और पीजी सीटें	शून्य	1. संबद्ध स्वास्थ्य. व्यवसायी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए	1.1. यूजी / पीजी सीटों का सृजन	शून्य

[60] *(यह योजना मार्च 2020 तक ही स्वीकृत है)*

10. आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी - पीएमजेएवाई) (सीसीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
6400.00	1. अस्पताल मे दाखिला	1.1. अस्पताल में दाखिला (संचयी) (अनुमानित)	1.25	1. स्वास्थ्य खर्चों मे कटौती	1.1 विपत्तिपूर्ण स्वास्थ्य व्यय के कारण परिवारों का अनुपात	लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता[61]
	2. लाभार्थी की पहचान	2.1. व्यक्तियों के लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड के मुद्दों की अनुमानित संख्या (संचयी करोड़ में)	15		1.2 लाभार्थियों द्वारा किए गए स्वास्थ्य पर अपनी जेब से किया गया व्यय का प्रतिशत	
	3. भुगतान का दावा करें	2.2. दावों को प्रस्तुत करने के बाद 30 दिनों के भीतर निपटाने का दावा किया जाता है (करोड़ में)	5,000		1.3 लाभार्थियों द्वारा किए गए स्वास्थ्य पर अपनी जेब से किया गया औसतन व्यय	
	4. अस्पतालों को सूचीबद्ध करना	4.1. सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी अस्पतालों की कुल संख्या (संचयी)	22,000			
		4.2. सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी अस्पतालों की कुल संख्या: वर्ष के दौरान	2,000			

[61] *एनएसएसओ / सर्वेक्षण आधारित डेटा*

भारी उद्योग विभाग

1. ऑटोमोबाइल उद्योग का विकास: भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
692.94	1. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से एक्सईवी के सहज अंगीकरण को बढ़ावा देना।	1.1. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: इलेक्ट्रिक बसों पर	5,000	1. इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के अंगीकरण में वृद्धि	1.1. बेचे गए नए वाहनों की कुल संख्या में एक्सईवी का हिस्सा (%)	0.30%
		1.2. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: चौपहिया (ईवी) पर	3,000	2. एक्सईवी उद्योग में भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार	2.1. रोजगार सृजन (व्यक्तियों की संख्या के संदर्भ में)	1,50,000
		1.3. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: ई-रिक्शा सहित तिपहिया (इलेक्ट्रिक) पर	15,000		2.2. बाजार में एक्सईवी मॉडलों की वृद्धि का %	20%
					2.3. इलैक्टिट वाहनों की बिक्री में वृद्धि का प्रतिशत	20%
		1.4. मांग प्रोत्साहनों के माध्यम से चालू वर्ष में सहायता किए जाने वाले एक्सईवी की संख्या: दुपहिया (इलेक्ट्रिक) पर	40,000	3. उत्सर्जन को कम करना और ईंधन की बचत में वृद्धि	3.1. बचाया गया कुल ईंधन वाहन के कार्यकाल तक (बिलियन लीटर)	1.56
		1.5. प्रतिपूर्ति किए जाने वाले मांग प्रोत्साहन (करोड़)	600		3.2. कुल उत्सर्जन कटौती वाहन के कार्यकाल तक (मिलियन टन कार्बन डाइ ऑक्साइड)	3.5
	2. एक मिलियन से अधिक की आबादी वाले शहरों, राज्य की राजधानियों,	2.1. चालू वर्ष में स्थापित किए जाने वाले चार्जिंग स्टेशनों की संख्या: शहरों और राजमार्गों में	2,600			
		2.2. आज की तारीख तक स्थापित कुल चार्जिंग स्टेशनों की प्रतिशतता के रूप	100%			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	नामित स्मार्ट शहरों और राजमार्गों पर चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क की स्थापना।	में प्रचालनरत चार्जिंग स्टेशनों की संख्या				
	3. आईईसी गतिविधियों के माध्यम से स्टेकहोल्डर जागरूकता और हित का सृजन	3.1. चालू वर्ष में आयोजित की जाने वाली आईईसी गतिविधियों की संख्या	10			
		3.2. आईईसी गतिविधियों की अनुमानित पहुँच (व्यक्तियों की संख्या में)	5,00,000			

गृह मामले

1. स्वतंत्रता सेनानी (पेंशन और अन्य लाभ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
775.31	1. निधि का समय पर संवितरण	1.1 लाभार्थियों को निधियों के संवितरण में हुआ औसत विलंब (दिनों की संख्या)	0	1. स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों और उनके परिवारों को वित्तीय सहायता तथा सम्मान प्रदान करना	1.1 लाभार्थियों को निधियों के संवितरण में हुआ औसत विलंब (दिनों की संख्या)	0
	2. स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों को पारिश्रमिक का भुगतान	2.1 पेंशन प्रदान किए गए लोगों की श्रेणी-वार संख्या (स्वतंत्रता सेनानी, विधवा/विदुर, अविवाहित पुत्री)	28,323			

2. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर का अद्यतनीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1122.75	1. एनपीआर फार्मेट में डाटा को अद्यतन बनाना	1.1 उन निवासियों की संख्या जिन्होंने डाटा को स्वयं अद्यतन कर लिया है। (करोड़)	10	1. विश्वसनीय नागरिक डाटाबेस का सृजन	1.1. एनपीआर के अंतर्गत पंजीकृत जनसंख्या का प्रतिशत (असम को छोड़कर)	100%
	2. डाटा बुकलैट्स तैयार करना	2.1 पीडीएफ फार्मेट में तैयार की गई डाटा बुकलैट्स की संख्या (लाख)	25		1.2. पूर्वोत्तर, हिमालय क्षेत्र, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों, द्वीपसमूहों क्षेत्रों और अन्य पिछड़े क्षेत्रों (असम को छोड़कर) में एनपीआर के अंतर्गत पंजीकृत जनसंख्या का प्रतिशत	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. मोबाइल मॉड में डाटा को अद्यतन बनाना	3.1 ओआरजीआई सर्वर पर मोबाइल एप के माध्यम से अपलोड किए गए निवासियों के डाटा की सं. (करोड़)	80			

3. 10 वर्षीय जनगणना (जनगणना 2021) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3445.25	1. भू-स्थलाकृति और भू-स्थानिक डाटा	1.1. मैप डिवीजन का सुदृढ़ीकरण (समय सीमा दर्शाई जाए)	अप्रैल, 2020 (प्रथम चरण): दिसम्बर, 2020 (दूसरा चरण)	1. प्राथमिक जनगणना सार का समय पर प्रचार-प्रसार करने के लिए डाटा प्रचार-प्रसार सम्मेलनों का आयोजन- अंतरराष्ट्रीय (संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय), राष्ट्रीय (सरकारी मंत्रालय आदि,	1.1. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलनों की सं. (संयुक्त राष्ट्र आदि)	02
		1.2. भू-स्थानिक डाटाबेस में अधिकार-क्षेत्र में हुए बदलावों को अद्यतन करना (समय-सीमा दर्शाई जाए)	जनवरी, 2020		1.2. राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलनों की सं.	05
		1.3. गांव और वार्ड की सीमाओं के सीमांकन के लिए उप-जिला और कस्बों के अद्यतन मानचित्रों का सृजन (समय-सीमा दर्शाई जाए)	अप्रैल, 2020		1.3. राज्य स्तर पर आयोजित सम्मेलनों की सं.	10
		1.4. जनगणना के बाद जीआईएस आधारित इंटरेक्टिव थिमेटिक मैप्स तैयार करना (समय-सीमा दर्शाई जाए)	इसे वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू किया जाना है।			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. जनगणना के लिए इनेब्लिंग टेक्नोलॉजी बेकबोन का सृजन	2.1. डिजीटल रूप में इकट्ठे किए गए हाउसिंग डाटा एचएलओ के लिए इंटीग्रेटेड वेब पोर्टल का सृजन (समय-सीमा दर्शाई जाए)	अप्रैल, 2020	शैक्षणिक/ अनुसंधान केन्द्र और संस्थाएं), राज्य एवं जिला स्तर पर		
		2.2. जनगणना आंकड़ों का प्रचार-प्रसार करने के लिए कस्टोमाइज्ड विजुवलाइजेशन एंड एनालिटिकल टूल्स का सृजन (समय-सीमा दर्शाई जाए)	मार्च, 2021			
		2.3. भूमिका आधारित जनगणना निगरानी पोर्टल, डाटा संग्रहण ऐप, एनालिटिकल एंड विजुवलाइजेशन टूल्स आदि की डिजाइन तैयार करने के लिए परामर्शदाताओं के रूप में हायर किए गए तकनीकी कार्मिक (संख्या और समय-सीमा)	अप्रैल, 2020			
		2.4. विकसित किए गए भूमिका आधारित जनगणना निगरानी पोर्टल, डाटा कलेक्शन एप, एनालिटिकल एंड विजुलाइजेशन टूल्स, प्रशिक्षण सामग्री आदि (समय-सीमा दर्शाई जाए)	अप्रैल, 2020			
		2.5. डाटा के गुम होने, डाटा लीकेज आदि से बचने के लिए डाटा सुरक्षा और रक्षोपाय (समय-सीमा दर्शाई जाए)	अप्रैल, 2020			
		2.6. डिजीटल मॉड में जनगणना के लिए रेस्पोंडेंट्स और गणनाकारों के	अप्रैल, 2020			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		ऑथेंटिकेशन का प्रावधान (समय-सीमा दर्शाई जाए)				
		2.7. इच्छुक परिवारों के लिए ऑनलाइन सेल्फ इनुमिरेशन का प्रावधान (समय-सीमा दर्शाई जाए)	दिसम्बर, 2020			
	3. आईईसी गतिविधियां	3.1. आयोजित किए गए प्रचार अभियानों की संख्या (संख्या और समय-सीमा)	प्रिंट -50 डिजीटल -50 सामाजिक - सतत			
		3.2. अभियान, प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया प्लान तैयार करना-स्ट्रीट प्ले, पपेट शो, टी.वी, रेडियो, जिगल्स, इश्तहार, चित्रकला आदि (समय-सीमा दर्शाई जाए)	फरवरी, 2020			
		3.3. सृजित किए गए मीडिया कोलेट्रल्स की सं. (संख्या और समय-सीमा)	06 फरवरी, 2020			
		3.4. उन लोगों की सं. जिन तक पहुंचा गया (संख्या और समय-सीमा)	मार्च, 2021 तक संपूर्ण देश			
	4. पैनल में शामिल अथवा भर्ती किए गए लोग	4.1. स्मार्ट फोन का प्रयोग करने वाले गणनाकारों की सं. (संख्या और समय-सीमा)	18 लाख अप्रैल, 2020			
		4.2. पैनल में शामिल किए गए गणनाकारों और पर्यवेक्षकों की संख्या (संख्या और समय-सीमा)	24 लाख अप्रैल, 2020			
	5. कॉल सेंटर की स्थापना	5.1. फील्ड स्तर के गणनाकारों की सहायता करने के लिए कॉल	पहले ही पूरा किया गया			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		सेंटर/हेल्प सेंटर की स्थापना करना (संख्या और समय-सीमा)				
	6. प्रशिक्षण	6.1. प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करना (समय-सीमा दर्शाई जाए)	एचएलओ के लिए, मार्च 2020 पीई के लिए दिसम्बर, 2020			
		6.2. पैनल में शामिल किए गए नेशनल मास्टर और फील्ड ट्रेनर्स की सं. - त्रिस्तरीय प्रशिक्षण (संख्या)	100 एनटी 1,800 एमटी 43,500 एफटी			
	7. डाटा का विधिमान्य करण	7.1. कवरेज और कन्टेंट संबंधी त्रुटि का पता लगाने के लिए गणना के बाद सर्वेक्षण (समय-सीमा दर्शाई जाए)	अक्तूबर-दिसम्बर, 2020			

पुलिस

1. पुलिस अवसंरचना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3180.67	**क. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भवन निर्माण परियोजना (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस)**					
	1. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीमा सुरक्षा बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद) की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना (कार्यालय भवन) का प्रावधान सुनिर्धारित करना	1.1 निर्मित की जाने वाली बैरकों की संख्या	93	1. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	1.1. बैरकों की ओक्युपेंसी दर	100%
		1.2 निर्मित किए जाने वाले कार्यालय भवनों की सं.	137	2. निर्मित किए गए अस्पताल से केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि होगी	2.1. लाभार्थियों की संख्या	16,197
		1.3 योजना के अंतर्गत शुरू किए गए अस्पतालों की संख्या	6		2.2. नियुक्त किए चिकित्सकों की संख्या	44
					2.3. अस्पताल की ओक्युपेंसी दर	100%
	2. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ,	2.1 आवास प्रदान करने के लिए निर्मित किए जाने वाले मकानों और क्वार्टरों की संख्या	7,161	3. बलों के लिए आवासीय क्वार्टरों का प्रावधान	3.1 आवास आबंटित किए गए कार्मिकों में आवास संतुष्टि	43.78%.
					3.2 वर्ष के अंत में आवासीय भवनों (संचयी) की ओक्युपेंसी दर	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	एसएसबी और आईटीबीपी, एआर एवं एनएसजी) को आवासीय ढांचा सुनिश्चित करने का प्रावधान				3.3 वित्त वर्ष में निर्मित मकानों से वर्ष के अंत में आवासीय भवनों की ओक्युपेंसी दर।	100%
	ख. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान (सीएपीएफआईएमएस)					
450.00	1. सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिर्धारित करना	1.1. निर्मित बैरकों की संख्या	450 ऑक्युपेंसी बैरैक्स	1. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	1.1. आवास आबंटित किए गए कार्मिकों में आवास संतुष्टि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		1.2. निर्मित भवनों की संख्या: सीट वाला मेडिकल कॉलेज	100		1.2. वर्ष के अंत में आवासीय भवनों (संचयी) की ओक्युपेंशी दर	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		1.3 निर्मित भवनों की संख्या: सीट वाला नर्सिंग कॉलेज	60		1.3. वित्त वर्ष में निर्मित मकानों में से वर्ष के अंत में आवासीय भवनों की ओक्युपेंसी दर	
		1.4 निर्मित भवनों की संख्या: सीट वाला परा चिकित्सा स्कूल	300			
		1.5 इस योजना के अंतर्गत शुरू किए गए अस्पतालों की संख्या (500 बिस्तर वाला जनरल हॉस्पिटल और 300 बिस्तर वाला सुपर	800 बिस्तर वाला अस्पताल	2. स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर प्रावधान	2.1 उपचार किए गए रोगियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जैसे ओपीडी, वार्ड, ओटी, आईसीयू, सीसीयू, एनआईसीयू)				
	2. आवासीय बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान सुनिर्धारित करना	2.1 आवास प्रदान करने के लिए निर्मित मकानों और क्वार्टरों की सं. (T/IV- 118, T/IVS- 118, T/V- 174 और T/V- 41)	451 परिवार क्वार्टर			
138.32	**ग. अन्य संगठन (केन्द्रीय पुलिस संगठन)**					
	1. पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो मुख्यालय, सीएपीटी भोपाल और गाजियाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ में सीडीटीएस स्कूलों की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिर्धारित करना	1.1. केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, जयपुर का निर्माण (भवन का निर्माण)	100%	1. इस योजना से प्रतिवर्ष पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण में सहायता मिलेगी	1.1. प्रशिक्षित पुलिस कार्मिकों की संख्या (चंडीगढ़ और जयपुर)	1,940
		1.2. सीडीटीएस, चंडीगढ़ का रिलोकेशन और अवसंरचना का विकास	100%			
	2. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी -सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद की सुरक्षा और	2.1 इब्राहिमपट्टनम में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के लिए अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण (एकड़)	41 एकड़	2. पुलिस अधिकारियों (केन्द्र/राज्य) के प्रशिक्षण में सुविधा होगी.	2.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले आईपीएस अधिकारियों की अनुमानित संख्या	750
		2.2 काटेडाम में भूमि का	2 एकड़			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिर्धारित करना	अधिग्रहण (एकड़)				
		2.3 112 आवासीय क्वार्टरों का प्रतिशत निर्माण	100%	3. पुलिस कार्मिकों को अतिरिक्त आवास	3.1. 112 आवासीय क्वार्टरों की ऑक्युपेंसी दर	80%
	3. पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी शिलांग की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिर्धारित करना	3.1 120 बिस्तर वाले महिला कैडेट बैरक का प्रतिशत निर्माण	100%	4. अकादमी की प्रशिक्षण क्षमता में वृद्धि होगी	4.1. प्रशिक्षित किए जाने वाले सेवाकालीन अधिकारियों की अनुमानित संख्या	1,500
		3.2 20 बिस्तर वाले मैस तक एप्रोच रोड का निर्माण	100%			
		3.3 कैम्पस क्षेत्र की मौजूदा सड़क की मरम्मत	100%			
	4. डीएफएसएस के अंतर्गत सीएफएसएलएस[62] सुरक्षा और प्रशासन अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए डीएफएसएस के अंतर्गत सीएफएसएल	4.1. निर्मित किए जाने वाले सीएफएसएलएस की संख्या	2	5. मामलों के निपटान में वृद्धि के लिए	5.1. निपटाए गए मामलों में प्रतिशत वृद्धि	25%
	5. एलएनजेएन एनआईसीएफएस	5.1. एलएनजेएन एनआईसीएफएस में निर्मित	मांग के अनुसार लक्ष्य	6. बढ़ी हुई आवास ओक्युपेंशी निर्माण	6.1. एलएनजेएन एनआईसीएफएस की	50%

[62] *यह आशा की जाती है कि वर्ष 2019-2020 और वर्ष 2020-21 के दौरान डीएफएसएस के अधीन सीएफएसएल लगभग 10000-12000 मामलों की रिपोर्ट देंगी जिनमें लगभग 250000 प्रदर्श शामिल होंगे। नए सीएफएसएल भवन का निर्माण कार्य पूरा होने, लैब्स को नए अत्याधुनिक भवन में शिफ्ट करने, नियमित/संविदा कार्मिकों की तैनाती तथा नए उपकरणों की खरीद से इन सीएफएसएल की क्षमता में मामलों के निपटान और आरएंडडी फील्ड की दृष्टि से वृद्धि होगी। डीएफएसएस के अंतर्गत सीएफएसएलएस की सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का सुनिर्धारित होना।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	एलएनजेएन एनआईसीएफएस में आवासीय और गैर आवासीय भवनों का निर्माण	किए जाने वाले आवासीय भवनों की संख्या		कार्य	ओक्युपेंशी दर	
		5.2. एलएनजेएन एनआईसीएफएस में निर्मित किए जाने वाले गैर आवासीय भवनों की संख्या	मांग के अनुसार लक्ष्य	7. भवन सुविधा में वृद्धि	7.1. एलएनजेएन एनआईसीएफएस में आयोजित प्रशिक्षणों की सं.	95
				8. देश की क्षमता को सुदृढ़ करना	8.1. प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले व्यक्तियों की संख्या	2,700
	6. राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण के लिए भूमि का अधिग्रहण और कार्यालय और आवासीय भवन का निर्माण	6.1. लखनऊ, गुवाहाटी और हैदराबाद में एनआईए के कार्यालय भवन का प्रतिशत निर्माण	100%	9. लखनऊ, गुवाहाटी और हैदराबाद के शाखा कार्यालय अपने भवन से कार्य करना शुरू कर देंगे	9.1. लखनऊ, गुवाहाटी और हैदराबाद में कार्यालय भवन का कब्जा लेना	100%
		6.2. रायपुर, कोच्चि, जम्मू में एनआईए के कार्यालय भवन का प्रतिशत निर्माण	50%	10. रायपुर, कोच्चि और जम्मू में शाखा कार्यालय अपने भवन से कार्य करना शुरू कर देंगे	10.1. रायपुर, कोच्चि और जम्मू में कार्यालय भवन का कब्जा लेना	0
		6.3. एनआईए कोलकाता के लिए ऑफिस स्पेस की खरीद तथा इसमें परिवर्धन/परिवर्तन	100%	11. शाखा कार्यालय, कोलकाता अपने भवन से कार्य करना शुरू कर देगा	11.1. कोलकाता में कार्यालय भवन का कब्जा	100%
		6.4. लखनऊ, हैदराबाद और गुवाहाटी में एनआईए के आवासीय परिसर में कुल 152 मकानों का प्रतिशत	100%	12. एनआईए कार्मिकों के लिए विभिन्न श्रेणी के 152 मकान उपलब्ध होंगे	12.1. 152 आवासों की ऑक्युपेंसी दर	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		निर्माण				
		6.5. रायपुर, कोच्चि और जम्मू में एनआईए के आवासीय परिसर में कुल 147 मकानों का प्रतिशत निर्माण	50%	13. एनआईए कार्मिकों के लिए विभिन्न श्रेणी के 147 मकान उपलब्ध होंगे	13.1. 147 आवासों की ऑक्युपेंसी दर	0%
		6.6. दिल्ली में एनआईए के आवासीय परिसर में कुल 222 मकानों का प्रतिशत निर्माण	75%	14. एनआईए कार्मिकों के लिए विभिन्न श्रेणी के 222 मकान उपलब्ध होंगे	14.1. 222 आवासों की ऑक्युपेंसी दर	0%
	7. स्वापक नियंत्रण ब्यूरो: चंडीगढ़ और अहमदाबाद में कार्यालय-सह-आवासीय परिसर का निर्माण	7.1. चंडीगढ़ और अहमदाबाद में कार्यालय भवनों का निर्माण और चंडीगढ़ में 27 तथा अहमदाबाद में 18 आवासीय परिसरों का निर्माण	100%	15. इन कार्यालय-सह-आवासीय परिसरों के निर्माण से ब्यूरो का अवसंरचना आधार सुदृढ़ करना	15.1. आवासीय भवनों की ऑक्युपेंसी दर	22%
					15.2. विभिन्न कार्यालय भवनों की ऑक्युपेंसी दर	67%
	8. बेंगलूरु, इंदौर, दिल्ली और भुवनेश्वर में कार्यालय परिसर का निर्माण	8.1. कार्यालय परिसरों का निर्माण	40%			
	9. गुवाहाटी और लखनऊ में कार्यालय-सह-आवासीय परिसर का निर्माण	9.1. कार्यालय-सह-आवासीय परिसर का निर्माण	33%			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	10. शेष जोन और सब-जोन कार्यालयों के लिए भूमि की खरीद	10.1. भूमि का निर्धारण/वांछित भूमि की खरीद	100%			
365.62	**घ) पुलिस अवसंरचना: दिल्ली पुलिस**					
	1. सुरक्षा और प्रशासनिक अवसंरचना का प्रावधान सुनिर्धारित करना	1.1. निर्मित बैरकों की संख्या बापूधाम (54) झड़ौदाकला (4)	बापूधाम में 54 मकानों का 80 प्रतिशत निर्माण	1. दिल्ली पुलिस में बेहतर कार्य अवसंरचना	1.1. अपेक्षित स्थान की तुलना में उपलब्ध स्थान का अनुपात (प्रतिशत की दृष्टि से)	4:5
	2. अपने स्वयं के कार्यालय भवनों और उनके अनुरक्षण का प्रावधान सुनिर्धारित करना	2.1 निर्माणाधीन कार्यालय भवनों की संख्या 01 पुलिस थाना भवन और 02 पुलिस उपायुक्त के कार्यालय	03	2. अपने स्वयं के कार्यालय भवनों की संख्या में वृद्धि	2.1. अपने स्वयं के भवन वाले पुलिस थानों का प्रतिशत	69.85%[63]
		2.2 योजना स्तर में कार्यालय भवनों की संख्या	17			
	3. आवासीय अवसंरचना और उसके अनुरक्षण का प्रावधान सुनिर्धारित करना	3.1 निर्माणाधीन स्टाफ क्वार्टरों की संख्या	80 अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर	3. बेहतर आवास संतुष्टि स्तर	3.1. आवास संतुष्टि स्तर	20.9%

[63] *योजना स्तर पर 17 परियोजनाएं अगले वित्तीय वर्ष अर्थात् 2021-22 में अग्रेनीत हो जाएंगी।*

- *डीपीबीपी के तहत 2020-21 के दौरान 339 स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण शुरू होने की उम्मीद है और परियोजना अगले वित्त वर्ष 2021-22 में अग्रेनीत हो जाएंगी।*
- *81846 दिल्ली पुलिस कर्मियों तथा 15937 स्टाफ क्वार्टरों की तुलना में वर्तमान आवासीय संतुष्टि स्तर = 19.47%*
- *621 स्टाफ क्वार्टरों के पूरा होने के बाद (शाहदरा 63, मंडोली 360, सेक्टर 19 द्वारका-198) और नरेला में 501 एमआईजी फ्लैटों का आवंटन = 17059 तिमाहियों की तुलना में 20.8 प्रतिशत*
- *2020-21 के दौरान 80 कर्मचारी क्वार्टरों के पूरा होने के बाद = 17139 स्टाफ क्वार्टरों की तुलना में 20.90%*

2. महिला सुरक्षा योजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
24.11	**क. इमरजेंसी रेस्पोंस स्पोर्ट सिस्टम (निर्भया कोष से)**					
	1. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एक एकीकृत कार्रवाई केन्द्र की स्थापना	1.1. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में क्रियाशील ईआरसी	36	1. संकट कॉलों के निराकरण के लिए पूरे देश में पुलिस, चिकित्सा और अग्निशमन सेवाओं के लिए एक आपात नंबर मुहैया कराना	1.1. पूरे देश में एक आपात कार्रवाई नंबर शुरू करना (हाँ/ना)	हाँ
	2. 112 पोर्टल विकसित करना (112.gov.in)	2.1. 112.gov.in शुरू करना	हाँ	2. मौजूदा डॉयल 100, डॉयल 108 और अन्य आपात कार्रवाई प्रणालियों को जोड़ना	2.1. मौजूदा डॉयल 100, डॉयल 108 और अन्य आपात कार्रवाई प्रणालियों से जोड़ना.(हाँ/ना)	हाँ
	3. जागरूकता अभियान	1.1. टीवी स्पॉट्स, प्रिंट मीडिया, एड्स, हिट्स ऑन यूट्यूब आदि की सं.	2	3. स्मार्ट फोनों के पैनिक बटन के साथ जुड़े राष्ट्रव्यापी सिंगल मोबाइल एप को शुरू करना	3.1. स्मार्ट फोनों के पैनिक बटन के साथ जुड़े राष्ट्रव्यापी सिंगल मोबाइल एप को शुरू करना(हाँ/ना)	हाँ
				4. वॉयस और डाटा से कनेक्ट करके संकट में फंसे व्यक्ति के स्थान का पता लगाना	4.1. संकट में फंसे कॉल कर्ताओं की लोकेशन का पता लगाना (हाँ/ना)	हाँ
				5. निकटतम वाहनों का पता लगाने के लिए जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) इनेबल्ड वाहन भेजना	5.1. ईआरसी से जीपीएस समर्थित इमरजेंसी वाहनों का पता लगाया जा सकता है	हाँ

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				6. टेलीकॉम ग्राहक के डाटा तक ईआरसी की पहुंच	6.1. टेलीकॉम ग्राहक के डाटा तक ईआरसी की पहुंच (हाँ/ना)	हाँ
				7. संकट में फंसे कॉलकर्ता की जगह का पता लगाने के लिए टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं के लिए ईआरसी को एलबीएस (लोकेशन बेस्ड सर्विस) से जोड़ा जा सकता है	7.1. संकट में फंसे कॉलकर्ता की जगह का पता लगाने के लिए टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं के लिए ईआरसी को एलबीएस (लोकेशन बेस्ड सर्विस) से जोड़ा जा सकता है	हाँ
				8. वेबसाइट ने काम करना शुरू कर दिया है और इसमें नागरिकों के लिए प्रासंगिक सूचना है	8.1. वेबसाइट ने काम करना शुरू कर दिया है और इसमें नागरिकों के लिए प्रासंगिक सूचना है	हाँ
				9. नागरिकों में सिंगल इमरजेंसी नंबर 112 के बारे में जागरूकता	9.1. नागरिकों में सिंगल इमरजेंसी नंबर 112 के बारे में जागरूकता	~10,00,000
	ख. महिला सुरक्षा योजना - दिल्ली पुलिस					
11.23	1. एसपीयूडब्ल्यूएसी और एसपीयूएनईआर के लिए भवन का निर्माण	1.1 पूरे हुए निर्माण का प्रतिशत	100%	1. एसपीयूडब्ल्यूएसी और एसपीयूएनईआर के लिए भवन का निर्माण	1.1 अपने स्वयं के भवन वाले पुलिस थानों का प्रतिशत	69.4%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. कैपिसिटी सपोर्ट ऑफिसर तथा सामाजिक कार्यकर्ता हायर करना	2.1 हायर किए गए कैपिसिटी सपोर्ट ऑफिसर तथा सामाजिक कार्यकर्ता	64	2. महिलाओं के प्रति अपराध के परिणामों के बारे में लोगों की जागरूकता में वृद्धि, समाज में महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि करना, इन शिकायतों से सुरक्षित तरीके से निपटने के लिए उचित माहौल तैयार करना। सीएसओ और सामाजिक कार्यकर्ता वैवाहिक विवादों और महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षा से जुड़ी अन्य विभिन्न गतिविधियों के बारे में शिकायतकर्ताओं को नैतिक और कानूनी सहायता प्रदान करते हैं।	2.1 निराकरण किए जा सकने वाले मामलों की संख्या: वैवाहिक शिकायतें	1,500
					2.2 निराकरण किए जा सकने वाले मामलों की संख्या: काउंसिलिंग	7,500
	3. प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए महिला पुलिस बल की क्षमता में वृद्धि करने हेतु आवश्यक सामानों/उपकरणों का प्रापण	3.1 महिला पुलिस बल के लिए प्रापण किए गए उपकरणों की संख्या	15		2.3 निराकरण किए जा सकने वाले मामलों की संख्या: एकबारगी हस्तक्षेप शिकायतें	8,000
		3.2 शुरू की गई गतिविधियों की संख्या	230		2.4 निराकरण किए जा सकने वाले मामलों की संख्या: स्कूल/कॉलेज छात्रा (आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर)	70,000
					2.5 निराकरण किए जा सकने वाले मामलों की संख्या: स्कूल/कॉलेज छात्रा (एक दिवसीय कार्यशाला)	20,000
	4. आत्मरक्षा के लिए शिविर	4.1 आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविरों की संख्या	355		2.6 निराकरण किए जा सकने वाले मामलों की संख्या:	57,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	लगाना। स्कूल/कॉलेजों में प्रशिक्षण, एक दिन की कार्यशाला, जेंडर सेंसीटाइजेशन प्रशिक्षण, नुक्कड़ नाटक	4.2 एक दिन की कार्यशाला की संख्या	150		महिला/लड़के/लड़कियां (जेंडर संवेदनशीलता प्रशिक्षण और नुक्कड़ नाटक) (37000+ 20000)	
		4.3 आयोजित किए जाने वाले जेंडर संवेदनशीलता प्रशिक्षण की संख्या	91			
		4.4 आयोजित किए जाने वाले वाले नुक्कड़ नाटकों की संख्या	168			
	ग. महिलाओं और बच्चों के प्रति साइबर अपराध की रोकथाम					
29.50	1. साइबर अपराध दर्ज किए जाने के लिए 24x7 घंटे और सातों दिन प्लेटफॉर्म मुहैया कराना[64]	1.1. पोर्टल के अंतर्गत फाइल की गई शिकायतों की संख्या	लगभग 1,500	1. साइबर अपराध के पीड़ितों के लिए बेहतर सेवा हेतु साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल शुरू करना .	1.1 अपनी शिकायतें सुविधाजनक तरीके से दर्ज करा सकने वाले पीड़ितों की संख्या	100%
	2. पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजको/ न्यायिक अधिकारियों के क्षमता निर्माण	2.1. प्रशिक्षित किए गए पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजकों/न्यायिक अधिकारियों की संख्या	5,000	2. साइबर अपराधों से निपटने के लिए प्रशिक्षित कार्मिक	2.1 साइबर अपराधों से निपटने के लिए प्रशिक्षित कार्मिकों की सं. में वृद्धि	50%

[64] *इस पोर्टल का अब 14ग योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल में विलय कर दिया गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता करना					
	3. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में एडवांस्ड नेशनल साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला और प्रयोगशाला-सह-प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना	3.1. एडवांस्ड नेशनल साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला की सुविधा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्राप्त होगी (हाँ/ना)	हाँ (प्रत्येक राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र में एनसीएफएल और राज्य साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला का संचालन)	3. नेशनल साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला को क्रियाशील बनाना	3.1 सीएफएसएफ द्वारा साक्ष्य रिपोर्ट प्रस्तुत करने में लगने वाले समय में कमी	30%
		3.2. सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशाला की स्थापना	प्रत्येक राज्य में एक साइबर-सह-प्रशिक्षण फोरेंसिक प्रयोगशाला			
	4. साइबर अपराध के बारे में	4.1. साइबर अपराध के बारे में जिन लोगों को जागरूक	1 लाख प्रतिमाह	4. लोगों में साइबर अपराध के बारे में जागरूकता पैदा	4.1 साइबर अपराध की शिकायतों की रिपोर्ट करने	10%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	जागरूकता पैदा करने के लिए मास मीडिया का प्रयोग	किया गया उनकी अनुमानित संख्या		करके साइबर अपराध को कम करना	में प्रतिशत परिवर्तन	
	घ. सुरक्षित शहर परियोजना					
790.39	1. अपराध जोनों के लिए निर्धारित हॉटस्पॉट्स पर सुरक्षित जोन क्लस्टर्स	1.1 कवर किए गए लोकेशंस की संख्या	707	1. यौन अपराध की रिपोर्ट करने के लिए निर्धारित हॉट स्पॉट्स में पुलिस थानों में पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या में वृद्धि	1.1. अपराध की रिपोर्ट करने में पीड़ित द्वारा लिए गए औसत समय में कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		1.2 लगाए गए कॉल बॉक्सों की संख्या	250		1.2. पुलिस सहायता प्राप्त करने में चैनलों/महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों से संबंधित सरकारी चैनलों के प्रयोग में प्रतिशत वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		1.3 लगाई गई लाइटों की संख्या	3,000		1.3. चैनलों के एसएलए के डाउन टाइम में कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
	2. चौकसी उपकरण लगाना	2.1 लगाए गए कैमरों की सं.	1,500	2. काउंसिलिंग के लिए पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या में वृद्धि	2.1 काउंसिलिंग के लिए दर्ज मामलों में प्रतिशत वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		2.2 लगाए गए अन्य कोई महत्वपूर्ण चौकसी उपकरण (संख्या)	50	3. सार्वजनिक स्थानों पर जाने में महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि	3.1 सार्वजनिक स्थानों पर जाने में महिलाओं के आत्मविश्वास में प्रतिशत वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[65]

[65] *इस परियोजना के पूरा होने के बाद डाटा उपलब्ध होगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा मुहैया कराना	3.1 जीपीएस युक्त बसों की संख्या	250	4. हॉटस्पॉट क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के प्रति यौन अपराधों में कमी	4.1 लक्षित क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों से संबंधित यौन अपराधों के प्रतिशत में कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		3.2 आरएफआईडी टैग युक्त टैक्सियों की संख्या	50,000			
		3.3 क्यूआर कोड युक्त टैक्सी, बसों की संख्या	3,00,000			
	4. महिलाओं के लिए सेनीटेशन की सुविधा	4.1 महिलाओं के लिए निर्मित स्मार्ट शौचालयों की संख्या	500			
	5. कमान केन्द्रों से जुड़े पेट्रोल वाहन	5.1 एमडीटी वाले पेट्रोल वाहनों की संख्या	900	5. कार्रवाई करने में विधि प्रर्वतन एजेंसियों द्वारा लिए जाने वाले समय में कमी	5.1 यौन हिंसा की शिकायत पर कार्रवाई करने में पुलिस द्वारा लिए जाने वाले औसत समय में प्रतिशत परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		5.2 तैनात किए गए एसएचई टीम वाहनों की संख्या	70			
		5.3 तैनात किए गए पेट्रोल वाहनों की संख्या	250			
	6. सामाजिक और प्रिंट मीडिया कार्यक्रम तथा अभियान	6.1 प्रिंट मीडिया में विज्ञापन (वर्गसेंटीमीटर में)	3	6. महिला सुरक्षा के बारे में अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक बनाना	6.1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के संबंधित सोशल मीडिया हैंडल्स पर हिट्स की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		6.2 सोशल मीडिया में चलने वाले विज्ञापनों की संख्या	3		6.2. जागरूकता अभियानों (सोशल मीडिया के अतिरिक्त) से जागरूक किए गए अतिरिक्त लोगों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		6.4 इस कार्यक्रम के लिए तैयार किए गए अन्य जागरूकता अभियानों की सं.	50			

3. सीमा अवसंरचना और प्रबंधन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1996.51	1. भारत-चीन सीमा पर अवसंरचना का विकास (चरण -I & II सड़क)	1.1. बजट उपयोग	100%	1. सीमा पार से होने वाली घुसपैठ और अपराधों को रोकने के लिए प्रभावी सीमा प्रबंधन हेतु सीमा रक्षक बल की प्रचालन क्षमता में वृद्धि होगी।	1.1. बजट उपयोग	100%
	2. भारत नेपाल सीमा पर सड़कों का विकास	2.1. बजट उपयोग	100%		1.2. बजट उपयोग	100%
	3. भारत भूटान सीमा पर सड़कों का विकास	3.1. बजट उपयोग	100%		1.3. बजट उपयोग	100%
	4. भारत-बांग्लादेश सीमा पर निर्माण कार्य	4.1. बजट उपयोग	100%		1.4. बजट उपयोग	100%
	5. भारत-पाकिस्तान सीमा पर निर्माण कार्य	1.1. बजट उपयोग	100%		1.5. बजट उपयोग	100%
	6. भारत-बांग्लादेश सीमा और भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीओपी	1.1. बजट उपयोग	100%		1.6. बजट उपयोग	100%
	7. सीमा चौकियों का निर्माण	7.1. बजट उपयोग	100%		1.7. बजट उपयोग	100%

4. पुलिस बलों का आधुनिकीकरण[66]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
13.77	**क. सीसीटीएनएस (सीएसएस)**					
	1. सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल पुलिस थानों और उच्चतर कार्यालयों में कम्प्यूटरीकरण और कोर एप्लीकेशंस सॉफ्टवेयर लागू करना	1.1. ऐसे पुलिस थानों की सं. जहां सीसीटीएनएस शुरू की गई है।	15,884	1. राष्ट्रीय स्तर के अपराध और आपराधिक रिकॉर्डों की त्वरित खोज	1.1. राष्ट्रीय स्तर पर अपराध और आपराधिक रिकॉर्डों की खोज में लिया गया औसत समय	दो मिनट से कम
		1.2. ऐसे पुलिस थानों की सं. जो सीसीटीएनएस में निर्धारित प्रपत्र, IIF I से लेकर IIF V तक में 100 प्रतिशत प्रविष्टि करते हैं।	15,000		1.2. ऐसे पुलिस थानों की सं. जिनकी पहुंच एनडीसी सर्च तक है।	15,000
					1.3. अपराध और आपराधिक डाटाबेस के बारे में राष्ट्रीय स्तर की खोजों की संख्या	8,00,000
						3
	2. पिछले 10 वर्ष के अपराध और आपराधिक रिकॉर्डस का डाटा डिजीटाइजेशन	1.1. ऐसे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की संख्या, जहां पिछले 10 वर्ष के अपराध और आपराधिक रिकॉर्डों का 100 प्रतिशत डिजीटाइजेशन पूरा कर लिया गया है।	35			
	3. नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल	2.1. ऐसे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की सं. जो सिटीजन सर्विस पोर्टल के माध्यम	36	2. नागरिक सेवाओं के प्रभावी ऑनलाइन	2.1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पोर्टलों पर हैंडल किए गए नागरिक सेवा अनुरोधों की कुल संख्या	3

[66] *इस योजना में इसके लिए छोटे आवंटन भी शामिल हैं: केंद्रीय अधिनियम और विनियम (रु.1000) का प्रशासन; विदेशियों का पंजीकरण और निगरानी (रु. 5.00 करोड़); और नागरिकता अधिनियम के प्रशासन के लिए राज्यों को प्रतिपूर्ति (रु. 1.00 करोड़), जिसके लिए लक्ष्य तय नहीं किए जा सकते हैं।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		से निर्धारित 9 सेवाएं प्रदान करा रहे हैं।		प्रणाली	1.1 नागरिकों को एसएमएस अलर्ट फीचर्स प्रदान करने वाले राज्यों की संख्या	36
	4. पुलिस अधिकारियों को उनकी भूमिका के आधार पर प्रशिक्षण	4.1 सीसीटीएनएस के बारे में प्रशिक्षित किए गए रोल कार्मिकों की सं.	5,96,000			
	ख. पुलिस आधुनिकीकरण के लिए राज्यों को सहायता[67]					
778.36	1. पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए निधि प्रदान करना	1.1. इस योजना के अंतर्गत राज्यों द्वारा नवीनतम हथियारों और प्रशिक्षण उपकरणों, उन्नत संचार और फोरेंसिक उपकरणों आदि की प्रतिशत खरीद	20%	1. कानून और व्यवस्था बनाए रखने में (आतंकवाद/ वामपंथी उग्रवाद/आम चुनाव अथवा राज्य के चुनाव आदि को छोड़कर) केन्द्रीय पुलिस बलों की तैनाती पर राज्य पुलिस की निर्भरता में कमी	1.1. कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती हेतु राज्यों की मांग में प्रतिशत कमी	5%

[67] *वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान जारी किए गए फंड के लिए उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) वित्त वर्ष 2022-23 तक देय होगा। तदनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में जारी निधियों का उपयोग 2021-22 के अंत तक हथियारों, उपकरणों आदि की खरीद के लिए किया जाना है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ग. वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता					
103.55	1. वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%.	1. इससे केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सुरक्षा कार्मिकों की प्रचालन क्षमता और उनके कल्याण में वृद्धि होगी	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
	घ. वामंपथी उग्रवाद से सर्वाधिक रूप से प्रभावित 30 जिलों को विशेष केन्द्रीय सहायता					
950.00	1. वामंपथी उग्रवाद से सर्वाधिक रूप से प्रभावित 30 जिलों को विशेष केन्द्रीय सहायता प्रदान करना	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%.	1. लोक अवसंरचना से संबंधित ऐसी गंभीर कमियों को पूरा किया जाएगा जो तात्कालिक प्रकृति की हैं।	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
	ड. एसआरई: वामपंथी उग्रवाद					
266.95	1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. इस योजना से वामपंथी उग्रवाद की समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों की क्षमता में वृद्धि होगी	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
185.25	**च. एसआरई: पूर्वोत्तर**					
	1. सिक्किम और मिजोरम को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्यों को सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. इस योजना से पूर्वोत्तर में विद्रोह का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा बलों की संभारतंत्र संबंधी आवश्यकता पूरी होगी और इससे पुलिस स्थापनाएं भी सुदृढ़ होगी तथा इससे उग्रवादी गुटों में शामिल होने वाले गुमराह युवाओं को समर्पण-सह-पुनर्वास नीति के माध्यम से मुख्य धारा में लाया जाएगा।	1.1 आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
202.35	**छ. एसआरई: जम्मू एवं कश्मीर (आर एंड आर)[68]**					
	1. प्रवासियों को नकद राहत/मुफ्त राशन, मारे गए पुलिस/सुरक्षा बल कार्मिकों	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. एसआरई (आरएंडआर) के अंतर्गत कवर किए	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100 %

[68] *जम्मू और कश्मीर सरकार: सरकार द्वारा किए गए सुरक्षा संबंधी व्यय की प्रतिपूर्ति। जम्मू और कश्मीर राहत और पुनर्वास गतिविधियों पर एसआरई(आरएंडआर) योजना के मुख्य घटक जम्मू प्रवासियों और कश्मीरी प्रवासियों की नकद सहायता, आतंकवादी हिंसा/ कानून और व्यवस्था की घटनाओं में मारे गए सुरक्षा बलों के संबंध में पूर्व राहत पैकेज के तहत कार्यरत कश्मीरी प्रवासियों को रोजगार, घाटी में 6000 मार्गस्थ आवासों का निर्माण और अन्य पैकेज घटक।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	के निकट संबंधियों को अनुग्रह राहत, सीमा पार से होने वाली गोलीबारी के पीड़ितों को राहत आदि जैसी मुख्य घटकों पर हुए व्यय के संबंध में जम्मू एवं कश्मीर सरकार को मासिक प्रतिपूर्ति की गई।			गए विभिन्न घटकों पर व्यय (जैसे प्रवासियों को नकद राहत/मुफ्त राशन, मारे गए पुलिस/सुरक्षा बल कार्मिकों के निकट संबंधियों को अनुग्रह राहत, सीमा पार से होने वाली गोलीबारी के पीड़ितों को राहत)		
513.00	**ज. एसआरई (जम्मू एवं कश्मीर): पुलिस[69]**					
	1. एसआरई (जे एंड के) : पुलिस पर सुरक्षा संबंधी व्यय	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. एसआरई (जे एंड के): पुलिस पर सुरक्षा संबंधी व्यय	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
98.80	**झ. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में 250 फोर्टीफाइड पुलिस थानों के निर्माण सहित विशेष अवसंरचना योजना**					
	1. विशेष बलों के अपग्रेडेशन और गंभीर कमियों को पूरा	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. वामपंथी उग्रवाद के खतरे का	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%

[69] *एसआरई (जेएंडके): (पुलिस) के अंतर्गत आने वाली प्रमुख मदें जिन पर जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा व्यय किया गया इस प्रकार हैं- विशेष पुलिस अधिकारियों को मानदेय, आवास का किराया, सैनिकों को लाना-ले जाना, हवाई प्रभार, लीज/बोर्ड/लॉज सिक्युरिटी जोन, नजरबंदियों पर व्यय, 14वीं जेकेपी बटालियन, डीएआर 95 कंपनियों पर व्यय, सुरक्षा बलों के लिए वैकल्पिक आवास, सामग्री और आपूर्ति, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस द्वारा सुरक्षा संबंधी निर्माण कार्य, चुनाव संबंधी व्यय, वर्ष 2014 में आई बाढ़ में जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की क्षतिग्रस्त अवसंरचना की मरम्मत, पीएमडीपी 2015 के अंतर्गत उच्च स्तरीय सुरक्षा तथा कानून एवं व्यवस्था प्रणाली और पांच आईआर बटालियनों का गठन*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	करने हेतु अवसंरचना, प्रशिक्षण, हथियार और वाहनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों को सहायता, और विशेष आसूचना शाखाओं को सहायता तथा वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में 250 पुलिस थानों का निर्माण			प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों का क्षमता निर्माण		
26.13	**ञ. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में नागरिक कार्रवाई कार्यक्रम और मीडिया प्लान**					
	1. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में नागरिक कार्रवाई योजना: नागरिक क्रियाकलाप चलाने के लिए वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में तैनात केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों/सेना को निधियां मुहैया कराई जाएंगी। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में मीडिया एक्शन प्लान: वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में रेडियो जिंगल्स/स्पॉट्स और डॉक्युमेंट्री फिल्मों के प्रसारण	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%	1. इस योजना से सशस्त्र बलों का मनोबल बढ़ेगा और विद्रोह/उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में उनकी तैनाती के दौरान आम लोगों के मन में उनकी अच्छी छवि बनेगी तथा इससे स्थानीय लोगों में उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। वामपंथी उग्रवाद	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	के लिए एनवाईकेएस, दूरदर्शन, आकाशवाणी और डीएवीपी को निधियां प्रदान की जाती हैं, समाचार पत्र, मैग्जीन, पोस्टर और पैम्फ्लैट, नुक्कड़ नाटक, सोशल मीडिया तथा वार्षिक ट्राइबल यूथ एक्सेंज प्रोग्राम आदि आयोजित करने के लिए भी निधियां प्रदान की जाती हैं			से प्रभावित राज्यों में सरकार के विरुद्ध वामपंथी उग्रवादी कॉडरों के दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए सरकार की विकास और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया जाता है।		
	ट. जम्मू एवं कश्मीर में सुरक्षा माहौल (सिविक एक्शन प्रोग्राम और मीडिया प्लान)					
23.75	1. जम्मू एवं कश्मीर के युवाओं को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियां, चिकित्सा शिविरों, वेटरनरी कैंप्स और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि जैसी गतिविधियों में शामिल करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों हेतु केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस बलों को निधियां प्रदान की जाती हैं।	1.1. इन गतिविधियों के माध्यम से लाभान्वित लाभार्थियों की सं.	2,000	1. स्थानीय लोगों विशेष रूप से युवाओं के दिल को जीतना तथा उन्हें रचनात्मक कार्यों में लगाना और स्थानीय जनता तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बीच मधुर संबंध स्थापित करना	1.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रूपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. भारत दर्शन टूर/वतन को जानो टूर	1. भारत दर्शन टूर/वतन को जानो कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों/युवाओं की सं.	5,000	2. देश के अन्य भागों में हो रहे सांस्कृतिक तथा सामाजिक-आर्थिक विकास के बारे में जम्मू और कश्मीर के युवाओं और बच्चों को अवगत कराना	2.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
	3. व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एसईडब्ल्यूए के रिसोर्स सेंटर की स्थापना करके जम्मू एवं कश्मीर की महिलाओं को सशक्त बनाना	3.1. इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित महिलाओं की सं.	750	3. उग्रवाद से प्रभावित जम्मू एवं कश्मीर की महिलाओं का क्षमता निर्माण और उनमें वित्तीय आत्मनिर्भरता पैदा करना	3.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%
	4. जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित विशेष रिजन के संबंध में विशिष्ट मुद्दों पर आईसीएसएसआर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुसंधान अध्ययन जैसी अन्य गतिविधियां	4.1. प्राप्त होने वाले अध्ययनों/रिपोर्टों की सं.	06	4. जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित राजनैतिक सामाजिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी मुद्दों के विभिन्न आयामों को बेहतर तरीके से समझना	4.1. आबंटित बजट का प्रतिशत व्यय	100%

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय **मांग सं. 57**

1. स्मार्ट सिटीज मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
6450.00	1. परिवहन क्षेत्र संबंधी कार्यक्रम	1.1. स्मार्ट सड़क, गली की पुनर्रचना और स्मार्ट पार्किंग संबंधी निर्माणाधीन/पूरी की जा चुकी परियोजनाओं की संख्या	60	1 पर्यावरण अनुकूल गैर मोटरीकृत परिवहन, पैदल चलने एवं क्रॉसिंग की बेहतर सुविधाओं के जरिए सुरक्षा में सुधार को बढ़ावा देना	1.1. किमी0 में पूर्ण की गई स्मार्ट सड़के	100
		1.1. निर्माणाधीन/पूर्ण की जा चुकी सार्वजनिक बाइक शेयरिंग परियोजनाओं की संख्या	25	2 बाइक/साइकिल का सार्वजनिक परिवहन माध्यम के रूप में बढ़ता प्रयोग, पर्यावरण अनुकूल गैर मोटरीकृत परिवहन को बढ़ावा देना, अंतिम मील कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना	2.1. बनाए गए साइकिलिंग ट्रिप की क्षमता (ट्रिप प्रति दिन)	15,000
	2. शहरी शासन	2.1. निर्माणाधीन/पूरे किए जा चुके एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्रों की संख्या	30	3 यातायात और कानून प्रवर्तन संबंधी शासन एवं प्रबंधन की बढ़ती क्षमता, बेहतर नागरिक शिकायत निवारण, शहर की सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर आपराधिक घटनाओं में कमी, यातायात नियमों के उल्लंघन में कमी, वायु गुणवत्ता प्रबंधन के साथ-साथ ठोस/तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जल एवं अपजल प्रबंधन में बेहतर क्षमता	3.1. संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता (एमडब्लयू)	12
	3. सार्वजनिक खुले स्थान और पार्क	3.1. विरासत क्षेत्रों सहित सार्वजनिक क्षेत्रों के विकास एवं पुनरूद्धार संबंधी निर्माणाधीन /पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	40	4 सर्वत्र सुलभ हरित स्थानों की बढ़ती उपलब्धता, सार्वजनिक मनोरंजन स्थानों की उपलबधता, अधिक जीवंत सामुदायिक जीवन	4.1. प्रभावित परिवारों की सं.	34,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. सार्वजनिक स्थान, जलाशय	4.1. जलाशयों के पुनरूद्धार और नदी तटाग्र के विकास संबंधी निर्माणाधीन /पूर्ण की जा चुकी परियोजनाओं की संख्या	40	5 नागरिकों के मनोरंजन एवं शारीरिक क्रियाकलापों के लिए तटीय स्थानों की बेहतर गुणवत्ता, बेहतर भूजल पुनर्भरण, वनस्पति और जीव का संरक्षण	5.1. तैयार की गई अपजल शोधन क्षमता की एमएलडी (एमएलडी)	200
	5. सौर्य ऊर्जा परियोजनाएं	5.1. निर्माणाधीन/पूर्ण की जा चुकी सौर्य ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या	25	6 ऊर्जा प्रयोग हेतु जीएचजी उत्सर्जन में कमी, जीवाश्म ईंधन ऊर्जा पर निर्भरता में कमी और एबीडी में अक्षय ऊर्जा प्रयोग का बढ़ा हुआ भाग	संकेतक और लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	
	6. स्मार्ट जल	6.1. निर्माणाधीन/पूर्ण की जा चुकी स्मार्ट जल परियोजनाओं की संख्या	30	7 गैर-राजस्व जल (एनआरडब्ल्यू) में कमी और बेहतर जल उपलब्धता	संकेतक और लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	
	7. अपजल प्रबंधन और पुन:प्रयोग	7.1. निर्माणाधीन/पूर्ण की जा चुकी स्मार्ट अपजल पुन:प्रयोग परियोजनाओं की संख्या	30	8 स्वच्छता एवं जन-स्वास्थ्य में सुधार, अपजल पुनर्ग्रकण के जरिए जल संरक्षण	संकेतक और लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	
	8. संस्थागत संरचना	8.1. बनाए जाने वाले एसपीवी की संख्या	0[70]	9 एकीकृत आयोजना और स्मार्ट शहरों के विकास की सुस्थिरता के लिए संस्थागत संरचना का निर्माण	संकेतक और लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते	

[70] *एसपीवी सभी 100 स्मार्ट शहरों में स्थापित किए गए हैं । अत: वर्ष 2020-21 के लिए कोई लक्ष्य प्रस्तावित नहीं है ।*

2. स्वच्छ भारत मिशन - शहरी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2300.00	**खुले में शौच मुक्त**					
	1. व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण एवं	1.1. घरेलू शौचालयों की कुल संख्या[71] (इकाइयॉ)	50,000	1. आउटकम सभी कस्बों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ)[72] बनाना है।	1.1. ओडीएफ घोषित कस्बों की संख्या[73]	4,041 वैधानिक शहरों की ओडीएफ स्थिरता बनाए रखें
	2. सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण	2.1 निर्मित सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों/ यूरिनलों की कुल संख्या[74] (सीट)	15,000[75]			
	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन					
	3. 100% घर - घर जाकर संग्रहण करने वाले वार्डों की संख्या (संचयी)	3.1 100% घर-घर जाकर संग्रहण करने वाले वार्डों की कुल संख्या[76] (वार्ड)	1,000[77]	2. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के अनुसार आउटकम यह है कि अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जा रहा है। इससे खाद,	1.2 उत्पन्न अपशिष्ट की तुलना में प्रसंस्करण किए जाने वाला अपशिष्ट (टीपीडी में)[78]	17,200[79]

[71] *31 मार्च 2020 की स्थिति के अनुसार अनुमानित प्रगति 62,00,000 है, जो लक्ष्य से अधिक है*

[72] *ओडीएफ स्थिति शहरों और कस्बों में स्वच्छता और स्वच्छता परिदृश्यों में सुधार करेगी और डायरियल और वेक्टर जनित बीमारियों की घटनाओं में कमी लाएगी, जिससे नागरिकों की गरिमा का संरक्षण होगा।*

[73] *प्रगति को मानते हुए सभी वैधानिक शहर 31 मार्च 20 से ओडीएफ हैं*

[74] *31 मार्च, 2020 की स्थिति के अुनसार अनुमानित प्रगति =5,80,000 है, जो लक्ष्य से अधिक है*

[75] *संचयी लक्ष्य 5,95,000*

[76] *31 मार्च, 20 की स्थिति के अनुसार अनुमानित प्रगति = 82,000*

[77] *संचयी लक्ष्य -83,000*

[78] *31 मार्च'20 को अनुमानित प्रगति = 90,000 (60%)*

[79] *संचयी लक्ष्य - 1,07,200 (72%)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. स्रोत पर 100% पृथक्करण करने वाले वार्डों की संख्या (संचयी)	4.1 स्रोत पर 100% पृथक्करण पूरा करने वाले वार्डों की संख्या (संचयी)[80] (वार्ड)	7,000[81]	आरडीएफ, ऊर्जा जैसे गुणवत्ता वाले उत्पाद प्राप्त होंगे और साथ ही साथ कूड़ा बीनने वालों के लिए अधिक आजीविका के अवसर समाज के कमजोर वर्ग के लिए अधिक उद्यमशीलता के अवसर, और रहने के लिए स्वच्छ वातावरण मिलेगा।		
	आईईसी और बीसीसी					
	5. जन स्वास्थ्य में स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए सार्वजनिक जागरूकता और आईईसी अभियान	5.1 रेडियो, टीवी, सोशल मीडिया और ई-लर्निंग प्रशिक्षण कार्यशालाओं संबंधी अभियान	नागरिकों के लिए विषयगत ड्राइव और अभियानों के साथ-साथ लगभग	3. इसका लक्ष्य जन स्वास्थ्य में सफाई व स्वच्छता के महत्व के साथ-साथ जागरूकता फैलाना और व्यवहार में बदलाव लाना है। यह आऊटकम पूर्णत: मात्रात्मक नहीं है,	2.1 जीएफसी, स्वच्छ मंच, स्वच्छता एप डाउनलोड के लिए स्टार रेटिंग में प्रतिभागी नागरिकों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता। [83]

[80] *31 मार्च, 20 की स्थिति के अनुसार अनुमानित प्रगति = 63,000*

[81] *संचयी लक्ष्य -70,000*

[83] *सभी नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना और यूएलबी अधिकारियों का क्षमता निर्माण*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
			100 कार्यशालाएं	हालांकि प्रभावी वार्तालाप और जागरूकता, शहरों को कचरा मुक्त व खुले में शौच मुक्त बनाने तथा स्वच्छ भारत मिशन को एक 'जनांदोलन' बनाने में जनता व नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा।[82]		

3. एमआरटीएस और मेट्रो परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
20000.00[84]	1. नई मेट्रो लाइनों का निर्माण	1.1. संचालित/प्रमाणित की जाने वाली नई मेट्रो लाइनों के किलोमीटरों की संख्या (कि.मी.)	63	1. बेहतर परिवहन और हवा की गुणवत्ता के संबंध में रहन-सहन की बेहतर स्थिति संबंधी परिणाम	1.1. समय लागत बचत (करोड़ रू0 में)	3,878.49

[82] *इसका परिणाम मात्रात्मक नहीं है, तथापि, प्रभावी संचार और जागरूकता से अधिक सार्वजनिक भागीदारी और कचरा मुक्त और खुले में शौच मुक्त शहर बनाने में नागरिकों की भागीदारी होगी और अंततः, स्वच्छ भारत मिशन को एक 'जनान्दोलन' बनाया जाएगा।*

[84] *17482+2487.40+30.60*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. क्षेत्रीय द्रुत परिवहन प्रणाली (दिल्ली-गाज़ियाबाद-मेरठ) लाइन का निर्माण	2.1. संचालित/प्रमाणित की जाने वाली नई आरआरटीएस लाइनों के किलोमीटरों की संख्या	0[85]		1.2. वाहन प्रचालन लागत बचत (करोड़ रू में)	3,209.93
					1.3. उत्सर्जन बचत लागत (करोड़ रू)	702.42
	3. संघ राज्य क्षेत्र आयोजना और क्षमता निर्माण स्कीम	3.1. परियोजनाओं को निष्पदित करने वाली एजेंसियों की संवर्धित क्षमता (आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण सत्रों की संख्या)	2		1.4. दुर्घटना में कमी संबंधी लागत (करोड़ रू)	7.09
					1.5. अवसरंचना अनुरक्षण लागत बचत (करोड़ रू)	49.66
				2. इससे दिल्ली में भीड़ कम होगी और प्रदूषण में कमी आएगी	0[84]	
				3 बेहतर प्रशिक्षित क्षमता (मानवीय)	3.1 प्रशिक्षित अधिकारियों की संख्या	80

4. अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) (सीएसएस)[86]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
7300.00	1. मिशन शहरों में जल आपूर्ति का	1.1. निर्माणाधीन की जा चुकी जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	37	1. सभी मिशन शहरों में मिशन के अंत तक	1.1. प्रदान किए गए नए घरेलू जल टेप कनेक्शनों की	17

[85] *निर्माण चरण के तहत परियोजना के कार्यान्वयन की अवधि 6 साल है और इसे 2025 तक पूर्ण किए जाने की संभावना है। भूमि अधिग्रहण, संविदा दिया जाना, कास्टिंग यार्ड की व्यवस्था और वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान होने वाले अन्य प्रारंभिक सिविल निर्माण परीक्षणों/कार्यों को आरंभ करने जैसी गतिविधियां।*

[86] *नोट : अमृत के अंतर्गत जलापूर्ति और सीवरेज ध्यान देने वाले क्षेत्र हैं। 77,640 करोड़ रूपए की कुल आकार की तुलना में, जलापूर्ति और सीवरेज/सेप्टेज परियोजनाओं के लिए 71,466 करोड़ रूपए (92%) आवंटित किए गए तथा जल निकासी के लिए केवल 2,969 करोड़ रूपए (4%), गैर-मोटरीकृत शहरी परिवहन के लिए 1,436 करोड़ रूपए (2%) तथा हरित स्थानों और पार्कों के लिए 1,768 करोड़ रूपए (2%) आवंटित किए गए हैं । कुछ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने अनुमोदित एसएएपी आकार से अधिक परियोजनाएं शुरू की हैं, ऐसे मामलों में समग्र अतिरिक्त लागत को राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा वहन किया जाएगा ।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	सार्वभौमिक कवरेज			जल आपूर्ति का सार्वभौमिक कवरेज	संख्या। (लाख नए कनेक्शन)	
		1.2. पूर्ण की जा चुकी जल आपूर्ति परियोजनाओं की संख्या	129	2. मिशन शहरों में सीवरेज और सेप्टेज सुविधाओं में सुधार	2.1. प्रदान किए गए नए घरेलू सीवरेज कनेक्शनों की संख्या/परिवारों को कवर करना (लाख नए कनेक्शन)	17
	2. नेटवर्क युक्त सीवरेज प्रणाली और सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी), जल का पुनर्चक्रण /पुन:प्रयोग	2.1. निर्माणाधीन की जा चुकी सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाओं की संख्या	63	3. सीवेज शोधन क्षमता में सुधार और अपशिष्ट जल का पुन:चक्रण/पुन:उपयोग क्षमता	3.1. सीवेज शोधन क्षमता (मिलियन ली प्रतिदिन में) में वृद्धि	200
		2.2. पूर्ण की जा चुकी सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाओं की संख्या	77		3.2. अपशिष्ट जल की पुन:चक्रण क्षमता (मिलियन ली प्रतिदिन) में वृद्धि	45
	3. हरित स्थलों और पार्कों का विकास	3.1. निर्माणाधीन किए जा चुके हरित स्थलों और पार्कों के लिए विकास के लिए परियोजनाओं की संख्या	88	4. मिशन शहरों में दिव्यांग और बाल अनुकूल विशेषताओं युक्त गुणवत्ता वाले हरित स्थल व पार्क प्रदान करना ।	4.1. बेहतर हरित कवर क्षेत्र तथा गुणवत्ता पूर्ण सार्वजनिक स्थल / पार्क विकसित किए (एकड़ में)	250
		3.2. पूरे किए जा चुके हरित स्थलों और पार्कों के लिए विकास के लिए परियोजनाओं की संख्या	108	5. शहरी बाढ़ में कमी आई है ।	5.1. <u>गुणवत्तात्मक संकेतक</u>: मिशन शहरों में जल भराव के मामलों में कमी आई है।	
	4. मिशन शहरों में वर्षा जल निकासी की व्यवस्था	4.1. वर्षा जल निकासी के अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या	16	6. फुटपाथ/पैदल पथ, पार्श्व पथ, पैदल पुल, मल्टीलेवल पार्किंग की उपलब्धता में वृद्धि	6.1. <u>गुणवत्तात्मक संकेतक</u>: दुर्घटनाओं के मामलों में कमी आई है। पैदल यात्री वाक वेज की बेहतर उपलबधता में सुधार आया है।	

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		4.2. वर्षा जल निकासी के अंतर्गत पूर्ण परियोजनाओं की संख्या	98	7. नागरिकता सेवाओं की उन्नत प्रदायगी, सेवा प्रदायगी की लागत में कमी, संसाधन बढ़ाकर यूएलबी की वित्तीय स्थिति में सुधार लाना, पारदर्शिता लाना आदि ।	7.1. ऑनलाइन भवन अुनमति प्रणाली (आबीपीएस) वाले शहरों की संख्या	47
	5. गैर-मोटरीकृत परिवहन को प्रोत्साहन	5.1. गैर-मोटर चालित शहरी परिवहन के तहत निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या	26		7.2. मिशन शहरों की क्रेडिट रेटिंग (शहरों की संख्या)	16
		5.2. गैर-मोटर चालित शहरी परिवहन के तहत पूर्ण परियोजनाओं की संख्या	25		7.3. म्युनिसिपल बांड जारी करके अतिरिक्त संसाधन जुटाना (करोड़ रु)	200
	6. मिशन शहरों में सुधार संबंधी कार्यान्वयन	6.1. सभी 500 मिशन शहरों के लिए किए गए सुधार जिसमें क्रेडिट रेटिंग, नगरपालिका वांड जारी करना, भवन उपनियमों की समीक्षा, ई-गर्वनेंस, ऑनलाइन भवन अनुमति प्रणाली(ओबीपीएस), ऊर्जा संरक्षण उपाय, प्रयोक्ता प्रभार लगाने और संग्रहण में सुधार आदि शामिल हैं।	0[87]	8. नगरपालिका पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की क्षमता बढ़ाना।	8.1. <u>गुणवत्तात्मक संकेतक:</u> नागरिक सेवाओं की प्रदायगी के लिए शहरों की क्षमता में सुधार, अत्यधिक प्रभावी गवर्नेंस और वित्तीय कार्यों के लिए प्रयास करना।	
	7. क्षमता निर्माण कार्यकलाप	7.1. प्रशिक्षित नगरपालिका के पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या।	0[88]			

[87] *किए गए सुधारों के लिए वर्ष 2020-21 में प्रोत्साहन के लिए कोई प्रावधान नहीं है*

[88] *45,000 पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के मिशन लक्ष्य की तुलना में 50,781 को प्रशिक्षण दिया गया है।*

5. प्रधानमंत्री आवास योजना - ऋण सम्बद्ध सब्सिडी स्कीम (सीएलएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1400.00	1. ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी प्रदान करना लगभग 6 लाख ईडब्ल्यूएस/ एलआईजी और मध्य आय वर्ग लाभार्थियों को आवास ऋण सब्सिडी का संवितरण	1.1. सहायता प्राप्त ईडब्ल्यूएस/ एलआईजी और मध्य आय वर्ग के लाभार्थियों की संख्या(लाख में)	6.0	1. मिशन में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के शहरी लाभार्थी शामिल है । आवास के सुविधा प्राप्त स्वामित्व के द्वारा मालिकाना हक और महिला सशक्तिकरण। पर्याप्त वास्तविक और सामाजिक अवसंरचना के साथ जल, किचन, विद्युत और शौचालय जैसी बुनियादी सेवाओं वाली सभी मौसम अनुकूल स्वामित्व वाली आवासीय इकाइयां प्रदान करके शहरी लाभार्थियों (ईडब्ल्यूएस/एलआईजी और एमआईजी) के लिए गरिमामयी रहने की स्थिति। सुसंगत सुस्थिर विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करना।	1.1. आवासों का अधिभोग प्रतिशत (%) में	75%

6. प्रधानमंत्री आवास योजना (अन्य घटक) -एएचपी, आईएसएसआर और बीएलसी (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
6600.00	1. राज्यों द्वारा अनुमोदित 2.02 लाख आवासों के लिए केंद्रीय सहायता की स्वीकृति	1.1. स्वीकृत आवासों की संख्या (लाख में)	2.02	1. मिशन में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के शहरी गरीब लाभार्थी शामिल हैं । आवास के अधिमान्य स्वामित्व के द्वारा मालिकाना हक और महिला सशक्तिकरण।	1.1. आवासों का अधिभोग प्रतिशत (%) में	75%
		1.2. आवासों की संख्या जिनके लिए राशि जारी	16			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	16 लाख आवासों के लिए जारी की जानें वाली धनराशि । राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा 20 लाख आवासों को पूरा करना। आवासों का 75 प्रतिशत अधिभोग	की गई(लाख में)		पर्याप्त भौतिक और सामाजिक अवसंरचना के साथ जल,किचन,विधुत और शौचालय जैसी बुनियादी सेवाओं वाली सभी मौसम अनुकूल स्वामित्व वाली आवासीय ईकाइयां प्रदान करके स्लम पुनर्वास सहित शहरी गरीबों के लिए गरिमामयी जीवन की व्यस्था। संगत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करना।		
		1.3. पर्याप्त बुनियादी सेवाओं और अवसंरचना के साथ निर्माण किए गए आवासों की संख्या(लाख में)	20			
		1.4. अधिभोग किए गए आवासों की संख्या (लाख में)	4.2			

7. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
795.00	1. स्वयं सहायता समूहों के साथ रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण और सूक्ष्म उद्यमिता के लिए सहायता	1.1. कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए व्यक्तियों की संख्या (अल्पसंख्यकों के लिए अलग-अलग डेटा के साथ)	2,00,000	1. शहरी गरीबों की बेहतर आजीविका।	1.1. नियोजित कौशल प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या (अल्पसंख्यकों के लिए अलग-अलग डेटा के साथ) सफलतापूर्वक प्रशिक्षित उम्मीदवारों का	70%
		1.2. सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना करने में सहायता प्रदान किए गए व्यक्तियों की संख्या (अल्पसंख्यकों के लिए अलग-	40,000	2. लाभार्थियों की आय अर्जन क्षमता में सुधार	2.1. लाभार्थियों की आय में परिवर्तन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		अलग डेटा के साथ)				सकता।[89]
		1.3. गठित किए गए स्वयं सहायता समूहों की संख्या	45,000	3. शहरी बेघरों के लिए एक सम्मानजनक रहने योग्य स्थान वाले आश्रयों की उपलब्धता	3.1. पहचान किए गए शहरी बेघरों के प्रतिशत के रूप आश्रयों की क्षमता।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		1.4. परिक्रामी कोष (आरएफ) सहायता प्रदान किए गए स्वयं सहायता समूहों की संख्या ।	35,000	4. पथ विक्रेताओं की आजीविका के संरक्षण के लिए पथ विक्रेता अनुकूल शहरी आयोजना को प्रोत्साहित करना	4.1. पहचान पत्र जारी किए गए पथ विक्रेताओं की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।[90]
		1.5. बैंक लिंकेज कार्यक्रम के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को ऋण की संख्या।	40,000			
	2. शहरी बेघरों के लिए आश्रय का प्रावधान	2.1. संचालित आश्रयों की संख्या	40			
	3. शहरी पथ विक्रेताओं को सहायता उपलब्ध कराना	3.1. शहरों को पथ विक्रेताओं का सर्वेक्षण पूरा करना है	100			

[89] *इसे वार्षिक आधार पर नहीं मापा जा सकता है और न केवल मिशन के मूल्यांकन के लिए किए गए प्रभाव मूल्यांकन सर्वेक्षण के दौरान इसका मूल्यांकन किया जा सकता है।*

[90] *सर्वेक्षण परिणामों के अनुसार*

8. सामान्य पूल आवास: रिहायशी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
545.32	1. सामान्य पूल आवास अवसंरचना विकास का निर्माण	1.1. संस्वीकृत और निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या	5	1. पर्याप्त बुनियादी सेवाओं सहित सरकारी आवासों की उपलब्धता में वृद्धि	1.1. प्रदान की गई नई रिहायशीयूनिटों की संख्या	120
		1.2. संस्वीकृत और आयोजना, डिजाइन और निपटान स्तर पर परियोजनाओं की संख्या	2	2. सरकारी कर्मचारयों के बीच संतुष्टि स्तर में वृद्धि	2.1. रिहाइशी मांग की पूर्ति में संतुष्टि का प्रतिशत (% में)	0.5%[91] (लगभग)
		1.3. संस्वीकृति के लिए प्राप्त प्रस्तावों/ प्राक्कलनों की संख्या	7			
		1.4. पूरी कर ली गई परियोजनाओं की संख्या	4			

9. सामान्य पूल आवास: गैर-रिहायशी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
742.69	1. सामान्य पूल आवास अवसंरचना विकास का	1.1. संस्वीकृत और निर्माणाधीन परियोजनाओं की संख्या	0[92]	1. पर्याप्त बुनियादी आपूर्ति सहित सरकारी कार्यालय स्थानों	1.1. केंद्र सरकार के विभागों और मंत्रालयों को प्रदान किए गए कार्यालय	36697

[91] ***120/22205 =*** *0.005*

[92] *स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करने के लिए लिया जाएगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	निर्माण			की उपलब्धता में वृद्धि	स्थल (वर्ग मीटर में)	
		1.2. संस्वीकृत और आयोजना, डिजाइन और निपटान स्तर पर परियोजनाओं की संख्या	1		1.2. कार्यालय परिसरों की मांग की पूर्ति में संतुष्टि का प्रतिशत (कुल मांग % में)	4%[93] लगभग
		1.3. संस्वीकृति के लिए प्राप्त प्रस्तावों/प्राक्कलनों की संख्या	8			
		1.4. पूरी कर ली गई परियोजनाओं की संख्या	2			

[93] *36697/922650=0.04*

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग

1. समग्र शिक्षा अभियान (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
38750.50	1. पहुँच, रिटेंशन और अवसंरचना	1.1. नए खोले गए/ अपग्रेड किये गए स्कूलों की संख्या (प्राथमिक)	10	1. आरटीई अधिनियम, 2009 के प्रावधानों के तहत प्रोत्साहन के रूप में अवसंरचना और अन्य सुविधाएं प्रदान कर पहुंच, रिटेंशन, अंतरण बढ़ाना और स्कूल छोड़ने की दर कम करना।	1.1. प्रारंभिक स्तर पर कुल नामांकन अनुपात (एनईआर)	92.5%
		1.2. नए खोले गए/ अपग्रेड किये गए स्कूलों की संख्या (उच्च प्राथमिक)	10		1.2. प्रारंभिक स्तर पर वार्षिक ड्राप आउट दर	3.5%
		1.3. नए खोले गए/ अपग्रेड किये गए स्कूलों की संख्या (माध्यमिक)	200		1.3. माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)	84%
		1.4. नए खोले गए/ अपग्रेड किये गए स्कूलों की संख्या (माध्यमिक से उच्च माध्यमिक में उन्नयन)	100		1.4. माध्यमिक स्तर पर सकल पहुंच अनुपात (जीएआर)	90.5%
		1.5. नए खोले गए/ अपग्रेड किये गए स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त स्ट्रीम सहित उच्चतर माध्यमिक)	200		1.5. प्रारंभिक स्तर पर मुख्यधारा में लाए गए स्कूल के बाहर के बच्चे (लाख)	6
		1.6. खोले गए नए रिहायशी स्कूल /हास्टलों की संख्या	5			
		1.7. स्कूल से बाहर के बच्चों की संख्या जिन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया गया (प्रारंभिक स्तर पर) (लाख)	8		1.6. माध्यमिक स्तर पर औसत वार्षिक ड्राप आउट दर	14%
		1.8. परिवहन और स्कार्ट सुविधा प्रदत्त बच्चों की संख्या (लाख)	9		1.7. उच्च माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर)	63%
		1.9. धारा 12(1)(ग) के तहत कवर किये गए बच्चों की संख्या	30		1.8. प्राथमिक से उच्च प्राथमिक स्तर तक अंतरण दर	93%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		(आरटीइ एक्ट के 12(1)(ग) के तहत प्रवेश के 25% हेतु किये गए व्यय सम्बन्धी प्रतिपूर्ति) (लाख)				
		1.10. सुदृढ़ीकरण के तहत कवर स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त कक्षा-कक्षों सहित) (प्रारंभिक)	40,000		1.9. अंतरण दर (कक्षा VIII से IX)	94.5%
		1.11. सुदृढ़ीकरण के तहत कवर स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त कक्षा-कक्षों सहित) (माध्यमिक)	20,000		1.10. अंतरण दर (कक्षा X से XI)	74%
		1.12. सुदृढ़ीकरण के तहत कवर स्कूलों की संख्या (अतिरिक्त कक्षा-कक्षों सहित) (उच्चतर माध्यमिक)	5,000			
	2. गुणवत्ता	2.1. नि:शुल्क वर्दी प्राप्त बच्चों की संख्या (करोड़)	8.02	2. गुणवत्ता शिक्षा में सुधार करना और छात्रों के निष्कर्ष अधिगम को बढ़ाना	2.1. विषयवार और ग्रेडवार निष्कर्ष अधिगम प्राप्त करने वाले बच्चों के प्रतिशत में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[94]
		2.2. नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक प्राप्त बच्चों की संख्या (करोड़)	9.99			
		2.3. उपचारी शिक्षा प्रदत्त बच्चों की संख्या (करोड़)	10			
		2.4. पुस्तकालय सुविधा प्रदत्त स्कूलों की संख्या (लाख)	7			
		2.5. खेल उपकरण सुविधा प्रदत्त स्कूलों की संख्या (लाख)	7			

[94] *एनएएस 2020 में छात्रों के सीखने की उपलब्धि को एनएएस 2017 के आधारभूत आंकड़ों के आधार पर मापा और विश्लेषण किया जाएगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. आईसीटी और डिजिटल पहलें	3.1. आईसीटी और डिजिटल पहलों के तहत कवर किए गए स्कूलों की संख्या	1,000			
	4. शिक्षक शिक्षा	4.1. नए डाइट की स्वीकृत संख्या	10	3. शिक्षक शिक्षा संस्थाओं की विभिन्न गतिविधियों की सम्पूर्ण गुणवत्ता में सुधार करना और उनकी कार्यपद्धित का सुदृढ़ीकरण करना	3.1. शिक्षक व्यवसायिक विकास में सुधार करना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		4.2. प्रशिक्षित शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों की संख्या (लाख)	15			
	5. कौशल विकास	5.1. व्यावसायिक शिक्षा के तहत शामिल नए स्कूलों की संख्या	1,500	4. शिक्षा के व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना	4.1. व्यवसायी कोर्स संपन्न करने वाले बच्चों की संख्या (लाख)	5
	6. महिला पुरूष	6.1. नए कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों की संख्या (केजीबी)	0[95]	5. बालिकाओं पर विशेष ध्यान देते हुए स्कूल शिक्षा में सामाजिक और लिंग अंतराल को कम करना और एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और सीडब्लूएसएन से सम्बंधित बच्चों के लिए सभी स्तरों पर न्यायोचित और	5.1. प्राथमिक स्तर पर लिंग समानता सूचकांक (जीपीआई)	1
		6.2. कक्षा VIII से कक्षा X तक प्रोन्नयन किये गए कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों (केजीबी) की संख्या	300		5.2. माध्यमिक स्तर पर लिंग समानता सूचकांक (जीपीआई)	1
		6.3. कक्षा VIII से कक्षा XII तक प्रोन्नयन किये गए कस्तूरबा गाँधी विद्यालयों (केजीबी) की संख्या	300		5.3. उच्च माध्यमिक स्तर पर लिंग समानता सूचकांक (जीपीआई)	1
		6.4. छात्राओं के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था	5,000		5.4. सीडब्लूएसएन बच्चों के नामांकन में सुधार (%)	0.5%

[95] *कोई नया केजीबी प्रस्तावित नहीं है क्योंकि मौजूदा को अपग्रेड किया जाएगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		6.5. छात्राओं के लिए आत्म-रक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाले स्कूलों की संख्या (लाख)	3	समावेशी शिक्षा सुनिर्धारित करना - छात्रों की स्कूल छोड़ने की दर को काम करना		
	7. समानता और समावेशी शिक्षा	7.1. छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली विशेष आवश्यकता वाली (सीडब्लूएसएन) छात्राओं की संख्या (लाख)	6.5			
		7.2. वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले विशेष प्रशिक्षकों की संख्या	30,000			

2. स्कूलों में मध्याह्न भोजन का राष्ट्रीय कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
11000.00	1. पात्र स्कूलों में बच्चों को मुफ्त भोजन का प्रावधान	1.1. वास्तविक लाभार्थियों की संख्या	11.98	1. उपस्थिति में सुधार करना	1.1. % पीएबी अनुमोदन के रूप में औसत आधार पर मिड डे मील का लाभ उठाने वाले बच्चों की संख्या (करोड़)	9.36
	2. एनपी-एमडीएमएस 2019 दिशानिर्देश का अनुपालन	2.1. एनपी- एमडीएमएस के अनुरूप पाए गए स्कूलों की संख्या	11.34	2. शिक्षा में महिला-पुरुष और सामाजिक अंतर में कमी	2.1. प्रारंभिक शिक्षा में एससी/ एसटी और महिला छात्रों के एनईआर में वृद्धि	93%
	3. खाद्यान्न का पर्याप्त आवंटन	3.1. एमडीएम के लिए एफसीआई के पास	27	3. सभी पात्र विद्यालयों में भोजन तैयार करना	3.1. उपयोग किए गए खाद्यान का प्रतिशत	95%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		उपलब्ध कुल खाद्यान्न स्टॉक (लाख मीट्रिक टन)				
	4. स्कूलों में अवसंरचना का प्रावधान	4.1. रसोई-सह-स्टोर की कुल इकाई	10.06	4. सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में भोजन तैयार करना जहां किसी तरह की कोई घटना ना हो।	4.1. किचन कम स्टोर और घटनाओं रहित वातावरण में भोजन को तैयार करने वाले स्कूल	100%
	5. स्कूल पोषण गार्डन	5.1. स्कूल पोषण गार्डन वाले स्कूलों की संख्या (लाख)	11.20	5. सभी पात्र स्कूलों में स्कूल पोषण गार्डन की व्याप्ति	5.1. स्कूल पोषण गार्डन वाले स्कूलों का प्रतिशत	100%

उच्चतर शिक्षा विभाग

1. उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी [हेफा] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2200.00	1. अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशाला और अन्य अवसंरचना का सृजन करने के लिए वित्त पोषित शैक्षिक संस्थान	1.1. वर्ष के दौरान अवसंरचना में सुधार के लिए निधियन प्राप्त केंद्रीय शैक्षिक संस्थाओं की संख्या	150	1. प्रमुख शिक्षण और अनुसंधान सुविधाओं वाले प्रमुख संस्थाओं के रूप में उभरने वाली संस्थाएं	1.1. केंद्रीय शैक्षिक संस्थाओं (सीईआई) की संख्या जिन्होंने अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।	0[96]
		1.2. स्वीकृत ऋण की राशि (करोड़ रुपये में)	30,000	2. अवसंरचना के लिए बजटीय निधियन में कमी	2.1. अवसंरचना के लिए सरकारी बजटीय सहायता में कमी (करोड़ रुपए)	4,000[97]

2. विश्व स्तरीय संस्थान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1. सार्वजनिक और निजी संस्थाओं का उत्कृष्ट संस्थाओं के रूप	1.1. ऐसी संस्थाओं की संख्या, जिन्हें विश्व स्तरीय संस्थाएं बनने के लिए सहायता प्राप्त करने और चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं के	7	1. स्वदेशी छात्रों को देश के भीतर कम मूल्य पर विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना।	1.1. विश्व स्तरीय संस्थाओं में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे स्वदेशी छात्रों की संख्या	59,846
					1.2. विश्व स्तरीय संस्थाओं में उच्च	1,902

[96] *इस जानकारी का आकलन करना और इसे प्रदान करना 3 वर्षों के बाद संभव होगा जब अवसंरचना और प्रणाली व्यवस्थित होगी।*

[97] *बजट सहायता में कमी = संवितरित ऋण की राशि - ब्याज दिया गया - मूल धन का सरकारी बजट से पुन: भुगतान।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	में चयन जो विश्व स्तर की संस्थाओं के रूप में उभरेंगी।	साथ आशय पत्र/समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए अभिचिह्नित किया जाएगा।			शिक्षा प्राप्त कर रहे विदेशी छात्रों की संख्या	
		1.2. विनियामक स्वतंत्रता प्राप्त करने और चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं के साथ आशय पत्र/समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए अभिचिह्नित निजी संस्थाओं की संख्या	8	2. उत्कृष्ट संस्थाओं की विश्व स्तरीय रैंकिंग में सुधार	2.1. दस वर्षों में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 500 में चयनित और समय बीतने के साथ-साथ अंततः विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं की संख्या	0[98]
					2.2. समय के साथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में चयनित उच्च शिक्षा संस्थाओं की संख्या	0[98]

3. गारंटी निधियों के लिए ब्याज सब्सिडी और अंशदान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1900.00	1. योजना के तहत ब्याज सब्सिडी दावों की विमुक्ति	1.1. छात्रों को ब्याज सब्सिडी दावों की संख्या जो योजना (नई/ नवीकृत) के तहत कवर हैं (लाख)	7	1. व्यावसायिक/तकनीकी पाठ्यक्रमों तक अधिक पहुंच	1.1. छात्रों की संख्या जिन्होंने उच्चतर शिक्षा का दिया गया स्तर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है (व्यावसायिक/ तकनीकी पाठ्यक्रम) (नवीकरण) (लाख)	5

[98] *योजनाएं प्रारंभिक चरण पर हैं; वित्त वर्ष 2020-21 में कोई आउटकम संभव नहीं है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. "शिक्षा ऋण के लिए ऋण गारंटी निधि"	2.1. गारंटीकृत किए जाने वाले छात्रों के खातों की कुल सं. (लाख)	1.20	2. ऋण देने वाले बैंकों पर एनपीए बोझ में कमी जिससे उनके भीतर अधिक पात्र छात्रों को कवर करने का विश्वास बढ़ेगा।	2.1. गारंटी निधि के तहत कवर ऋणों की संख्या में वृद्धि (लाख)	1.20

4. भारत सरकार का तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (ईएपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
650	1. इंजीनियरिंग छात्रों के लिए गेट परीक्षा जैसी निर्गम परीक्षा का कार्यान्वयन	1.1. फ़ोकस वाले राज्यों में सहभागिता करने वाली संस्थाओं का प्रतिशत जो अंतिम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को एक्ज़िट परीक्षा (जैसे गेट आदि) देने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं	60%[99]	1. छात्र अधिगम निष्कर्षों और नियोजनीयता में वृद्धि	1.1. छात्रों के औसत अंक में वृद्धि	5%
					1.2. प्रतिभागी संस्थानों (फोकस वाले राज्यों में) में प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में जाने वाले इंजीनियरिंग छात्रों की अंतरण दर	60%
					1.3. प्रतिभागी संस्थानों (बिना फोकस वाले राज्यों में) में प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में जाने वाले इंजीनियरिंग छात्रों की अंतरण दर	77%
	2. संस्थानों द्वारा प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट	2.1. निर्धारित प्रारूप में वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले संस्थानों की संख्या	77	2. अनुसंधान और संकाय को सुदृढ़ करने के माध्यम से	2.1. सहभागी संस्थानों में इंजीनियरिंग विषयों में कुल नामांकन में पीएचडी छात्रों का %	3.20%
	3. फोकस वाले राज्यों में इंजीनियरिंग शिक्षा	3.1. फोकस वाले राज्यों में इंजीनियरिंग शिक्षा	85		2.2. एआईसीटीई के मानदंडों (फोकस वाले राज्यों में) के अनुसार सहभागी संस्थानों	85%

[99] *कम से कम 70% प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्थाएं*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	संस्थान जहाँ परियोजना में भागीदारी हेतु समर्थकारी तंत्र मौजूद हैं	संस्थानों की संख्या जहाँ परियोजना में भागीदारी हेतु समर्थकारी तंत्र मौजूद हैं		इंजीनियरिंग संस्थानों में गुणवत्ता युक्त तकनीकी शिक्षा में बढ़ोतरी	में अनुबंध, नियमित या अनुबंध संकाय द्वारा भरे गए स्वीकृत संकाय पदों का %	
	4. नए डिज़ाइन किए गए अनुसंधान-केंद्र से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने वाले संबद्ध संस्थान	4.1. अनुसंधान-केंद्र से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने वाले संबद्ध संस्थानों की संख्या	30		2.3. एआईसीटीई के मानदंडों (बिना फोकस वाले राज्यों में) के अनुसार सहभागी संस्थानों में अनुबंध, नियमित या अनुबंध संकाय द्वारा भरे गए स्वीकृत संकाय पदों का %	85%
	5. विषय क्षेत्र, शिक्षाशास्त्र, या प्रबंधन में सहभागी संस्थानों के प्रशिक्षित संकाय	5.1. विषय क्षेत्र, शिक्षाशास्त्र, या प्रबंधन में सहभागी संस्थानों के प्रशिक्षित संकाय की संख्या	5,000		2.4. संस्थान के कुल राजस्व के संबंध में बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं/ परामर्शी कार्य का %	4%
	6. कार्यक्रम में संस्थानों की भागीदारी	6.1. सहभागी संस्थानों की संख्या	174			

5. राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
300.00[100]	1. स्वायत्त कॉलेजों के उन्नयन के माध्यम से	1.1. वित्त वर्ष 2021 में मौजूदा स्वायत्त कॉलेजों के उन्नयन के	9	1. उच्चतर शिक्षा तक पहुँच में वृद्धि	1.1. उच्चतर सकल नामांकन अनुपात (%)	31%

[100] *आरयूएसए को मध्यामिक और उच्चतर शिक्षा कोष से भी समर्थन मिलता है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	निर्मित विश्वविद्यालयों का निर्माण	माध्यम से निर्मित विश्वविद्यालय की संख्या				
	2. कॉलेजों के समूहन द्वारा विश्वविद्यालयों विश्वविद्यालयों का निर्माण	2.1. वित्त वर्ष 2021 में मौजूदा स्वायत्त कॉलेजों के उन्नयन द्वारा बनाए गए विश्वविद्यालयों की कुल संख्या	8			
	3. डिग्री कॉलेजों का मॉडल कॉलेजों में उन्नयन	3.1. मॉडल कॉलेजों में अपग्रेड किए गए डिग्री कॉलेजों की संख्या	97	2. उच्चतर शैक्षिक संस्थाओं की गुणवत्ता में वृद्धि	2.1. रूसा के तहत समर्थित संस्थाओं के प्रत्यायन के माध्यम से उच्च गुणवत्ता की अधिक संस्थाएं (%)	100%
	4. अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता में सुधार हेतु अनुदान	4.1. उन राज्यों की संख्या जहां से अनुसंधान प्रस्तावों को स्वीकार किया गया और नवाचारों को मंजूरी दी गयी जिसके लिए 2019-20 में केंद्रीय अनुदान जारी किया गया है	8		2.2. संशोधित छात्र शिक्षक अनुपात	18:01
	5. नए कॉलेज	5.1. नए मॉडल कॉलेजों की कुल संख्या	76	3. उच्चतर शिक्षा में समता में वृद्धि	3.1. एससी के लिए उच्चतर जीईआर (%)	21%
		5.2. नए व्यावसायिक कॉलेजों की कुल संख्या	25		3.2. एसटी के लिए उच्चतर जीईआर (%)	17.5%
	6. कॉलेजों की अवसंरचना में सुधार	6.1. अवसंरचना में सुधार के माध्यम से उन्नयन किए गए कॉलेजों की संख्या	1,493		3.3. महिलाओं के लिए उच्चतर जीईआर (%)	29%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	7. विश्वविद्यालयों की अवसंरचना में सुधार	7.1. अवसंरचना में सुधार के माध्यम से उन्नयन किए गए विश्वविद्यालयों की संख्या	113			
	8. संकाय/ शिक्षकों/ प्रशासकों के लिए व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण (आवश्यकता आधारित) के अवसर	8.1. एचआरडीसी की संख्या जो उन्मुखीकरण और रिफ्रेशर कोर्स प्रदान करेंगे	7			

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

1. राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
840.01	1. गंगा नदी में सीवेज अपशिष्ट को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी का संरक्षण, स्थिरीकरण और संतुलन	1.1. सीवेज शोधन संयंत्रों की संख्या	4	1. 2022 तक निर्धारित नहाने के मानकों के अनुरूप बेहतर जल गुणवत्ता को हासिल करना।	1.1. जल गुणवत्ता को बेहतर करना - बीओडी में कमी और डीओ में बढोत्तरी के हिसाब से जल गुणवत्ता को बेहतर बनाना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		1.2. सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी)	437			

2. राष्ट्रीयच गंगा योजना और घाट कार्य - नमामि गंगे (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
800.01	**क. राष्ट्रीय गंगा योजना**					
	1. गंगा नदी में औद्योगिक अपशिष्ट को गिरने से रोककर और जल की गुणवत्ता निगरानी द्वारा प्रदूषण की रोकथाम	1.1. अनुपालन न करने वाले सकल प्रदूषणकारी उद्योगों की संख्या में कमी	110[101]	1. 2022 तक निर्धारित नहाने के मानकों के अनुरूप बेहतर जल गुणवत्ता को हासिल करना।	1.1. बी.ओ.डी. कंटेंट में परिवर्तन	बी.ओ.डी.≤ 3 मि.ग्रा./ ली.
		1.2. स्थापित जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशन की संख्या (मैन्यूअल-डब्ल्यूक्यूएमएस)	96		1.2. डीओ कंटेंट में परिवर्तन	डी. ओ. ≥ 5 मि.ग्रा./ ली.

[101] *क्योंकि 2019 में 1072 जीपीआई का निरीक्षण अभी पूर्ण होना है, अतः 2019-20 को यथावत रखा गया है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. स्थापित जल गुणवत्ता निगरानी स्टेशन की संख्या (स्थापित की जाने वाली नई-आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस)	40[102]			
	2. गंगा नदी में सीवेज अपशिष्ट को सीधे गिरने से रोककर गंगा नदी का संरक्षण, स्थिरीकरण और संतुलन	2.1. सीवेज शोधन संयंत्रों की संख्या	13	2. 2022 तक निर्धारित नहाने के मानकों के अनुरूप बेहतर जल गुणवत्ता को हासिल करना।	2.1. जल गुणवत्ता को बेहतर करना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		2.2. सीवेज शोधन क्षमता (एमएलडी)	140			
	3. सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए नदी के किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और बेहतर इनफ्रांस्ट्रक्चर प्रदान करना।	3.1. घाटों का निर्माण/ आधुनिकीकरण	6	3. जन भागीदारी के लिए सामाजिक आऊटरीच और स्वास्थ्यवर्धक तथा हाईजेनिक प्रैक्टिस में बढोत्तरी करना।	3.1. घाट और शवदाहगृह में बढा हुआ % फुटफॉल।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	4. गंगा नदी में बिना जले पार्थिव शरीरों को बहने से रोककर और शवदाह संस्कारों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर	4.1. शवदाहगृहों का निर्माण/ विकास	6			
	5. आईईसी गतिविधियां	5.1. मेलों / सामूहिक स्नानों / प्रदर्शनियों /प्रतियोगिताओं /विज्ञापन/ सोशल मीडिया में आईईसी गतिविधियों का प्रयोग तथा निरंतर कार्यक्रम - पूरे वर्ष, पखवाडे के दौरान	कार्यान्वित किया गया	4. आईईसी कार्यकलापों के माध्यम से जागरूकता और व्यवहार में बदलाव लाना।	4.1. % लोगों में अभियान का प्रत्याह्वान।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

[102] *36 (मौजूदा आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस), 40 स्थापित की जाने वाली नई-आरटीडब्ल्यूक्यूएमएस*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		जनजागरूकता अभियानों सहित आईईसी कार्यकलाप (गंगा स्वच्छता पखवाडा स्वच्छता ही सेवा और वृक्षारोपण अभियान इत्यादि)[103] (कार्यान्वित किया गया/ कार्यान्वित नहीं किया गया)				
	6. गंगा नदी बेसिन में गंगा की सफाई के लिए जलीय जीव जन्तुओं के संरक्षण और पारिस्थितिकीय सेवाओं के रख-रखाव की योजना और प्रबंधन।	6.1. संबंधी संरक्षण की प्रजातियों की और नदी में निवास करने वाली प्रजातियों की मौजूदा स्थिति का आकलन - गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों में पारिस्थितिकीय सर्वेक्षण को किया जाना है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	5. गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों में उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र की पहचान।	5.1. गंगा बेसिन में चुनी हुई सहायक नदियों के लिए जन्तु वितरण नक्शे तैयार किए गए। (हाँ / नही)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[104]
		6.2. राज्यों की चुनी हुई सहायक नदियों के लिए वन विभाग और दूसरे हितधारक समूह के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की संख्या। - गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों में	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	6. राज्य की गंगा बेसिन में चुनी हुई सहायक नदियों में राज्यों के अग्रणी दलों की स्थापना।	6.1. प्रशिक्षित कामगारों की संख्या - जिनके द्वारा उनके संबंधित राज्यों में संरक्षण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[105]

[103] *वर्ष भर चलाई गई आईईसी गतिविधियों में पखवाड़ा जन जागरूकता अभियान (गंगा स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा और वृक्षारोपण अभियान आदि), जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन से संबंधित घटनाओं और सार्वजनिक महत्व के अन्य कार्यक्रमों के दौरान स्थानीय त्योहारों और उत्सव कार्यक्रम (कान्हा यात्रा, चार धाम यात्रा, माघ मेला, कुंभ (हरिद्वार), दीप दीपावली और कार्तिक पूर्णिमा आदि) प्रदर्शनियां शामिल हैं।*

[104] *पारिस्थितिकी सर्वेक्षण और साहित्य समीक्षा और ब्रोशर, पुस्तिकाओं के रूप में सूचना*

[105] *अग्रणी दल, दूसरे हितधारक समूह, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकास और क्षमता निर्माण की पहलों की पहचान करना।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		राज्यों के प्रशिक्षित वन विभागों, पशु-चिकित्सकों और स्थानीय समुदायों, की जैव विविधता को आगे ले जाना और नदी की प्रजातियों की निगरानी और बचाव कार्य।			जायेगा	
		6.3. चुनी हुई सहायक नदियों में गंगा प्रहरियों के लिए विभिन्न हितधारकों और आजीविका प्रशिक्षणों के साथ जागरूकता और संवेदीकरण कार्यशालाएं और कौशल विकास गतिविधियाँ आयोजित की गई। - गंगा जलीय जैव विविधता के प्रति स्टेक होल्डर जागरूक हैं। स्थानीय समुदाय सतत आजीविका के लिए प्रशिक्षित किए गए। गंगा प्रहरी संवर्ग पर विस्तार।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	7. स्थानीय समुदाय और अन्य हितधारक जलीय जैव विविधता के बारे में जागरूक हैं और इसके संरक्षण के लिए सहयोग करने के लिए तैयार हैं। गंगा प्रहरी संरक्षण कार्यक्रमों में शामिल रहे हैं।	7.1. आयोजित किये गए जागरूकता और संरक्षण कार्यक्रम की संख्या। (गंगा प्रहरियों के द्वारा स्थानीय लोगों के लिए).	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[106]
				8. स्थानीय समुदायों ने सतत आजीविका को अपनाया है।	8.1. स्थानीय लोगों की संख्या जिन्हें वैकल्पिक आजीविका के लिए प्रशिक्षण दिया गया।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[106]

[106] *गंगा बेसिन में गंगा प्रहरी संवर्ग को गंगा नदी की चुनी हुई सहायक नदियों तक विस्तार दिया गया। गंगा बेसिन की चुनी हुई सहायक नदियों के महत्वपूर्ण स्थलों पर हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया गया। चुने गए स्थानों पर आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				9. जैव विविधता संवेदीकरण ग्रामीण स्तर आयोजना का संवर्धन।	9.1. आयोजित किये गए लघु योजना कार्यकलापों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[106]
		6.4 गंगा की कार्प मछली, महासीर और हिल्सा की उपलब्धता में बढोत्तरी। गंगा नदी के चयनित स्थलों पर भारतीय प्रमुख कार्प्स मछली, महसीर और हिलसा (10 लाख) जैसी स्वदेसी मछली प्रजातियों का पालन (कार्यान्वित किया गया/ कार्यान्वित नहीं किया गया)	कार्यान्वित किया गया	10. गंगा नदी में संवर्धित मछली जैव विविधता। मछुआरों के समुदायों में मछली जैवविविधता संरक्षण जागरूकता को बढाना।	10.1. अपनाए जाने वाले उत्कृष्ट पेशे की (%)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	7. वृक्षारोपण	7.1. वृक्षारोपण के तहत शामिल क्षेत्र (हेक्टेयर में)[107]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।	11. वर्षण की गुणवत्ता और मात्रा में बढोत्तरी, जो नदी और अविरल धारा की संपूर्णता को बढाती और इसके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी।	11.1. गंगा नदी के साथ वन के तहत शामिल क्षेत्र। (हेक्टेयर में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	ख. घाटों का काम और नदी मुहाने का सौंदर्यीकरण					
	1. सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए नदी के	1.1. घाटों का निर्माण/ आधुनिकीकरण	10	1. जन भागीदारी के लिए सामाजिक आऊटरीच और	1.1. घाट और शवदाहगृह	लक्ष्य निर्धारित

[107] *वृक्षारोपण कार्य राष्ट्रीय और राज्य कैम्पा निधि माध्यम से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा होगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	किनारों पर स्वच्छता बनाए रखना और बेहतर इनफ्रांस्ट्रक्चर प्रदान करना।			स्वास्थ्यवर्धक तथा हाईजेनिक प्रैक्टिस में बढोत्तरी करना।	में बढा हुआ फुटफॉल।	नहीं किए जा सकते।

3. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) - (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
4376.51[108] एचकेकेपी बजट संसाधन [2675.00 करोड़ रुपये की ऋण सर्विसिंग शामिल है।]	**त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी)**					
	1. 40 परियोजनाओं (चरण सहित) की एआईबीपी कार्यों के कार्यान्वयन में तेजी।	1.1. पूरा किए जाने वाली आईबीपी परियोजनाओं की संख्या।[109]	21	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	1.1. कुल अतिरिक्त सृजन पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के माध्यम से सृजित सिंचाई संभावना (लाख हेक्टेयर में)	5.62[110]
					1.2. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के माध्यम से सृजित इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा उपयोग की गई सिंचाई क्षमता का %	100%[111]
		1.2. कुल पूरा किए जाने वाली आईबीपी परियोजनाओं की संख्या	72	2. भूजल की पूर्ति और अन्य उपयोगों के लिए बढ़ती जल उपलब्धता के परिणामस्वरूप	2.1 पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से सिंचाई में बढोत्तरी से फसल में पैदावार में वृद्धि	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

[108] *हर खेत को पानी बजटीय संसाधन (2675.00 करोड़ रूपए ऋण भुगतान समेत)*

[109] *मार्च, 2020 तक 11 परियोजनाओं के पूरा होने का लक्ष्य है। मार्च, 2021 तक 21 परियोजनाओं के पूरा होने का लक्ष्य है। कुल पूरी होने वाली परियोजनाएं - 72*

[110] *जून, 2021 तक*

[111] *सीएडीडब्ल्यूएम, कृषि विस्तार कार्य इत्यादि को 100% पूरा करना।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				किसानों की आय और फसल पैदावार में बढोत्तरी।	2.2 पीएमकेएसवाई-एआईबपी के कारण भूजल स्तर में बढोत्तरी।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	ख. हर खेत को पानी (एचकेकेपी)					
	i. कमान क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन (सीएडीडब्ल्यूएम)					
	1. पहचान की गई प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में सीएडीडब्ल्यूएम काम प्रगति पर रहेगा	1.1. शामिल कृष्य कमान क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	5[112]	1. सृजित सिंचाई संभावना और इसकी उपयोगिता के बीच अंतराल को कम करना	1.1. अतिरिक्त कृष्य कमान क्षेत्र में सिंचाई क्षमता की उपयोगिता (लाख हेक्टेयर में)	5
		1.2. सृजित जल प्रयोक्ता संघों की संख्या	1000	2. गठित जल प्रयोक्ता संघ के माध्यम से सहभागी सिंचाई प्रबंधन में शामिल कमान क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	1.2. गठित जल प्रयोक्ता संघ के माध्यम से सहभागी सिंचाई प्रबंधन में शामिल कमान क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	5
	ii. सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) एवं जल निकायों की मरम्मत, नवीकरण एवं पुनरूद्धार (आरआरआर)					
	1. योजना के आरआरआर/एसएमआई घटक के कार्यो में तेजी	1.1. पूरी की जाने वाली आरआरआर और एसएमआई परियोजनाओं की संख्या (परियोजनाएं/ जल निकाय)	100	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन	1.1. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.50
	iii. भूजल					
	1. भूजल अमूर्त संरचनाओं का	1.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ	4,779	1. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	1.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	19,116

[112] *5.00 लाख हेक्टेयर के कृष्य कमान क्षेत्र में शेष सीएडी कार्य*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	निर्माण: असम	कुओं का निर्माण: असम [113]		2. किसानों को सिंचाई सुविधा।	2.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	19,643
	2. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: अरूणाचल प्रदेश	2.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ कुओं का निर्माण: अरूणाचल प्रदेश[113]	473	3. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	3.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	1,785
				4. किसानों को सिंचाई सुविधा।	4.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,350
	3. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: गुजरात	3.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ कुओं का निर्माण: गुजरात[113]	2,512	5. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	5.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	3,768
				6. किसानों को सिंचाई सुविधा।	6.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	3,655
	4. भूजल अमूर्त संरचनाओं का निर्माण: त्रिपुरा	4.1. पंपों, पाइपों / सुरक्षित ब्लॉकों / जिलों के साथ कुओं का निर्माण: त्रिपुरा[113]	231	7. अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का विकास।	7.1. अतिरिक्त कमान क्षेत्र का सृजन (हेक्टेयर में)	339
				8. किसानों को सिंचाई सुविधा।	8.1. लाभान्वित किसानों की संख्या	851
	सिंचाई गणना - पृथक घटक					
	1. 6वीं एमआई गणना के साथ जल निकायों की गणना करना	1.1. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा एमआई की छठी गणना और जल निकायों पहली गणना के लिए फील्ड कार्यों का निष्पादन (हाँ / नही)[109]	हाँ	1. लघु सिंचाई क्षेत्र में सूचित की गई जानकारी के साथ नीति निर्धारण।	1.1. छठी एमआई गणना के साथ जल निकायों की गणना से संबंधित रिपोर्ट के डाउनलोड की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते। [114]

[113] *योजना चरण के कार्यान्वयन के बाद भूजल विकास 70% से अधिक नहीं होना चाहिए*

[114] *चूंकि 6 वीं एमआई जनगणना और जल निकायों की जनगणना 2018-19 में शुरू की गई है, जनगणना की रिपोर्ट 2020-2021 में प्रकाशित होने की संभावना है। इसलिए, जनगणना रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद ही लक्ष्य चालू होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.2. राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा एमआई की छठी और जल निकायों की गणना के लिए आंकडा प्रविष्टियों, उनका वैधीकरण और उनको अद्यतन सहित आंकडा संबंधी प्रक्रियाओं को करना। (हाँ / नही)[109]	हाँ		1.2. छठी एमआई गणना के साथ जल निकायों की गणना के संबंध में संस्थानों और संगठनों (निजी और सार्वजनिक) द्वारा अनुरोध किए गए आंकडों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[110]
					1.3. छठी एमआई के साथ जल निकायों की गणना में सृजित दृष्टांतों/संदर्भों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[110]
	घ) महाराष्ट्र में सिंचाई परियोजना के लिए विशेष पैकेज					
	1. बड़ी एवं मध्यम सिंचाई (एमएमआई) और सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजना का त्वरित कार्यान्वयन	1.1. पूरी हुई बडी और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं (एमएमआई) की संख्या	2	1. विशेष पैकेज के तहत आने वाली परियोजनाओं के कमांड में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन और उपयोग।	1.1. सृजित अतिरिक्त सिंचाई क्षमता (लाख हेक्टेयर में)	0.96
					1.2. उपयोग की गई सिंचाई क्षमता का %[115]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
		1.2. पूरी हुई सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) परियोजनाओं की संख्या	9	2. भूजल स्तर में सुधार और दूसरे उपयोगों में के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि के परिणामस्वरूप फसल पैदावार में बढोत्तरी हुई है, जिससे किसानों की आय बढी है।	2.1. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी से फलस पैदावार में बढोत्तरी जिससे सिंचाई क्षमता बढी है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
					2.2. पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के कारण भूजल स्तर में सुधार हुआ है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।

[115] *सिंचाई क्षमता उपयोग सीएडीडब्ल्यूएम कार्यों, कृषि विस्तार कार्यों आदि पर निर्भर करती है।*

4. बाढ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) - (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
750.00	1. नदी प्रबंधन का निष्पादन, कटाव-रोधी, बाढ़ नियंत्रण, नुकसान की भरपाई, बाढ़ प्रबंधन कार्य और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समुद्र कटाव रोधी कार्य	1.1. चालू 83 परियोजनाओं में से पूरे हुए बाढ़ प्रबंधन कार्यों की कुल संख्या[116]	83	1. चुनी हुई नदियों के आवाह क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव के कारण हुए नुकसान में कमी।	1.1. कार्य के तहत लाभान्वित होने वाली कुल जनसंख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
					1.2. नए निर्माण कार्य के कारण संरक्षित कुल क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।
	2. भारत और नेपाल द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना (पीएमपी) की डीपीआर को अंतिम रूप देने, पीएमपी की पूर्व-निर्माण गतिविधियों और सप्त कोसी उच्च बांध और सूर्य-कोसी	2.1. भारत और नेपाल दोनों देशों द्वारा पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप दिया जाना (हाँ/ नही)	हां	2. चुनी हुई नदियों के आवाह क्षेत्र में बाढ़, नदी कटाव और संबंधित पीएमपी के निर्माण पूर्व कार्यों के कारण हुए नुकसान में कमी।	2.1 पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना का जब निर्माण और संचालन शुरू होगा तब इससे निम्नलिखित फायदे प्राप्त होंगे: विद्युत: 5040 मे.वा. (भारत को 2520 मे.वा. और नेपाल को 2520 मे.वा.) सिंचाई: 0.43 मिलियन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते।[117]
		2.2. सप्तकोसी उच्च बांध और सबकोसी डायवर्जन योजना की डीपीआर तैयारी	हाँ			

[116] *नई परियोजनाएं शुरू करने के लिए नीति आयोग के तहत एक समिति का गठन किया गया है, जो मार्च, 2020 की अवधि के लिए स्कीम की रूपरेखा को अंतिम रूप देगी।*

[117] *चूंकि, परियोजना डीपीआर/समीक्षा चरण में है इसलिए इसके परिणामों की गणना नहीं की जा सकती।*

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	डायवर्जन योजना आदि की तैयारी के साथ-साथ सीमा क्षेत्र की परियोजनाओं में अन्य बाढ़ प्रबंधन कार्यों में तेजी लाना।	के लिए कार्रवाई (हाँ / नही)			हेक्टेयर (भारत में 0.26 मि.हे. + नेपाल में 0.17 मि.हे.) ग. बाढ नियंत्रण लाभ	
		2.3.नेपाल क्षेत्र की कोसी और गंडक नदी के तटबंधों का रख-रखाव। (हाँ / नही)	हाँ			

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

1. जल जीवन मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
11500.00	1. ग्रामीण परिवारों के गृह परिसरों में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु स्थायी अवंरचना निर्मित की गई।	1.1. अतिरिक्त कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) की संख्या।(करोड़ रुपये में)	1.15	1. स्वास्थ्य- जल जनित रोगों में कमी जो सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता से संबंधित है।	1.1. गंभीर डायरिया संबंधी रोगों के कम होने की सूचना मिली है।	0[118]
				2. सामाजिक- महिलाओं को दूर के स्रोत से पानी लाने की कड़ी मेहनत से राहत मिली है।	2.1. उन महिलाओं की संख्या जिन्हें दूर के जल स्रोत से जल लाने की कड़ी मेहनत से राहत मिली है।	0[119]
				3. सामाजिक- उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ड्रॉप-आउट होने	3.1. उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ड्रॉप आउट होने वाली	0[120]

[118] *घरों में सुरक्षित जल उपलब्ध होने का गंभीर डायरिया संबंधी रोगों के कम होने पर असर आने वाले समय में परिलक्षित और मापनीय होगा जब यह योजना अपने लाभ प्रदान करना प्रारंभ कर देगी। अब तक लक्ष्यों को शून्य रखा गया है और वास्तविक परिणाम आने वाले समय में सूचित किए जाएंगे।*

[119] *घरों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराए जाने से दूर जल स्रोत से जल लाने वाली महिलाओं को मिलने वाली राहत का असर आने वाले समय में परिलक्षित और मापनीय होगा जब यह योजना अपने लाभ प्रदान करना प्रारंभ कर देगी। अब तक लक्ष्यों को शून्य रखा गया है और वास्तविक परिणाम आने वाले समय में सूचित किए जाएंगे।*

[120] *घर में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का छात्राओं की ड्रॉप आउट होने की दर में कमी पर असर आने वाले समय में परिलक्षित और मापनीय होगा जब यह योजना अपने लाभ प्रदान करना प्रारंभ कर देगी। अब तक लक्ष्यों को शून्य रखा गया है और वास्तविक परिणाम आने वाले समय में सूचित किए जाएंगे।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				वाली लड़कियों की संख्या में कमी।	लड़कियों की प्रतिशतता में कमी।	
				4. आर्थिक-आयोजना से कमीशनिंग तक निर्माण के दौरान पीडब्ल्यूएस स्कीमों से सृजित रोजगार	4.1. पीडब्ल्यूएसएस के निर्माण कार्यों के लिए सृजित रोजगार के मानव दिवस। कार्यान्वयन/ निर्माण अवधि के दौरान कार्यबल के माध्यम से सृजित रोजगार का पता स्कीमों के विभिन्न आकारों के लिए लगाया जाना है।	0[121]
				5. आर्थिक-पीडब्ल्यूएस स्कीमों के साथ सृजित रोजगार-प्रचालन चरण में कमीशनिंग के बाद।	5.1. पीडब्ल्यूएसएस के ओएण्डएम कार्यों के लिए सृजित रोजगार के मानव दिवस	0[122]

[121] *अब तक लक्ष्यों को शून्य रखा गया है और वास्तविक परिणाम वर्ष 2020-21 के अंत में सूचित किए जाएंगे।*

[122] *अब तक लक्ष्यों को शून्य रखा गया है और वास्तविक परिणाम समय पर वर्ष 2020-21 के अंत में सूचित किए जाएंगे।*

1. कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
7457.00	1. पेंशन के प्रावधान	1.1. लाभार्थी सदस्य पेंशनरों की संख्या	1,29,915			
		1.2. दिव्यांग	41			
		1.3. विधवा / विधुर	51,316			
		1.4. माता-पिता	1,525			
		1.5. नामांकित	55			
		1.6. बच्चे	30,858			
		1.7. अनाथ	733			
		1.8. जीवन प्रमाण-पत्र आधारित डिजिटल आधार (एएडीएचएएआर) के माध्यम से जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने वाले लाभार्थियों का प्रतिशत	80%			

2. रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2646.39	**अजा/अजजा के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) केन्द्र (पूर्व में अजा,अजजा तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोचिंग एवं मार्गदर्शन)**					
	1. जॉब ढूंढने वाले अजा/अजजा की रोजगारपरकता में वृद्धि करना	1.1. उन लाभार्थियों की संख्या जिन्हें रोजगारपरक मार्गदर्शन और कैरियर परामर्श सेवाएं दी गई है।	1,40,000	1. जॉब ढूंढने वाले अजा/अजजा अभ्यर्थियों की रोजगारपरकता में वृद्धि	1.1. अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिनकी रोजगारपरकता में वृद्धि हुई।	4,300
		1.2. जॉब ढूंढने वाले उन अजा/अजजा अभ्यर्थियों की	11,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		संख्या जिन्हें टाइपिंग और शार्टहैंड का प्रशिक्षण दिया गया है।				
		1.3. अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें विशेष कोचिंग योजना के अंतर्गत भर्ती पूर्व प्रशिक्षण दिया गया।	1,300			
		1.4. अजा/अजजा अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया	3,000			
	ख. दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा (पूर्व में रोजगार वृद्धि योजना)					
	1. वीआरसी के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास सेवाएं	1.1 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की संख्या जिन्हें पुनर्वास सेवा के लिए परामर्श दिया गया।	32,000	1. दिव्यांगजनों का आर्थिक पुनर्वास	1.1 दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की संख्या जिनका आर्थिक रूप से पुनर्वास किया गया।	11,500
		1.2 उपयुक्तता का आकलन करने के लिए मूल्यांकित दिव्यांगजन अभ्यर्थियों की संख्या	31,000			
	ग. प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना[123]					
	1. प्रतिष्ठानों, कर्मचारियों और सहायक वित्तीय प्रक्रमणों को पहचान देना	1.1. पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।	1. रोजगार सृजन और नौकरियों की संख्या में बढ़ोतरी के लिए नियोजकों को प्रोत्साहन देना।	1.1. पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		1.2. पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभ पाने के लिए पंजीकृत प्रतिष्ठानों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			

[123] *इस अवधि के लिए कोई लक्ष्य नहीं दिया गया है क्योंकि पीएमआरपीवाई के तहत पंजीकरण की टर्मिनल तिथि 31.03.2019 थी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. पीएमआरपीवाई के अंतर्गत लाभान्वित प्रतिष्ठानों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			
	घ. राष्ट्रीय कैरियर सेवा[124]					
	1. नियोजकों और नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों के लिए डिजिटल मंच उपलब्ध कराना।	1.1. पंजीकृत नौकरी के इच्छुकों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।	1. राष्ट्रीय कैरियर सेवा: राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना एक डिजिटल पोर्टल की परिकल्पना देती है जो नौकरी को इच्छुकों और नियोजकों को गतिशील, कुशल और प्रतिक्रियात्मक रूप में नौकरी के मिलान के लिए नौकरी के इच्छुकों और नियोजकों के लिए राष्ट्र-व्यापी ऑनलाइन मंच प्रदान करता है।	1.1. जुटाई गई नौकरियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।
		1.2. पंजीकृत नियोजकों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			
		1.3. जुटाई गई रिक्तियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			
		1.4. वेबसाइट पर विशिष्ट हिटों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			
		1.5. आयोजित किए गए नौकरी मेलों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता।			

[124] *एनसीएस परियोजना लक्ष्य आधारित नहीं है। हालांकि, परियोजना का उत्पादन आउटरीच गतिविधियों, नौकरी मेलों एनसीएस, अभियान, आदि पर निर्भर करता है*

3. प्रधान मंत्री श्रम योगी मान धन योजना

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
500.00	1. असंगठित कामगारों को पेंशन सेवाएं प्रदान करना	1.1. उन अभिदाताओं की संख्या जो इस वित्तीय वर्ष में शामिल हुए हैं। (करोड़ रुपये में)	1	1. समावेशी सामाजिक सुरक्षा	1.1. पेंशन पा रहे लाभार्थियों की संख्या	0
		1.2. कुल अभिदाताओं की संख्या (वर्तमान वित्तीय वर्ष तक संचयी संख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[125]			
	2. लाभ के प्रावधान में दक्षता	2.1 जागरूकता बढ़ाने के लिए आईईसी अभियानों पर खर्च की गई राशि का प्रतिशत	5.6%	2. योजना की स्कीम बेहतर कार्यशीलता	2.1 प्राप्त शिकायतों की संख्या	27
		2.2 इस योजना के लिए सीएससी में सम्मिलित होने वाले लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[125]			

[125] *31.12.2019 स्थिति के अनुसार - 39,92,298*

न्याय विभाग

1. न्यायपालिका के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाओं की योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य[126] 2020-21
762.00	1. कोर्ट हॉलों का निर्माण	1.1. बनाए जाने वाले कोर्ट हॉलों की संख्या	600	1. कोर्ट हॉलों को शुरू करना/उन्हें कार्यात्मकता बनाना	1.1. शुरू किए जाने वाले / कार्यात्मक बनाए जाने वाले कोर्ट हॉलों की संख्या	400
	2. जिला और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों के लिए आवासीय एककों का निर्माण	3.1. जिला और अधीनस्थ न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए जाने वाले आवासीय एककों की संख्या	350	2. आवासीय एककों के निर्माण को पूरा करना	2.1. पूरे किए गए आवासीय एककों की संख्या	230

[126] *निर्भरता कारक: योजना के तहत धन का वास्तविक आवंटन और राज्य सरकार/ उच्च न्यायालयों के अंत में योजना का कार्यान्वयन।*

1. प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2500.00	1. नए स्वरोजगार उपक्रमों/परियोजनाओं/सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना।	1.1 स्थापित किए जाने वाली नई परियोजनाओं की संख्या	72,000	1. सतत और वहनीय रोजगार	1.1 नई परियोजनाओं द्वारा सृजित होने वाले रोजगार की संख्या	5,76,000
	2. पारंपरिक और भावी कारीगरों के एक बड़े वर्ग को और देश के ग्रामीण और शहरी बेरोजगार युवाओं को सतत और वहनीय रोजगार उपलब्ध कराना।	2.1 उन्नयन की जाने वाली मौजूदा इकाइयों की संख्या	1,200	2. पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित पिछड़े राज्यों में योजना का निष्पादन	2.1 मौजूदा इकाइयों के उन्नयन्र से सृजित होने वाले रोजगार की संख्या	9,600
	3. जागरूकता कैम्प, कार्यशालाओं, बैंकर्स बैठक आदि जैसे बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज उपलब्ध कराना।	3.1. कुल इकाइयां/ परियोजनाएं	73,200	3. ग्रामीण युवाओं के प्रवास को रोकना	3.1. कुल रोजगार	5,85,600

2. खादी ग्रामोद्योग विकास योजना[127]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
856.52	**क. खादी अनुदान**					
	1. जीआईए-वेतन- खादी ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों और अधिकारियों को वेतन का भुगतान करना।	1.1. कर्मचारियों की संख्या	आवश्यक तानुसार	1. खादी ग्रामोद्योग आयोग की सभी योजनाओं के कार्यान्वयन को इस मद द्वारा सहायता दी जाएगी।	1.1. कर्मचारियों की संख्या	आवश्यक तानुसार
	2. पेन्शन और यात्रा भत्ता और आकस्मिक भत्ते:- खादी ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों और अधिकारियों की पेंशन और यात्रा भत्ते और आकस्मिक व्यय के खर्च को पूरा करना।	2.1. पेंशनरों की संख्या	आवश्यक तानुसार	2. खादी ग्रामोद्योग आयोग के स्टाफ को पेंशन, यात्रा-भत्ते, आकस्मिकता भत्ते का भुगतान कर आयोग की सभी योजनाओं के कार्यान्वयन में सहायता दी जाएगी।	2.1. पेंशनरों की संख्या	आवश्यक तानुसार
	3. स्वच्छता कार्य योजना –खादी ग्रामोद्योग आयोग के केन्द्रीय कार्यालय और इसके क्षेत्रीय कार्यालयों में स्वच्छता अभियान और रखरखाव।	3.1. खादी ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालयों की संख्या	1			
		3.2. क्षेत्रीय कार्यालयों की संख्या	51			
		3.3. बहु विषयक प्रशिक्षण केन्द्रों की संख्या	18			

[127] *निर्गम के समूह को परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		3.4. विभागीय बिक्री केन्द्रों और इसकी शाखाओं की संख्या	23			
		3.5. सेंट्रल सिल्वर प्लांट्स की संख्या	5			
	ख. खादी विकास योजना					
	1. खादी प्रोत्साहन-संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए) खादी और पॉलीवस्त्र के उत्पादन के आधार पर संशोधित बाजार विकास सहायता (एमएमडीए) के माध्यम से खादी और पॉलीवस्त्र के उत्पादन की मुख्य लागत का 30% तक एमएमडीए प्रदान किया जाता है और इसे उत्पादनकर्ता संस्थानों (20%), बिक्री कर्ता संस्थानों (10%), कारीगरों (40%), और खादी संस्थानों को प्रोत्साहन के रूप में (30%) वितरित किया जाता है।	1.1. एमएमडीए दिए जाने वाले खादी संस्थानों की संख्या	1,600	1. पिछले 3 वर्षों में उत्पादन में 20% वृद्धि। उत्पादन में वृद्धि के परिणामस्वरूप कारीगरों के पारिश्रमिक में बढ़ोत्तरी होगी। उत्पादन अवसंरचना में सुधार और विकास बिक्री केंद्रों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण	1.1. लाभान्वित होने वाले खादी संस्थानों की संख्या	1,600
	2. विपणन निर्यात संवर्धन के माध्यम से खादी का प्रोत्साहन	2.1. अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों की संख्या	9	2. खादी और खादी से संबंधित	2.1. खादी ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री और वैश्विक उपलब्धता में वृद्धि	9

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	और विकास			उत्पादों के उत्पादन और बिक्री में सुधार कारीगरों के पारिश्रमिक में सुधार	(अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों की संख्या)	
		2.2. निर्यात तैयारी और आकास्मिक स्थितियों की संख्या	1		2.2. खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा (निर्यात तैयारी और आकास्मिक स्थितियों की संख्या)	1
		2.3. दुबई, जापान, जर्मन और टेक्सास में खादी इंडिया सेल्स आउटलेट बनाने के लिए वित्तीय सहायताओं की संख्या	4	3. काम का माहौल जो बेहतर उत्पादकता की ओर ले जाता है। कारीगरों की संख्या में वृद्धि। बेहतर वातावरण अधिक ग्राहकों को आकर्षित करेगा। बिक्री और कारोबार में वृद्धि।	3.1 लाभान्वित होने वाले समूह कारीगरों की संख्या।	360
		2.4. निर्यात कार्यशालाओं की संख्या	4		3.2 लाभान्वित होने वाले व्यक्तिगत कारीगरों की संख्या।	1,426
		2.5. राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनियों की संख्या	2	4. बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण खादी कारीगरों के लिए बेहतर काम का माहौल।	4.1 खादी संस्थानों की संख्या को सुदृढ़ किया जाना।	50
		2.6. विशेष स्तरीय प्रदर्शनियों की संख्या	40	5. बिक्री को बढ़ावा मिलेगा।	5.1 बिक्री आउटलेटों की संख्या का नवीनीकरण किया जाना है।	80
		2.7. राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों की संख्या	32	6. खादी गतिविधियों का विकास किया जाना।	6.1 बैठकों की संख्या।	4

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		2.8. आईआईटीएफ की संख्या	1	7. खादी कारीगरों को सामाजिक सुरक्षा में सुधार करना और खादी की ओर अधिक कारीगरों को आकर्षित करना।	7.1 कारीगरों की संख्या को कवर किया जाएगा	3,00,000
		2.9. हवाई अड्डों पर खोले जाने वाले बिक्री केंद्रों की संख्या	3	8. खादी और वी.आई. लागू करने वाले संस्थानों की ब्याज देयता को कम करना।	8.1 लाभान्वित होने वाले खादी संस्थानों की संख्या	आवश्यकता के अनुसार
	3. खादी कारीगरों के लिए वर्क-शेड योजना खादी कारीगरों की उत्पादकता में वृद्धि और बेहतर जीविका के लिए खादी कारीगरों के लिए वर्क शेड योजना के अंतर्गत खादी कारीगरों को चयनात्मक आधार पर वर्क शेड उपलब्ध कराना	3.1. सामूहिक वर्क-शेडों की संख्या	25	9. संसदीय समिति की बैठकें, राष्ट्रीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की बैठकें, और केवीआई योजनाओं के अन्य सर्वेक्षण और अध्ययन इत्यादि।	9.1 संसदीय समिति की बैठकें, राष्ट्रीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की बैठकें, और केवीआई योजनाओं के अन्य सर्वेक्षण और अध्ययन इत्यादि।	आवश्यकता के अनुसार
		3.2. व्यक्तिगत वर्क शेडो की संख्या	1,426	10. प्रशिक्षित कारीगरों को एनएमसी, लूम, वारपिंग यूनिट इत्यादि के साथ प्रदान किया जाएगा, ताकि 50	10.1 प्रशिक्षित और रोजगार देने में सक्षम कारीगरों की संख्या।	12,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				खादी संगठनों के माध्यम से रोजगार पैदा किया जा सके।		
	4. कमजोर खादी संस्थानों की अवसंरचना को सुदृढ़ करना ऐसे चुने हुए खादी संस्थानों को नए चरखे और करघे प्रदान करना जो समय के साथ कमजोर पड़ गए हैं परंतु फिर से उठने की क्षमता रखते हैं।	4.1. पुनर्जीवित किए गए कमजोर खादी संस्थानों की संख्या	50	11. भारत में उत्पादित खादी और खादी उत्पादों की गारंटी के उद्देश्य को प्राप्त किया जाएगा - "हैंड स्पून, हैंड वोवेन और नेचुरल फाइबर"। खादी के लिए एक विशिष्ट पहचान स्थापित करना बेहतर ग्राहक जागरूकता खादी की लोकप्रियता में वृद्धि।	11.1 खादी मार्क उपयोगकर्ताओं द्वारा निर्मित/ बेची गई खादी की वास्तविकता का पता लगाने के लिए किए गए नमूनों की जांच की संख्या	3,000
	5. बिक्री केंद्रों के नवीनीकरण के लिए विपणन सहायता खादी संस्थानों के चुने गए बिक्री केंद्रों का नवीनीकरण करना और विपणन अवसंरचना के लिए सहायता करना	5.1. नवीनीकृत किए गए चयनित बिक्री केंद्रों की संख्या	80	बिक्री में वृद्धि होगी	11.2 खादी संस्थानों के दौरों की संख्या	1,500
	6. संवर्धनात्मक अनुदान विभिन्न स्तरों पर लिंकेज स्थापित करना	6.1. बड़े शहरों में परामर्शी सेवाएं लेना, फैशन शो, विज्ञापन करना,	4		11.3 नई खादी संस्थाओं के प्रक्रिया सत्यापन की संख्या	150

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		त्रैमासिक खादी मार्क और प्रमाणीकरण और समीक्षा बैठकें, डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए प्रशिक्षण, सेमिनार/कार्यशालाए / खादी सम्मेलन, एडब्ल्यूएफटी स्थापना अनुदान, पायलट परियोजनाएं, चरखों, करघों और अन्य मशीनों का वितरण, कानूनी शुल्क आदि				
	7. बीमा- पीएमजेजेबीवाई/पीएमएसबीवाई/संशोधित एएबीवाई खादी कारीगरों के लिए बीमा योजनाओं का संमिलन (पीएमजेजेबीवाई/पीएमएसबीवाई और संशोधित एएबीवाई खादी कारीगरों के लिए एक सामूहिक बीमा योजना। प्रीमियम एलआईसी, सामान्य	7.1. कवर किए जाने वाले खादी कारीगरों की संख्या	3,00,000	12. खादी संस्थानों की ब्याज देयता को कम करना। खादी संस्थानों की स्थिरता से कारीगरों के निरंतर रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इससे खादी का उत्पादन अधिक होगा।	12.1 बैंक वित्त प्राप्त करने के लिए खादी संस्थानों की संख्या।	1,250

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	बीमा कंपनी, केवीआईसी, खादी संस्थानों, कारीगरों और भारत सरकार के बीच विभाजित होता है।					
	8. अन्य खादी अनुदान विविध-ब्याज सब्सिडी (बही समायोजन) सरकार द्वारा दिए गए ऋण पर ब्याज के स्थान पर सब्सिडी प्रदान करना	8.1. लाभान्वित होने वाले खादी संस्थानों की संख्या	आवश्यक तानुसार	13. एमडीटीसी को सुदृढ़ किया जाएगा।	13.1 बहु विषयक प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या जिनका सुदृढ़ीकरण किया जाना है।	8
	9. सर्वेक्षण और अध्ययन (ईसीआर) संसदीय समिति की बैठकों, राष्ट्रीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की बैठकों और केवीआई योजनाओं आदि के सर्वेक्षण और अध्ययन के लिए	9.1. संसदीय समिति की बैठकें, राष्ट्रीय खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की बैठकें आदि	आवश्यक तानुसार	14. चरखों और करघों पर कार्यकुशल और वित्तीय कुशाग्रता	14.1। कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए खादी कारीगरों की संख्या।	3,600
		9.2. केवीआई योजनाओं के सर्वेक्षण और अध्ययन आदि	आवश्यक तानुसार	15. उत्पादकता बढ़ाना, खादी उत्पादों, आदि के लिए बेहतर गुणवत्ता, बेहतर डिजाइन और उच्च मूल्य संवर्धन सुनिश्चित करना।	15.1 अनुसंधान और विकास परियोजनाओं की संख्या, आईएसओ प्रमाणन स्वीकृत किया जाना है	आवश्यक तानुसार
	10. उत्पादन अवसंरचना (क) रोजगार युक्त गांव पीपीपी मॉडल के आधार पर कारीगरों को उन्हीं के स्थान पर खादी कार्यकलाप के	10.1. रोजगार के लिए सक्षम बनाने हेतु कारीगरों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य, प्रशिक्षित	12,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना	किए जाने वाले कारीगरों की संख्या				
	ख) खादी गुणवत्ता संबंधी आश्वासन गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता के मानकीकरण में सुधार लाने के लिए और खादी मार्क विनियम, 2013 के अनुपालन में।	10.2. खादी मार्क (परीक्षण किया जाना है) उपयोगकर्ताओं द्वारा उत्पादित किए जाने वाले उत्पाद /बेची जाने वाली खादी की विशुद्धता पहचान के लिए नमूनों के परीक्षण की संख्या।	3,000			
		10.3. दौरा किए जाने वाले खादी संस्थानों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते			
		10.4. खादी के नए संस्थानों की जाने वाली प्रक्रिया जांच संबंधी सत्यापन की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते			
	11. खादी और पॉलीवस्त्र के लिए ब्याज सब्सिडी पात्रता प्रमाण	11.1. बैंक वित्त प्राप्त करने की संभावना	1,250			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	पत्र (आईएसईसी) खादी संस्थाओं को उनकी कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए 4% की रियायती ब्याज दर पर बैंक ऋण पर सब्सिडी प्रदान करना।	वाले खादी संस्थानों (केआई) की संख्या				
	12. क्षमता निर्माण खादी संस्थानों और कारीगरों के लिए क्षेत्र स्तरीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करना ताकि चरखे और करघे पर तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और कौशल प्रदान किया जा सके और वित्तीय कौशल भी बढ़े ।	12.1. सुदृढ़ किए जाने वाले बहु अनुशासनात्मक प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या	8			
		12.2. प्रशिक्षण प्रदान किए जाने वाले खादी कामगारों की संख्या	3,600			
	13. अनुसंधान और विकास (एस एंड टी) इम्प्लीमेंटस, उपकरणों और शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी का उन्नयन किया जाएगा।	13.1. संस्वीकृत किए जाने वाले अनुसंधान और विकास परियोजनाओं, डिजाइन हाउस, आईएसओ प्रमाणन की संख्या।	आवश्यक तानुसार			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	ग. ग्रामोद्योग विकास योजना					
	1. सामान्य सुविधाओं, प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण, और अन्य सहायता और सेवाओं आदि के माध्यम से ग्रामोद्योग का संवर्धन और विकास	1.1. एबीएफपीआई कारीगरों की संख्या जिन्हें प्रशिक्षित किया जाना है	2,900	1. यह प्रशिक्षण बेरोजगार युवाओं में रोजगार सृजित करेगा। रोजगार सृजन होगा, परंपरागत कारीगरों की उत्पादकता और वेतन /मजदूरी में वृद्धि होगी।	1.1. एबीएफपीआई कारीगरों की संख्या जो प्रशिक्षित किये जायेंगे है	2,900
		1.2. बी कालोनियों को वितरित की जानी वाली बी बाक्स की संख्या	96,000		1.2. बी कालोनियों को बी बाक्स वितरित की किए जायेंगे,की संख्या	96,000
		1.3. प्रशिक्षण के साथ बी बॉक्स और अन्य उपकरण और टूल दिए जाने वाले लाभार्थियों की संख्या	9,600		1.3. लाभार्थी जिन्हें प्रशिक्षण के साथ बी बॉक्स और अन्य उपकरण और टूल दिए जायेंगे, की संख्या	9,600
		1.4. खनिज आधारित उद्योगों (पोट्टरी) के कारीगर, जो प्रशिक्षित किए जाने और जिन्हें उपकरण किट वितरित किए जाने हैं, की संख्या	24,100		1.4. खनिज आधारित उद्योगों (पोट्टरी) के कारीगर, जो प्रशिक्षित किए जाएंगे और जिन्हें उपकरण किट वितरित किए जाएंगे, की संख्या	24,100
		1.5. लेदर कारीगर जिन्हें प्रशिक्षित किए जाने और उन्नत	11,760		1.5. लेदर कारीगर जो प्रशिक्षित किए जायेंगे और उन्न्त उपकरण किट वितरित किए जायेंगे हैं, की	11,760

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		उपकरण किट वितरित किए जाने हैं, की संख्या			संख्या	
		1.6. कल्याण और सौंदर्य प्रसाधन कारीगरों की संख्या, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाना है	400		1.6. कल्याण और सौंदर्य प्रसाधन कारीगरों की संख्या, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जायेगा	400
		1.7. हाथ से बने कागज उद्योग कारीगरों की संख्या, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाना है	840		1.7. हाथ से बने कागज उद्योग कारीगरों की संख्या जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा	840
		1.8. आरईएनटीआई कारीगरों की संख्या, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाना है	575		1.8. आरईएनटीआई कारीगरों की संख्या, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा	575
	2. क्षमता निर्माण प्रशिक्षण केंद्रों और कारीगरों के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर का कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करना ताकि तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके	2.1. कारीगरों , कर्मचारी की संख्या, जिन्हे कौशल विकास प्रशिक्षित किए जाना है।	84400	3. कौशल विकास प्रशिक्षिण दिया जाएगा।	3.1 कारीगरों, कर्मचारी की संख्या, जिन्हे कौशल विकास प्रशिक्षित किए जाना है।	84,400

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. प्रचार प्रसार केवीआई कार्यकलापों/ कार्यक्रमों का प्रचार प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, होर्डिंग्स, आदि के माध्यम से किया जाना है	3.1. केवीआई कार्यक्रमों/ उत्पादों आदि का प्रचार	आवश्यक तानुसार	4. प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, होर्डिंग्स, आदि के माध्यम से प्रचार-प्रससर किया जायेगा	4.1 केवीआई कार्यक्रमों/उत्पादों आदि का प्रचार	आवश्यक तानुसार
	4. सूचना प्रौद्योगिकी आईटी सेवाएं, कार्यक्रमों का विकास, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर्स की खरीद, आदि।	4.1. आईटी सेवाओं, कार्यक्रमों का विकास, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर्स की खरीद, आदि की जानी है।	आवश्यक तानुसार	5. आईटी सेवाओं, कार्यक्रमों का विकास, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर्स की खरीद, आदि की जायेगी।	5.1 आई टी संबंधी सेवाएं प्रदान की जाएँगी	आवश्यक तानुसार
	5. अनुसंधान और विकास (एस एंड टी): औजार टूल और शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी के उन्नयन किया जाएगा।	5.1. अनुसंधान और विकास परियोजनायें, आईएसओ प्रमाणन की संख्या जिन्हें संस्वीकृत किया जाना है	आवश्यक तानुसार	6. ग्रामोद्योग उत्पाद के लिए उत्पादन बढ़ाना, बेहतर गुणवता, बेहतर डिजाइन सुनिश्चितता और उच्च मूल्य बर्धन प्राप्त करना	6.1 अनुसंधान और विकास परियोजनायें, आईएसओ प्रमाणन की संख्या जिन्हें संस्वीकृत किया जाना है	आवश्यक तानुसार
	6. अन्य और विविध आयोग की बैठकें, अन्य बैठकें, लेखा परीक्षा के लिए शुल्क, कानूनी, सलाहकार, जीएसटी, आदि, सम्पदा और सेवाएं, जागरूकता शिविर, कार्यशालाएँ आदि।	6.1. आयोग की बैठकें, अन्य बैठकें, लेखा परीक्षा के लिए शुल्क, कानूनी, सलाहकार, जीएसटी, आदि, सम्पदा और सेवाएं, जागरूकता शिविर, कार्यशालाएँ आदि।	आवश्यक तानुसार	7. बैठकें और अनिवार्य आवश्यक कार्यकलाप, आदि	7.1 बैठकें और अनिवार्य आवश्यक कार्यकलाप, आदि	आवश्यक तानुसार

3. क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी (सीएलसीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
653.91	1. प्रौद्योगिकी उन्नयन के लिए पूंजीगत सब्सिडी प्रदान करके एमएसएमई को सुविधा प्रदान करना ताकि उन्हें अपना विकास करने में मदद मिल सके और वे आत्मनिर्भर हो सकें।	1.1 लाभान्वित एमएसएमई की संख्या	8,900	1. उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाना	1.1 उत्पादकता और उत्पाद गुणवत्ता में सुधार (लाभान्वित एमएसएमई की संख्या)	8,900
				2. टर्नओवर में बढ़ोतरी	1.2 लाभार्थी यूनिटों की बिक्री करोबार में बढ़ोतरी (लाभान्वित एमएसएमई की संख्या)	

1. शैक्षणिक सशक्तिकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2530.00	**अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति**					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों की संख्या (लाख नए छात्र)	30,00,000	1. पात्र आबादी के बीच छात्रवृत्ति का कवरेज	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों का प्रतिषत (प्रदत्त छात्रवृत्ति की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1. छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या (लाख नई छात्रवृत्तियां)	9,00,000	2. पात्र महिला जनसंख्या के बीच छात्रवृत्ति का कवरेज	2.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्राओं का प्रतिषत (प्रदत्त छात्रवृत्ति की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
	3. आधार समर्थ भुगतान	3.1. आधार समर्थ भुगतान (लाख छात्रवृत्ति)	15[128]			
	ख. अल्पसंख्यकों के लिए मैट्रिकोतर छात्रवृत्ति					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों की संख्या (लाख नई छात्रवृत्तियां)	5,00,000	1. पात्र आबादी के बीच छात्रवृत्ति का कवरेज	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों का प्रतिषत (प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1. छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या (लाख नई छात्रवृत्तियां)	1,50,000	2. पात्र महिला जनसंख्या के बीच छात्रवृत्ति का कवरेज	2.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्राओं का प्रतिषत (प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।

[128] *इस संकेतक पर आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। प्रगति को ट्रैक और मॉनिटर करने के लिए एक सिस्टम लगाना होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. आधार समर्थ भुगतान	3.1. आधार समर्थ भुगतान (लाख)	2.50[128]	*3.* शिक्षा की निरंतरता	3.1. उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेष लेने वाले छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों का प्रतिषत	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।[128]
	ग. व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति (स्नातक और स्नातकोत्तर)					
	1. पात्र अल्पसंख्यक छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्ति	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों की संख्या (नई छात्रवृत्तियां)	60,000	1. पात्र आबादी के बीच छात्रवृत्ति का कवरेज	1.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्रों का प्रतिषत (प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या/ कुल पात्र जनसंख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
	2. छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति	2.1. छात्राओं को प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या **(नई छात्रवृत्तियां)**	18,000	2. पात्र महिला जनसंख्या के बीच छात्रवृत्ति का कवरेज	2.1. छात्रवृत्ति प्रदत्त छात्राओं का प्रतिषत (प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या/कुल पात्र जनसंख्या)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
	3. आधार समर्थ भुगतान	3.1. आधार समर्थ भुगतान (नई छात्रवृत्तियां)	48,000[129]			
	घ. अल्पसंख्यकों छात्रों के लिए मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति					
	1. कुल ऑनलाइन आवेदन	1.1. यूजीसी द्वारा प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या	2,500	1. एम.फिल/ पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाले कुल छात्र	1.1. एम.फिल/पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाले कुल छात्र	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
		1.2. यूजीसी द्वारा छात्राओं से प्राप्त आवेदनों की संख्या	750			
		1.3. यूजीसी द्वारा दिव्यांग छात्रों से प्राप्त आवेदनों की संख्या	50			
		1.4. आधार नंबर जोड़े गए आवेदनों की संख्या	2,500			

[129] *इस संकेतक पर आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। प्रगति को ट्रैक और मॉनिटर करने के लिए एक सिस्टम लगाना होगा (कुल का @80% मान लिया गया)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. कुल अनुमोदित आवेदन	2.1. कुल अनुमोदित आवेदनों की संख्या	1,000	2. एम.फिल/ पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाली कुल छात्राएं	2.1. एम.फिल/ पीएच.डी. कोर्स पूरा करने वाली कुल छात्राएं	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
		2.2. छात्राओं के लिए स्वीकृत आवेदनों की संख्या	300			
		2.3. दिव्यांग छात्रों के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	30	3. एम.फिल/ पीएचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल दिव्यांग छात्र	3.1. एम.फिल/ पीएचडी कोर्स पूरा करने वाले कुल दिव्यांग छात्र	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
	3. छात्राओं की प्रतिषत कवरेज	3.1. छात्राओं से प्राप्त आवेदनों का प्रतिशत	30%			
	4. दिव्यांग छात्रों की प्रतिशत कवरेज	4.1. दिव्यांग छात्रों से प्राप्त आवेदनों का प्रतिशत	3%			
	ड. अल्पसंख्यकों के लिए नि:षुल्क कोचिंग एवं संबद्ध योजना					
	1. कोचिंग दिए जाने वाले छात्र	1.1. कोचिंग दिए जाने वाले गैर आवासीय पाठांक्रम के छात्रों की कुल संख्या	9,000	1. कोचिंग दिए गए छात्रों की सफलता दर (तकनीकी/व्यावसायिक पाठांक्रमों के मामले में 20% और समूह क, ख और ग परीक्षाओं के लिए 15%, और नए घटक के तहत आवासीय कोचिंग के लिए 30%, जिसमें से कम से	1.1. गैर-आवासीय कोचिंग कार्यक्रम के तहत तकनीकी / व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए कोचिंग करने वाले छात्रों की सफलता दर। (कुल छात्रों की न्यूनतम सफलता दर)	20%
		1.2. कोचिंग दिए जाने वाले आवासीय पाठांक्रम के छात्रों की कुल संख्या	3,000			
	2. 30% की दर से कोचिंग दी जाने वाली छात्राओं की संख्या	2.1. कोचिंग दी जाने वाली गैर आवासीय पाठांक्रम की छात्राओं की कुल संख्या	3,000		1.2. सिविल सेवा परीक्षा (प्री) के लिए छात्रों की सफलता दर कुल छात्रों में से है।	10%
		2.2. कोचिंग दी जाने वाली आवासीय पाठांक्रम की	1,000		1.3. कुल छात्रों में से ग्रुप ए के लिए छात्रों की	15%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		छात्राओं की कुल संख्या		कम 5% सरकारी कॉलेजों/ संस्थानों में प्रवेश या प्रतिष्ठित निजी कॉलेजों /संस्थानों में सरकारी सीटों के लिए अर्हता प्राप्त कर सकें।	सफलता की दर (न्यूनतम सफलता दर)	
					1.4. कुल छात्रों में से ग्रुप बी एंड सी सर्विसेज के लिए छात्रों की सफलता दर (न्यूनतम सफलता दर)	15%
					1.5. नए घटक के तहत आवासीय कार्यक्रम के तहत कुल छात्रों की सफलता दर। इंजीनियरिंग./ मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए कुल अर्हक छात्रों में से कम से कम 5% सरकार में प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त कर सकते हैं। कॉलेज या सरकार। प्रतिष्ठित निजी कॉलेजों / संस्थानों में सीटें (न्यूनतम सफलता दर)	30%
	च. विदेशों में अध्ययन के लिए शैक्षिक ऋण पर ब्याज सब्सिडी					
	1. कुल आवेदन	1.1. प्राप्त नए आवेदनों की संख्या	2,000	1. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले कुल छात्र	1.1. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले कुल छात्र	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।[128]
		1.2. नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	1,100			
		1.3. अनुमोदित नए आवेदनो की संख्या	400			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. छात्राओं से आवेदन	2.1. छात्राओं से प्राप्त नए आवेदन की संख्या	700	2. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं	2.1. विदेश में पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाली छात्राएं	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।
		2.2. छात्राओं से नवीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	385			
		2.3. छात्राओं के लिए अनुमोदित आवेदनों की संख्या	140			
	छ. यूपीएससी, एसएससी, राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) आदि द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को सहायता।					
	1. प्रारंभिक परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी	1.1. वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यूपीएससी अभ्यर्थियों की कुल संख्या	300	1. यूपीएससी/ एसएससी (सीजीएल एवं सीएपीएफ)/एसपीएससी परीक्षा में अल्पसंख्यक उम्मीदवारों का चयन	1.1. योजना के अधीन सहायता प्रदत्त उन अभ्यर्थियों का प्रतिषत जो यूपीएससी/ एसएससी (सीजीएल एवं सीएपीएफ)/एसपीएससी परीक्षाओं में अंतिम रूप से चुने गए हैं।	100%
		1.2. वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए राज्य पीएससी अभ्यर्थियों की कुल संख्या	2,000			
		1.3. वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एसएससी (सीजीएल एवं सीएपीएफ) अभ्यर्थियों की कुल संख्या	2,000			
		1.4. वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए राज्य पीएससी (अराजपत्रित स्तर) अभ्यर्थियों की कुल संख्या	800			

2. कौशल विकास और आजीविका (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
602.00	**कौशल विकास पहलें**					
	1. प्रशिक्षार्थियों के आधुनिक के साथ-साथ पारंपरिक ट्रेडों में प्रषिक्षण के लिए परियोजना कार्यान्वयनकर्ता एजेंसियों (पीआईए) को निधियां प्रदान की जाती है।	1.1. प्रषिक्षित लाभार्थियों में से कम से कम 75% के लिए वैतनिक/ स्वरोजगार का आष्वासन	1,43,000 अल्पसंख्यक युवा	1. अल्पसंख्यक युवाओं को प्रषिक्षित किया जाना और रोजगार प्राप्त करना।	1.1. प्रशिक्षित लाभार्थियों को आष्वस्त मजदूरी/ स्व-रोजगार	90,000
		1.2. राष्ट्रीय कौषल विकास निगम (एनएसडीसी) के स्मार्ट पोर्टल के माध्यम से स्मार्ट से मान्यता प्राप्त और संबद्ध प्रषिक्षण भागीदारों/ प्रषिक्षण केंद्रों को चुना गया।	233		1.2. नए नियोजित प्रशिक्षित युवाओं की 12 महीने के बाद ट्रैकिंग	48,000
	ख. नई मंजिल-एकीकृत शैक्षिक एवं आजीविका पहल					
	1. 9-12 महीने की अवधि का गैर-आवासीय कार्यक्रम (कक्षा VIII और कक्षा X हेतु) जिसमें उनकी शिक्षा हेतु बेसिक ब्रिज कार्यक्रम भी शामिल है।	1.1. शिक्षा उपलब्ध कराए गए लाभार्थियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता	1. आजीविका के संदर्भ में योजना का दायरा विस्तृत किया।	1.1. कुल पात्र आबादी में से उन लाभार्थियों का प्रतिषत जिनकी आजीविका बढ़ी है।	70%
		1.2. कौषल प्रषिक्षण उपलब्ध कराए गए लाभार्थियों की संख्या	22,605[130]			
	2. पात्र युवाओं को दी गई प्लेसमेंट एवं	2.1. प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान किए गए लाभार्थियों की संख्या	21,098[131]			

[130] *कौशल प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन और प्रमाणन (30140 का 75%)*

[131] *लाभार्थी 30,140 का 70% हैं।*

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	प्लेसमेंट उपरांत सहायता					
	ग. विकास के लिए पारंपरिक कलाओं/षिल्पों में कौषलों और प्रषिक्षण का उन्नयन (उस्ताद)					
	1. पारंपरिक ट्रेडों में प्रषिक्षुओं को प्रषिक्षण देने के लिए परियोजना कार्यान्वयनकर्ता एजेंसियों (पीआईए) को निधियां प्रदान की जाती हैं	1.1. प्रलेखन, डिजाइन सहायता, उत्पाद रेंज विकास, प्रषिक्षण, मानक निर्धारित करने के माध्यम से पारंपरिक कलाओं/षिल्पों का संरक्षण (अल्पसंख्यक युवा)	4,620	1. पारंपरिक ट्रेडो में अल्पसंख्यक युवाओं को प्रषिक्षित किया गया और स्वरोजगार के लिए स्व-सहायता समूहों का निर्माण	1.1. रोजगार प्राप्त करने वाले प्रषिक्षित अल्पसंख्यक युवाओं का प्रतिषत	100%
	2. हुनर हाट का आयोजन	2.1. आयोजित हुनर हाट की संख्या	10			
	घ. अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नेतृत्व क्षमता विकास योजना					
	1. मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉड्यूलों के माध्यम से नेतृत्व क्षमता विकास के लिए प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु चुनिंदा संगठनों को सहायता-अनुदान तथा अल्पसंख्यक महिलाओं (दिव्यांग	1.1. नेतृत्व प्रषिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता प्राप्त करने वाली और अपने समुदाय में ज्ञान का प्रसार करने में सफल होने वाली अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या	50,000	1. ***अल्पसंख्यक महिलाओं का सषक्तीकरण और उन्हें आत्मविष्वासी बनाना तथा पुरूशों पर निर्भरता को कम करना।***	1.1. सभी स्तरों पर सरकारी तंत्रों, बैंकों एवं अन्य संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित करने हेतु जानकारी, उपकरण एवं तकनीके उपलब्ध कराते हुए आर्थिक रूप से सषक्त और आत्मविष्वासी बन रही अल्पसंख्यक महिलाओं, जिनमें उसी गांव/ मोहल्ले में रहने	50,000
		1.2. आर्थिक रूप से सषक्त होने वाली अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या	100			
		1.3. स्व-रोजगार प्राप्त करने वाली अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या	100			
		1.4. आर्थिक रूप से सषक्त होने वाली	4			

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	सहित) तथा 25% तक गैर- अल्पसंख्यक महिलाओं का आर्थिक सषक्तीकरण।	दिव्यांग अल्पसंख्यक महिलाओं की संख्या			वाली अन्य समुदायों की उनकी पड़ोसने शामिल हैं, की संख्या।	
	ड. एनएमडीएफसी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों (एससीए) को सहायता अनुदान					
	1. एससीए के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाना	1.1. फर्नीचर, कंप्यूटर और उसके सामान, स्टेषनरी और अन्य कार्यालय उपकरणों की खरीद के लिए राषि संवितरित (करोड़ रु.)	2	1. एससीए को सहायता का प्रावधान	1.1. कुल एससीए में से कवर किए गए एससीए की संख्या	20
		1.2. एससीए में आंकड़ा प्रविष्टि, आवेदनों की स्क्रीनिंग आदि जैसे विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए आउटसोर्स आधार/ अनुबंध पर लगे व्यक्तियों की संख्या	20			
	2. एनएमडीएफसी के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना	2.1. आयोजित जागरूकता शिविरों और ऋण मेलों की संख्या	50			
	च. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास और वित्त निगम (एनएमडीएफसी) को इक्विटी योगदान					
	1. पात्र उम्मीदवारों को प्रदान किया गया रियायती ऋण	1.1. सोर्सिंग एप्लीकेषनों के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का सृजन	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।	1. शैक्षिक ऋण सहायता प्रदान करते हुए अल्पसंख्यकों को शैक्षिक रूप से सषक्त बनाना	1.1. शैक्षिक ऋण सुविधाओं का लाभ पाने वाले उन लाभार्थियों की संख्या, जिन्होंने नामांकित पाठ्यक्रमों को पूरा किया है	2,750
		1.2. अल्पसंख्यकों के लिए ऋण हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या- सावधि ऋण/शिक्षा ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण	1,55,000			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. ऋण प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक लाभार्थियों की संख्या-सावधि ऋण/शिक्षा ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण	1,41,567			
		1.4. अल्पसंख्यकों को ऋण के लिए संवितरित धन राषि सावधि ऋण/शिक्षा ऋण/ सूक्ष्म वित्त ऋण (करोड़)	620			
	2. संवितरित ऋण की वसूली	2.1. संवितरित ऋणों की प्रतिषत वसूली दर-सावधि ऋण/शिक्षा ऋण/सूक्ष्म वित्त ऋण	91%			
	3. आवेदन से संवितरण तक समयावधि	3.1. महीने के भीतर कार्रवाई किए गए आवेदनों की संख्या	5			

3. प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	1. पीएमजेवीके के तहत राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत	1.1. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या।	520 (न्यूनतम)	1. शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, स्वच्छता,	1.1. शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार। कौशल केंद्रों, हुनर हबों, आईटीआई पॉलिटेक्निक, कामकाजी	कम से कम 80%[133]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	परियोजनाओं की स्वीकृति[132]			पेयजल, महिला सशक्तीकरण आदि के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करते हुए एमसीए में सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी सुविधाओं में सुधार करना।	महिला हास्टलों, कॉमन सर्विस सेंटरों आदि जैसा बुनियादी ढांचा प्रदान करना ताकि पहचाने गए एमसीए में पिछड़ेपन के मापदंडों को कम किया जा सके।	
1600.00	2. स्कूल, आवासीय विद्यालय हॉस्टल, कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, कौशल केंद्र, हुनर हब, सद्भाव मंडप, कॉमन सर्विस सेंटर, शौचालय, पेयजल आदि जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण।	2.1. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई डिग्री कॉलेज परियोजनाओं की संख्या।	15		1.2. डिग्री कॉलेजों की संख्या में वृद्धि।	15
		2.2. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई नए स्कूल/ उन्नयन/एसीआर के नए ब्लॉक परियोजनाओं की संख्या।	100		1.3. छात्रावास, नए स्कूल/उन्नयन/ एसीआर के नए ब्लॉक की संख्या में वृद्धि।	100
		2.3. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई छात्रावास परियोजनाओं की संख्या।	60		1.4. स्वास्थ्य परियोजनाएं की संख्या में वृद्धि।	150
		2.4. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई स्वास्थ्य परियोजनाओं की संख्या।	150		1.5. आवासीय विद्यालयों की संख्या में वृद्धि।	20

[133] *शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल क्षेत्रों में कम से कम 80% परियोजनाएं स्वीकृत करना।*

[132] *संपूर्ण देश में चिह्नित 1300 अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों का कम से कम 40 प्रतिशत जिनमें 109 अल्पसंख्यक बहुल जिला मुख्यालय / 870 ब्लॉक / 321 शहर शामिल है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		2.5. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई आवासीय विद्यालय परियोजनाओं की संख्या।	20		1.6. आईटीआई की संख्या में वृद्धि।	10
		2.6. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई आईटीआई परियोजनाओं की संख्या।	10		1.7. पॉलिटेक्निक की संख्या में वृद्धि।	10
		2.7. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई पॉलिटेक्निक परियोजनाओं की संख्या।	10		1.8. कामकाजी महिला हास्टलों की संख्या में वृद्धि।	10
		2.8. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई कामकाजी महिला हॉस्टल परियोजनाओं की संख्या।	10		1.9. कॉमन सर्विस सेंटरों की संख्या में वृद्धि।	100
		2.9. पीएमजेवीके के तहत अभिज्ञात एमसीए में शुरू की गई कॉमन सर्विस सेंटर्स परियोजनाओं की संख्या।	100			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. सृजित परिसंपत्ति की जियो-टैगिंग	3.1. जियो- टैगिंग की गई परिसंपत्ति की संख्या	4,000		1.10. साक्षरता दर में सुधार - समग्र और महिला	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।[134]
					1.11. कार्य सहभागिता दर में सुधार - समग्र और महिला	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते।[135]

[134] *एमसीए में रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों की बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार*

[135] *एमसीए में रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों की बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार*

1. पवन विद्युत - ग्रिड संबद्ध अक्षय विद्युत (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1299.35	1. पवन विद्युत उत्पादन क्षमता चालू करना	1.1 चालू की गई पवन विद्युत उत्पादन क्षमता	3,000	1. पवन विद्युत परियोजनाओं द्वारा बिजली उत्पादन	1.1 उत्पादन बीयू में	70

2. सौर ऊर्जा - ग्रिड संबद्धअक्षय विद्युत (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2449.65[136]	1. देश में सौर विद्युत (ग्राउंड माउंटेड/रूफ-टॉप) उत्पादन क्षमता को चालू करना	1.1 सौर विद्युत में चालू की गई उत्पादन क्षमता (मेगावाट)	9,000	1. सौर विद्युत से बिजली उत्पादन	1.1 उत्पादन बीयू में	52

[136] *पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत 300 करोड़ रु.शामिल है।*

3. सौर विद्युत - ऑफ ग्रिड/वितरित और विकेन्द्रीकृत अक्षय विद्युत (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1066.14[137]	1. ऑफ ग्रिड और विकेन्द्रीकृत सौर विद्युत उत्पादन क्षमता की स्थापना	1.1 ऑफग्रिड और विकेन्द्रीकृत सौर विद्युत में चालू की गई क्षमता (मेगावाट समतुल्य)	1,200	1. ऑफ ग्रिड और विकेन्द्रीकृत सौर विद्युत उत्पादन की संस्थापना	1.1 संस्थापित सौर स्ट्रीट लाइट की संख्या	3,00,000
					1.2 संस्थापित सौर पंपों की संख्या	1,00,000
					1.3 संस्थापित ऑफ ग्रिड सौर विद्युत पैक की क्षमता (मेगावाट)	10
					1.4 वितरित सौर स्टडी लैम्प की संख्या	15,00,000
					1.5 सोलरीकृत कृषि पंपों की संख्या	25,000
					1.6 2 मेगावाट तक के ग्रिड संबद्ध सौर विद्युत संयंत्रों की क्षमता	500

[137] *पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत 700 करोड़ रु. शामिल हैं।*

1. राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
857.53	1. पंचायत कर्मियों का क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	1.1 निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की संख्या (लाख)	40	1. सुनिर्धारित करें कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर) के साथ-साथ पंचायतों के पदाधिकारियों के पास अपने कार्य को पूरा करने के लिए उचित ज्ञान और कौशल हो	1.1 क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों की संख्या (लाख)	25
		1.2 पंचायत प्रक्रियाओं, जीपीडीपी और राष्ट्रीय महत्व के विषयों जैसे जेंडर, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आईटी, आदि पर आयोजित प्रशिक्षण की संख्या। निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों को दिए गए प्रशिक्षण के क्षेत्र / डोमेन			2.1 संचालित प्रशिक्षण के डोमेन/ क्षेत्र और डोमेन/क्षेत्रों में प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों की संख्या	
		1.3 चयनित कुल में से प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायत अधिकारियों की प्रतिशतता	100%		3.1 60-70% लक्ष्य स्वीकृत	
	2. पीआरआई प्रणाली के कामकाज का तकनीकी ज्ञान और बढी हुई क्षमता	2.1. सर्वोत्तम प्रथाओं वाली पंचायतों के साथ आयोजित एक्सपोज़र यात्राओं की संख्या(लाखों में)	0.15	2. निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने एक्सपोज़र यात्राओं में भाग लिया।	2.1 एक्सपोजर यात्राओं में भाग लेने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की संख्या (लाखों में)	0.080
	3. राज्यों में ग्राम पंचायत इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना	3.1. ग्राम पंचायत भवन समर्थित (निर्माण और मरम्मत) पंचायतों की संख्या	100	3. पंचायत द्वारा सेवाओं के वितरण के लिए ग्राम पंचायत बुनियादी ढांचा	3.1. निर्मित और प्रयोग में आ रहे पंचायत भवनों की संख्या	500

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. राज्य पंचायत संसाधन केंद्रों और जिला पंचायत संसाधन केंद्रों के प्रशिक्षण के लिए संस्थागत बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	4.1 राज्य / संघ राज्य एसपीआरसीज और डीपीआरसीज की संख्या और श्रमशक्ति द्वारा मदद प्राप्त करने वालों की संख्या	30	4. राज्य पंचायत संसाधन केंद्रों और जिला पंचायत संसाधन केंद्रों के प्रशिक्षण के लिए संस्थागत बुनियादी ढांचे को मजबूत करना	4.1. बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और प्रशिक्षण सुविधाओं में गुणवत्ता मानकों के साथ कार्य कर रही एसपीआरसी और डीपीआरसी की संख्या	30
		4.2 जिला स्तर एसपीआरसीज और डीपीआरसीज की संख्या और श्रमशक्ति द्वारा मदद प्राप्त करने वालों की संख्या	300			
	5. सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए मॉडल पंचायत विकास	5.1. विकसित किए गए पिअर लर्निंग केंद्रों की संख्या	50	5. पंचायतों में सर्वोत्तम प्रथाओं के मॉडल बनाना	5.1. देश भर में पीयर लर्निंग केंद्रों की संख्या जो पीआरआई की क्षमता निर्माण के लिए सम्मेलन स्थलों के रूप में काम कर रहे हैं	30
	6. ई-सक्षमता के लिए पंचायतों को तकनीकी और प्रौद्योगिकी संचालित सहायता	6.1. पंचायतों को ई-सक्षम बनाने के लिए समर्थित राज्यों की संख्या	32	6. पंचायतों को ई-सक्षम बनाना	6.1. जिन राज्यों में पंचायतों ने पीईएस या राज्य विशिष्ट अनुप्रयोगों को अपनाया है, उनमें वृद्धि करना (28 राज्यों में पहले से ही प्रक्रिया चल रही है)	4
	7. जीपीडीपी सहभागी और समावेशी तरीके से तैयार किए गए	7.1. तैयार किए गए जीपीडीपी की संख्या(लाखों में)	2.48	7. परिभाषित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग	7.1. प्लान प्लस पर अपलोड की गई जीडीपी की संख्या (लाखों में)	2.45

1. एलपीजी राजसहायता: लाभ का सीधा अंतरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
35605.00	1. अतिरिक्त सीटीसी अनुपालक लाभार्थी	1.1 शामिल किए गए नकद अंतरण अनुपालक लाभार्थियों की संख्या (करोड़ में)	0.72	1. सभी वर्तमान और नये घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के खातों में सीधे ही प्राप्त हुई डीबीटी	1.1. एलपीजी (डीबीटी) लाभार्थियों की कुल संख्या (करोड़ में)	26.79
					1.2. डीबीटी के जरिए नकद भुगतान की कुल धनराशि (करोड़ रुपये में)	22,000
	2. लाभ का तेजी से अंतरण	2.1 डीबीटी के लिए लिया गया औसत समय (घंटों में)	40	2. रसोई ईंधन राजसहायता बिल में बचत	2.1. सरकारी खजाने के लिए कुल एलपीजी राजसहायता बिल में % कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[138]

2. मिट्टी तेल राजसहायता-अल्प वसूली (देय अन्य राजसहायता) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3176.00	1. अपर्याप्त मूल्य वसूली के चलते	1.1 तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) के वसूल किए गए मूल्य और	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा	1. मिट्टी तेल अल्प वसूलियों	1.1. मिट्टी तेल अल्प वसूलियों की कवरेज के लिए राजसहायता की धनराशि में परिवर्तन (करोड़ रुपए	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।[139]

[138] *बचत की योजना नहीं है।*

[139] *मिट्टी तेल का मूल्य आयात क्षमता मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाता है और मूल्य का निर्धारण मासिक आधार पर किया जाता है। इसलिए उत्पाद मूल्य में उतार-चढ़ाव होता है। मूल्य में होने वाले उतार-चढ़ावों से मानक लक्ष्य उपलब्ध करवाना मुश्किल हो जाता है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	अल्प वसूलियों का निधीयन	प्रति इकाई लागत मूल्य में अंतर (औसत)	सकता है।	की कवरेज	में)	
					1.2. राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को मिट्टी तेल क आबंटन में कमी (मात्रा)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।[140]
					1.3. ऐसे राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की संख्या जो मिट्टी तेल मुक्त हैं।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

3. फूलपुर धामरा हल्दिया पाइपलाइन परियोजना (सीएस)[141]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
728.03	1. राष्ट्रीय गैस ग्रिड के साथ जुड़े हुए देश के पूर्वी हिस्से के क्षेत्र को	1.1 बिछाई गई जेएचबीडीपीएल की कुल लम्बाई (कि.मी.)	600	1. स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन की उपलब्धता में वृद्धि	1.1 सृजित की गई घरेलू और औद्योगिक आपूर्ति क्षमता (एमएमएससीएमडी)	16
		1.2 जेएचबीडीपीएल चरण 2 की वास्तविक प्रगति का % खंड-	80		1.2 ऐसे परिवारों की संख्या जिनके पास नए पीएनजी कनेक्शन हैं।	20,000

---

[140] *एमओपीएनएंडजी केवल खाना बनाने और रोशनी के लिए त्रैमासिक आधार पर राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को पीडीएस मिट्टी तेल का आबंटन करता है। एलपीजी/पीएनजी की उपलब्धता में वृद्धि, विद्युत कवरेज मे वृद्धि, राज्यों/संघ शासित प्रदेशों द्वारा स्वेच्छा से मिट्टी तेल कोटा वापस लौटाने आदि जैसे घटकों को ध्यान में रखते हुए राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को दिए जाने वाले पीडीएस मिट्टी तेल कोटे को युक्तसंगत बनाए जाने पर विचार किया जा रहा है। हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, दमन और दीव, दादर और नगर हवेली, पुदुच्चेरी और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह राज्य/ संघ शासित प्रदेश "मिट्टी तेल मुक्त" बन गए हैं।*

[141] *धारा -2 ए: जेएचबीडीपीएल का धामरा-अंगुल पाइपलाइन खंड*

धारा -2 बी: जेएचबीडीपीएल का डोभी-दुर्गापुर पाइपलाइन खंड

धारा -3 ए: जेएचबीडीपीएल का बोकारो-अंगुल पाइपलाइन खंड

धारा -3 बी: दुर्गापुर- जेएचबीडीपीएल का हल्दिया पाइपलाइन खंड

बीजीपीएल: जेएचबीडीपीएल की बरुआनी-गुवाहाटी पाइपलाइन खंड

संकेतक 1.1 - 16 एमएमएससीएमडी की घरेलू और औद्योगिक आपूर्ति क्षमता अलग-अलग पाइपलाइन अनुभागों को पूरा करने के साथ सिंक में बनाई जाएगी

संकेतक 1.3 - एचएफसी बरौनी और एफसीआई गोरखपुर को गैस आपूर्ति प्रदान करने के लिए पाइपलाइन अनुभाग पूरा हो गया है।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	बढ़ाने के लिए गैस ट्रंक पाइपलाइनों का निर्माण	2ए :		और इसके सामाजिक तथा आर्थिक लाभ।		
		1.3 जेएचबीडीपीएल चरण -2 की भौतिक प्रगति का %: खंड - 2बी	85		1.3 जेएचबीडीपीएल के जरिए गैस आपूर्ति के आधार पर ऐसे उर्वरक संयंत्रों की संख्या जिनका पुनरुद्धार किया जाना है।	3
		1.4 जेएचबीडीपीएल चरण -2 की भौतिक प्रगति का %: खंड - 3ए	85			
		1.5 जेएचबीडीपीएल चरण-2 की भौतिक प्रगति का %: खंड - 3बी	60			
		1.6 जेएचबीडीपीएल चरण-2 की भौतिक प्रगति का %: बीजीपीएल खंड	60			
		1.7 सीजीडी नेटवर्क के लिए गैस आपूर्ति द्वारा कवर भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) की संख्या	4			

4. एलपीजी राजसहायता: गरीब परिवारों के लिए एलपीजी कनेक्शन

वितीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1118.00	1. बीपीएल परिवारों के बीच एलपीजी कनेक्शन की बढ़ती पैठ	1.1. योजना के तहत निशुल्क एलपीजी कनेक्शन के माध्यम से शामिल बीपीएल परिवारों का %	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।	1. स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन यानी एलपीजी का उपयोग बढ़ा	1.1 बीपीएल परिवारों की संख्या जिन्हें योजना के तहत निशुल्क एलपीजी कनेक्शन दिए गए थे और जो नियमित रूप से कनेक्शन का उपयोग कर रहे हैं (नियमितता को पिछले 6 महीनों से नियमित रूप से रीफिल लेने के तौर पर परिभाषित किया जा सकता है।)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।
					1.2 अस्वच्छ स्रोतों से एलपीजी, जो कि स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है, में बदलाव के कारण उत्सर्जन में अनुमानित कमी।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।
	2. बीपीएल परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन	2.1. योजना के तहत बीपीएल परिवारों को निशुल्क दिए गए एलपीजी कनेक्शन।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।	2. महिलाओं के लिए कठोर श्रम में कमी	2.1 बीपीएल परिवारों में प्रति माह व्यक्ति दिनों की औसत संख्या जो महिलाओं द्वारा खाना पकाने हेतु जलाने वाली लकड़ी एकत्र करने में खर्च की जाती है।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।
				3. बीपीएल परिवारों में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार ।	3.1 बीपीएल परिवारों की महिलाओं में धूम्रपान/फेफड़ों में संक्रमण संबंधी बीमारियों के कारण मजदूरी-दिनों के नुकसान हुए मजदूरी-दिनों की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

5. कच्चे तेल के भंडारों के लिए इंडियन स्ट्रेटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) को भुगतान (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
690.00	1. पादूर में 0.625 एमएमटी- 0.625 एमएमटी के की चार कंदराएं भरी जानी हैं (2.5 एमएमटी)	1.1 कच्चे तेल की खरीदी जाने वाली मात्रा	लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता।	1. कायर्नीतिक भंडार कवरेज में वृद्धि	1.1. तेल आयातों के बराबर दिनों की संख्या के अर्थ में कुल कार्यनीतिक भंडारों में वृद्धिपरक सृजन किया गया।	लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता।[142]
	2. एडीएनओसी मॉडल के अनुसार निवेश करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तेल कंपनियों की निजी सहभागिता का पता लगाना (अपनी लागत पर कंदरा भरने के बदले में भंडारण की कुछ प्रतिशत का वाणिज्यिकरण)	2.1. एडीएनओसी (चरण 1) के साथ आईएसपीआरएल की भागीदारी की स्थिति	अरामको के साथ हस्ताक्षरित करार	2. ईएसपीआरएल-एडीएनओसी की भागीदारी के कारण कार्यनीतिक भंडार कवरेज में वृद्धि	2.1. आईएसपीआरएल-एडीएनओसी भागीदारी के कारण, कार्यनीतिक भंडार कवरेज के दिनों की संख्या बढ़ाई गई।	लक्ष्य तय नहीं किया जा सकता[143]

[142] *भूमि अधिग्रहण और अन्य आवश्यक अनुमोदन मांगे गए हैं और जल्द ही अपेक्षित हैं। पीपीपीएसी मॉडल को अंतिम रूप देने के बाद आरएफक्यू मंगाई जाएगी।*

[143] *संपूर्ण चरण-I के व्यावसायीकरण के लिए ड्राफ्ट मंत्रिमंडल नोट पीएमओ के विचाराधीन है।*

1. दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
4500	1. कृषि और घरेलू विद्युत आपूर्ति का फीडर पृथक्करण	1.1. नई 11 केवी लाइनों (सर्किट किमी में) सहित एचटी लाइन फीडर पृथक्करण	1,00,000	1. ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएंडसी हानियों में कमी	1.1. ग्रामीण क्षेत्रों में वार्षिक औसत एटीएंडसी हानियां (% में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [144]
	2. ग्रामीण फीडरों/डीटी/उपभोक्ताओं की मीटरिंग और निगरानी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में उप-पारेषण और वितरण अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण एवं संवर्धन।	2.1. चालू किए गए सब-स्टेशनों की संख्या (नए तथा संवर्धित)	150	2. ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत विद्युत विश्वसनीयता	2.1. निगरानी किए गए ग्रामीण फीडरों के संबंध में मासिक आउटेज घंटों का वार्षिक औसत। (घंटे/माह में)	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते [145]
		2.2. चालू किए गए वितरण ट्रांसफार्मरों की संख्या	1,00,000			
		2.3. निगरानी किए गए (ऑनलाइन) ग्रामीण फीडरों (संचयी)की कुल संख्या	2,000			

2. एकीकृत विद्युत विकास स्कीम (आईपीडीएस) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
5300	1. शहरी क्षेत्रों में एंड-टू-एंड मीटरिंग समाधान, उन्नत उप-पारेषण	1.1. मीटरों की संस्थापना में कुल 11 केवी फीडरों और वितरण	5,000	1. शहरी क्षेत्रों में उन्नत विद्युत	1.1. मॉनीटर किए गए शहरी फीडरों से	4:25

[144] *माप के अभाव में वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते*

[145] *ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा निर्भरता को मापने के लिए इस स्कीम के अंतर्गत रिंग-फैंसिंग और बेसलाइनिंग नहीं किया गया है। माप के अभाव में वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	और वितरण अवसंरचना	ट्रांसफार्मर (शहरों में) कवर किए गए हैं		विश्वसनीयता[152]	संबंधित वार्षिक औसत मासिक आउटेज के घंटे (घंटों/माह में)	
		1.2. उपभोक्ता मीटर संस्थापना (संख्या में)	20,00,000			
		1.3. एचटी लाइन जोड़ी गई है (सर्किट किमी में)।	2,000			
		1.4. वितरण ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि। (एमवीए)	200			
	2. आईपीडीएस परियोजनाएं प्रदान करना तथा उन परियोजनाओं का पूरा किया जाना[146]	2.1. आईटी फेज 2 (संचयी) के अंतर्गत आईपीडीएस सर्किलों को पूरा करना	515			
	3. नगरों में गो-लाइव होना	3.1. गो-लाइव नगरों की संख्या (संचयी)	900	2. एटीएंडसी हानियों में कमी [147]	2.1. शहरों की संख्या में वृद्धि जहां आधार स्तर के संबंध में एटीएंडसी हानियों में सुधार हूआ है (%)	2
	4. राष्ट्रीय विद्युत पोर्टल के माध्यम से ऊर्जा आंकड़ों की आरएपीडीआरपी निगरानी	4.1. राष्ट्रीय विद्युत पोर्टल के माध्यम से निगरानी की जा रही अतिरिक्त फीडरों की संख्या	600			

[146] *सीईए/एनआईसी द्वारा एनपीपी पर पैरामीटरों की निगरानी की जाती है*

[147] *31 मार्च के आधार पर, 67.4% (अर्थात् 62.4+5) नगरों की संख्या 20 होगी जहां बेलाइन के संबंध में एटीएंडसी हानियां घटी हैं*

3. विद्युत प्रणाली का सुदृढ़ीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1843	**क. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम राज्यों में पारेषण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण**					
	1. पैकेज अवार्ड करना तथा उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किए गए पैकेजों की संख्या	7[148]	1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण क्षमता में सुधार	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में हुई वृद्धि। (एमवीए में)	599
		1.2. अवार्ड किए गए पैकेजों की प्रगति की प्रतिशतता	70			
	ख. अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्यों में विद्युत प्रणाली में सुधार-एनईआरएसआईपी।					
	1. पैकेज अवार्ड करना तथा उनका कार्यान्वयन	1.1. अवार्ड किए गए पैकेजों की प्रगति की प्रतिशतता	65[149]	1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण क्षमता में सुधार	1.1. क्षेत्र में विद्युत पारेषण में हुई वृद्धि। (एमवीए में)	1,375
	ग. स्मार्ट ग्रिड					
	1. स्मार्ट ग्रिड रेडिनैस-सैल्फ एसेसमेंट टूल	1.1. यूटिलिटियों का मूल्यांकन	10	1. प्रायोगिक परियोजनाओं और ज्ञान प्रसार से सीखना (स्मार्ट ग्रिड को अपनाना तथा जागरूकता)	1.1. कार्यशाला (कुल आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	4
	2. स्मार्ट ग्रिड परियोजनाएं प्रदान करना	2.1. लैटर ऑफ अवार्ड	3	2. स्मार्ट ग्रिड तैनाती में प्रशिक्षित पेशेवर	2.1. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	10
				3. फील्ड में स्मार्ट मीटर लगाना	3.1.परिनियोजित परियोजनाओं की संख्या	2
	घ. हरित ऊर्जा कोरिडोर (जीईसी)					
	1. हरित ऊर्जा कोरिडोर का निर्माण	1.1. वित्तीय वर्ष के दौरान संस्थापित आरईएमसी केन्द्रों की संख्या[150]	3[151]	1. नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी तथा प्रबंधन में सुधार	1.1. हरित ऊर्जा कोरिडोर के माध्यम से ग्रिड में निर्यात की गई आरई	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए

[148] *सभी 55 पैकेजों को पहले ही अवार्ड किया जा चुका है। कुल 36 स्वीकृत पैकेजों में से सभी पैकेज अवार्ड किए जा चुके हैं। तथापि, स्कीम में आरसीई के लिए प्रस्ताव है तथा आरसीई में 7 अतिरिक्त पैकेज परिकल्पित हैं*

[149] *स्वीकृत लागत के अनुसार संचयी प्रतिशत प्रगति*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					यूनिटें (जीडब्ल्यूएच/वर्ष में) अथवा नवीकरणीय ऊर्जा (जीडब्ल्यू में) के निकासी हेतु क्षमता निर्माण	जा सकते[151]
					1.2. नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों का औसत क्षमता उपयोग कारक (सीयूएफ)(आरईएमसी/ जीईसी से जुड़ा हुआ	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते[151]

4. विद्युत प्रणाली विकास निधि (पीएसडीएफ) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
574.16	1. परियोजना निष्पादन एवं चालू करना	1.1. अवार्ड की गई परियोजनाएं	25	1. निधियों की उपयोगिता में सुधार	1.1. स्वीकृत राशि का प्रतिशत अथवा कुल स्वीकृत राशि (करोड़ रुपये में)	600
		1.2. पूरी की गई परियोजनाएं	8		1.2. उपयोग की गई निधि की राशि/प्रतिशत (करोड़ रुपये में)	1,489

[150] *पॉवर ग्रिड जीईसी परियोजना के केवल राज्य भाग को लागू कर रहा है जो केएफडब्ल्यू (जर्मन बैंक) द्वारा वित्त पोषित है और इस तरह यह केंद्र प्रायोजित / केंद्रीय सरकार योजना नहीं है।*

[151] *11 में से 8 आरईएमसी को चालू किया गया है और शेष 3 को जनवरी, 2020 तक कार्यान्वित किया जाना है। दक्षिण अण्डमान में एक ईएमसी (दिसम्बर, 2019 में अवार्ड किया गया) पूरा होने की संभावित तिथि-फरवरी, 2021 है। तेलंगाना में एक आरईएमसी- बोली की प्रक्रिया प्रगति पर है। पूरा होने की संभावित तिथि (अवार्ड की तिथि से 15 माह है)*

रेल मंत्रालय[152] **मांग सं. 83**

1. **नई लाइनें (निर्माण) (सीएस)**
2. **आमान परिवर्तन (सीएस)**
3. **लाइन दोहरीकरण (सीएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
14950.00	1. नई लाइनों के निर्माण, आमान परिवर्तन और लाइन दोहरीकरण की उच्च गति	1.1 नई लाइनों का निर्माण (किमी)।	500	1. असंबद्ध मार्गों विशेष रूप से एलड्ब्ल्यूई जिलों, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिलों, जनजातीय क्षेत्रों, आदि में अधिक से अधिक पहुंच	1.1. नई लाइन के निर्माण के फलस्वरूप रेलवे से जुड़े स्थान (लास्ट माइल कनेक्टिविटी मानक मानते हुए)	32[153]
		1.2 आमान परिवर्तन (किमी) कार्यों की कुल लंबाई	600			
		1.3 पूरा किए गए लाइन दोहरीकरण (किमी) की कुल लंबाई.	2,650	2. बेहतर संरक्षा और थ्रूपुट के साथ -साथ भीड़भाड़ वाले मार्गों पर अधिक माल यातायात सेवाएं	2.1. भीड़भाड़ वाले मार्गों पर यात्री थ्रूपुट (यात्री किमी) में वृद्धि	0.9%
					2.2. भीड़भाड़ वाले मार्गों पर माल यातायात थ्रूपुट (शुद्ध टन किमी) में वृद्धि	2.5%

[152] *दर्शाए गए आबंटन जीबीएस से हैं, इसके अतिरिक्त आवश्यकताओं के अनुसार ईबीआर जुटाया जाएगा।*

[153] *2020-21 - 16 नई लाइन के निर्माण*

4. विद्युतीकरण परियोजनाएं[154] *(सीएस)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1.00	1. रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण	1.1. विद्युत कर्षण पर शुरू किए गए अतिरिक्त रेलमार्ग (किमी)	6,000	1. आयातित ईंधन अर्थात डीजल तेल पर निर्भरता में कमी	1.1. भारतीय रेल में कर्षण प्रयोजनों के लिए डीजल की खपत में कमी का प्रतिशत (%)	8%

5. सिग्नलिंग और दूरसंचार *(सीएस)*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1650.00	1. सिगनल बदलने का कार्य	1.1. स्टेशनों की संख्या जहां आधुनिक सिगनल व्यवस्था का कार्य शुरू किया गया है	310	1. उन स्टेशनों पर, जहां सिगनल बदलने का कार्य किया गया है, संरक्षा बढ़ गई है।	1.1 सिगनल की विफलताओं के कारण उत्पन्न होने वाले असुरक्षित कार्य संचालन घटनाओं की संख्या	0[155]
	2. समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग	2.1. उन समपार फाटकों की संख्या जहां इंटरलॉकिंग का कार्य शुरू किया गया है	250	2. वे समपार जहां समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग कर दी गई है, पर संरक्षा बढ़ गई है।	1.2 उन गेटों पर हुई दुर्घटनाओं की संख्या जहां समपार फाटकों की इन्टरलॉकिंग की गई है	0[155]

[154] *इस मद के लिए बजटीय आवंटन रु.1 करोड़; शेष ईबीआर के माध्यम से*

[155] *रेलवे की दुर्घटनाओं तथा असुरक्षित कार्यप्रणाली के प्रति शून्य सहनशीलता है इसलिए इसका लक्ष्य शून्य रखा गया है।*

6. रेलपथ नवीकरण (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
10599.47	1. नवीकृत रेलपथों की अधिक लम्बाई	1.1 नवीकृत रेलपथों की कुल लम्बाई (कि.मी.)	4,000	1. रेलपथ नवीकरण के चल रहे कार्यों की संख्या में कमी	1.1 रेलपथ नवीकरण से संबंधित सभी स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार पूरा किया जा रहा है	2 से 3 वर्षों के भीतर[156]

7. सड़क सुरक्षा कार्य - समपार एवं ऊपरी/निचले सड़क पुल (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
5050.01	1. आरओबी का निर्माण	1.1. निर्मित आरओबी/आरयूबी की संख्या	1,400	1. संरक्षा में वृद्धि	1.1. समपारों पर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी का प्रतिशत	0[157]

[156] *सभी स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है।*

[157] *रेलवे ने दुर्घटनाओं एवं असुरक्षित कार्यप्रणाली के लिए जीरो टॉलरेन्स रखा है इसलिए इसका लक्ष्य जीरो रखा गया है।*

8. चल स्टॉक (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
5786.97	1. प्रत्येक किस्म के चल स्टॉक की खरीद	1.1 परिचालित विद्युत रेलइंजनों की संख्या	725	1. माल यातायात और यात्री सेवाओं के थ्रूपुट में वृद्धि	1.1 यात्री थ्रुपूट में वृद्धि (पीकेएम)	0.9%
		1.2 परिचालित एलएचबी सवारी डिब्बों की संख्या	4,079		1.2 माल यातायात थ्रुपूट में वृद्धि (शुद्ध टन किमी)	2.5%
		1.3 परिचालित आईसीएफ सवारी डिब्बों की संख्या				
		1.4 परिचालित रेलपथ मशीनों की संख्या	80			

9. यातायात सुविधाएं- यार्ड के ढांचे में परिवर्तन और अन्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1225.00	1. निर्माण कार्यों का विस्तृत कार्य क्षेत्र	1.1 शुरु किए गए कार्यों की संख्या	97	1. उन मार्गों, जहां यार्ड का पुनर्निर्माण किया गया है सहित बेहतर यात्री और माल यातायात थ्रूपुट	1.1 भीड़-भाड़ वाले मार्गों पर यात्री थ्रूपुट (यात्री किमी) में वृद्धि	0.05%
					1.2 भीड़-भाड़ वाले मार्गों पर माल यातायात थ्रूपुट (शुद्ध टन किमी) में वृद्धि	2.4%

10. उत्पादन इकाइयों (सीएस) सहित कारखानें

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2052.00	1. परियोजनाओं को तेजी से शुरू किया गया।	1.1. चालू हो गई परियोजनाओं की संख्या	70	1. कारखानों/उत्पादन इकाइयों में स्टॉक-वार आउटटर्न	1.1. पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में कारखानों/उत्पादन इकाइयों में आउटटर्न में वृद्धि	5%[158]

11. मशीनरी और संयंत्र (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
624.00	1. नई मशीनरी और संयंत्र प्रतिष्ठानों का प्रतिस्थापन	1.1. मशीनरी और संयंत्र का प्रतिस्थापन आधार पर कुल मूल्य	125	1. कारखानों और उत्पादन इकाइयों में रेलवे परिसंपत्तियों का समयोचित और कुशल अनुरक्षण	1.1. चालू वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में कारखानों/उत्पादन इकाइयों में आउटटर्न में वृद्धि	5%[158]
		1.2. अतिरिक्त खरीदारियों का कुल मूल्य।	225			

[158] *पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन इकाइयों के लिए % सुधार: कोच - 15.3%; रेल इंजन - 4.3%*

12. यात्री सुविधाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2725.63	1. बेहतर यात्री सुविधाओं का सृजन	1.1. स्टेशनों का उन्नयन	2	1. बेहतर यात्री संतुष्टि सूचकांक	1.1. यात्री संतुष्टि सूचकांक	80%
		1.2. फुट ओवर ब्रिजों की संख्या	265			

13. महानगर परिवहन परियोजनाएं (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1400.00	1. उप-नगरीय रेल का अधिक से अधिक उपयोग	1.1. शुरू किए गए महानगरीय नई लाइन निर्माण कार्यों की लंबाई (कि.मी.)	11	1. इन परियोजनाओं की वजह से यात्री थ्रूपुट में वृद्धि हुई	1.1. हासिल किए गए कुल उपनगरीय यात्री मार्ग (कि.मी.)	1,63,008

14. पुल निर्माण कार्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
777.00	1. पुल संबंधी निर्माण कार्यों में तेज़ी	1.1. शुरू किए गए पुल संबंधी निर्माण कार्यों की संख्या।	1,000	1. बेहतर औसत गति	1.1. वार्षिक रुप से हटाए गए गति प्रतिबंधों की संख्या	16

15. कर्षण वितरण कार्य (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
0.00	1. कर्षण वितरण कार्यों के निष्पादन की गति में वृद्धि	1.1. गतायु परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन।	10%	1. कर्षण वितरण कार्यों के रखरखाव और मरम्मत के लिए समय से प्रतिस्थापन	1.1. कर्षण वितरण उपस्करों की खराबी प्रति 1000 रेलपथ किमी	14%

1. सड़क स्कंध[159] (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
91277.45	1. देश भर में बढ़ा हुआ सड़क नेटवर्क (भारतमाला, एनएचआईआईपी, एसएआरडीपी - एनई के लिए प्रमुख योजनावार जिसमें वीआरसी, एनएच (मूल), ईएपी सहित अरुणाचल प्रदेश, एलडब्ल्यूई शामिल हैं)	1.1. वास्तविक प्रगति (किमी में)	11,000	1. सड़क नेटवर्क पर यातायात का समान और कुशल यातायात गमन।	1.1. एनएच की कुल लंबाई में एसएल / आईएल एनएच लंबाई का अनुपात	<10%[160]
		1.2. एनएचडीपी की चालू परियोजनाएँ सहित भारतमाला (किमी में)	4,000			
		1.3. राष्ट्रीय राजमार्ग (मूल) (किमी में)	6,345			
		1.4. एसएआरडीपी-एनई (किमी में)	400			
		1.5. वामपंथी उग्रवाद (किमी में)	100			
		1.6. वीआरसी (किमी में)	05			
		1.7. ईएपी (किमी में)	150			
		1.8. वास्तविक प्रगति (लेन -किमी में)	32,000			
		1.9. एनएचडीपी की चालू परियोजनाएँ सहित भारतमाला (लेन -किमी में)	16,000			
		1.10. राष्ट्रीय राजमार्ग (ओ) (लेन -किमी में)	14,640			
		1.11. एसएआरडीपी-एनई (लेन -किमी में)	800			
		1.12. वामपंथी उग्रवाद (लेन -किमी में)	200			
		1.13. वीआरसी (लेन -किमी में)	10			
		1.14. ईएपी (लेन -किमी में)	350			

[159] *पीबीएफएफ से नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, रोड वर्क्स और वर्क्स फाइनेंस शामिल हैं*

[160] *वर्ष 2022 तक एसएल / आईएल एनएच लंबाई को कुल एनएच लंबाई के 10% से कम करना।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.15. अधिनिर्णीत परियोजनाएँ लंबाई के आधार पर (किमी)	10,000	2. समग्र सड़क स्थिति में सुधार।	2.1 नएच लंबाई पर चलने वाले आरओएमडीएस इत्यादि	75,000[161]
	2. सड़क नेटवर्क की बेहतर गुणवत्ता और अनुरक्षण	2.1. पूरे किए जा चुके सड़क नेटवर्क में प्रौद्योगिकी उपयोग (आरओएमडीएस या समकक्ष प्रौद्योगिकी) (किमी)	25,000	3. पिछड़े क्षेत्रों के साथ सड़क संपर्क स्थापित करना। उत्तराखंड राज्य में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री के लिए सभी मौसम में कार्य करने वाली बेहतर संपर्कता।	3.1 चिह्नित जिलों को जोड़ने वाली विकसित परियोजनाएं (किमी में)	16,000[162]
		3.1. अनुरक्षण के तहत सड़क नेटवर्क (आवधिक नवीकरण / आईआरक्यूपी) (किमी)	2,000			
	3. पिछड़े जिलों में बेहतर संपर्कता	3.1. जोड़े गए जिलों की संख्या (115 + 9 में से)	10	4. यात्रियों के लिए मार्गस्थ सुविधाओं में सुधार और प्रावधान/ स्वच्छ भारत	4.1 धार्मिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली परियोजनाएं (किमी में) विकसित हुई हैं	889[163]
		3.2. ऐसे जिलों को जोड़ने वाली परियोजनाओं की लंबाई (किलोमीटर में)	400			
	4. धार्मिक क्षेत्रों में बेहतर संपर्कता	4.1. चार धाम : - अधिनिर्णीत परियोजनाओं की लंबाई (किमी में);	150	5. टोल प्लाजा में भीड़भाड़/ प्रतीक्षा समय को कम करना	5.1 औसत प्रतीक्षा समय में कमी (मिनटों में)	3[164]
		4.2. पूरी की गयी लंबाई (किलोमीटर में);	450			

[161] *वर्ष 2022 तक कम से कम 75,000 किमी की पूरी तरह से संपन्न सड़क परियोजना पर आरओएमडीएस, आदि*

[162] *16,000 किमी की कुल लंबाई के लिए वर्ष 2021-22 तक 124 जिलों को जोड़ा जाना है। सामाजिक आर्थिक विकास और भारत की मुख्यधारा के साथ एकीकरण के लिए पिछड़े, वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों को संपर्कता प्रदान करना।*

[163] *The total length of 889 km to be developed by March, 2023.*

[164] *(i) वर्ष 2021-22 तक 183 नग मार्गस्थ सुविधाएं;*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	5. यात्रियों के लिए मार्गस्थ सुविधाओं / यात्री सुविधाओं का विकास/स्वच्छ भारत	5.1. विकसित मार्गस्थ सुविधाओं की संख्या	20	6. जीबीएस के अलावा अन्य वैकल्पिक वित्तीय संसाधन जुटाना	6.1 मार्गस्थ सुविधाएं (नग)	183[165]
	6. स्वच्छ भारत के तहत पहलें : -	6.1. टोल प्लाजाओं में विकसित किए गए शौचालय ब्लॉक की कुल संख्या ;	100	7. जीबीएस के अलावा अन्य वैकल्पिक वित्तीय संसाधनों का जुटान	7.1. विकसित राष्ट्रीय राजमार्गों के मुद्रीकरण से राजस्व में वृद्धि (रु. करोड़ में)	34,000[166]
		6.2. दिव्यांगों के लिए विकसित कुल शौचालय ब्लॉक	50			
	7. इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण को सक्षम करना	7.1. दोनों ओर कम से कम एक लेन पर ई-टोलिंग तकनीक वाले टोल प्लाजा की संख्या	100%	8. एनएच पर पुराने और जीर्ण पुलों का पुनर्वास/ पुनर्निर्माण	8.1. चिन्हित संकटग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण / पुनर्वास	137[167]
		7.2. जारी किए गए आरएफआईडी टैग (लाख में)।	50			
	8.सड़क सुरक्षा	8.1. सुधार किए गए ब्लैक स्पॉटों की संख्या	150			
	9. सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) निम्नलिखित	9.1. बीओटी (टोल) परियोजनाएं (करोड़ रुपये)	5,400			
		9.2. बीओटी (एन्युटी परियोजनाएं) करोड़ रुपये	1,000			

[165] *औसत प्रतीक्षा समय को अधिकतम 15 मिनट से कम कर 3 मिनट करना।*

[166] *वर्ष 2021-22 तक 34,000 करोड़ रुपये।*

[167] *सभी चिन्हित 137 नग संकटग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण / पुनर्वास कार्य वर्ष 2021-22 तक पुरा किया जाना है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	श्रेणियों के अंतर्गत पीपीपी परियोजनाओं के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग के विकास में रियायतग्राहियों द्वारा निवेश की गई राशि: -	9.3. हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) परियोजनाएं करोड़ रुपये	20,000			
	10. विकसित राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों का मुद्रीकरण	10.1. विकसित राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के मुद्रीकरण से एकत्रित धनराशि करोड़ रुपये	11,000	9. आरओबी द्वारा लेवल क्रॉसिंग का प्रतिस्थापन	9.1 एनएच पर आरओबी / आरयूबी का निर्माण	104[168]
	11. पुल और मार्गाधिकार का निर्माण कार्य	11.1. निर्मित / उन्नत किए गए पुलों की संख्या	70			

[168] *एनएच पर 208 आरओबी / आरयूबी का 50% का निर्माण 2021-22 तक पूरा किया जाना है।*

ग्रामीण विकास विभाग

1. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (आईजीएनओएपीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
6259.08	10. लाभार्थियों को शामिल करना	10.1. शामिल किए गए लाभार्थियों की सं. (लाख में)	221	1. समाज के निर्धन वर्ग में से निर्धनतम व्यक्ति को सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना	1.1. आधार लिंकेज के साथ पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	90.49%[169]

2. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम: राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना (एनएफबीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
622.70	1. लाभार्थियों को शामिल करना	10.2. शामिल किए गए लाभार्थियों की सं. (लाख में)	3.59	1. समाज के निर्धन वर्ग में से निर्धनतम व्यक्ति को सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना	1.1. आधार लिंकेज के साथ पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	89.97%[170]

[169] *लक्ष्य (संख्या में) 200 लाख लाभार्थियों है*

[170] *लक्ष्य (संख्या में) 3.23 लाख लाभार्थियों है*

3. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (आईजीएनडब्ल्यूपीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1938.79	11. लाभार्थियों को शामिल करना	1.1. शामिल किए गए लाभार्थियों की सं. (लाख में)	65.72	1. समाज के निर्धन वर्ग में से निर्धनतम व्यक्ति को सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना	1.1. आधार लिंकेज के साथ पात्र लाभार्थियों का प्रतिशत	89.77%[171]

4. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (एमजीएनआरईजीए) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21[172]	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21[173]
61500.00	1. रोजगार सुधारित संस्थात्मक क्षमता उपलब्ध कराना और स्थायी परिसंपत्तियों का सृजन	1.1 सृजित श्रम दिवसों की सं. (करोड़ में)	270	1. सामाजिक रूप से वंचित समूहों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना, ग्रामीण परिसंपत्तियों का सृजन तथा सशक्तिकरण करना	1.1. लघु सिंचाई कार्य (लाख में)	1.55
		1.2 वर्ष के दौरान सृजित की जाने वाली परिसंपत्तियों की कुल सं. (लाख में)	75		1.2. वनीकरण कार्य (सं. लाख में)	0.40
					1.3. जल निकायों का सृजन/पुनरूद्धार (सं. लाख में)	1.27
					1.4. महिलाओं की भागीदारी (%)	54.57%
	2. नए कार्यों से संबंधित कार्यक्रमों की शुरूआत	2.1. वर्ष के दौरान मनरेगा के अंतर्गत पंजीकृत किए जाने वाले नए कार्यों की सं. (लाख में)	123.94		1.5 अ.जा. की भागीदारी (%)	20.73%
					1.6 अ.ज.जा. की भागीदारी (%)	17.42%

[171] *लक्ष्य (संख्या में) 59 लाख लाभार्थियों है*

[172] *पिछले 5 वर्षों की उपलब्धियों के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किया जा सकता है*

[173] *पिछले 5 वर्षों की उपलब्धियों के आधार पर लक्ष्य निर्धारित किया जा सकता है*

5. प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
19500.00	1. गुणवत्तापूर्ण बारहमासी सड़कों की उपलब्धता और उनका रख-रखाव	1.1 जोड़ी गई सड़क लंबाई (किमी)	42,000	1. पात्र बसावटों के लिए बारहमासी सड़क संपर्क की उपलब्धता उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और आवागमन के लिए संपर्क का साधन है	1.1. सड़कों से जोड़े गए पात्र बसावटों का प्रतिशत पात्र बसावटों की संख्या के संदर्भ में (वर्ष 2001 की जनगणना: 178184)	100%[174]
		1.2 एनक्यूएम द्वारा कार्यों का निरीक्षण	9,000			
		1.3 पूरे किए गए कार्य असंतोषजनक पाए गए (एनक्यूएम द्वारा निरीक्षण, पिछले 03 वर्षों का औसत)	<4%			
		1.4 रखरखाव कार्य असंतोषजनक पाए गए (एनक्यूएम द्वारा निरीक्षण, पिछले 03 वर्षों का औसत)	<15%			
		1.5 पंजीकृत शिकायतों में से मेरी सड़क एप्लिकेशन में आनुपातिक शिकायतें	100%	2. ग्रामीण सड़कों के निर्माण में टिकाऊ और हरित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल	2.1 हरित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए बनाई गई सड़कों की लंबाई (किमी. में)	12,000

[174] *1000 बस्तियों को संख्या में जोड़ा जाना है, जो पिछले वर्ष 2019-20 से अपूर्ण हैं*

6. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
9210.04	1. गरीब परिवारों की सामाजिक एकजुटता और संस्था निर्माण	1.1 एसएचजी में एकजुट हुए परिवारों की सं. (लाख में)	85	1. कौशल विकास, ऋण अदायगी, मार्केटिंग और अन्य आजीविका सेवाओं द्वारा निर्धनों को सतत आजीविका	1.1 सहायता प्राप्त उत्पादक/किसान संगठनों के अंतर्गत शामिल महिला उत्पादकों की सं. (लाख)	1.5
		1.2 बढ़ावा दिए गए मुख्य रूप से अजा/अजजा अल्पसंख्यक परिवारों की सं. (लाख में)	7.5			
	2. एसएचजी का वित्तीय समावेशन	2.1 सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) प्राप्त करने वाले एसएचजी की सं. (लाख में)	4		1.2 बैंक ऋण पाने वाले एसएचजी की सं. (लाख)	32
		2.2 एसएचजी द्वारा पहुंची बैंक ऋण की राशि (करोड़ रुपये में)	72,000		1.3 डीडीयू-जीकेवाई के अंतर्गत नियोजित अभ्यर्थी (लाख में)	2.1
	3. कौशल प्रशिक्षण और नियोजन	3.1 डीडीयू-जीकेवाई के अंतर्गत प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की सं. (लाख में)	3		1.4 आरएसईटीआई के अंतर्गत रोजगार प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की सं. (लाख में)	3
		3.2 आरएसईटीआई के अंतर्गत प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की सं. (लाख में)	4.30			

7. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
600.00	1. इंटिग्रेटेड क्लस्टर ऐक्शन प्लान (आईसीएपी) का अनुमोदन	1.1 राज्यों से एकजुट किए गए आईसीएपी की सं.	11	1. रूर्बन क्लस्टर का विकास	1.1 100 अग्रणी क्लस्टर में डीपीआर में प्रस्तावित कार्यों का पूरा करना	80%
	2. विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अनुमोदन	2.1 राज्यों से एकजुट किए गए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्टों (डीपीआर) की सं.	60		1.2 शेष क्लस्टरों में, डीपीआर में प्रस्तावित कार्यों का पूरा करना	40%
	3. सीजीएफ की रिलीज तथा उपयोग	3.1 कुल रिलीज की गई सीजीएफ (रू. करोड़ में)	2,100[175]			
		3.2 उपयोग की गई कुल सीजीएफ (केंद्रीय + राज्य अंश) (कुल अनुमोदित सीजीएफ)(%)	40% (कम से कम)			

8. प्रधान मंत्री आवास योजना - ग्रामीण (पीएमएवाय) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
19500.00	1. पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्के मकानों का निर्माण	1.1 पूरी तरह निर्मित किए गए मकानों की सं. (शौचालय सहित) (लाख में)	70	1. बुनियादी सुविधाओं का उपयोग करते हुए गरिमापूर्ण जीवन जीने वाले अधिक परिवार	1.1. गुणवत्तापूर्ण मकान और बुनियादी सुविधाएं (बिजली कनेक्शन, स्वच्छ रसोई ईंधन और स्वच्छ पेयजल) पाने वाले परिवारों की सं. (लाख में)	70
		1.2 प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की सं.	50,000			

[175] *1200 करोड़ रू. (वि.व.2020-21 के लिए केंद्रीय अंश)। लगभग 900 करोड़ रू. (वि.व.2020-21 के लिए राज्य अंश)*

भूमि संसाधन विभाग

1. प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना का वाटरशेड विकास घटक (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2000.00	1. वर्षा जल का संरक्षण करना, सतह पर जल प्रवाह को कम करना और भू-जल पुनर्भरण	1.1. निर्माण / नवीकृत की गई जल संचयन संरचनाओं की संख्या (लाख में)	0.17	1. अधिक कृषि उपज	1.1. संरक्षणात्मक सिंचाई के तहत लाया गया अतिरिक्त क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	0.49
		1.2. पौध रोपण के तहत लाया गया क्षेत्र [वनीकरण/बागवानी आदि] (लाख हेक्टेयर में)	0.17	2. किसानों की आय में वृद्धि	2.1. लाभान्वित किसान की सं. (लाख में)	1.03
	2. कृषि योग्य बंजर भूमि का विकास	2.1. पूरी की गई वाटरशेड विकास परियोजनाओं में निरूपित कृषि योग्य बंजर भूमि का क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)	0.18	3. रोजगार में योगदान	3.1. सृजित श्रम दिवसों की संख्या (लाख श्रम दिवसों में)	24.23

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

1. एसएंडटी संस्थागत एवं मानव क्षमता निर्माण

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1162.50	1. इंस्पायर पुरस्कार प्रशिक्षुतावृत्ति,छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति के माध्यम से आरएंडडी,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सृजित नवप्रवर्तन के लिए आकर्षक अवसर	1.1. प्रकाशित इंस्पायर पुरस्कारों की सं.	1,00,000	1. जीवन के आरंभिक काल में प्रतिभा आकर्षित करना और युवा बुद्धि जीवियों को विज्ञान अभिग्रहण करने एवं अनुसंधान में करियर बनाने हेतु प्रशिक्षित करना	1.1. निर्मित नव प्रवर्तक उत्पादों एवं सेवाओं की सं.	60
		1.2. परवर्ती उत्पाद/प्रक्रिया विकास के लिए एनआईएफ द्वारा अभिग्रहित किए गए नव प्रर्वतक विचारों की सं.	60		1.2. एसएंडटी में पीजी/पीएचडी कर रहे इंस्पायर छात्रों की प्रतिशतता	33%
		1.3. इंस्पायर प्रशिक्षुतावृत्तिवि ज्ञान शिविर में भागीदारी का प्रस्ताव प्राप्त विधर्थियों की सं.	50,000			
		1.4. प्रस्तावित छात्रवृत्तियों की संख्या	12,000			
		1.5. प्रस्तावित अध्येतावृत्तियों की सं.	1,000			
		1.6. प्रस्तावित इंस्पायर संकाय पदों की संख्या	100			
	2. विज्ञान में महिलाओं के लिए किरण[176] कार्यक्रम: वैयक्तिक शोधसहायता,संस्थागतसहायता,प्रशिक्षण एवं क्षमतानिर्माण,सामाजिक विकास एवं गतिशीलता के जरिए एसएडंटी में	2.1. निम्नलिखित के तहत सहायता प्राप्त चालू अनुसंधान परियोजनाओं/अध्येतावृत्तियों की सं. डब्ल्यूओएस-ए	600	2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान करने हेतु महिलाओं की भागीदारी तथा योगदान में वृद्धि	2.1. डीएसटी द्वारा सहायता प्राप्त बहिष्प्राकार आरएंडडी परियोजनाओं में महिलाओं की भागीदारी	1,000
		2.2. निम्नलिखित के तहत सहायता प्राप्त चालू अनुसंधान परियोजनाओं/अध्येतावृत्तियों की सं.. डब्ल्यूओएस-बी	100		2.2. चालू वर्ष में विजेताओं द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिका) की संख्या	400

[176] *किरण : प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसंधान संवर्द्धन में ज्ञान की सहभागिता*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	महिला प्रतिभा को प्रोत्साहित करना	2.3. निम्नलिखित के तहत सहायता प्राप्त चालू अनुसंधान परियोजनाओं/अध्येतावृत्तियों की सं. डब्ल्यूओएस-सी	120		2.3. चालू वर्ष में अनुदान ग्राहियों द्वारा विकसित/ अंतरित/वाणिज्यीकृत उत्पादों, प्रक्रियाओं एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		2.4. निम्नलिखित के तहत सहायता प्राप्त चालू अनुसंधान परियोजनाओं/अध्येतावृत्तियों की सं.. गतिशीलता	5		2.4. किरण के तहत प्रशिक्षित महिला वैज्ञानिकों की सं.	120
		2.5. निम्नलिखित के तहत सहायता प्राप्त चालू अनुसंधान परियोजनाओं/अध्येतावृत्तियों की सं. स्टेम्म में महिलाओं के लिए भारतीय-अमेरिकी अध्येतावृत्ति(विस्टेम)	20			
	3. स्वर्णजयंती अध्येतावृत्ति : विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए उत्कृष्ट निष्पादन करने वाले युवा वैज्ञानिकों को सहायता	3.1. स्वर्ण जयंती अध्येतावृत्ति के अंतर्गत अधिनिर्णीत अध्येताओं द्वारा वर्तमान वर्ष में शुरू की गई चालू अनुसंधान	70	3. एसएंडटी में नवप्रर्वतक एवं प्रभावपूर्ण अनुसंधान	3.1. ऐसे पुरस्कार विजेता के अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिका) की संख्या, जिनकी परियोजना चालू वर्ष में पूरी हुई है	70
					3.2. चालू वर्ष के दौरान पूर्ण परियोजनाओं में प्रशिक्षित/ पीएचडी प्राप्त अनुसंधान कर्मियों की संख्या	12
					3.3. चालूवर्ष में पुरस्कार विजेताओं के पेंटेंटों (दाखिल/स्वीकृत) की संख्या	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. नीतिगत अनुसंधान प्रकोष्ठ (पीआरसी): एसटीआई नीतिगत क्षेत्र में कौशल विकास, विभिन्न ज्ञान संस्थओं में नीतिगत अनुसंधान और पूर्वानुमान अध्ययन आरंभ करना	4.1 पोस्ट-डॉक्टरल स्तर पर डीएसटी-एसटीआई अध्येतावृत्ति के अंतर्गत प्रदत्त अध्येतावृत्तियों की संख्या	15	4. नीतिगत अनुसंधान प्रकोष्ठ : एसटीआई नीतिगत क्षेत्र मे मानव संसाधन संवर्द्धन करना एवं ज्ञान आघार, प्रबुद्व मंडल और साक्ष्य आधारित नीतिनिर्माण, एसएंडटी ऑकड़े प्रबंधन, संकेतकों को सुदृढ करना तथा वैज्ञानिक जनशक्ति का क्षमता निर्माण	4.1 चालूवर्ष में डीएसटी-एसटीआई अध्येताओं द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों (सूची बद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	15
		4.2 पीआरसी द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की सं.	5		4.2 चालूवर्ष में एनएसटीएमआईएस के अंतर्गत रिपोर्ट/प्रकाशनों की संख्या	18
		4.3 एनएसटी एमआईएस के अंतर्गत कार्यशील और अभिनव अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या : अंतःप्रतिष्ठान एवं प्रायोजित	35			
		4.4 सरकारी क्षेत्र में कार्यकर रहे प्रशिक्षित वैज्ञानिकों एवं तकनीकी विदों की सं.	900			
		4.5 विदेश में प्रभावन दौरे में भाग ले चुके वैज्ञानिकों की संख्या	50			
	5. राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमःराज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद को सुदृढ करने के लिए सहायता	5.1 निमनिलिखित के अंतर्गत चालू वर्ष में राज्यों में सहायता प्राप्त कार्यशील परियोजनों/पहलों की सं. एसएंडटी अध्ययन एवं सर्वेक्षण	8	5. राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम : एसएंडटी में अनुसंधान एवं विकास में विभिन्न राज्यों की सहभागिता में वृद्धि हुई	5.1 एसएंडटी अध्ययनों एवं सर्वेक्षणों की संख्या	8
		5.2 निमनिलिखित के अंतर्गत चालू वर्ष में राज्यों में सहायता प्राप्त कार्यशील परियोजनों/पहलों की सं. स्थान विशिष्ट अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं प्रदर्शन	32		5.2 स्थान विशिष्ट अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी विकास एवं प्रदर्शन	32

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		5.3 निमनिलिखित के अंतर्गत चालू वर्ष में राज्यों में सहायता प्राप्त कार्यशील परियोजनों/पहलों की सं.: प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना	4		5.3 स्थापित किए गए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र की संख्या	4
		5.4 अन्य राज्यों में जिन सफलपरियोजनाओं/मॉडलों की प्रतिकृति बनाई गई उनकी संख्या	16		5.4 प्रशिक्षण/कार्यान्वयन/प्रदर्शन के बाद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का सफल उपयोग करने वाले लाभार्थियों की सं.	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
	6. महाविद्यालयों, शिक्षण एवं शैक्षणिक अनुसंधान संस्थाओं में आरएंडडी अवसंरचना सुदृढ करना : फिस्ट, सैफ, पर्स	6.1 फिस्ट, सैफ, पर्स, साथी के अंतर्गत चालू वर्ष में सहायता प्राप्त मौजूदा संस्थाओं की सं	640	6. शिक्षण एवं अनुसंधान गुणवत्ता में सुधार : फिस्ट[177], सैफ[178], पर्स[179]	6.1 चालूवर्ष में फिस्ट, सैफ, पर्स सहायता से प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की सं.	8,500
		6.2 फिस्ट, सैफ, पर्स, साथी के अंतर्गत चालू वर्ष में सहायता प्राप्त नई संस्थाओं की सं.[180]	105		6.2 उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का उपयोग करने वाले अनुसंधानकर्ताओं की संख्या	11,000
		6.3 फिस्ट, सैफ, पर्स के अंतर्गत चालू वर्ष में उपलब्ध कराए गए उपकरण/ संगणनात्मक / अवसंरचनात्मक सुविधाओं की सं.	850		6.3 सैफ, पर्स के अंतर्गत चालू वर्ष में सहायता प्राप्त संस्थओं में/द्वारा प्रशिक्षित (यूजी/पीजी/पीएचडी/संकाय) जनशक्ति की संख्या	1,000

[177] फिस्ट: एसएंडटी अवसंरचना में सुधार के लिए निधि

[178] सैफ: परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधाएं

[179] पर्स विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना

[180] *साथी: परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी सहायता संस्थान*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		6.4 चालू वर्ष में फिस्ट, सैफ, पर्स के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का उपयोग करते हुए आयोजित प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं की संख्या	12		6.4 पर्स के तहत अनुदान प्राप्त करने वाले सभी विश्वविद्यालयों में एच-सूची की दृष्टि से निष्पादन संवर्द्धन (प्रतिशित	34%
	7. सत्यमः संज्ञानात्मक कार्यशीलता के अतिरिक्त शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर योग एवं मनन के प्रभाव संबंधी अनुसंधान को सहायता	7.1 सत्यम[181] के अंतर्गत सहायता प्राप्त कार्यशील एवं नई अनुसंधान परियोजनाओं की सं.	35	7. विभिन्न रोगों के उपचार एवं जीवन स्तर सुधार के लिए योग एवं मनन के प्रभाव संबंधी अनुसंधान को बढाया गया	7.1 चालू वर्ष में सत्यम के अंतर्गत अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की सं.	10
	8. विभिन्न मनोवैज्ञानिक साघनों एवं बेटरी,आरंभिक निदान एवं बेहतर इलाज, सहायक प्रौद्योगिकी एवं पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से संज्ञानात्मक विकृतियों एवं सामाजिक मामलों से संबंधित चुनौतियों का बेहतर समाधान हुआ ।	8.1 सीएसआरआई: वैयक्तिक एवं बदुकेन्द्रित के तहत सहायता प्राप्त कार्यशील एवं नई अनुसंधान परियोजनाओं की सं.	105	8. विभिन्न मनोवैज्ञानिक साघनों एवं बेटरी,आरंभिक निदान एवं बेहतर इलाज, सहायक प्रौद्योगिकी एवं पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से संज्ञानात्मक	8.1 चालूवर्ष मे पुरस्कार विजेताओं द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की सं.	30
		8.2 सीएसआरआई के तहत प्रदत्त पोस्ट डॉक्टरल अध्येतावृत्तियों की सं.	15		8.2 चालूवर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा पेटेंटों (प्रस्तुत/स्वीकृत) की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		8.3 सीएसआरआई के तहत आयोजित सम्मेलनों/संगोष्ठी/संवाद/प्रशिक्षण कार्यकमों/कार्यशालाओं की सं	5		8.3 सीएसआरआई के तहत विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से प्रशिक्षित	50

[181] *सत्यम: योग एवं मनन विज्ञान और प्रौद्योगिकी*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				विकृतियों एवं सामाजिक मामलों से संबंधित चुनौतियों का बेहतर समाधान हुआ।	जनशक्तियों की सं.	

2. अनुसंधान एवं विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
718.00	1. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: आर एंड डी परियोजनाओं को सहायता, वैज्ञानिक आदान-प्रदान तथा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के	1.1. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए सहायता- प्रदत्त जारी एवं नई सहयोगात्मक अनुसंधान परियाजनाओं की संख्या।	370	1. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ज्ञानाधार को बढ़ाना।	1.1. वैज्ञानिक पत्रिकाओं की सूची में भारत की वैश्विक रैंकिग	3
		1.2. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए सहायता-प्रदत्त वैज्ञानिक आदान-प्रदानों की संख्या।	2,000		1.2. मौजूदा वर्ष में अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीवद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	600
		1.3. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग के जरिए प्रदत्त एवं सहयता-प्राप्त प्रशिक्षुतावृत्तियों, छात्रवृत्तियों तथा अध्येतावृत्तियों की संख्या	270		1.3. मौजूदा वर्ष में विकसित/अंतरित/वाणिज्यिकृत उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों की संख्या	20
		1.4. द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग	120		1.4. मौजूदा वर्ष में पुरस्कार	20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	जरिए क्षमता निर्माण।	के जरिए आयोजित सम्मेलनों/सेमिनारों/संगाष्ठियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं की संख्या			विजेताओं द्वारा (दाखिल/ प्रदत्त) पेटेंटों की संख्या	
					1.5. विभिन्न कार्यकलापों के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	200
	2. राष्ट्रीय नैनो विज्ञान तथा नैनो प्रौद्योगिकी मिशन: नैनो विज्ञान के आधारभूत पहलुओं पर अनुसंधन एवं विकास सहायता, जनशक्ति को प्रशिक्षण और उद्योग - शैक्षणिक जगत की भागीदारी	2.1. नैनो मिशन के अंतर्गत सहायता-प्रदत्त जारी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: व्यष्टिगत वैज्ञानिक-केंद्रिक परियोजनाएं,उद्योग-शैक्षणिक जगत की भागीदारी वाली परियोजनाएं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग 5परियोजनाएं।	100	2. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संवार्धित अनुसंधान एवं विकास।	2.1. मौजूदा वर्ष के दौरान पूरी की गई परियोजनाओं में अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की कुल संख्या।	80
		2.2. नैनो मिशन के अंतर्गत नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या: व्यष्टिगत वैज्ञानिक-केंद्रिक परियोजनाएं,उद्योग-शैक्षणिक जगत की भागीदारी वाली परियोजनाएं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परियोजनाएं।	40		2.2. विभिन्न परियोजनाओं में विकसित/अंतरित/वाणिज्यीकृत उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		2.3. सहायता-प्रदत्त नैनो विज्ञान इकाइयों/ सुविधा केंद्रों की संख्या	15		2.3. मौजूदा वर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा पेटेंटों की दाखिल/प्रदत्त) संख्या।	6
		2.4. नैनो मिशन के अंतर्गत प्रदत्त पोस्ट-डॉक्टरल अध्येतावृत्तियों की संख्या	15		2.4. नैनो मिशन के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलापों के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	15
		2.5. नैनो मिशन के अंतर्गत आयाजित सम्मेलनों/ सेमिनारों/ संगोष्ठियों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमो/ कार्यशालाओं की संख्या	5			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. मूलभूत अनुसंधान के लिए वृहत सुविधा केंद्रः राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण वृहत विज्ञान परियोजनाओं को सहायता	3.1. सहायताप्रदत्त जारी तथा नई वृहत विज्ञान परियोजनाओं की संख्या	13	3. भारत की विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना	3.1. मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	120
		3.2. वृहत विज्ञान परियोजनाओं में पी.एचडी. की संख्या	16		3.2. मौजूदा वर्ष के दौरान डिजाइन किए गए/प्रोटोटाइप/ विकसित किए गए संघटकों/प्रौद्योगिकियों की संख्या	5
		3.3. आयोजित सम्मेलनों/ सेमिनारों/ संगोष्ठियों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों /कार्यशालाओं की संख्या	2		3.3. विभिन्न कार्यकलापों के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	125
	4. जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमः एनएमएसए चई और एनएमएसके सीसी के जरिए जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में ज्ञान नेटवर्कों तथा मानव एवं संस्थागत दोनों क्षमताओं का	4.1 एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के जरिए सृजित ज्ञान नेटवर्क	1	4. अनुसंधान क्षमता, कार्यन्वयन, निगरानी तथा समन्वय तंत्रों में सुधार करके पारिस्थितिकीय रूप से संधारणीय विकास हेतु प्रबंधन उपाय करना।	4.1 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्याः ज्ञान नेटवर्क	15
		4.2 एनएमएसएचई और एनएमएसकेसीसी के अंतर्गत स्थापित केंद्रों की संख्या	1		4.2 मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्याः केंद्र	20
		4.3 जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहायताप्रदत्त अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	10		4.3 जलवायु परिवर्तन अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत मौजूदा वर्ष के दौरान अनुसंधान प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	5
		4.4 जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों के अंतर्गत सहायताप्रदत्त अध्येतावृत्तियों/ छात्रवृत्तियों/ प्रशिक्षुतावृत्तियों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता[180]		4.4 विभिन्न कार्यकलापों - अध्येतावृत्ति/ प्रशिक्षुतावृत्ति/ छात्रवृत्ति के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	विकास	4.5 जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में हितधारकों के लिए आयोजित सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं की संख्या	10		4.5 विभिन्न कार्यकलापों - सम्मेलन/ प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं के जरिए प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	100
	5. सुपर संगणना सुविधा केंद्र और क्षमता निर्माणः आरएंडडी संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा एनकेएन का प्रयोग करने वाले 1 मिलियन कोर क्लाउड में अवस्थित 70 सुपरकम्प्यूटरों को जोड़ने वाले ग्रिड को सहायता पहुंचाना	5.1 मौजूदा वर्ष के दौरान संस्थापित सुपरकम्प्यूटरों की संख्या (निर्माण/क्रय)	40	5. भारत की सुपर कम्प्यूटिंग क्षमताओं का निर्माण करके उसकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना।	5.1 एचपीसी प्रशिक्षित जनशक्ति (विषय-विशिष्ट/गैर-विषय विशिष्ट)	1,500
		5.2 सहायता प्रदत्त और चल रहे एचपीसी संबंधित कार्यकलापों की संख्याः अनुप्रयोजनों से संबंधित	6		5.2 ग्रिड में एचपीसी प्रयोक्ताओं की संख्या	500
		5.3 सहायता प्रदत्त और चल रहे एचपीसी संबंधित कार्यकलापों की संख्याः अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं	3			
		5.4 सहायता प्रदत्त और चल रहे एचपीसी संबंधित कार्यकलापों की संख्याः मानव संसाधन विकास पाठ्यक्रम	3			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	6. प्रौद्योगिकी संलयन और अनुप्रयोग अनुसंधान कार्यक्रम (टीएफऐआर: प्रमुख विषयगत क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना	6.1 4 थीम सीपीएसआरआई, डीएसआरआई, आईओटीआरआई और सीएसआरआई में चल रही और नई परियोजनाओं पीआई आधारित अनुसंधान की संख्या।	41	6. उभरती हुई प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना	6.1 शोध पत्र और प्रकाशन की संख्या	41
		6.2 7 विषयों, क्लस्टर, आईएसऐआरआई, इडीऐआरआई, आईएचडीएस, डीएसआरआई, आईओटीआरआई, सीएसआरआई पर क्लस्टर आधारित नेटवर्क प्रोग्रामों के माध्यम से संघ आधारित अनुसंधान पर चल रही संख्या	166	7. विकास प्रौद्योगिकी, प्रोटोटाइप और राष्ट्रीय प्राथमिकता से संबंधित अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करता है	7.1 राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए विकसित नई तकनीकों / एप्लिकेशन की संख्या	50
				8. उभरते क्षेत्रों में उच्च अंत शोधकर्ताओं के आधार, मानव संसाधन विकास (मानव संसाधन विकास) के करामाती	8.1 उत्पादित पीएचडी / पोस्ट-डॉक्स की संख्या	80
					8.2 शिक्षित प्रशिक्षकों की संख्या	100
					8.3 शैक्षणिक एजेंसी की संख्या का पोषण किया गया	200
				9. स्टार्टअप इकोसिस्टम की वृद्धि	9.1 स्टार्ट-अप की संख्या को इस योजना के तहत लाभ मिलता है	5

3. नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी विकास तथा परिनियोजन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1050.65	1. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रमः बेहतर वाणिज्यीकरण हेतु अवधारणा पत्र पर आधारित नई प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	120	1. पीओसी से विकसित अद्यतन प्रौद्योगिकियों का अधिक प्रयोग	1.1. प्रयोगशालाओं तथा मैदानों में विकसित/प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों/उपकरणों की संख्या	20
		1.2. प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सहायता-प्रदत्त जारी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	200	2. जिला/ ब्लॉक/ ग्राम पंचायतों में निर्णय लेने की प्रक्रिया में भू-स्थानिक आंकड़ों का अधिक प्रयोग हुआ	2.1. भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार हेतु शामिल की गई पंचायतों की संख्या	50
		1.3. एनआरडीएमएस-एनएसडीआई की वरीयताओं के अंतर्गत सहायता-प्रदत्त जारी तथा नई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	40	3. सीईआरआई के अंतर्गत विकसित अद्यतन प्रौद्योगिकियों का अधिक प्रयोग	3.1. प्रकाशनों (सूचीबद्ध पत्रिकाओं) की संख्या	200
		1.4. लाभान्वित जिलों/ ब्लॉकों/ ग्राम पंचायतों की संख्या	51		3.2. दाखिल पेटेंटों की संख्या	5
		1.5. सहायता-प्रदत्त भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग परियोजनाओं की संख्या	24		3.3. जांच बेडों तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शकों की संख्या	4
		1.6. स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान पहल के लिए जारी तथा नई परियोजनाओं की संख्या	110		3.4. प्रशिक्षित अनुसंधान अध्येताओं की संख्या	100
		1.7. अलग-अलग प्रोजेक्टों/ज्ञान नेटवर्कों/विषयगत/केन्द्रों/स्टेकधारक संघों आदि के माध्यम से जल प्रौद्योगिकी समाधानों के प्रयास के	120		3.5. विकसित प्रौद्योगिकियों की संख्या	5

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		लिए चालू और नए प्रोजेक्टों की संख्या				
	2. सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एस एण्ड टी कार्यक्रम: एस एण्ड टी जनशक्ति के लिए उच्च परिणामप्रद उद्यमिता को प्रोत्साहित और सुकर करना	2.1. चालू वर्ष में सहायता प्राप्त नए एवं मौजूदा प्रौद्योगिकी कार्य उद्भवकों ऐार अनुसंधान पार्कों की संख्या	60	4. स्टार्ट-अप्स/उद्यमिता के माध्यम से स्वदेशी उत्पाद/प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण में वृद्धि	4.1. चालू वर्ष में विकसित/अंतरित/वाणिज्यिकृत उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	360
		2.2. प्रारंभिक दशा में सहायता प्रदान किए गए उद्भवकों की संख्या	50		4.2. प्रारंभिक दशा में सहायता प्राप्त ऐसे स्टार्ट अप की संख्या जिन्हें चालू वर्ष में अगले स्तर पर सकारात्मक/वर्धमान होने के क्रम में रखा गया हो।	22
		2.3. एनएसटीईडीबी के अंतर्गत सहायित उद्यमियों की संख्या[182]	1,700		4.3. चालू वर्ष में पुरस्कार विजेताओं द्वारा पेटेंटों की (दाखिल/प्रदत्त) की संख्या।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता
		2.4. शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित उद्यमिता संबंधी जागरूकता शिविरों की संख्या	1,600		4.4. चालू वर्ष में पोषित, उद्भवित एवं परामर्शप्राप्त उद्यमियों की संख्या	1,600
		2.5. नए, चालू और परिपूर्ण प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमों और नवोन्मेषी विद्यार्थियों द्वारा चालित प्रोजेक्टों की संख्या	300		4.5. टीबीआई से सफलतापूर्वक श्रेणीबद्ध स्टार्ट-अप्स और आईईडीसी के प्रोजेक्टों की संख्या	150
		2.6. आयोजित हो चुके संकाय और उद्यमी विकास कार्यक्रमों की संख्या	100		4.6. प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या	4000

[182] *एनएसटीईडीबी: राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. एस एण्ड टी सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम: समाज के कमजोर वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लक्ष्य वाले कार्योन्मुख और स्थान विशिष्ट परियोजनाओं की सहायता	3.1. प्रत्येक लक्ष्य समूह के लिए सीड के अंतर्गत सहायित नए, चालू और पूर्ण हो चुके प्रोजेक्टों की संख्या: महिला, जनजातीय समूह, एससी एवं एसटी समुदाय, कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्र दिव्यांगजन और वृद्धजन	110	5. प्रधान रूप से समाज के लाभवंचित वर्गों और ग्रामीण समुदायों को सशक्त करने और उनके जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सम्यक पहल/पैकेज का विकास, प्रसार और अनुप्रयोग।	5.1. चालू वर्ष में विकसित/ अंतरित/ वाणिज्यीकृत/ प्रसारित प्रौद्योगिकियों की संख्या	75
		3.2. युवा वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों द्वारा शुरू किए गए नए, चालू और पूर्ण हो चुके सामाजिक रूप से प्रासंगिक कार्य अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	65		5.2. एसईईड के तहत निर्मित उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों से लाभान्वित विभिन्न समूहों में लाभार्थियों की संख्या	5,000
		3.3. आयोजित प्रशिक्षणों/निदर्शनों की संख्या[183]	50			
		3.4. ग्रामीण क्षेत्रों में सहायित मुख्य सहायता समूहों/एस एण्ड टी उप्रेरकों/ सक्रिय क्षेत्र प्रयोगशालाओं की संख्या	30			
	4. एस एण्ड टी सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम: देश भर में वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार के लिए विज्ञान संचार,	4.1. चालू वर्ष में आयोजित प्रसार क्रियाकलापों की संख्या	60	6. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नति के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना एवं वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना ताकि बुनियादी स्तर पर	6.1. अभिगम्य और अन्य क्रियाकलापों में विभिन्न प्रयोक्ता स्टेकधारकों की प्रगति/सहभागिता की संख्या	50,00,000
		4.2. आयोजित प्रशिक्षणों/ कार्यशालाओं की संख्या	50		6.2. चालू वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	1,200
		4.3. सहायित एस एण्ड टी संचार में नए, चालू और पूर्ण हो चुके प्रोजेक्टों की	50		6.3. चालू वर्ष में प्रकाशनों/ विकसित उपकरणों की	8

[183] *सीड के तहत विकसित तकनीकों का प्रदर्शन और क्षेत्र परीक्षण किया जाता है। उपयोगकर्ताओं का प्रशिक्षण आवश्यकतानुसार किया जाता है।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	लोकप्रियकरण और प्रसार क्रियाकलापों का समन्वय।	संख्या		शिक्षित रूप में निर्णय लेने में समर्थ हुआ जा सके।	संख्या	
	5. प्रदर्शनी एवं मेले:विभिन्न सूचना/प्रौद्योगिकी प्रसार प्रदर्शनियों एवं मेलों को संचालित करना	5.1. सम्मिलित प्रतिभागी/ संचालित प्रदशर्नियों एवं मेलों की संख्या	8	7. उद्योग द्वारा तकनीकी अनुसंधान केन्द्रों में विकसित प्रौद्योगिकियों का उन्नत अभिग्रहण	7.1 चालू वर्ष में वाणिज्यिकृत उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की संख्या	20
	6. औषध एवं भेषज अनुसंधान: औषध एवं भेषज में अनुसंधान एवं विकास को सहायता	6.1 चालू एवं नए सहयोगात्मक प्रोजेक्टों की संख्या	6		7.2 चालू वर्ष में टीआरसी द्वारा पेटेंटों (दर्ज/स्वीकृत) की संख्या	25
		6.2 इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्थापित सुविधा केंद्रों की संख्या	14			
	7. तकनीकी अनुसंधान केन्द्र : तकनीकी अनुसंधान केन्द्रों में अनुसंधान एवं विकास सहायता	7.1 तकनीकी अनुसंधान केन्द्रों में शुरू किए गए चालू और नए अंतरणीय अनुसंधान प्रोजेक्टों की संख्या	68			
		7.2 उद्भवित किए गए स्टार्ट-अप्स की संख्या	4			
		7.3 चालू वर्ष में विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों की संख्या	6			

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

1. जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान तथा विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1580.00	**अनुसंधान एवं विकास**					
	1. आधुनिक जीव विज्ञान, जैव प्रणालिया और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग, नैनो-जैवप्रौद्योगिकी, अनुवांशिक अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकिया और जैव सूचना विज्ञान में मूल अनुसंधान: ज्ञान सृजन तथा खोज अनुसंधान, नए उपकरण तथा प्रौद्योगिकिया	1.1. जारी समर्थित परियोजनाओं की संख्या	274	1. आधुनिक जीव विज्ञान, जैव प्रणालिया और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग, नैनो-जैवप्रौद्योगिकी, अनुवांशिक अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकीयां और जैव सूचना विज्ञान में मूल अनुसंधान: विज्ञान में उन्नत अनुसंधान और नवाचार	1.1. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित की गई जनशक्ति	592
		1.2. आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण की संख्या	120		1.2. प्रकाशनों की संख्या	215
		1.3. समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	20		1.3. दायर किए गए पेटेंट की संख्या	8
					1.4. विकसित/अंतरित/व्यावसायी कृत प्रौद्योगिकियों/ सॉफ्टवेयर/डेटाबेस की संख्या	5
	2. चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी: आधुनिक जीव विज्ञान में अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए अग्रणी अनुसंधान तथा	2.1 जारी परियोजनाओं की संख्या	550	2. चिकित्सा जीवविज्ञान: चिकित्सा जीव विज्ञान के क्षेत्रों में उन्नतियां	2.1. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	1,110
		2.2 समर्थित नई परियोजनाओं की संख्या	50		2.2. कुल प्रकाशनों की संख्या	468
		2.3 आयोजित कार्यशाला/प्रशिक्षण की संख्या	24		2.3. दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	17

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	नवाचार का समर्थन	2.4 नई स्थापित सुविधाओं की संख्या	11		2.4. विकसित/अंतरित/व्यवसायीकृत प्रक्रिया/उत्पाद/प्रौद्योगिकी की संख्या	27
		2.5 जारी उद्योग-अकादमिक सहयोगी परियोजनाओं की संख्या	16			
	3. जैव संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा तथा पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी: क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास का समर्थन	3.1 जारी परियोजनाओं की संख्या	190	3. जैव संसाधन, स्वच्छ ऊर्जा तथा पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी: क्षमता निर्माण और वैज्ञानिक प्रगति	3.1. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	600
		3.2 समर्थित नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, नेटवर्क कार्यक्रमों, प्लेटफार्मों, सुविधाओं की संख्या	80		3.2. प्रकाशनों की संख्या	300
		3.3 आयोजित की गई संगोष्ठी/मंथन/प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला की संख्या	45		3.3. दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	15
					3.4. विकसित अनुसंधानों सूत्रों की संख्या (किस्में/नस्लें/प्रौद्योगिकियाँ/उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	20
					3.5. अंतरित या व्यावसायिकीकृत अनुसंधान सूत्रों की संख्या (किस्में/नस्लें/प्रौद्योगिकियाँ/उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	5
	4. कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: अनुसंधान और विकास वैज्ञानिक प्रगति का समर्थन	4.1 जारी परियोजनाओं की संख्या	285	4. कृषि जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्र: क्षमता निर्माण फसल और पशुधन	4.1. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	475
		4.2 समर्थित नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, नेटवर्क कार्यक्रमों, प्लेटफार्मों, सुविधाओं की संख्या	67		4.2. प्रकाशनों की संख्या	240

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		4.3 आयोजित की गई संगोष्ठी/मंथन/प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशालाओं की सं.	11	उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का विकास करना	4.3. दायर किए गए पेटेंटों की संख्या	2
					4.4. विकसित अनुसंधान सूत्रों की संख्या (किस्में/नस्लें/ प्रौद्योगिकियाँ/उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	9
					4.5. अंतरित या व्यावसायिकृत अनुसंधान सूत्रों की संख्या (किस्में/नस्लें/प्रौद्योगिकियाँ/उत्पाद, प्रक्रियाएँ, निदान, टीके)	5
	ख. मानव संसाधन विकास					
	5. मानव संसाधन विकास (एचआरडी): स्टार कॉलेजों, स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रमों, एसटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जेआरएफ, आरए को सहायता प्रदान करना	5.1 स्टार कॉलेज स्कीम के तहत समर्थित कॉलेजों की संख्या	190	5. कुशल मानव संसाधन सृजित करना	5.1. स्टॉर कॉलेजों से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का चुनाव करने वाले छात्रों की संख्या	900
		5.2 अवरस्नातक (यूजी) विभागों के लिए विकसित मॉड्यूल/एसओपी की संख्या	100		5.2. बीआईटीपी प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या	150
		5.3 प्रशिक्षित स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों की संख्या	800		5.3. जेआरएफ/आरए अध्येतावृत्ति प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या	150
		5.4 आयोजित एसटीटीपी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	15			
		5.5 बीआईटीपी के तहत प्रशिक्षित छात्रों की संख्या	500			
		5.6 प्रदान की गई डीबीटी-जेआरएफ अध्येतावृत्तियों की संख्या	300			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		5.7 प्रदान की गई डीबीटी-आरए अध्येतावृत्तियों की संख्या	100			
	6. एचआरडी: जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारी अनुसंधान और विकास गतिविधियों के लिए शोधकर्ताओं को सहायता प्रदान करना शोधकर्ताओं की पहचान और उनका पोषण	6.1 बायोकेयर के तहत समर्थित परियोजनाओं/महिला वैज्ञानिकों की कुल संख्या	50	6. अनुसंधान एवं विकास के लिए ज्ञान और उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	6.1. शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास के लिए ज्ञान और उच्च प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	5
		6.2 प्रदान की गई रामलिंगास्वामी पुन: प्रवेश अध्येतावृत्तियों की संख्या	75		6.2. भारत में स्थायी संकाय के रूप में समाहित किए गए रामलिंगास्वामी पुनः प्रवेश अध्येताओं की संख्या (पिछले अध्येताओं सहित)	290
		6.3 प्रदान की गई टाटा इनोवेशन अध्येतावृत्तियों की संख्या	10		6.3. प्रकाशनों की कुल संख्या	200
		6.4 इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड	15			
		6.5 करियर विकास के लिए राष्ट्रीय जैव विज्ञान अवार्ड	10			
		6.6 राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक अवार्ड	6			
		6.7 बायोटेक उत्पाद, प्रक्रिया विकास और व्यावसायीकरण अवार्ड	5			
		6.8 प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान प्रोफेसरशिप अवार्ड	10			
	7. एचआरडी: सम्मेलन, यात्रा, प्रदर्शनी और	7.1 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: सम्मेलन	150	7. एचआरडी: जैव प्रौद्योगिकी	7.1. भाग लेने वाले छात्रों/शोधकर्ताओं की संख्या	>20,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	लोकप्रिय व्याख्यानों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना	7.2 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या यात्रा: अनुदान	400	आउटरीच	7.2. अवार्ड प्राप्त करने वाले शोधकर्ताओं की संख्या	5
		7.3 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: लोकप्रिय व्याख्यान	35			
		7.4 सीटीईपी गतिविधियों की संख्या: प्रदर्शनियों	30			
		7.5 समर्थित सीटीईपी कार्यक्रमों की संख्या: टियर- II शहरों में	5			
		7.6 समर्थित सीटीईपी कार्यक्रमों की संख्या: टियर III शहरों में	5			
	ग. जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान संसाधन, सुविधाएं और साझेदारी					
	8. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम	8.1 इस स्कीम के तहत समर्थित नए संस्थानों/विश्वविद्यालयों की संख्या	35	8. अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा कार्यक्रम	8.1. प्रशिक्षित जनशक्ति की संख्या	2,900
		8.2 अवसंरचना के निर्माण के लिए सहायता (जारी + नई)	58		8.2. प्रकाशनों की संख्या	800
		8.3 समर्थित सुविधाओं की संख्या (जारी + नई)	26		8.3. प्रशिक्षित जेआरएफ/ एसआरएफ, आरए, वैज्ञानिक की संख्या	300
		8.4 प्रयोगशाला उन्नयन (जारी + नई)	26		8.4. सुविधाओं का उपयोग करने वाले वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की संख्या	200
		8.5 समर्थित बीटीआईएस-नेट सेंटर की संख्या (जारी)	50		8.5. तैयार किए गए डाटाबेस की संख्या	5
		8.6 आयोजित प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं की संख्या (जैव सूचना विज्ञान)	50		8.6. इस सुविधा का प्रयोग कर रही अनुसंधान तथा विकास परियोजनाओं की संख्या	10
		8.7 समर्थित सुविधाओं का विवरण (सुपर कम्प्यूटिंग सुविधा)	1			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		8.8 साझा नेटवर्क पर उपलब्ध ई-जर्नल की संख्या	1,000			
		8.9 डेलकॉन जैसे साझा अनुसंधान संसाधन तक पहुंच बनाने वाले संस्थानों की संख्या	35			
	घ. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग					
	9. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ	9.1 वर्तमान वर्ष में बनाई गई नई अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियां	2	9. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: जैव प्रौद्योगिकी में वर्धित सहयोगी अनुसंधान	9.1. वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित शोधकर्ताओं की संख्या	141
		9.2 वर्तमान वर्ष में संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय आह्वान हेतु घोषित प्रस्ताव	11		9.2. वर्तमान वर्ष में विकसित/अंतरित/व्यावसायी कृत प्रौद्योगिकियों की संख्या	10
		9.3 वर्तमान वर्ष में वित्त पोषित नई अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की सं.	44		9.3. वर्तमान वर्ष में जर्नलों में प्रकाशनों की संख्या (पूर्व समीक्षित)	37
		9.4 अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के तहत वर्तमान वर्ष में जारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	135		9.4. वर्तमान वर्ष में पेटेंटों की संख्या	2
		9.5 वर्तमान वर्ष में आयोजित/समर्थित कार्यशालाओं की संख्या	12			
		9.6 वर्तमान वर्ष में आयोजित वैज्ञानिक विनिमय/दौरों की संख्या अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं	30			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	10. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास	10.1 वर्तमान वर्ष में डीबीटी-बीएमजीएफ-बीआईआरएसी के तहत अध्येतावृत्ति/पुरस्कारों की संख्या	28	10. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्लूटी/इंडिया एलांयस): भारतीय वैज्ञानिकों को भारत लौटने, भारत में कार्य करने/कार्य जारी रखने और व्यवहार्य और लाभदायक जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करना।	10.1. इस समर्थन के साथ विदेशों से भारत वापस आने वाले अनुसंधानकर्ताओं की संख्या	7
		10.2 वर्तमान वर्ष में न्यूटन भाभा पीएचडी रोजगार कार्यक्रम के तहत अध्येतावृत्तियों/पुरस्कारों की सं.	30		10.2. अध्येतावृत्ति के पूरे होने के पश्चात भारत के संस्थानों में निरंतर पद प्राप्त करने वाले बीआरसीपी अध्येताओं की संख्या	19
		10.3 वर्तमान वर्ष में खुराना कार्यक्रम के तहत अध्येतावृत्तियों/पुरस्कारों की संख्या	55	11. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस): उच्च	11.1. इस कार्यक्रम के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले मूलभूत-नैदानिक अनुसंधान साझेदारी विकसित हुई है	3

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				गुणवत्ता वाले जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए भारत एलायंस तंत्र को मजबूत बनाना		
		10.4 वर्तमान वर्ष में ईएमबीओ/एचएसएफपीओ के तहत अंतर्राष्ट्रीय (युवा अन्वेषकों) की लघु और दीर्घ अवधि अध्येतावृत्तियों की संख्या	29	12. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस): जीवन विज्ञान और जैव चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्रों में भारत के उन्नत नेतृत्व को बढ़ावा देना	12.1. उच्च प्रभाव पत्रिकाओं में कुल प्रकाशनों की संख्या	120
		10.5 वर्तमान वर्ष में माइक्रोस्कोपी में प्रशिक्षित छात्रों/नागरिकों की संख्या	1,800		12.2. प्रत्येक वर्ष दायर किए गए कुल पेटेंट की संख्या	1
		10.6 वर्तमान वर्ष में प्रशिक्षित महिला कृषकों की संख्या	35		12.3. बीआरसीपी अध्येताओं का औसत सापेक्ष प्रशस्ति पत्र अनुपात (आरसीआर)	1.5
		10.7 वर्तमान वर्ष में वाईईएस-इंडिया के तहत अध्येतावृत्तियों/पुरस्कारों की संख्या	5	13. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस): शिक्षण और अनुसंधान एवं विकास के	13.1. इन अध्येतावृत्तियों और अनुदानों द्वारा सृजित किए गए अनुसंधान अनुकूल वातावरण में प्रशिक्षित लोगों की संख्या	100
	11. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-	11.1 वर्तमान वर्ष के अंतर्गत अध्येतावृत्ति/पुरस्कारों की संख्या: जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर	72		13.2. इस कार्यक्रम के माध्यम से समर्थित चिकित्सक वैज्ञानिकों की संख्या	35

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	डब्लूटी/इंडिया एलांयस): जैव चिकित्सा अनुसंधान (मानव और पशु चिकित्सा) के लिए प्रतिभाशाली शोधकर्ताओं को वित्तीय और परामर्शी सलाह प्रदान करना	कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस)		लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन	13.3. इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित अनुसंधान प्रबंधकों की संख्या	6
		11.2 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में निम्न के तहत मूलभूत अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: प्रारंभिक करियर अध्येतावृत्ति	7		13.4. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस) अध्येतावृत्तियां: भारत के बाहर से पोस्ट डॉक्स की संख्या	0
		11.3 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में निम्न के तहत मूलभूत अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: इंटरमीडिएट अध्येतावृत्ति	13		13.5. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस) अध्येतावृत्तियां: पोस्ट डॉक्स की संख्या जिन्होनें भारतीय संस्थानों में जारी रखा है	06
		11.4 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में निम्न के तहत मूलभूत अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: वरिष्ठ अध्येतावृत्ति	2		13.6. जैव चिकित्सा अनुसंधान करियर कार्यक्रम (डीबीटी-डब्ल्यूटी/इंडिया एलांयस) अध्येतावृत्तियां: स्नातकोत्तरों की संख्या जिन्हें बीआरसीपी अध्येताओं द्वारा परामर्श किया गया है।	70
		11.5 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में निम्न के तहत नैदानिक अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: प्रारंभिक करियर अध्येतावृत्ति	6			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		11.6 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में निम्न के तहत नैदानिक अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: इंटरमीडिएट अध्येतावृत्ति	5			
		11.7 उन शोधकर्ताओं की संख्या जिनको वर्तमान में निम्न के तहत नैदानिक अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्ति जारी की गई है: वरिष्ठ अध्येतावृत्ति	2			
		11.8 अंतर-विषयक शोध के लिए वर्तमान वर्ष में शोधकर्ताओं की संख्या जिन्हें सहयोगी अनुसंधान अनुदान जारी किया गया है	3			
		11.9 वर्तमान वर्ष में नैदानिक अनुसंधान केंद्रों की संख्या जिन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की गई	3			
		11.10 नैदानिक अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिन्हें वर्तमान वर्ष में अध्येतावृत्ति जारी की गई है	12			
		11.11 अनुसंधान प्रबंधन के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिनको अध्येतावृत्ति जारी की गई है	6			
		11.12 अनुसंधान प्रबंधन के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिनको अनुदान जारी किया गया है	3			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		11.13 अनुसंधान प्रबंधन के लिए शोधकर्ताओं की संख्या जिनको अनुदान जारी किया गया है	6			
		11.14 निम्न के तहत समर्थित जारी परियोजनाओं की संख्या: मानव जैव चिकित्सा अनुसंधान,पशु जैव अनुसंधान	170			
	ड. सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम					
	12. सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम: ग्रामीण जैव संसाधन परिसरों/प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्रों/इकाइयों का विस्तार	12.1 महत्वकांक्षी जिलों में स्थापित ग्रामीण जैव-संसाधन परिसरों/प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र/ इकाइयों की संख्या	10	14. सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम: स्वरोजगार हेतु अवसरों का सृजन	14.1. सृजित स्व रोजगारों की संख्या	350
	13. सामाजिक विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम: प्रदर्शन, प्रशिक्षण और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से सिद्ध तथा क्षेत्र आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रसार	13.1 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में वर्तमान वर्ष में प्रदान किए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या: ग्रामीण विकास	100		14.2. प्रयोग के लिए शुरू किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों की संख्या	10
		13.2 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में वर्तमान वर्ष में प्रदान किए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या: महिलाएं	50			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		13.3 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में वर्तमान वर्ष में प्रदान किए गए व्यावहारिक प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या: अजा./अजजा.	100			
		13.4 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में सिद्ध और क्षेत्र आधारित प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए प्रशिक्षित लाभार्थियों की सं.: ग्रामीण विकास	1,000		14.3. प्रदान किए जा रहे उन्नत कौशलों की संख्या	10
		13.5 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में सिद्ध और क्षेत्र आधारित प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए प्रशिक्षित लाभार्थियों की सं.: महिलाएं	300			
		13.6 कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में सिद्ध और क्षेत्र आधारित प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए प्रशिक्षित लाभार्थियों की सं.: अजा./अजजा.	1,000			
	च. एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम					
	14. एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम: राष्ट्रीय संस्थानों के साथ	14.1 वर्तमान वर्ष में जारी सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	400	15. एनईआर (पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम: पूर्वोत्तर राज्यों में	15.1. वर्तमान वर्ष में प्रकाशनों की संख्या (पूर्व समीक्षित)	100

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	जैविक विज्ञान में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां	14.2 वर्तमान वर्ष में नई सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	100	प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में जैव तकनीक आधारित विकास को सुगम बनाना: कृषि और खाद्य उत्पादकता, मानव तथा पशु स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पर्यावरण, सतत उपयोगिता और जैव विविधता का संरक्षण	15.2. वर्तमान वर्ष में विकसित/अंतरित/व्यावसायी कृत प्रौद्योगिकियों की संख्या	4
	15. एनईआर के लिए कार्यक्रम: हितधारकों के लिए कौशल उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करना	15.1 एनईआर में वर्तमान वर्ष में आयोजित कौशल उन्मुखी प्रशिक्षण/कार्यशालाओं की संख्या	20	16. एनईआर (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र) के लिए कार्यक्रम: हाई एण्ड आरएंडडी और एनईआर में शिक्षण के लिए अत्यधिक कुशल मानव संसाधनों की उपलब्धता।	16.1. प्रशिक्षित छात्रों/शोधकर्त्ताओं की संख्या	300

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	16. एनईआर के लिए कार्यक्रम: बायोटेक में मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देना	16.1 डीबीटी-एनईआर विजिटिंग रिसर्च प्रोफेसरशिप (वीआरपी) स्कीम के तहत एनईआर संस्थानों में शामिल होने वाले वैज्ञानिकों की संख्या	10	17. एनईआर के लिए कार्यक्रम: एनईआर में वैज्ञानिक जानकारी में प्रगति	17.1. लाभ प्राप्त करने वाली संस्थानों की संख्या	10
		16.2 वर्तमान वर्ष में एनईआर में बायोटेक अवसंरचना सुविधाओं/स्थापित प्रयोगशालाओं की संख्या	93		17.2. संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	300
		16.3 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों (बीएलआईएसएस)" में जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं के तहत समर्थित एनईआर स्कूलों की संख्या	106		17.3. जैव प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षित छात्र/शोधकर्त्ताओं की संख्या	4,000
					17.4. पूर्व समीक्षित प्रकाशित पेपरों की संख्या	40
					17.5. संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या	20
					17.6. प्रशिक्षित छात्रों/शिक्षकों की संख्या	4,000
	17. एनईआर के लिए कार्यक्रम: एनईआर में जैव प्रौद्योगिकी की मूलभुत अवसंरचना और संसाधनों को मजबूत करना	17.1 स्थापित की जाने वाली सुविधाओं/स्थानीय जैव भंडारों की संख्या	5	18. एनईआर में अनुसंधान	18.1. सुविधा का उपयोग करने वाले शोधकर्त्ताओं/छात्रों की संख्या	200
	18. आजीविका सृजन के लिए सामाजिक	18.1 एनईआर हितधारकों के लिए उद्यम विकास पर विशेष प्रशिक्षण	4	19. एनईआर में उद्यमिता विकास	19.1. प्रशिक्षित उद्यमियों की संख्या	150

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	कार्यक्रम-एनईआर	कार्यक्रम		के समर्थन के लिए कार्यक्रम		
	महामारी से बचाव की तैयारी के लिए नवाचार गठबंधन					
	19. भारतीय वैक्सीन उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सशक्त और सुगम बनाना	19.1 महामारी की सामर्थ्य वाली संक्रामक बीमारियों से निपटने के लिए विकास के विभिन्न चरणों के माध्यम से समर्थित नए कैंडीडेट की संख्या।	1	20. वैक्सीन का विकास	20.1. स्वदेशी विकास के लिए त्वरित वैक्सीन कैंडीडेट की संख्या	1
		19.2 समर्थन दिए जाने वाले वैक्सीन प्रौद्योगिकी मंचों की संख्या	0		20.2. प्रदत्त परियोजनाओं की संख्या	1
		19.3 नए और मौजूदा वैक्सीनों के परीक्षण के लिए स्थापित/मान्य प्रयासों की संख्या	1			
	20. सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारी प्रणाली	20.1 खतरों का सामना करने के लिए नई वैक्सीन के उपयोग हेतु नैतिक और विनियामक ढांचे के लिए विकसित की गई नीतियों की संख्या और संभारतंत्र।	1			
		20.2 भारतीय वैक्सीन शोधकर्ताओं/निर्माताओं को वैक्सीन विकास के लिए अपेक्षित समर्थन हेतु निम्नलिखित सुविधाएं सुनिर्धारित करना: बीएसएल 3 सुविधा	5-7			
		20.3 भारतीय वैक्सीन शोधकर्ताओं/निर्माताओं को	0			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में(	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		वैक्सीन विकास के लिए अपेक्षित समर्थन हेतु निम्नलिखित सुविधाएं सुनिर्धारित करना: वर्तमान अच्छी निर्माण प्रक्रिया (सीजीएमपी) सुविधा				
	21. इंडसीईपीआई मिशन के माध्यम से सीईपीआई के साथ जुड़ाव	21.1 प्रकोपों से निपटने के लिए चरण 1, 2, 3 परीक्षणों के प्रदर्शन के लिए सुदृढ़ किए गए नैदानिक परीक्षण केंद्रों की संख्या।	1-2			
		21.2 ईआईडी के प्रासंगिक क्षेत्रों के बारे में इंड-सीईपीआई द्वारा आयोजित वैज्ञानिक बैठक/प्रशिक्षणों की संख्या।	1			

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

1. शैक्षिक अधिकारिता

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3742.33	**क. शैक्षिक सशक्तिकरण - एससी के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति**					
	1. पात्र एससी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती	1.1. प्राप्त आवेदन की संख्या (लाख)	60	1. उच्च अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि	1.1. आधार वर्ष में अध्ययन के अपने पाठ्यक्रम (बारहवीं, स्नातक और स्नातकोत्तर) को पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि।	60%
	ख. एससी और ओबीसी छात्रों (सीएस) के लिए मुफ्त कोचिंग					
	1. छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए उन्हें कोचिंग प्रदान करना	1.1. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या	2,750	1. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपस्थित होने वाले छात्र जिनके लिए उन्होंने कोचिंग क्लासेस में भाग लिया	1.1. परीक्षा में चयनित / उत्तीर्ण छात्रों की संख्या जिसके लिए उन्होंने कोचिंग क्लासेस में भाग लिया	2,750
	ग. अशुद्ध व्यवसाय एससी (सीएसएस) में लगे बच्चों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति					
	1. पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है	1.1. पात्र छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति की संख्या (लाख)	2.75	1. अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या	1.1. उन छात्रों की संख्या में वृद्धि, जिन्होंने आधार वर्ष पर अध्ययन के अपने पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाया है (लाख)	2.75
	घ. शैक्षिक सशक्तिकरण - अनुसूचित जाति के लिए प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को	1.1 वर्तमान वर्ष में प्राप्त आवेदन की संख्या	20	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की	1.1 प्रतिशत वृद्धि पिछले वर्ष से अधिक छात्रवृत्ति के समर्थन के साथ दसवीं	20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है	(लाख)		जाने वाली छात्रवृत्ति	कक्षा पूरा करने वाले छात्रों की संख्या (लाख)	
	ण. केंद्रीय छात्रवृत्ति - अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति(सीएस)					
	1. पात्र एससी छात्रों को फैलोशिप प्रदान की जाती है	1.1 वे छात्र जो विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हैं (छात्र प्रति वर्ष)	110	1. विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या	1.1 विदेशों में छात्रवृत्ति का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि (छात्र प्रति वर्ष)	110
	च. केंद्रीय छात्रवृत्ति - अनुसूचित जातियों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा (सीएस)					
	1. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति	1.1 छात्रों की संख्या जो संस्थान के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हैं	2,200	1. अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि, जिन्होंने शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाया	1.1 लाभान्वित छात्रों की संख्या	2,200
	छ. पिछड़ा वर्ग के लिए योजना - ओबीसी के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	1. केंद्र प्रायोजित योजना जहां राज्य / केंद्रशासित प्रदेश सरकार को 100% केंद्रीय सहायता निधि-उपलब्धता के अधीन है।	1.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि और 2020-21 में पोस्ट मैट्रिक शिक्षा रोम बेंचमार्क संख्या को पूरा करने वाले छात्रों की संख्या (लाख लाभार्थी)	44	1. पोस्ट-मैट्रिकुलेशन या पोस्ट-माध्यमिक चरण में छात्रवृत्ति उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में सक्षम बनाती है।	1.1. मैट्रिक के बाद या माध्यमिक स्तर पर छात्रवृत्ति उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में सक्षम बनाती है। (लाख लाभार्थी)	44

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.2. ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के बीच ड्रॉपआउट दर में कमी	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते			
	ज. पिछड़े वर्गों के लिए योजना - पिछड़े वर्गों के लिए प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	1. केंद्र प्रायोजित योजना जहां केंद्र और राज्य / केंद्रशासित प्रदेश सरकार के बीच 50:50 के आधार पर निधि साझा की जाती है	1.1 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि और उनमें से अगली कक्षा में पदोन्नत हुए छात्रों की संख्या	27.50 लाख	1. जनसंख्या के गैर-पिछड़े वर्गों की तुलना में एक स्तर का खेल मैदान प्रदान करना।	1.1. लाभान्वित छात्रों की संख्या (लाख लाभार्थी)	27.50
		1.2 छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या जिन्होंने सफलतापूर्वक 10 वीं कक्षा पूरी की।	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते			
	झ. ओबीसी के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति (सीएस)					
	1. योजना केनरा बैंक के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है.	1.1 विदेशों में उच्च अध्ययन पूरा करने वाले ओबीसी छात्रों की संख्या में वृद्धि करना यानि मास्टर डिग्री, एम.फिल, पीएचडी विदेश में।	4,060	1. उन्हें विदेश में उच्च शिक्षा के लिए बेहतर अवसर प्रदान करना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना।	1.1. लाभान्वित छात्रों की संख्या	4,060
	ञ. ईबीसी के विकास के लिए योजना (शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति के लिए) (सीएसएस)					
	1. केंद्र प्रायोजित योजना जहां राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश सरकार को केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है। पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर।	1.1. मैट्रिक शिक्षा (12, स्नातक और परास्नातक) में छात्रवृत्ति पाने वाले ईबीसी छात्रों की संख्या और उनमें से उत्तीर्ण दर में वृद्धि (लाख लाभार्थी)	2.20	1. आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईबीसी) के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो पोस्ट-मैट्रिक या पोस्ट-माध्यमिक स्तर पर पढ़ते हैं, जिससे वे अपनी शिक्षा पूरी कर सकें।	1.1 लाभान्वित छात्रों की संख्या (लाख लाभार्थी)	2.20

2. **अनुसूचित जाति उप योजना (एससीए से एससीएसपी) को विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) (सीएसएस)**

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1200.00						
	1. योजना के तहत राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को अनुदान दिया जाता है	1.1 राज्य को जारी धनराशि (करोड़ रुपये में)	1,210	1. अनुसूचित जाति के युवाओं ने आय सृजन गतिविधियों के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की	1.1 अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की संख्या, जिन्होंने सहायता के बाद आय सृजन आंदोलनों को शुरू किया है (लाख)	7.48
		1.2 संवितरित राशि से वित्त पोषित योजनाओं की संख्या	3	2. अनुसूचित जाति की महिलाओं के आय सृजन के अवसरों में वृद्धि	1.2 आय सृजन गतिविधियों में संलग्न अनुसूचित जाति की महिलाओं की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	16
	2. गांवों में बुनियादी ढांचा विकास कार्यक्रम: प्रमुख गतिविधियां वार लक्ष्य पूरा	2.1 पूर्ण अवसंरचना वाले गांवों की संख्या;	3,630	3. उच्च अनुसूचित जाति की आबादी वाले गांवों में ढांचागत विकास कार्यक्रम	3.1 पूर्ण अवसंरचना वाले गांवों की संख्या	3,630
	4. अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए आर्थिक विकास पैदा करने वाली आय	3.1 अनुसूचित जाति महिला लाभार्थियों की संख्या जिन्हें आय सृजन गतिविधियाँ शुरू करने के लिए सहायता प्रदान की गई थी (लाख)	9.36	4. कुशल / प्रशिक्षित अनुसूचित जाति के युवाओं द्वारा स्थापित रोजगार / आय सृजन गतिविधियाँ	4.1 नियोजित अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या (स्वरोजगार)	55,000
	ड. शैक्षिक सशक्तिकरण - अनुसूचित जाति के लिए प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति (सीएसएस)					
	2. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है	2.1 वर्तमान वर्ष में प्राप्त आवेदन की संख्या (लाख)	20	2. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति	2.1 प्रतिशत वृद्धि पिछले वर्ष से अधिक छात्रवृत्ति के समर्थन के साथ दसवीं कक्षा पूरा करने वाले छात्रों की संख्या (लाख)	20

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	च. केंद्रीय छात्रवृत्ति - अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति(सीएस)					
	2. पात्र एससी छात्रों को फैलोशिप प्रदान की जाती है	2.1 वे छात्र जो विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हैं (छात्र प्रति वर्ष)	110	2. विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति पाने वाले छात्रों की संख्या	2.1 विदेशों में छात्रवृत्ति का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि (छात्र प्रति वर्ष)	110
	छ. केंद्रीय छात्रवृत्ति - अनुसूचित जातियों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा (सीएस)					
	2. पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति	2.1 छात्रों की संख्या जो संस्थान के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हैं	2,200	2. अनुसूचित जाति के छात्रों की संख्या में वृद्धि, जिन्होंने शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाया	1.2 लाभान्वित छात्रों की संख्या	2,200

2. नागरिक अधिकार - नागरिक अधिकारों का संरक्षण (पीसीआर) अधिनियम, 1955 और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
550.00	1. जागरूकता सृजन गतिविधियाँ / कार्यशाला /	1.1 जागरूकता सृजन गतिविधियों / कार्यशाला / सेमिनार /	4,950	1. समाज में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजातियों की सक्रिय भागीदारी और समावेश	1.1. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के खिलाफ	1%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	सेमिनार / जन-जागरण / प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि	जन-जागरण / प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि का आयोजन		- अ-स्पर्श क्षमता के अपराधों का उन्मूलन और अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के खिलाफ भेदभाव।	अत्याचार मामलों की संख्या में कमी कि प्रतिसत	
	2. अत्याचार के शिकार लोगों को राहत / मुआवजा आदि प्रदान करना	2.1 पीड़ितों ने मुआवजा / राहत प्रदान की. प्रतिशत	100%	2. अंतरजातीय विवाह के मामलों की संख्या में वृद्धि जिसमें पति या पत्नी में से कोई एक अनुसूचित जाति का सदस्य हो	2.1. प्रतिशत संख्या में वृद्धि अंतर-विवाह के मामलों में, जिसमें पति या पत्नी में से कोई एक अनुसूचित जाति का सदस्य है	10%
	3. पीओए -1989 और पीसीआर -1955 अधिनियमों के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए विशेष अधिकारियों की स्थापना।	3.1 विशेष न्यायालय, एससी / एसटी संरक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना, राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति का गठन, नामित नोडल अधिकारी, विशेष लोक अभियोजक, जांच अधिकारी आदि।	अधिनियमों के प्रावधानों का 100% अनुपालन।	3. पीओए अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए विशेष विशेष न्यायालयों में वृद्धि	3.1. पीओए अधिनियम 1989 और पीसीआर अधिनियम 1955 के तहत मामलों की कोशिश करने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान स्थापित नए विशेष विशेष न्यायालयों की संख्या	11
				4. एससी / एसटी पीओए अधिनियम 1989 और पीसीआर अधिनियम 1955 के तहत हल किए गए मामलों की संख्या में वृद्धि	4.1. हल किए गए मामलों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि	2%

3. प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
700	1. एकीकृत सामाजिक आर्थिक विकास के लिए पीएमएजीवाई के तहत 50% से अधिक अनुसूचित जनजाति की आबादी वाले गांवों को कवर किया जाएगा	1.1. इस योजना के तहत चयनित गांवों की संख्या	4,932	1. अनुसूचित जातियों के चयनित गांव जिन्हें आदर्श ग्राम के रूप में विकासित करने के लिए निधि स्वीकृत की गई।	1.1 गाँवों की संख्या	4,932

1. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
9761.50	1. प्रमोचक रॉकेटों तथा अंतरिक्षयानों के लिए प्रौद्योगिकियों का अनुसंधान एवं विकास तथा डिजाइन करना और अंतरिक्ष प्रणालियों का निर्माण करना	1.1. प्रमोचन के लिए तैयार भू प्रेक्षण (ई.ओ.) अंतरिक्षयानों की संख्या	05	1. बेहतर क्षमताओं सहित भू-प्रेक्षण सेवाओं की निरंतरता प्रदान करने के लिए अंतरिक्ष अवसंरचना का संवर्धन	1.1. 13 स्पेक्ट्रमी बैंडों सहित समुद्र वर्ण मानीटर की शुरुआत	01
		1.2. ध्रुवीय उपग्रह प्रमोचक राकेट(पी.एस.एल.वी.) के प्रमोचनों की संख्या	05		1.2. समुद्री सतह तापमान संवेदक	01
		1.3. भू तुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक राकेट जी.एस.एल.वी. मार्क - III के प्रमोचनों की संख्या	01		1.3. सी.-बैंड में सूक्ष्म तरंग प्रतिबिंबन की निरंतरता	01
		1.4. भूतुल्यकाली उपग्रह प्रमोचक राकेट- जी.एस.एल.वी. प्रचालनात्मक उड़ान के प्रमोचनों की संख्या	02	2. घरेलू तथा वाणिज्यिक उपग्रहों के लिए प्रचालनात्मक प्रमोचन सेवाओं को सुनिर्धारित करना	2.1. पी.एस.एल.वी. का प्रयोग करते हुए स्वदेशी प्रमोचनों की संख्या	05
				3. भूतुल्यकाली अंतरण कक्षा में 4 टन श्रेणी के संचार उपग्रहों को प्रमोचित करने में आत्मनिर्भरता	3.1. जी.एस.एल.वी. मार्क - III के प्रचालनात्मक प्रमोचन	01
				4. भू तुल्यकाली अंतरण कक्षा में 2.5 - 3 टन भार वाली श्रेणी के संचार उपग्रहों के प्रमोचन में आत्मनिर्भरता	4.1. जी.एस.एल.वी. का उपयोग करने वाले स्वदेशी प्रमोचनों की संख्या	02

2. अंतरिक्ष उपयोग (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1810	1. भू प्रेक्षण, संचार, आपदा प्रबंधन आदि हेतु अनुप्रयोगों का डिजाइन एवं विकास	1.1. निर्माण किए गए भू.प्रे./संचार नीतभारों की संख्या	11	1. ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों, प्राकृतिक आपदाओं, कृषि योजना, अवसंरचना योजना तथा मूलभूत सेवाओं तक पहुँच के लिए इष्टतम प्रबंधन पर सूचना	1.1. बेहतर क्षमताओं सहित अंतरिक्ष आधारित सूचना प्रदान करने के लिए उन्नत संवेदकों की उपलब्धता	07
		1.2. प्रमुख आपदा घटनाओं (कुल घटित घटनाओं की प्रतिशतता के तौर पर) के लिए सूचना सहायता	85%			
		1.3. राष्ट्रीय मिशनों एवं प्रयोक्ता परियोजनाओं की सहायता के लिए विमोचित मानचित्रों (भौतिक एवं वेब होस्टिंग) की संख्या	10,000			
		1.4. प्रयोक्ताओं हेतु वितरित किए गए मूल्य वर्धित आँकड़ा उत्पाद (विक्रय एवं मुफ्त डाउनलोड) की संख्या	4,70,000			

3. इन्सैट उपग्रह प्रणाली (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
750.50	1. संचार उपग्रहों को पूरा करना एवं उनका प्रमोचन	1.1. वर्ष के दौरान प्रमोचित किए जाने वाले संचार उपग्रहों की संख्या	03	1. दूरसंचार/टेलीविजन प्रसारण, आपदा संचार, दूर शिक्षा एवं दूर-चिकित्सा सेवाओं के लिए मौजूदा सेवाएं संवर्धित करना एवं सहायता पहुँचाना	1.1. संचार उपग्रहों के प्रमोचनों के साथ इन्सैट/जीसैट क्षमता का संवर्धन	03

1. क्षमता विकास (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
706.00	1. राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी में सुधार: डेटा जारी करने की आवृत्ति	1.1 समयसीमा के अनुसार जारी किए गए डेटासेट	8	1. सीपीआई (आर, यू, सी) की संशोधित श्रृंखला को लाया जाएगा और आरबीआई को मौद्रिक नीति और सरकार बनाने की सुविधा प्रदान की जाएगी। विभिन्न प्रकार के नीति निर्माण में	1.1 समयसीमा के अनुसार जारी किए गए डेटासेट	12
					1.2 कुल किए गए सर्वेक्षण	12
	2. मूल्य सांख्यिकी में सुधार और अंतर्राष्ट्रीय तुलना कार्यक्रम : समय पर डेटा संग्रह करना और जारी करना	2.1 समयसीमा के अनुसार जारी किए गए डेटासेट	12	2. अधिकारियों की बढ़ी हुई क्षमता	2.1. पुनश्चर्या कोर्स में भाग लेने वाले कुल अधिकारी	295
		2.2 कुल किए गए सर्वेक्षण	12		2.2. पाठ्यक्रम के सफल समापन पर प्रमाणीकरण प्राप्त करने वाले अधिकारियों की कुल संख्या	295
	3. सांख्यिकीय कार्मिकों का प्रशिक्षण / क्षमता निर्माण[184]	3.1 कुल संचालित पुनश्चर्या कार्यक्रम	14		3.1. सेमिनार में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की कुल संख्या	560
		3.2 राज्य / संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर आयोजित सेमिनारों और कार्यशालाओं की कुल संख्या	14	3. सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों से भागीदारी[184]		
		3.3 आयोजित किए जाने वाले आंचलिक प्रशिक्षणों की संख्या	75	4. बढ़ी हुई सर्वेक्षण क्षमताएं	4.1. सर्वेक्षण कर्मियों को प्रशिक्षित किया	1,400

[184] *सीरियल नंबर 3 पर उल्लेखित लक्ष्य अस्थायी लक्ष्य हैं और टीपीएसी के बाद परिवर्तन के अधीन हैं*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	4. श्रम डेटा की समय पर उपलब्धता	4.1 जारी किए गए डेटासेट (एनएसएस रिपोर्ट / बुलेटिन का प्रकाशन)	4	5. डेटा का समय पर प्रसार	5.1. जारी रिपोर्ट / बुलेटिन की संख्या	4
	5. आधार वर्ष 2011-12 के साथ औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	5.1 औद्योगिक प्रदर्शन के लिए संकेत	12	6. औद्योगिक क्षेत्र के लिए संकेतक (सूचकांक) के संदर्भ में औद्योगिक प्रदर्शन की नवीनतम उपलब्धता	6.1. 12 तारीख को शाम 5:30 बजे मासिक रिलीज (या 12 वें दिन छुट्टी होने पर पिछले कार्य दिवस)	12
	6. 7वीं आर्थिक जनगणना का संचालन[185]	6.1 सांख्यिकीय रिपोर्ट के माध्यम से भारत में औद्योगिक प्रतिष्ठानों का विवरण	14	7. नीति निर्माण और अनुसंधान के लिए 7वां ईसी परिणाम।	7.1. प्रतिष्ठानों की संख्या और उनका विवरण	37

[185] *7वें ईसी के क्रमांक 2020-21 के क्रमांक (क्रम संख्या 6) से संबंधित लक्ष्य तम्बू हैं। स्थितियों के आधार पर, यह कुछ राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों जैसे कि राज्य पश्चिम बंगाल और केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए भिन्न हो सकता है - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख, आदि।*

1. संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
761.90	1. मशीनरी के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	1.1 जारी की गई पूंजी निवेश सब्सिडी की संख्या	1,800	1. संवर्धित उत्पादन के माध्यम से गुणवत्ता पूर्ण उत्पादकतारोजगार सृजन, निर्यात, आयात प्रतिस्थापन की सुविधा प्रदान करना	1.1. उत्पादन / कारोबार में प्रतिशत वृद्धि (कुल) क) बुनाई; ख)प्रसंस्करण; ग) परिधान; घ) अन्य लोग	45%
		1.2 जारी/अनुमोदित यूआईडी की संख्या	3,500		1.2. उत्पादन / कारोबार में प्रतिशत वृद्धि - बुनाई	69%
		1.3 ऊर्जा बचत मशीन की संख्या,	733			
		1.4. उद्यमियों/इकाई धारकों की संख्या जिन्होंने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्राप्त किए	1,800		1.3. उत्पादन / कारोबार में प्रतिशत वृद्धि- प्रसंस्करण	14%
		1.5. सब्सिडी, खरीदी गई पात्र मशीनरी की संख्या	13,000		1.4. उत्पादन / कारोबार में प्रतिशत वृद्धि - परिधान	54%
		1.6. निम्नलिखित उप क्षेत्रों के लिए निवेश आकर्षित करने के लिए जारी की गई सब्सिडी- बुनाई, प्रसंस्करण, परिधान, अन्य (करोड़ रु)	611 करोड़		1.5. उत्पादन / कारोबार में प्रतिशत वृद्धि- अन्य लोग	42%
					1.6. रोजगार (अनुमानित) - निम्नलिखित क्षेत्रों में सृजित नौकरियों की संख्या: बुनाई, प्रसंस्करण, परिधान, अन्य	1.35 लाख
					1.7. मशीनों की संख्या के संदर्भ में क्षमता (कुल)	1,20,142
					1.8. मशीनों की संख्या के संदर्भ में क्षमता- बुनाई	45,231
					1.9. मशीनों की संख्या के संदर्भ में क्षमता- प्रसंस्करण	12,257
					1.10. मशीनों की संख्या के संदर्भ में क्षमता- परिधान	62,147

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					1.11. मशीनों की संख्या के संदर्भ में क्षमता- अन्य	507
					1.12. निवेश आकर्षित करना (करोड़ रु में) (कुल)	19,169
					1.13. निवेश आकर्षित करना (करोड़ रु में) - बुनाई	5,992
					1.14. निवेश आकर्षित करना (करोड़ रु में) -प्रसंस्करण	1,557
					1.15. निवेश आकर्षित करना (करोड़ रु में) - परिधान	1,209
					1.16. निवेश आकर्षित करना (करोड़ रु में) - अन्य	10,411

2. सेरीकल्चर सेक्टर- सिल्की समगरा (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
800.00	1. रेशम का उत्पादन बढ़ाना और कौशल प्रदान करना	1.1. अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या	35	1. उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार, रेशम उत्पादन और रोजगार में वृद्धि । मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए और आयात को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए रेशम की गुणवत्ता में सुधार करने	1.1. उत्पादकता में सुधार	112
		1.2. बीज उत्पादन (लाख) मलबरी	475		1.2. 100 डीएफएलएस प्रति उपज	70
		1.3. बीज उत्पादन (लाख) वान्या - तसर , एरी ,मुगा	66		1.3. रेनडिट्टा	6
		1.4. कच्चे रेशम का उत्पादन (एमटी)	41,350		1.4. कच्चे रेशम उत्पादन में वृद्धि (एमटी)	10,000
		1.5. आयात वैकल्पिक कच्ची रेशम (एमटी)का उत्पादन	10,000			
		1.6. क्षमता निर्माण और प्रशिक्षित किए जाने वाले लोगों की संख्या	16,000		1.5. रोजगार सृजन (लाख न.)	105

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.7. गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली सिल्क मार्क लेबल (लाख)	33	हेतु बाइवोल्टाइन और संकर रेशम का उत्पादन करने पर ध्यान केंद्रित है।		
		1.8. कार्यक्रम / प्रदर्शनियां / रोड शो (संख्या)	550			
		1.9. कोकून परीक्षण केंद्र की संख्या	13			
		1.10. कच्चे रेशम परीक्षण केंद्र की संख्या	7			
		1.11. अधिकृत उपयोगकर्ता (संख्या)	270			

1. पर्यटन अवसंरचना: विशिष्ट थीम पर पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास (स्वदेश दर्शन) (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1200.00	1. परिपथ में चिह्नित परियोजनाएं (राज्यों / संघशासित प्रदेशों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श से)	1.1. वित्तीय वर्ष 2020-21 में पूरी की गई स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	42	1. अभिज्ञात सर्किट में रोजगार सृजन	1.1. मार्च 2021 तक पर्यटन सर्किट में प्रत्यक्ष रूप से नियोजित लोगों की संख्या (अनुमानित संचयी)	35,825
		1.2. जारी परियोजनाओं की पूर्णता का प्रतिशत	95%			
	2. घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए पर्यटक गंतव्यों पर अपेक्षित सुविधाओं के साथ अवसंरचना विकास	2.1. पर्यटन स्थल की संख्या जो उन्नत किए गए	341			
		2.2. सर्किट हेतु पहचान की गई (नई) परियोजनाओं की संख्या	10			
	3. विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (प्रत्येक परियोजना के लिए बनाई गई)	3.1 परियोजनाओं हेतु बनाई गई डीपीआर की संख्या	10			
	4. डीपीआर मूल्यांकन किया (पीएमसी के माध्यम से)	4.1. पूरे किए गए डीपीआर मूल्यांकनों की संख्या	10			
	5. आवधिक परियोजना निगरानी रिपोर्ट	5.1. तैयार परियोजना निगरानी रिपोर्टों की संख्या	100			

1. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) (सीएस)[186]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1313.23	1. नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) की स्थापना	1.1. स्थापित किए गए ईएमआरएस की संख्या	156	1. एसटी छात्रों के नामांकन में वृद्धि	1.1. ईएमआरएस में एसटी छात्रों के नामांकन की संख्या में वृद्धि	10,000

2. जनजातीय शिक्षा - (सीएसएस)[187]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2300.00	1. पात्र आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।	1.1.इस योजना के लिए केंद्र से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में निधि संवितरित किया गया[188]	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	1. नामांकित पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले छात्रों की वृद्धि-लिंग और वर्ग का पृथक डाटा	1.1.अगली कक्षा में प्रोन्नत किये गये छात्रों का प्रतिशत-लिंग और वर्ग का अलग-अलग डेटा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.2.मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति के तहत कवर किए गए छात्रों की संख्या (पुरुष और महिला) (लाख)	15.77		1.2.कक्षा 10 वीं कक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि-लिंग और वर्ग का अलग-अलग डाटा	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते
		1.3.पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (X1, XII,	21.49	2. कक्षा IX तथा X, XI तथा XII, स्नातक स्तर	2.1.कक्षा IX तथा X, XI तथा XII, स्नातक स्तर की पढ़ाई	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा

[186] *टिप्पण: वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए उपरोक्त लक्ष्य समग्र रूप से है और विभिन्न तिमाहियों के दौरान नामांकन में कोई बदलाव नहीं है क्योंकि छात्र शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में प्रवेश लेते हैं और वर्ष के अंत तक अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं।*

[187] *इसमें मैट्रिक-पूर्व/मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति शामिल है*

[188] *मांग आधारित योजना जिसमें पिछले वर्षों का बकाया शामिल है*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		स्नातक और स्नातकोत्तर सहित) के तहत कवर किए गए छात्रों की संख्या (पुरुष और महिला) (लाख)		की पढ़ाई और पोस्ट-ग्रेजुएशन के बीच ड्रॉपआउट दर में कमी	और पोस्ट-ग्रेजुएशन के बीच ड्रॉपआउट दर में कमी	सकते
	2. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से प्रभावी निगरानी	2.1. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (वाई / एन) के माध्यम से कार्यक्रम की निगरानी करना	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते	3. छात्र ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी की	3.1. स्नातक पूरा करने वाले छात्रों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सकते

3. विशेष केन्द्रीय सहायता (सीएसएस)[189]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1350.00	1. शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका के क्षेत्रों में सामान्य जनसंख्या की तुलना में एसटी से संबंधित मानव विकास संकेतकों में अंतर को पाटने के लिए राज्यों को सहायता और आय सृजन योजनाओं और कौशल विकास के लिए घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ाना	1.1. स्कीम के अंतर्गत स्वीकृत कार्यकलापों की संख्या	500	1. गतिविधियों को पूरा करना और आबादी को लाभ	1.1. योजना के तहत पूरी की गई गतिविधियों की संख्या	500
					1.2. लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या (लाख लाभार्थी)	16

[189] *इसमें जनजातीय उप योजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता शामिल है।*

1. समेकित बाल विकास सेवा - आंगनवाड़ी सेवा (तत्कालीन मुख्य आईसीडीएस) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
20532.38	1. आंगनवाड़ी केंद्रों को क्रियाशील बनाना	1.1. क्रियाशील आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या (लाख)	13.85	1. 0-6 वर्ष के आयुवर्ग में बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाना	1.1. 6 साल से कम आयु के बच्चों का जो ठिगने हैं (% कटौती)	प्रति वर्ष 2%[190]
		1.2. संस्वीकृत आंगनवाड़ी की कुल संख्या (लाख)	14		1.2. 6 साल से कम आयु के बच्चों का जो विकास अल्पवजनी हैं (% कटौती)	प्रति वर्ष 2%[190]
		1.3. रिक्त पदों की संख्या (कुल) रिक्त पदों में *8,500* की कटौती करना	18,281		1.3. 6 साल से कम आयु के बच्चों का जो रक्ताल्प हैं (% कटौती)	प्रति वर्ष 3%[190]
		1.4. संस्वीकृत पदों की संख्या (कुल)	27,40,981[191]	2. बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण का ध्यान रखने के लिए मां की क्षमता में वृद्धि	2.1. 6 माह के कम आयु के बच्चों का % जिनकों केवल स्तनपान कराया जाता है	54.9%
		1.5. रिक्त पदों की संख्या (सीडीपीओ) *रिक्त पदों में 500 की कटौती करना*	2,041		2.2. पहले घंटे में स्तनपान कराने	41.6%

[190] *पोषण अभियान के अनुसार*

[191] *सीडीपीओ, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री, आंगनवाड़ी सहायिका*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
					वाली माताओं का %	
		1.6. संस्वीकृत पदों की संख्या (सीडीपीओ)	7,075		2.3. गर्भवती महिलाओं का % जो रक्ताल्पता से पीड़ित हैं	50.4%
		1.7. रिक्त पदों की संख्या (पर्यवेक्षक) रिक्त पदों में *5,000* की कटौती करना	16,240		2.4. गर्भवती महिलाओं का % जिन्होंने कम से कम 4 प्रसव पूर्व जांच कराई है	51.2%
		1.8. संस्वीकृत पदों की संख्या (पर्यवेक्षक)	51,312		2.5. कुल सुचित प्रसव में ऐसे प्रसव का % जो संस्था में कराया गया है	78.9%
		1.9. रिक्त पदों की संख्या (आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री)	78,989 *रिक्त पदों में 35,000 की कटौती करना*			
		1.10. संस्वीकृत पदों की संख्या (आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री)	13,99,697			
		1.11. रिक्त पदों की संख्या (आंगनवाड़ी सहायिका)	1,00,584 *रिक्त पदों में 40,000 की कटौती करना*			
		1.12. संस्वीकृत पदों की संख्या (आंगनवाड़ी सहायिका)	12,82,897			
		1.13. आरआरएस के माध्यम से डाटा अपडेट करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख)	12			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	2. बच्चों के लिए स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा परिणामों में सुधार के लिए सेवाएं प्रदान करना	2.1. ऐसे आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जहां पक्का भवन है	50,000[192]			
		2.2. आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जहां शौचालय की सुविधा है (लाख)	12			
		2.3. आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जहां पेयजल की सुविधा है (लाख)	12			
		2.4. 2020-21 में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में टीएचआर प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या (0-3 वर्ष के बच्चे, किशोरियां तथा गर्भवती एवं शिशुवती माताएं) (करोड़)	6			
		2.5. 2020-21 में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में गरम पका भोजन प्राप्त करने वाले बच्चों की कुल संख्या (करोड़)	3.27			
	3. स्वास्थ्य एवं पोषण व्यवहार के संबंध में जागरूकता पैदा करना	3.1. आबादी के विरुद्ध आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं की संख्या (करोड़)	1.72			
		3.2. आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जो निर्धारित तिथि को मासिक वीएचएसएनडी का आयोजन करते हैं (लाख)	13			
	4. आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और देखरेख अवसंरचना की उपलब्धता	4.1. ऐसे राज्यों की संख्या जहां प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ईसीसीई) परिषद है	34			
		4.2. 3-6 वर्ष के आयुवर्ग में स्कूल पूर्व शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों का %	40%			

[192] *पक्का भवन का निर्माण किया जाएगा*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	5. कुपोषण के कारण मृत्यु तथा धीमे विका स को घटाने के लिए आईसीडीएस प्रणाली के कवरेज का विस्तार करना	5.1. शहरी आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की संख्या जिनका वर्ष में कम से कम 6 बार वजन लिया गया (2 माह में एक बार)/देश की शहरी आबादी में बच्चों की कुल संख्या (लाख)	63.94			
		5.2. ग्रामीण आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की संख्या जिनका वर्ष में कम से कम 6 बार वजन लिया गया (2 माह में एक बार)/देश की ग्रामीण आबादी में बच्चों की कुल संख्या (करोड़)	5			

2. समेकित बाल विकास सेवा - आईएसएसएनआईपी एवं ईएपी सहित राष्ट्रीय पोषण मिशन (सीएसएस)[193]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
3700.00	1. रियल टाइम आईसीटी समर्थित निगरानी के माध्यम से आईसीडीएस प्रणाली का सुदृढ़ीकरण	1.1. रियल टाइम निगरानी के माध्यम से शामिल आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जो नियमित रूप से सूचना अपडेट कर रहे हैं (बच्चों का कद एवं वजन, और पीएसई गतिविधियों सहित) (लाख)	12.50	1. ठिगनेपन, अल्पपोषण रक्ताल्पता तथा जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं के	1.1. 6 साल से कम आयु के बच्चों का जो ठिगने हैं (% कटौती)	प्रति वर्ष 2%
		1.2. आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों क संख्या जिन्होंने आईसीडीएस सीएएस के लिए प्रशिक्षण पूरा कर लिया है (लाख)	12.50		1.2. 6 साल से कम आयु के बच्चों का जो विकास अल्पवजनी हैं (% कटौती)	प्रति वर्ष 2%

[193] *नोट: 1. यह आंकड़े आईसीडीएस-सीएएस डैशबोर्ड के अनुसार अनुमानों पर आधारित हैं।*

2. दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के संघ राज्य क्षेत्रों का विलय किया गया है, इसलिए आंकड़े 35 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

3. पश्चिम बंगाल राज्य अभी डैशबोर्ड पर उपलब्ध नहीं है, इसलिए आंकड़े आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या 12,50,519 (पश्चिम बंगाल की 1,19,481 आंगनवाड़ी केंद्रों को घटाकर) के आधार पर तैयार किए गए हैं।

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.3. पंजीकृत लाभार्थियों की परिवार-वार संख्या, नाम और उनका यूआईडी लिंकेंज (करोड़)	9	स्तर में कटौती करना	1.3. 6 साल से कम आयु के बच्चों का जो रक्ताल्प हैं (% कटौती)	3%
		1.4. ऐसे बच्चों की संख्या जिनका आईसीडीएस-सीएएस में वजन लिया गया (करोड़)	2		1.4. छोटे बच्चों में रक्ताल्पता में कटौती करना (%)	3%
		1.5. ऐसे बच्चों की संख्या जिनकी आईसीडीएस-सीएएस में कद/लंबाई दर्ज की गई (करोड़)	2		1.5. 15-49 वर्ष की महिलाओं तथा किशोरियों में रक्ताल्पता में कटौती करना (%)	2%
		1.6. ऐसे बच्चों की संख्या जिनकी आईसीडीएस-सीएएस में आयु दर्ज की गई (करोड़)	2	2. सामुदायिक संचेतना तथा स्वभाव में परिवर्तन	2.1. ऐसे व्यक्तियों की संख्या जिन तक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से पहुंचा गया	25,00,00,000 से 30,00,00,000
	2. 3 वर्षों में चरणबद्ध ढंग से देश के सभी जिलों में एनएनएम शुरू करना	2.1. एनएनएम की शुरुआत द्वारा शामिल जिलों की संख्या	696		2.2. ऐसे व्यक्तियों की संख्या जिन तक आउटडोर कोलेटरल के माध्यम से पहुंचा गया	25,00,00,000 से 30,00,00,000

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	3. प्राप्य लक्ष्य निर्धारित करके अभिसरण सुनिर्धारित करना, संबद्ध सचिवों के साथ सेक्टर स्तरीय बैठकें, मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में संबंधित मंत्रालयों के सचिवों की संयुक्त बैठक, प्रत्येक स्तर के लिए संयुक्त दिशा-निर्देश, संयुक्त निगरानी दौरे और विकेंद्रीकृत आयोजना	3.1. संचालित ईसी की संख्या	8[194]		2.3. ऐसे व्यक्तियों की संख्या जिन तक मास मीडिया के माध्यम से पहुंचा गया	25,00,00,000 से 30,00,00,000
		3.2. राष्ट्रीय पोषण परिषद की आयोजित बैठकों की संख्या	4[195]			
		3.3. मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में संबंधित मंत्रालयों के सचिवों की संयुक्त बैठकों की संख्या	4[193]			
		3.4. संयुक्त दिशा-निर्देशों द्वारा शामिल स्तरों की संख्या	6[196]			
		3.5. संचालित संयुक्त निगरानी दौरों की संख्या	10			
		3.6. निर्मित राज्य अभिसरण योजनाओं की संख्या	35			
		3.7. निर्मित जिला अभिसरण योजनाओं की संख्या	696			
	4. राज्यों/संघ	4.1. ऐसे राज्यों की संख्या जिन्हें एनएनएम के अंतर्गत	35			

[194] *प्रत्येक 45 दिन के बाद आयोजित की जानी है; एनएनएम के प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के अनुसार*

[195] *प्रत्येक तिमाही में- एनएनएम के प्रशानिक दिशा-निर्देशों के अनुसार*

[196] *राष्ट्रीय, राज्य, जिला, ब्लॉक, सेक्टर और आंगनवाड़ी केंद्र*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना	निष्पादन प्रोत्साहन प्रदान किया गया				
		4.2. ऐसी ग्राम पंचायतों की संख्या जिन्हें एनएनएम के अंतर्गत निष्पादन प्रोत्साहन प्रदान किया गया	0			
		4.3. अग्रिम पंक्ति के ऐसे कार्यकर्ताओं की संख्या जिन्हें एनएनएम के अंतर्गत निष्पादन प्रोत्साहन प्रदान किया गया (लाख)	12.50			
	5. वीएचएसएनडी को सक्रिय करना	5.1. ऐसे गांवों की संख्या जिन्होंने पिछली तिमाही में 3 वीएचएसएनडी का आयोजन किया	6,40,867			
		5.2. ऐसे लाभार्थियों की संख्या जिन तक वीएचएसएनडी के माध्यम से पिछली तिमाही में पहुंचा गया	लक्ष्य निर्धारित नहीं			
	6. नागरिकों की भागीदारी तथा शिकायत निवारण	6.1. प्राप्त आवक काल की संख्या	3,000			
		6.2. आवक काल की संख्या जिनका काल सेंटर के स्तर पर निराकरण/समाधान किया गया	2,500			
		6.3. आवक कॉल संख्या जिन्हें समाधान के लिए आगे भेजा गया	500			
		6.4. आवक कॉल की संख्या जिनका समाधान आगे भेजने के बाद हुआ	400			
		6.5. आवक कॉल की संख्या जिनका सामाधान नहीं हुआ	100			
		6.6. आवक कॉल की संख्या जिन्हें कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ हस्तक्षेप के लिए रखा गया (लाख)	3 लाख			
	7. राष्ट्रीय पोषण संसाधन केंद्र (एनएनआरसी -सीपीएमयू)	7.1. क्रियाशील राज्य पोषण संसाधन केंद्र - एसपीएमयू की संख्या	35			
		7.2. क्रियाशील सीपीएमयू की संख्या	01			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	8. राष्ट्रीय पोषण निगरानी प्रणाली	संकेतक और लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है				
	9. तराजू, तौल की दक्षता तथा पोषण को दृष्टिगोचर बनाना	9.1. आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या जहां तराजू हैं (लाख)	12.50			
		9.2. आंगनवाड़ी केंद्रों की कुल संख्या जहां विकास की निगरानी के लिए सभी 4 डिवाइसे हैं (लाख)	12.50			
	10. सामुदायिक संचेतना तथा स्वभाव में परिवर्तन	10.1. आयोजित किए गए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों की संख्या (नुक्कड़ नाटक, स्थानीय लोक गीत, नाटक, नृत्य, कथा वाचन)	3,28,80,000			
		10.2. ऐसे आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जिन्होंने पिछली तिमाही में कम से कम एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया (लाख)	12.50			
		10.3. ऐसे आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या जिन्होंने पिछली तिमाही में तीन सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया (लाख)	12.50			
		10.4. प्रदर्शित किए गए आउटडोर मीडिया कोलेटरल की संख्या (वॉल पेंटिंग, इश्तहार, बस पैनल, एलईडी स्क्रॉल)	लक्ष्य निर्धारित नहीं			
		10.5. ऐसे ब्लॉक की संख्या जहां पिछली तिमाही में आउटडोर मीडिया कोलेटरल प्रदर्शित किए	7,000			
		10.6. ऐसे व्यक्तियों की संख्या जिन तक पहुंचा गया/सोशल मीडिया चैनल पर छाप (लाख)	10			
		10.7. प्राइमटाइम (शाम 7-11 बजे) में चलाए गए टेलीविज़न स्पॉटों की संख्या	10			

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		10.8. चलाए गए रेडियो स्पॉटों की संख्या	10			
		10.9. प्रकाशित विज्ञापनों की संख्या	10			
		10.10. प्राप्त सोशल मीडिया प्रभावों की संख्या (करोड़)	25			
		10.11. तैयार ऑडियो-वीडियो सामग्री की मात्रा	1,005[197]			
	11. प्रशिक्षण को सुदृढ़ करना और क्षमता निर्माण	11.1. आईएलए दृष्टिकोण में शामिल आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या (लाख)	12.50			
		11.2. ई-आईएलए प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की संख्या (लाख)	12.50			
		11.3. आईएलए का प्रयोग करने वाले प्रशिक्षित फील्ड कार्यकर्ताओं की संख्या (लाख)	12.8			
	12. गंभीर रूप से तीव्र कुपोषितों का समुदाय आधारित प्रबंधन	12.1. गंभीर तीव्र कुपोषण के लिए समुदाय आधारित देखरेख की उपलब्धता वाले एसएएम बच्चों की संख्या (लाख)	1			
		12.2. सीएमएएम कार्यक्रम संचालित करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या (लाख)	2			
		12.3. घर पर देखरेख (एचबीवाईसी) की उपलब्धता वाले छोटे बच्चों की संख्या (लाख)	40			

3. समेकित बाल विकास सेवाएं - प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) (सीएसएस)

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	1. डीबीटी के माध्यम से	1.1. 2020-21 में पीएमएमवीवाई के अनुमानित पात्र लाभार्थियों की संख्या (लाख)	51	1. मजदूरी के नुकसान के लिए नकद	1.1. कुल आबादी में जन्म के समय	1% प्रतिवर्ष

[197] *993 ऑडियो वॉयस ओवर्स, 6 काउंसलिंग वीडियो और 6 प्रशिक्षण वीडियो*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
2500.00	स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान	1.2. सभी तीनों किस्तें प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या (लाख)	40	प्रोत्साहन के संदर्भ में आंशिक प्रतिपूर्ति का प्रावधान ताकि महिला पहले जीवित बच्चे के प्रसव के पूर्व और बाद में पर्याप्त विश्राम कर सके। उपलब्ध नकद प्रोत्साहनों से गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं में उन्नत स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि होगी।	कम वजन वाले नवजातों के प्रतिशत में कमी	
	2. योजना दिशानिर्देशों के अनुसार 30 दिनों के भीतर प्रत्येक किश्तों के लिए लाभार्थियों को डीबीटी	2.1. 30 दिनों के भीतर अपनी पहली किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या (लाख)	40			
		2.2. 30 दिनों के भीतर अपनी दूसरी किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या (लाख)	40			
		2.3. 30 दिनों के भीतर अपनी तीसरी किस्त प्राप्त करने वाले पीएमएमवीवाई लाभार्थियों की संख्या (लाख)	35			
		2.4. प्रत्येक किस्त प्राप्त करने में औसत समय की देरी (कुल और किस्तवार दिनों में) (दिन)	0			

4. समेकित बाल विकास सेवाएं - बाल संरक्षण स्कीम (सीएसएस)[198]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1500.00	1. देख	1.1. मंत्रालय सहायित होम्स,	2,100	1. आपात पहुंच	1.1. सीपीएस के माध्यम से शामिल	90,000 (अनुमानित)[199]

[198] ***नोट :*** *संवेदनशील बच्चों के पुनर्वास में लंबी समयावधि तक की अनेक प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। अतएव ऐसे परिदृश्य में उपरोक्त लागू कॉलमों में एक वृद्धिपरक तिमाही प्रगति को दर्शाना संभव नहीं होगा।*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
	रेख, संरक्षण और पुनर्वास सेवाओं, सांविधिक सहयोग सेवाओं और सेवा अदायगी ढ़ांचों का प्रावधान	विशिष्टीकृत दत्तकग्रहण एजेंसियों (एसएए) और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के माध्यम से प्रचालनीकृत ओपन शेल्टरों की संख्या	(अनुमानित)	संस्थागत देखभाल, परिवार और समुदाय आधारित देखभाल, काउंसलिंग और सहयोग सेवाओं के लिए सहयोग सेवाओं को संस्थागत बनाना और ढांचे को मजबूत करना।	बच्चों की कुल संख्या	
		1.2. कानून का उल्लंघन करने वाले लड़कों के लिए कार्यरत शेल्टरों की कुल संख्या	240 (अनुमानित)		1.2. आईसीपीएस में शामिल कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों की संख्या	12,000 (अनुमानित)[200]
		1.3. कानून का उल्लंघन करने वाली लड़कियों के लिए कार्यरत शेल्टरों की कुल संख्या	120 (अनुमानित)			
		1.4. देखभाल और संरक्षण के जरूरतमंद लड़कों के लिए कार्यरत शेल्टरों की कुल संख्या	1,160 (अनुमानित)		1.3. आईसीपीएस में शामिल जरूरतमंद/ कठिन परिस्थितियों में रह रहे बच्चों की संख्या	78,000 (अनुमानित)
		1.5. देखभाल और संरक्षण के जरूरतमंद लड़कियों के लिए कार्यरत शेल्टरों की कुल संख्या	580 (अनुमानित)		1.4. आईसीपीएस में शामिल संस्थागत देखभाल में बच्चों की संख्या	90,000 (अनुमानित)[201]
		1.6. चाइल्डलाइन सेवाओं के माध्यम से भारत में कार्यात्मक आपात सहायता सेवाओं वाले जिलों की कुल संख्या	700 (अनुमानित)		1.5. आईपीसीएस के तहत फॉस्टर केयर, स्पांसरशिप इत्यादि जैसी परिवार आधारित गैर संस्थागत देखभाल में बच्चों की संख्या	10,000 (अनुमानित)[202]

[199] *कानून के तहत निर्धारित न्यूनतम देखभाल और सुरक्षा प्रदान करने के लिए*

[200] *बच्चों को समाज के साथ पुनर्वास और पुन: एकीकरण में मदद करने के लिए सहयोग प्रदान करना*

[201] *बच्चों को कानून के तहत निर्धारित न्यूनतम देखभाल और सुरक्षा प्रदान करने और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए सहयोग प्रदान करना*

[202] *संकट के दौरान विस्तारित परिवारों / समुदाय के भीतर सहयोग सुनिर्धारित करने के लिए 10000 (अनुमानित) बच्चों को सहयोग करने का प्रावधान*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.7. गठित किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) की संख्या	725		1.6. देश में दत्तकग्रहण किए गए बच्चों की संख्या	3,380 (अनुमानित)
		1.8. गठित सीडब्ल्यूसी की संख्या	725		1.7. परिवार आधारित गैर संस्थागत देखभाल के लिए संस्थागत देखभाल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या	10,000 (अनुमानित)
		1.9. गठित राज्य बाल संरक्षण समितियों की संख्या	36		1.8. औपचारिक देखभाल (संस्थागत / गैर-संस्थागत) छोड़ने वाले बच्चों / युवाओं की संख्या जो आत्मनिर्भर और उत्पादक गतिविधि (नौकरी / व्यावसायिक पाठ्यक्रम) में संलग्न हैं।	15,000-20,000 (अनुमानित)
		1.10. गठित जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) की संख्या	725		1.9. चाइल्डलाइन पर प्राप्त कॉलों की संख्या (उपयोग)	1,00,000,00 (अनुमानित)
		1.11. गठित राज्य दत्तकग्रहण संसाधन एजेंसी (एसएआरए) की संख्या	36		1.10. चाइल्डलाइन पर प्राप्त में से समाधान की गई कॉलों की संख्या (प्रभावीपन)	1,00,000,00 (अनुमानित)
		1.12. दत्तकग्रहण अदालती आदेश के लिए लंबित दत्तकग्रहण मामलों की संख्या	0		1.11. व्यावसायिक काउंसलिंग प्रदान किए गए बच्चों की संख्या	80,000 (अनुमानित)
		1.13. राज्य बाल संरक्षण सोसायटी (एससीपीएस), राज्य दत्तकग्रहण संसाधन एजेंसी (एसएआरए) और जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) द्वारा आयोजित जागरूकता सृजन कार्यक्रमों की संख्या	725	2. कठिन परिस्थितियों में बच्चों की दशा में सुधार	2.1. उन बच्चों का प्रतिशत जिनके मेडिकल रिकॉर्ड ठीक से रखे गए हैं	100%

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
		1.14. आईसीपीएस अधिकारियों या अन्य हितधारकों के लिए चलाए जा रहे क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यक्रमों की संख्या	725		2.2. उन बच्चों का प्रतिशत जिनका व्यक्तिगत देखभाल प्लान (आईसीपी) तैयार किया गया है	100%
	2. लापता बच्चों की प्रभावी तरीके से ट्रैकिंग	2.1. ट्रैक चाइल्ड में खोए/पाए गए बच्चों की प्रविष्टियां करने वाले थानों की संख्या	12,000 (अनुमानित)		2.3. सीपीएस योजना के माध्यम से लाभान्वित ट्रैक चाइल्ड पोर्टल में दर्ज लापता बच्चों का प्रतिशत	75%
		2.2. ट्रैक चाइल्ड में बच्चों का डाटा अपडेट करने वाले सीडब्ल्यूसी, जेजेबी और सीसीआई की संख्या	7,450[203] (अनुमानित)		2.4. स्पांसरशिप के माध्यम से सहायता किए गए देखभाल और संरक्षण के जरूरत मंद (सीएनसीपी) बच्चों की संख्या	6,000 (अनुमानित)
		2.3. ट्रैक चाइल्ड में बच्चों का डाटा अपडेट करने वाले सीडब्ल्यूसी, जेजेबी और सीसीआई की संख्या	7,450[205] (अनुमानित)		2.5. स्थानीय स्कूल में जाने वाले संस्थागत देखभाल वाले बच्चों का प्रतिशत	80%
		2.4. ट्रैक चाइल्ड के माध्यम से मिलान किए गए बच्चों की संख्या	43,000 (अनुमानित)		2.6. ट्रैक चाइल्ड पर लापता सूचित किए गए बच्चों में से पाए गए बच्चों का प्रतिशत	80%
				3. निवारक कार्य नीति के भाग के रूप में समर्थन और जागरूकता अभियानों को प्रोत्साहित करना	3.1. समर्थन और जागरूकता अभियानों के माध्यम से संपर्क किए गए लोगों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं[204]

[203] *सीडब्ल्यूसी- 725; जेजेबी- 725; सीसीआई- 6,000*

[204] *समर्थन अभियान के माध्यम से संपर्क किए गए लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि*

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
				4. बाल संरक्षण प्रणाली के भीतर हितधारकों के मध्य क्षमता का निर्माण	4.1. सीपीएस के तहत प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और संवेदीकरण कार्यक्रमों में शामिल लोगों की संख्या	20,000 (अनुमानित)
				5. स्कीम के तहत बाल देखभाल संस्थानों में प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता सुनिर्धारित करना	5.1. जेजे अधिनियम के तहत पंजीकृत बाल देखभाल संस्थाओं का प्रतिशत	100%

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय **मांग सं. 101**

1. खेलो इंडिया: राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम: खेलो इंडिया (सीएस)[205]

वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपये में)	निर्गम 2020-21			परिणाम 2020-21		
2020-21	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2020-21
1015.42	1. उच्च कोटि की खेल अवसंरचना, सभी स्तरों पर प्रतियोगिता तक पहुंच में बढ़ोतरी तथा शारीरिक रूप से अशक्त जनों के लिए प्रतिभा और खेल का प्रदर्शन करने के लिए मंच	1.1. राष्ट्रीय स्कूल खेल/ विश्वविद्यालय खेल/ महिला/ ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेल के दौरान आयोजित की गई खेल स्पर्धाओं की संख्या	4	1. प्रतियोगी स्पर्धाओं में जन प्रतिभागिता	1.1. विगत वर्ष के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि (%)	10%
		1.2. विभिन्न स्पर्धाओं (राष्ट्रीय स्कूल खेल/ विश्वविद्यालय खेल/ महिला/ ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेल) में प्रतिभागियों की संख्या	12,000	2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्टता और प्रदर्शन में सुधार के लिए खेलों को बढ़ावा देना	2.1. विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में जीते गए पदकों/पुरस्कारों की संख्या	लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सकते
		1.3. नवसृजित खेल अवसंरचना/ मौजूदा उन्नत खेल अवसंरचना की संख्या (घटक वार)	70		2.2. विगत वर्ष की राष्ट्रीय औरअंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तुलना में विभिन्न खेल विधाओं में बेंच स्ट्रेन्थ में वृद्धि का प्रतिशत	20%
		1.4. ऐसे चयनित खिलाड़ियों की कुल संख्या जिन्हें वृतिका प्रदान की गई	3,000			
		1.5. खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शारीरिक रूप से अशक्तजनों की संख्या	2,000			
	2. स्कूली बच्चों की शारीरिक स्वस्थता	2.1. शारीरिक स्वस्थता के लिए मूल्यांकित बच्चों की सं	8,00,000			
	3. समुदाय कोचिंग विकास	3.1. मास्टर प्रशिक्षुओं के रूप में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की संख्या	1,800			
	4. वित्तीय सहायता, पीपीपी, सीएसआर, प्रोद्योगिकी तथा जीआईएस का समेकन	4.1. सहायता प्राप्त अकादमियों / केंद्रों की संख्या	500			
		4.2. जीआईएस के माध्यम से पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई खेल सुविधाओं की संख्या	5,000			
		4.3. पोर्टल देखने वाले व्यक्तियों की संख्या	4,00,000			

[205] *निर्गम के समूह का परिणाम के समूह से मानचित्रण किया गया है*